RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 263
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 15 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

सभी को एकजुट और खुश रखना चाहता हूं: धवन
स्पोर्ट्स-10

www.dailypioneer.com

आर फैक्टर ने बढ़ाई चिंता, केंद्र ने राज्यों को चेताया

- कहा-नियमों का पालन कराने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ हो कार्रवाई
- देश के कई हिस्सों में कोविड रोधी नियमों का हो रहा खुला उल्लंघन, खास तौर पर सार्वजनिक परिवहन और पर्यटन क्षेत्रों में
- आर-फैक्टर बताता है कि एक संक्रमित औसतन कितने लोगों में फैला रहा है संक्रमण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पटना में एक ट्रेन पर चढ़ने के लिए कोरोना प्रोट्रोकॉल के नियम तोड़कर जुटी भारी भीड़

देशभर में बाजारों और पर्यटन स्थलों से भीड़ की डराने वाली तस्वीरें आ रही हैं। आम लोगों की इस लापरवाही के कारण तीसरी लहर का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ गया है और आर फैक्टर में वृद्धि ने केंद्र सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इसे देखते हुए गृह मंत्रालय ने राज्यों को कड़ी चेतावनी जारी कर निर्देश दिए हैं कि पर्वतीय पर्यटन स्थलों और बाजारों में सरकारें भीड़ पर काबू पाएं। नियमों का पालन कराने के लिए सक्षम अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपे और उन्हीं पर कार्रवाई करें। एक दिन पहले ही भीड़ को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरी चिंता जताई थी। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बुधवार को भेजे गए पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया जा रहा है। बाजारों और खासकर पर्यटन स्थलों पर जबरदस्त भीड़ देखने को मिल रही है। यहां कोरोना से बचने के लिए सामाजिक दूरी का पालन भी नहीं किया जा रहा है। भल्ला ने जोर देकर कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर अभी समाप्त नहीं हुई है और किसी को भी खुशफहमी में नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि महामारी के मामलों में कमी आने के बाद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने धीरे-धीरे आर्थिक गतिविधियों को फिर से खोलने की शुरुआत की है, लेकिन प्रतिबंधों में ढील की प्रक्रिया को बहुत सोच-समझकर अंजाम दिया जाना चाहिए और कोरोना मामलों को दोबारा बढ़ने से रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए। भल्ला ने कहा कि कुछ राज्यों में 'आर-फैक्टर' यानी कोरोना मामलों में पुन: वृद्धि चिंताजनक है। 'आर-फैक्टर' यह बताता है कि एक संक्रमित व्यक्ति औसतन कितने लोगों में संक्रमण फैला रहा है। एक से कम 'आर-फैक्टर' यह दर्शाता है कि संक्रमित व्यक्ति औसतन एक से कम व्यक्ति में बीमारी फैला रहा है। भल्ला ने पत्र में कहा कि 'आर-फैक्टर' में 1.0 से ज्यादा वृद्धि कोविड-19 के प्रसार का संकेत है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि दुकानों, मॉल, बाजारों, साप्ताहिक बाजार, रेस्तरां, बार, मंडियों, बस अड्डों, रेलवे प्लेटफॉर्म, स्टेशन, उत्सव स्थलों, विवाह मंडपों, सार्वजनिक पार्क और उद्यानों, जिम, स्टेडियम, खेल परिसरों आदि में कोविड उपयुक्त व्यवहार सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों का दायित्व होगा। गृह सचिव ने कहा कि यदि नियमों का पालन नहीं किया गया, तो दोबारा प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। भल्ला ने कहा कि प्रभावी कोविड-19 प्रबंधन के लिए पांच सूत्री रणनीति 'टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट (जांच, संक्रमित व्यक्ति के संपर्कों का पता लगाना और उपचार), टीकाकरण तथा कोविड उपयुक्त व्यवहार और जागरूकता फैलाने पर लगातार फोकस रखा जाना चाहिए। उन्होंने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे अपने पत्र में कहा कि भीड़भाड़ वाले स्थानों के नियमन और कोविड-19 प्रबंधन के वास्ते आवश्यक कदम उठाने के लिए सभी जिला और अन्य स्थानीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए जाएं।

कांवड़ यात्रा को उप्र सरकार की अनुमति पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

- केंद्र, उप्र तथा उत्तराखंड की सरकारों से मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना महामारी के बीच कांवड़ यात्रा की अनुमति देने के उत्तर प्रदेश सरकार के चिंतित करने वाले फैसले का बुधवार को स्वत: संज्ञान लिया और इस मामले पर अलग-अलग राजनीतिक मत होने के मद्देनजर केंद्र, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड की सरकारों से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड-19 को रोकने के प्रयासों में कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि 25 जुलाई से धार्मिक यात्रा शुरू करने की अनुमति देने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले के बाद लोग हैरान हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र, उप्र और उत्तराखंड की सरकारों को नोटिस जारी किए और सुनवाई के लिए शुक्रवार का दिन तय किया। पीठ ने कहा कि उसे यह पढ़कर थोड़ी चिंता हुई कि उप्र सरकार ने कावड़ यात्रा की अनुमति देने का फैसला किया है, जबकि उत्तराखंड ने दूरदर्शिता दिखाते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। पीठ ने कहा, (समाचार पत्र में) इस शीर्षक से ठीक ऊपर प्रधानमंत्री के उस बयान के बारे में लिखा था, जो उन्होंने पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों के साथ मुलाकात के दौरान दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग, भारत के नागरिकों पर कोविड-19 की तीसरी लहर के खतरे के बारे में सवाल करते हैं, इसे रोकना हमारी जिम्मेदारी है और हम थोड़ा सा भी समझौता नहीं कर सकते। उसने कहा, एक ही समय पर व्यक्त किए गए विभिन्न राजनीतिक मतों के मद्देनजर यह महत्वपूर्ण है कि भारत के संबंधित सचिव इस समाचार के संबंध में जवाब दें। यात्रा 25 जुलाई, 2021 से आरंभ होनी है, ऐसे में इस मामले की सुनवाई कम समय में करने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 16 जुलाई, 2021 यानी शुक्रवार सुबह तक हलफनामे दाखिल किए जाएं, जिनमें भारत संघ के संबंधित सचिव उत्तराखंड राज्य के प्रधान सचिव और उत्तर प्रदेश (शेष पेज 9)

प्रधानमंत्री आज वाराणसी में, 1500 करोड़ की योजनाओं की देंगे सौगात

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 जुलाई को बीएचयू के आईआईटी कैम्पस सहित शहर के अन्य कार्यक्रमों में शिरकत के आ रहे हैं और करीब पांच घंटा रहेंगे। इस दौरान वे कई योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के बाद एमसीएच विंग में कोविड की तीसरी लहर पर चिकित्सकों से चर्चा करेंगे। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कई परियोजनाओं का विवरण साझा किया, जिनका वह वहां उद्घाटन करेंगे और कहा कि उनकी सरकार का दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए शहर में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान मोदी 1,500 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से काशी और पूर्वांचल के लोगों के लिए जीवन की सुगमता को और बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक काम किया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के तहत काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) अस्पताल में 100 बेड की एमसीएच विंग का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट किया कि इस परियोजना से काशी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा आसानी से उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा, काशी के लिए हमारा दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। इसी भावना के साथ सिपेट, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परियोजनाओं और करखियां में आम के साथ-साथ सब्जी के एकीकृत पैक हाउस की आधारशिला रखी जाएगी। उन्होंने कहा, मुझे वाराणसी में एक सम्मेलन केंद्र रुद्राक्ष का उद्घाटन करते हुए खुशी होगी। जापान की सहायता से निर्मित, यह अत्याधुनिक केंद्र वाराणसी को सम्मेलनों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना देगा और इस प्रकार शहर अधिक पर्यटकों और व्यापारियों को आकर्षित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, वाराणसी में जिन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, उनमें गोदौलिया में बहु-स्तरीय पार्किंग, पर्यटन विकास के लिए रो-रो जहाज और वाराणसी-गाजीपुर राजमार्ग पर तीन लेन का फ्लाईओवर शामिल है।

प्रशांत किशोर को कांग्रेस में बड़ी भूमिका मिलने की चर्चा तेज

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

गांधी परिवार के साथ पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की मंगलवार को चार घंटे की लंबी बैठक के बाद आने वाले दिनों में कांग्रेस के साथ उनके जुड़ाव को लेकर चौतरफा चर्चा तेज हो गई है। ऐसी अटकलें हैं कि किशोर शरद पवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष समर्थित उम्मीदवार के रूप में पेश करना चाहते हैं वहीं एआईसीसी सूत्रों का कहना है कि अगर सबकुछ ठीक रहा तो किशोर को कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है।

हालांकि प्रशांत किशोर से इस संबंध में उनका पक्ष जानने के लिए फोन व मैसेज किया गया लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब या टिप्पणी नहीं प्राप्त हुई। चुनावी रणनीतिकार किशोर के करीबी सूत्रों ने बताया कि पहला प्यार हमेशा कांग्रेस था, जिसके साथ उनका जुड़ाव तब शुरू हुआ जब उन्होंने मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए कुछ परियोजनाओं पर काम करने के लिए देश वापस आने का फैसला किया था। उन्होंने यूपीए के सामने कुछ राजनीतिक प्रस्तुतियां भी दी थीं, लेकिन सबकुछ वैसा नहीं हो सका जैसा वे चाहते थे। जिसके बाद उन्होंने गुजरात जाने का फैसला किया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले 2014 के लोकसभा चुनाव सहित कई चुनाव में भाजपा की जीत में मदद की थी। किशोर ने बाद में जदयू और राजद की चुनाव में मदद की। बाद में वे जदयू में शामिल हो गए।

वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बाद पार्टी में दूसरे नंबर पर थे। लेकिन वैचारिक मतभेदों के चलते उन्होंने जदयू से इस्तीफा दे दिया। हाल के दिनों में किशोर एनसीपी प्रमुख शरद पवार से दो बार मिल चुके हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों को एक साथ लाने (शेष पेज 9)

केंद्रीय कर्मचारियों का डीए बढ़कर 28 प्रतिशत हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) को एक जुलाई, 2021 से फिर बहाल करने का फैसला किया है। इसके साथ ही महंगाई भत्ते की दर को 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि डीए और डीआर में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर 34,401 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। ठाकुर ने कहा कि इस कदम से केंद्र सरकार के 48.34 लाख कर्मचारियों तथा 65.26 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सरकार ने डीए और डीआर की तीन अतिरिक्त किस्तों को रोक लिया था। ए किस्तें एक जनवरी, 2020, एक जुलाई, 2020 और एक जनवरी, 2021 से बकाया थीं। एक बयान में कहा गया है कि सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए डीए तथा पेंशनभोगियों के (शेष पेज 9)

पीएमओ करेगा अब मंत्रियों के निजी सचिवों की नियुक्ति

- इससे पहले मंत्री ही चुनते थे अपना प्राइवेट सेक्रेटरी

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

मोदी सरकार ने पुरानी प्रथा खत्म करते हुए फैसला किया है कि मंत्रियों के निजी सचिवों (पीएस) की नियुक्तियां अब प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से की जाएंगी। इसका मतलब है कि कोई भी मंत्री अपने निजी सचिव का चुनाव खुद नहीं कर सकेगा, जैसा कि पहले से होता आया है। इतना ही नहीं, पीएस नियुक्ति की पूरी व्यवस्था ही बदल जाएगी।

अब गैर आईएएस अधिकारी भी मंत्रियों के पीएस के रूप में नियुक्त हो सकेंगे। आम तौर पर मंत्री आईएएस अधिकारियों को अपने निजी सचिव के रूप में नियुक्त करना पसंद करते हैं। इसके लिए नौकरशाही के बीच बड़े पैमाने पर लॉबिंग होती है। अब निदेशक स्तर के आईपीएस, आईआरएस, रेलवे अधिकारी, सीएसएस अधिकारी जैसी सेवाओं में कार्यरत अधिकारियों को मंत्री का निजी सचिव बनने का मौका मिलेगा। नए नियम हाल ही में मंत्रिपरिषद में हुए फेरबदल पर लागू होंगे। सरकार के सूत्रों ने कहा कि पीएमओ अब मंत्रियों के पीएस के रूप में अधिकारियों के चयन की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेगा। वर्ष 2014 तक पीएस का चयन मंत्री का एकमात्र विशेषाधिकार था, लेकिन उसके बाद से मंत्री की पसंद के पीएस के लिए पीएमओ से मंजूरी लेना शुरू हुआ। सूत्रों ने कहा कि अब यह मंजूरी भी काम नहीं करेगी।

सरकार के फैसले को एक पूर्व राज्य मंत्री के निजी सचिव के अनुचित व्यवहार से जोड़कर देखा जा रहा है, मंत्रिपरिषद में ताजा फेरबदल के बाद फिर पीएस बनने के लिए लॉबिंग कर रहा है। कई मंत्री दो साल से अधिक समय से पीएस के बिना ही काम कर रहे हैं। तीन कैबिनेट मंत्री तो ऐसे हैं, जिन्हें जून 2019 में मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद कभी पीएस नहीं मिला।

आईटी एक्ट की धारा 66ए के तहत दर्ज मामले रद होंगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गृह मंत्रालय ने राज्यों को पत्र लिखकर आईटी एक्ट की धारा 66ए के तहत केस न दर्ज करने तथा पहले दर्ज ऐसे मामलों को वापस लेने को कहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून, जिसे वह पहले ही रद्द कर चुका है, के तहत दर्ज किए जा रहे मामलों की वैधता पर सवाल उठाया था। राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को भेजी गई एडवायजरी में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि कानून का यह प्रावधान अब अवैध है। एक बयान में गृह मंत्रालय ने कहा कि गृह मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध किया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्रों में आने वाले सभी पुलिस थानों को निर्देश दे कि वे इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 की रद्द की जा चुकी धारा 66ए के तहत केस न दर्ज करें।' मंत्रालय ने राज्यों और यूटी से यह भी कहा कि वे सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा 24 मार्च 2015 को जारी इस आदेश का पालन करने को कहे। मंत्रालय ने आगे कहा (शेष पेज 9)

आतंकवादियों के तीन मददगारों को एटीएस ने किया गिरफ्तार

मोहम्मद मुस्तकीम

मोहम्मद मुईद

शकील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- आतंकी साजिश में शामिल रहने के साथ ही पिस्टल मुहैया कराने का है आरोप

अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन गजवातुल हिन्द (एक्यूआईएस) के गिरफ्तार दोनों आतंकवादियों मिनहाज और मुसीरुद्दीन से रिमांड के दौरान हुई पूछताछ के बाद एटीएस ने उनके तीन अन्य मददगारों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शकील, मुस्तकीम और मुईद पर आतंकियों को असलहा मुहैया कराने के साथ ही आतंकी साजिश में सक्रिय भूमिका निभाने के आरोप हैं।

एटीएस ने बीते रविवार को लखनऊ में अलग-अलग स्थानों से मिनहाज और मुसीरुद्दीन को गिरफ्तार किया था। इन दोनों को कोर्ट के आदेश पर एटीएस ने मंगलवार को 14 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि रिमांड के दौरान इन दोनों से हुई पूछताछ में शकील (35 वर्ष), मोहम्मद मुस्तकीम (44 वर्ष) और मोहम्मद मुईद (29 वर्ष) के नाम सामने आए। जिन्हें एटीएस मुख्यालय पूछताछ के लिए बुलाया गया था। तीनों आरोपियों ने आतंकवादियों (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	52,904 ↑ 134	
निफ्टी	15,853 ↑ 41	
सोना	47,024 ↑ 23	/10g
चांदी	67,663 ↓ 399	/kg

क्विक न्यूज

लश्कर के पाकिस्तानी कमांडर सहित तीन आतंकवादी हुए ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले मे बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक पाकिस्तानी कमांडर और उसके दो स्थानीय सहयोगी मारे गए है। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने इस अभियान के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी कमांडर एजाज ऊर्फ अबू हुरारिया और दो स्थानीय आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलवामा शहर मे आतंकवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों द्वारा मंगलवार की रात घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा, तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों की उपस्थिति की पुष्टि होने के बाद असैन्य नागरिकों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

महिला सुरक्षा को लेकर केरल के राज्यपाल ने किया उपवास

- आरिफ मो. खान ने महिलाओं पर बढ़ते हमलों को लेकर जताया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। तिरुवंनतपुरम

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने दहेज प्रथा के खिलाफ सामाजिक जागरूकता पैदा करने और महिलाओं के खिलाफ अत्याचार खत्म किए जाने के लिए यहां अपने आधिकारिक आवास राजभवन में बुधवार को एक दिवसीय उपवास रखा है।

दक्षिणी राज्य के इतिहास में शायद यह पहली बार है जब राज्यपाल इस तरह के सामाजिक मुद्दे के लिए उपवास कर रहे हैं। वह विवाह में दहेज लेने और देने की प्रथा के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न गांधीवादी संगठनों के आह्वान के बाद उपवास कर रहे हैं। इस बीच, विपक्षी दल कांग्रेस और भाजपा ने जागरूकता बढ़ाने के लिए गांधीवादी मार्ग अपनाने के राज्यपाल के कदम का समर्थन किया। साथ ही उन्होंने वामदल नीत राज्य सरकार की इस मुद्दे पर आलोचना की और आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में पिनराई विजयन नीत सरकार के विफल रहने के कारण ही अधिकारियों की आंखें खोलने के लिए राज्यपाल को उपवास करना पड़ा। भाजपा नेता एवं केन्द्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, केरल की महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपवास रखने वाले राज्यपाल को बधाई। इस तरह के मुद्दे उठाने के लिए खान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश के प्रशासनिक इतिहास में एक दुर्लभ प्रकरण हो सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार को यह पता लगाने की जरूरत है कि आखिर राज्य के मुखिया राज्यपाल को महिलाओं की सुरक्षा के लिए उपवास क्यों करना पड़ा। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन ने दावा किया कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में राज्य सरकार के नाकाम रहने के कारण राज्यपाल को उपवास करना पड़ा। राज्यपाल (शेष पेज 9)

कोरोना से बेरोजगारी बढ़ा सकती है अपराध: गोयल

- डीजीपी ने कहा, प्रयागराज, आगरा, मेरठ, गोरखपुर और गाजियाबाद जैसे बड़े शहरों में भी पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किए जाने की जरूरत

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल का मानना है कि आने वाले दिनों में संपत्ति संबंधी अपराध की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो सकता है। इसके पीछे वह कोरोना काल के दौरान आई आर्थिक मंदी और बढ़ती बेरोजगारी को वजह मानते हैं। उनका कहना है कि पिछले डेढ़ साल के दौरान कोरोना की वजह से आम जनता के घरों में कैद रहने और लगातार लॉकडाउन व कर्फ्यू के चलते प्रदेश में अपराधों में काफी कमी आई है।

यह पुलिस के लिए फिलहाल राहत भरी बात हो सकती है लेकिन इस समयावधि में जिस तेजी से बेरोजगारी बढ़ी है, वह निश्चित तौर पर पुलिस के लिए खतरे की घंटी है। बेरोजगार हुए युवक चोरी और लूटपाट जैसी घटनाओं में शामिल हो सकते हैं। ऐसे में संपत्ति संबंधी अपराधों के बढ़ने की पूरी आशंका है। डीजीपी ने कहा कि इसके लिए पुलिस को पूरी तरह से चौकन्ना होना पड़ेगा। डीजीपी **मुकुल गोयल** बुधवार को **पायनियर** के साथ विशेष बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश में चल रही आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों से लेकर समाज विरोधी तत्वों द्वारा धर्मांतरण की साजिश, आने वाले त्योहारों के दौरान पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, भविष्य में पुलिस की चुनौतियां, पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम और अपनी प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रदेश में बढ़ती आतंकी गतिविधियों के संबंध में डीजीपी ने कहा कि आतंकवादी घटनाएं तो प्रदेश के शहरों में पहले भी हुई हैं। अल कायदा एक बड़ा आतंकी संगठन है। हमें चौकन्ना रहना पड़ेगा। इस बार जो माड्यूल मिला है उसकी गहराई तक पहुंच कर उसके बाकी सदस्यों और जो भी इसके साथ जुड़े हुए हैं या किसी भी प्रकार से मदद पहुंचा रहे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। एटीएस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुराने केस भी देखे जा रहे हैं। लखनऊ और कानपुर कमिश्नरेट पुलिस भी एटीएस के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई कर रही है।

डीजीपी ने कहा कि आउटस्कर्ट पर जो लोग आकर बस जाते हैं और अवांछनीय गतिविधियों में शामिल रहते हैं, उनके बारे में समय रहते जानकारी मिल सके इसके लिए पब्लिक से भी सहयोग लिया जाएगा। एटीएस को और मजबूत किया जा रहा है। मैन पावर व संसाधन बढ़ाए जाएंगे। एटीएस में अच्छे पुलिस अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। आतंकी संगठन के लोग जिस प्रकार लखनऊ और कानपुर जैसे शहरों में अपना ठिकाना बना रहे हैं और उनकी हर तरह से मदद हो रही है, इसके पीछे कहीं देश में प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन सिमी की भूमिका तो नहीं है, इस सवाल पर डीजीपी ने कहा कि सिमी की (शेष पेज 9)

सूबे की पंचायतों में बढ़ा महिलाओं का दखल

● मुख्यमंत्री के महिला सशक्तिकरण अभियान के चलते अब यूपी की पंचायतों का बदलता परिदृश्य

यूपी की पंचायतों में महिला प्रतिनिधित्व 53.7 फीसदी हुआ

कैसरबाग जिला पंचायत सभागार में आयोजित अभिन्दन कार्यक्रम में मौजूद जिला पंचायत अध्यक्ष आरती रावत व अन्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महिला सशक्तीकरण अभियान का असर सब हर तरफ दिखाई देने लगा है। इस अभियान के चलते यूपी की पंचायतों का परिदृश्य बदला है। अब पंचायतों में महिलाओं का वर्चस्व बढ़ा है। कुछ वर्ष पहले तक सूबे के ग्रामीण क्षेत्रों में इलाके के सबसे बुजुर्ग को पंचायत की कमान सौंपना सबसे तसल्लीबख्श काम माना जाता था, वही अब ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर महिलाओं को बढ़चढ़ कर जिम्मेदारी सौपी गई है। इस बदले माहौल के चलते इस बार ग्राम प्रधान के पद पर 31,212, ब्लाक प्रमुख के पद पर 447 और जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर 42 महिलाएं चुनाव जीती हैं। ग्रामीण लोकतंत्र और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की यह एक शानदार पहल है। काबिल.ए.गौर बात यह भी है कि प्रदेश की पंचायतों में महिलाओं का एक तिहाई आरक्षण है, लेकिन सभी छोटे बड़े पदों पर उनकी मौजूदगी कोटे से ज्यादा है।

यूपी के इतिहास में यह पहल अवसर है, जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं ने पंचायत चुनावों में जीत हासिल की है। पंचायत चुनावों के पुराने इतिहास को देखे तो इस बार पंचायत चुनावों में हर स्तर पर महिलाओं ने जीत का परचम फहराया है। महिलाओं की इस जीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाए जा रहे महिला सशक्तीकरण अभियान और गांवों में कराए जा रहे विकास कार्यों की अहम भूमिका रही है। महिला सशक्तीकरण अभियान के चलते शहर से लेकर गांवों में महिलाओं में जागरूकता आयी। उन्होंने ;महिलाओंद्ध पंचायत चुनावों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और ग्रामीण जनता ने उन्हें जीतने में संकोच नहीं किया। ग्रामीणों के मिले आशीर्वाद के चलते ही ग्राम प्रधान के 58,176 पदों में से 31,212 पदों पर महिलाओं ने जीत हासिल की। पंचायत चुनावों के नतीजों के अनुसार इस बार निर्वाचित प्रधानों में से 53.7 प्रतिशत यानि 31,212 महिलाएं हैं। जबकि ग्राम प्रधान के 26,955 पदों पर पुरुष जीते हैं। अखिलेश सरकार में 25,809 महिलाएं ही ग्राम प्रधान का चुनाव जीती थी। इस बार हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नतीजों पर गौर करें तो स्थानीय सियासत में महिलाओं के बढ़ते दबदबे की तस्वीर साफहोती है।

सूबे की 75 जिला पंचायतों के अध्यक्ष पदों में से 42 पर महिलाओं का कब्जा हुआ है , जबकि एक तिहाई आरक्षण कोटे के अनुसार उनकी हिस्सेदारी 24 पदों तक होती है। राज्य मंत्री स्तर वाले इन पदों पर महिला प्रतिनिधित्व 56 प्रतिशत है। जिला पंचायत अध्यक्ष के 33 पदों पर पुरुषों को जीत हासिल हुई है। अब पंचायतों के दूसरे अहम् पद क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष यानि ब्लाक प्रमुखों की बात करें। यहां पर भी महिलाएं आगे हैं। ब्लाक प्रमुख के कुल 825 पदों में से 447 पर महिलाएं ही आसीन हुई हैं। उनकी यह हिस्सेदारी भी 54.2 प्रतिशत है। ब्लाक प्रमुख के 378 पदों पर पुरुष जीते हैं, उनकी यह हिस्सेदारी 45.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर देखें तो सूबे की पंचायतों में महिला प्रतिनिधित्व 53.7 फीसदी है जो एक तिहाई आरक्षण कोटे से कहीं अधिक है। जबकि, कई राज्यों में 50 प्रतिशत आरक्षण होने के बाद भी देश में महिलाओं का औसत प्रतिनिधित्व 36.87 फीसदी ही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फचुनाव जीतने की वजह से ही महिलाओं का दबदबा बढ़ा है। सार्थक पक्ष यह है कि उच्च शिक्षा प्राप्त महिलाएं भी पंचायतों का नेतृत्व संभालने के लिए आगे आईं हैं। पहली बार ग्राम प्रधान बनी आगरा के बड़ागांव ग्राम की शिक्षित बेटी कल्पना सिंह गुर्जर मानती हैं कि यदि परिवार की परिस्थिति अनुकूल हो तो पढ़ी.लिखी महिलाओं को नौकरी करने के बजाए राजनीति में आना चाहिए। वे समाज के बारे में बेहतर ढंग से सोच सकतीं हैं।

राज्य कर्मचारियों को भी डीए में बढ़ोत्तरी की उम्मीद

● कोरोना काल में राज्य सरकार ने लगाई थी रोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत के भुगतान के फैसले से लाखों राज्य कर्मियों को डीए मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। जनवरी 2020 से वेतनवृद्धि के नाम पर शून्य चल रहे कर्मचारियों को एकमुश्त 11 फीसदी महंगाई भत्ता राहत मिलेगी। इसके साथ ही जुलाई महीने के वेतन के साथ करीब तीन फीसदी सालाना वेतन वृद्धि का लाभ भी मिलने की उम्मीद है। 11 फीसदी महंगाई भत्ता मिलने पर कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 28 फीसदी हो जाएगा। अभी यह 17 फीसदी है। देश में कोरोना संक्रमण का प्रसार होने के बाद जनवरी 2020, जुलाई 2020 और जनवरी 2021 के महंगाई भत्ते के भुगतान पर राज्य सरकार ने रोक लगा दी थी। यह घोषणा की गई थी कि जुलाई 2021 में महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाएगा। जनवरी 2020, जुलाई 2020 तथा जनवरी 2021 के महंगाई भत्ते की दर 11 फीसदी बन रही है। इस बढ़े हुए महंगाई भत्ता, महंगाई राहत को एक जुलाई से केंद्रीय कर्मचारियों व पेंशनर्स को दिए जाने की घोषणा केंद्र सरकार ने कर दी है। केंद्र सरकार द्वारा इससे संबंधित अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य सरकार भी इसी दर पर डीए व डीआर दिए जाने की घोषणा करेगी। राज्य सरकार के करीब 15 लाख कर्मचारियों व 12 लाख पेंशनर्स को 11 फीसदी डीए व डीआर देने के साथ ही करीब तीन फीसदी सालाना वेतन वृद्धि का लाभ दिए जाने की स्थिति में सरकार के खजाने पर करीब 3000 करोड़ का अतिरिक्त भार आएगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने पुत्र राहुल से उसके दुराचरणों के कारण अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद करके अपने परिवार व चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। श्रीमती श्रीदेवी पत्नी श्री पाल नि0 ग्राम–धौकलपुर थाना–साढ, कानपुर नगर।

सूचना

मैं शालिनी वर्मा, उम्र लगभग 30 वर्ष, पत्नी श्री शशांक वर्मा निवासिनी 2/548, विराम खण्ड–2 गोमती नगर, लखनऊ घोषणा करती हूँ कि मेरा नाम कुमारी शालिनी था और विवाह के पश्चात् शालिनी वर्मा रख लिया है और अब मैं शालिनी वर्मा के नाम से जानी व पहचानी जाऊँगी।

सूचना

सूच्य हो कि मैंने अपने पुत्र मंसूर अली को उसका चाल–चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कृत्य व लेन–देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। बरकत अली पुत्र सहाबुद्दीन निवासी–ग्राम करस्योरा, थाना–तालगांव, पगरना व तहसील–सीतापुर

सूचना

सूचना

श्री निरंकारी गर्ल्स इण्टर कालेज, ज्वालागंज, फतेहपुर की

प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी व सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम दिनांक 24.07.2021 को प्रातः 10 बजे से विद्यालय प्रांगण में होना सुनिश्चित किया गया है। चुनाव बैठक में भाग लेने हेतु संचालन समिति के सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि को नियत समय पर उपस्थित होने की अपील की जाती है।

अभय प्रताप सिंह
(प्रबन्धक)

सूचना

सूचना

पं0 जवाहर लाल इण्टर कालेज, खखरेरू, फतेहपुर की

प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी व सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम दिनांक 24.07.2021 को अपरान्ह 2:00 बजे से विद्यालय प्रांगण में होना सुनिश्चित किया गया है। चुनाव बैठक में भाग लेने हेतु संचालन समिति के सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि को नियत समय पर उपस्थित होने की अपील की जाती है।

अभय प्रताप सिंह
(प्रबन्धक)

सूचना

मैं अरविंद भटनागर पुत्र स्व0 श्री जी बी भटनागर एतद्द्वारा सूचित करता हूँ कि मेरा बैग तेलीबाग मार्केट लखनऊ में कहीं खो गया है जिसमें मेरे फ्लैट T5 401 साउथ सिटी गार्डन ब्लॉक जे, रायबरेली रोड, लखनऊ के पंजीकृत टाइटल डीड के पेज 2 और पेज 9 जैसे कुछ महत्वपूर्ण कागजात थे। यह टाइटल डीड 11.02.2020 को सब रजिस्ट्रार सरोजनी नगर लखनऊ के साथ बही संख्या 1, जिल्द संख्या 3833 के पेज 283 से 308 क्रमांक 4045 पर पंजीकृत किया गया था। किसी भी निकाय द्वारा कहीं भी इन शीर्षक पृष्ठों का अवैध कब्जा एवं उपयोग गैरकानूनी है और कानून की अदालत के समक्ष दंडित किया जायेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है

मजीदुन निसा गर्ल्स डिग्री कालेज, कोपागंज, मऊ सम्बद्ध वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तरपर कला संकाय के विषय– गृहविज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र में तीन–तीन एवं उर्दू में दो प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान यू0जी0सी0, उ0प्र0 शासन विश्वविद्यालय परिनियिमावलीनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति एवं चार नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो के साथ विज्ञापन तिथि के 21 दिनों के अन्दर प्रबन्धक के पदनाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक/दूरभाष द्वारा दी जायेगी।

प्रबंधक–मो0 9839384234

भाजपा सरकार अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में हर मोर्चे पर विफल रही

● सपा मुखिया ने 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्यों की बैठक बुधवार को पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में हुई जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की। बैठक में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद अहमद हसन तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

विधान परिषद सदस्यों की बैठक में प्रदेश की राजनीतिक–आर्थिक स्थिति पर चर्चा के साथ सन् 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही संकल्प लिया गया कि आगामी चुनावों में समाजवादी पार्टी अपनी सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों को सामने रखकर चुनाव में उतरेगी। भाजपा सरकार अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में हर मोर्चे पर विफल रही है। बैठक में कहा गया कि भाजपा राज में किसानों और नौजवानों की सबसे ज्यादा दुर्दशा हुई है। भाजपा ने किसानों के साथ किया एक भी वादा पूरा नहीं किया है न तो उसकी फसल की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद हुई और नहीं वादे के अनुसार उसे लागत का डयोढ़ा मूल्य मिला। उसकी आमदनी दुगनी करने का वादा भी भाजपा ने नहीं निभाया हैं।

सूबे के निजी विद्यालय भी अब आरटीआई के दायरे में

● सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गयी सूचना देने के लिए होंगे बाध्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के सभी निजी विद्यालय सूचना अधिकार अधिनियम के दायरे में माने जाएंगी। अब निजी विद्यालय सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत मांगी गयी सूचना देने के लिए बाध्य होंगे। यह आदेश बुधवार को राज्य सूचना आयुक्त प्रमोद कुमार तिवारी ने संजय शर्मा बनाम जसू अधिकारी मुख्य सचिव उप्र शासन के विषय में योजित अपील के निस्तारण में दी है। उन्होंने मुख्य सचिव को यह संस्तुति की है कि जन सूचनाओं की महत्ता को देखते हुए निजी विद्यालयों प्रबन्धकों को भी जन सूचना अधिकारी घोषित करने की व्यवस्था करें। अपीलार्थी संजय शर्मा ने जसूअध्मुख्य सचिव, उप्र शासन से लखनऊ के दो प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों के विषय में आरटीआई एक्ट के तहत राज्य सूचना आयोग लखनऊ में द्वितीय अपील योजित की थी। यदि निजी विद्यालयों को विद्यालय की स्थापना हेतु रियायती दरों पर विकास प्राधिकरण द्वारा भूमि उपलब्ध करायी गयी है तो मा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा डीएवी कालेज ट्रस्ट एण्ड मैनेजमेंट सोसायटी एवं अन्य बनाम डायरेक्टर ऑफ पब्लिक इंन्सट्रक्शन एवं अदर्स में प्रतिपादित विधि अनुसार ऐसे विद्यालय राज्य द्वारा पर्याप्त रूप से वित्त पोषित समझे जायेंगे। बता दें कि अभी तक निजी विद्यालय सूचना का अधिकार अधिनियम.2005 के तहत इस आधार पर सूचना नहीं देते थे कि वे राज्य द्वारा वित्त पोषित नहीं है एवं वे अधिनियम की परिधि से बाहर हैं।

यूपी के पूर्व सीएम चन्द्र भानु गुप्त के जन्मदिन पर चारबाग रवीन्द्रालय स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पअर्पित करते मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के सदस्य

आप ने चिकित्सा उपकरण खरीद में घोटाले का लगाया आरोप

● एफआईआर के लिए दी तहरीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी ने कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के नाम पर प्रदेश भर में बन रहे विशेष वार्डो के लिए चिकित्सकीय उपकरण खरीद में घोटाले का आरोप लगाया है। इस मामले में चिकित्सा मंत्री सुरेश खन्नाए प्रमुख सचिव आलोक कुमार सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के निदेशक एवं मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य को आरोपित बनाते हुए के प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ओर से हजरतगंज कोतवाली में तहरीर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए सांसद संजय सिंह ने दो टूक कहा कि बच्चों की जिंदगी से खेलने वाले ऐसे भ्रष्टाचारियों की जगह मंत्रालय और सचिवालय नहींए बल्कि जेल में है। अगर तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो कोर्ट जाएंगे। 6 महीने इंतजार करिए नई सरकार आते ही लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले ये सारे भ्रष्टाचारी जेल में होंगे। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में तीसरी लहर की आशंका के नाम पर बड़े पैमाने पर चिकित्सा विभाग में घोटाला हुआ । बच्चों के वेंटीलेटर सहित तमाम चिकित्सकीय उपकरण खरीदने के नाम पर हुए इस घोटाले से संबंधित मैंने सारे कागज सामने रखें कि जो वेंटिलेटर उत्तर प्रदेश के केजीएमयू में 10 लाख रुपये में खरीदा जा रहा है वही उत्तर प्रदेश की सरकार दूसरे मेडिकल कालेजों में 27ए 22 या 37 लाख आदि मनमाने दाम में खरीदे जा रहे हैं। तमाम मॉनिटर आदि उपकरण जो बाजार में सस्ते दाम पर मिल रहे हैं उत्तर प्रदेश की सरकार 2 गुनाए 3 गुनाए 4 गुना महंगे दामों में खरीद रही है।

कोरोना की तीसरी लहर की तैयारियों का ब्लूप्रिंट जनता के सामने रखे सरकार: लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कोरोनावायरस की तीसरी लहर की दस्तक हो चुकी है। डेल्टा वेरिएंट के बाद कप्पा वैरीअंट की भी वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है। 2 मरीजों की मौत भी हो चुकी है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारी दूसरी लहर की तरह केवल घोषणाओं और कागजों पर है। सरकार को चाहिए की पारदर्शी तरीके से जनता को विश्वास में लेते हुए कोरोनावायरस की तीसरी लहर की तैयारियों को बताएं। कोरोना की तीसरी लहर जो बच्चों के लिए घातक है, की तैयारियों का ब्लूप्रिंट योगी सरकार को जनता के सामने रखना होगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आधा जुलाई माह बीतने को है, लेकिन अभी तक जिलों में डिमांड के अनुरूप वैक्सीन नहीं मिल रही है। उत्तर प्रदेश में भी कोई दिन ऐसा नहीं बीतता जिस दिन तमाम जिलों से वैक्सीन की किल्लत की खबरें ना आएं। पिछले दिनों लखनऊ, वाराणसी ,नोएडा, मेरठ , संभल, बुलंदशहर सहित तमाम जिलों से वैक्सीन किल्लत की खबरें आयीं, कई वैक्सीनेशन सेंटर बंद होने की भी खबरें आयी हैं। कहां तो सरकार जुलाई माह में वैक्सीनेशन और तेज करने की बात कह रही थी कहां उत्तर प्रदेश में जुलाई वैक्सीनेशन की रफ्तार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कोरोना की तीसरी लहर का सबसे ज्यादा खतरा बच्चों पर बताया जा रहा है। इसके लिए पहली जरूरत है की जिले ही नहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोहतक पशुओं के लिए स्पेशल पीडियाट्रिक वार्ड तैयार किए जाएं क्योंकि जिलों की आबादी के हिसाब से जिला चिकित्सालय दूसरी लहर में अपर्याप्त साबित हुए हैं। यही नहीं सरकार ने बच्चों के डॉक्टर पीडियाट्रिशियन की भर्ती भी अभी तक पूरी नहीं की जबकि यह संख्या भी अपर्याप्त ही है। उत्तर प्रदेश में एक तिहाई पीएससी में स्टाफकी तैनाती ही नहीं हुई है। स्टाफकी कमी से जूझ रहे हैं तो कई जगह केवल सफाई कर्मचारी ही केवल ताला खोलते और बंद करते हैं। तो तमाम जगह तो रिपोर्टों के अनुसार भवन जर्जर हालत में है उसमें से कई जगह केवल किराएदार रह रहे हैं जबकि पीएचसी बंद पड़ी हुई है।

यूपी में सौ यूनिट बिजली को फ्री करने की लामबंदी

पायनियर समााचार सेवा। लखनऊ

उत्तराखंड में 100 यूनिट तक घरेलु उपभोक्ताओं की बिजली फ्री और अगली 100 यूनिट आधी का एलान करने के बाद ही उप्र विद्युत उपभोक्ता परिषद् ने लामबंदी शुरू कर दी है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा से इस बारे में मुलाकात की और कहा कि प्रदेश के घरेलु व किसान लम्बे समय से सस्ती बिजली का ख्वाब देख रहे हैं। ऐसे में सरकार प्रदेश के उपभोक्ताओं की वयथा को समझे और उत्तराखंड सरकार की तरफ बिजली उपभोक्ताओं के लिए घोषणा करें।

उपभोक्ता परिषद् ने कहा कि उत्तराखंड की बीजेपी सरकार ने यह एलान कर दिया है की उत्तराखंड में 100 यूनिट तक घरेलु उपभोक्ताओं की बिजली फ्री होगी और 101 से 200 यूनिट तक बिजली का मूल्य आधा लिया जाएगा प्रदेश के उपभोक्ताओं को सरकार फ्री में बिजली न दे कोई बात नहीं लेकिन उपभोक्ताओं की बिजली दरों में प्रदेश में भारी कमी होनी चाहिए। क्योंकि यहाँ प्रदेश के उपभोक्ताओं का रूपए बिजली कम्पनियों पर निकल रहा है। सरकार को अबिलम्ब विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 108 के तहत प्रदेश के उपभोक्ताओ की बिजली दरों में कमी करने के लिए उपभोक्ताओं का बिजली कम्पनियों पर निकल रहे 19537 करोड़ रुपए का समायोजन कर दरों में कमी कराने का निर्देश नियामक आयोग को देना चाहिए। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री श्रीकांत शर्मा ने उपभोक्ता परिषद् को आश्वासन दिया की उनकी सरकार में पिछली बार बिजली दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की इस बार भी मुख्यमंत्री ने बिजली दर में कोई बढ़ोतरी न करने का एलान किया है। आगे सरकार लगातार सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध करने की दिशा में काम कर रही है। सरकार उपभोक्ताओ के हित में लगातार प्रयास कर रही है और आगे भी निर्णय लेगी। उपभोक्ता परिषद् ने कहा प्रदेश में घरेलु 200 यूनिट तक उपभोग करने वाले उपभोक्ताओ की बात करे तो उनकी कुल संख्या लगभग 70 लाख के करीब होगी जिनकी वर्तमान दरों में आसानी से कटौती की जा सकती है। प्रदेश में 100 यूनिट तक उपभोग करने वाले ग्रामीण घरेलु उपभोक्ताओ की संख्या 29 लाख 65 हजार 689 है।

32 प्रवासी भारतीयों से 1045 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में मिली सफलता

● 116 भारतीय दूतावासों से सम्पर्क करके 3064 प्रवासी भारतीयों का डाटा किया गया तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान किये गये प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश मूल के 32 प्रवासी भारतीयों से 1045 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में सफलता मिली है। इन प्राप्त निवेश प्रस्तावों में एग्रीकल्चर, डिफेंस एवं आईटी क्षेत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सिद्धार्थ नाथ सिंह खादी भवन में प्रवासी भारतीयों की सुविधा और निवेश को आकर्षित करने के लिए गठित प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 116 भारतीय दूतावासों से सम्पर्क करके 3064 प्रवासी भारतीयों का डाटा तैयार किया गया और इन प्रवासी भारतीयों से लगातार सार्थक संवाद स्थापित कर निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अभी 16 भारतीय दूतावासों से एनआरआई का डाटाबेस प्राप्त हुआ है। शीघ्र ही पांच देशों से एनआरआई का डाटा उपलब्ध हो जायेगा। अन्य देशों से विदेश मंत्रालय के सहयोग से यूपी के एनआरआई की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री सिंह ने कहा कि जापान में स्पेसीफाईड स्किल्ड वर्कर्स प्रोग्राम के तहत 14 सेक्टर के लिए 3.14 लाख कुशल क्षमता के लोगों को लिया जायेगा।

औद्योगिक क्षेत्रों को युद्ध स्तर पर अपग्रेड किया जाए

● एकीकृत कुटीर उद्योग क्लस्टर का पायलट प्रोजेक्ट प्रयागराज में शीघ्र शुरू होगा

लखनऊ। एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में मौजूद औद्योगिक क्षेत्रों को युद्ध स्तर पर अपग्रेड किया जाए। औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कए निकासी एवं बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को एमएसई–सीडीपी योजना के तहत औद्योगिक क्षेत्रों के अपग्रेडेशन के प्रस्ताव भेजें जा रहें हैं। अभी तक सात प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजें जा चुके है तथा 23 प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं । उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण प्रदेश में नए एकीकृत कुटीर उद्योग क्लस्टर विकसित किये जाए। जिनमें कुटीर उद्योगों के लिए फ्लैटेड फैक्ट्री परिसर, डिस्प्ले सेंटर, रॉ मटेरियल बैंक, डारमेट्री, कैंटीन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा इस सम्बन्ध में एक पायलट प्रोजेक्ट प्रयागराज में शीघ्र.अतिशीघ्र किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से वाराणसी एवं झाँसी में विकसित किये जाएँ जिससे की उद्योगों के लिए एक इकोसिस्टम तैयार हो सके।

लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह का अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

लखनऊ। उप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. विशेष गुप्ता ने बुधवार को मोतीनगर स्थित लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह पहुंच कर निरीक्षण किया। उन्होंने बालगृह में संचालित एडाप्शन सेंटर का निरीक्षण किया। साथ ही बच्चों से संबंधित सभी दस्तावेजों की भी जांच की। बालगृह निरीक्षण के लिए पहुंचे अध्यक्ष ने भंडार कक्ष के निरीक्षण से लेकर एडाप्शन सेंटर के बच्चों और बालगृह की लड़कियों से भी बात की। आयोग अध्यक्ष ने विदेश में गोद दिए गए बच्चों की भी फाइल देखी, जिसमें बच्चों का फालोअप मौजूद था। एडाप्शन सेंटर उप्र बाल कल्याण परिषद की ओर से संचालित है। इस दौरान एडाप्शन सेंटर में चार माह में तीन बच्चों की मौत की भ्रामक खबर पर बाल आयोग अध्यक्ष के सामने सभी बच्चों की केस फाइल प्रस्तुत की गई।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–8, जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ

पत्र सं0 : 187/EE-8/21-22 दिनांक : 14.07.2021

(अति–अल्पकालीन निविदा–सूचना)

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 27.07.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाऐं दिनांक 27.07.2021 को अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 27.07.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–8 के कार्यालय में खोली जायेंगी।

1. बिजनौर रोड सेक्टर–एल स्थित म0नं0–2/345 के पास 250 एमएम डाया गैप सीवर लाइन 27 मीटर डालने का कार्य, धरोहर राशि रु० 2200/– एवं निविदा मूल्य रु० 100/–
2. मानसरोवर योजना कानपुर रोड रोड के विभिन्न 10 नलकूपों पर फॉयर फ्लैन्ज लगाने का कार्य, धरोहर राशि रु० 3500/– एवं निविदा मूल्य रु० 150/–

अधिशासी अभियन्ता, जोन–8
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

मांग के अनुरूप भूखण्डों का साइज निर्धारित करेगा एलडीए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए मार्केट के आधार पर भूखंडों के आकार देकर जनता को बेचेगा। कामर्शियल भूखंड को मार्केट के सर्वे के अनुसार जनता को उपलब्ध कराएगा। प्राधिकरण की समस्त योजनाओं में दुकानों, भवनों व प्लॉटों के नीलामी के संबंध में निर्देश दिए गए। वीसी के निर्देश पर जुलाई के अंत तक 180 से अधिक दुकानों की ई नीलामी की तैयारी होगी।

एलडीए अब मार्केट सर्वे करके डिमांड के अनुरूप भूखण्डों का साइज निर्धारित करेगा। बुधवार को एलडीए उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश ने प्राधिकरण की स पत्तियों के जल्द निस्तारण व आय में बढोत्तरी के लिए यह फैसला लिया है। प्राधिकरण की समस्त योजनाओं में दुकानों, भवनों और भूखण्डों के नीलामी के संबंध में हुई बैठक में उपाध्यक्ष ने इस बाबत आदेश जारी किए। एलडीए वीसी ने कहा कि मंगलवार को ई नीलामी में आठ स पत्तियों की बोली लगी जिसकी कुल बोली 101.3 करोड़ रुपये है। इसमें प्राधिकरण को गोमती नगर विस्तार के भूखंड सं या के आरक्षित मूल्य से लगभग ढ़ाई गुना अधिक मूल्य पर अधिकतम बोली प्राप्त हुई। इस नीलामी में पाया गया कि लोग बड़े भूखण्ड की खरीद में कम दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि बड़े भूखण्डों को पुर्ननियोजित किया जाए। इसके लिए मार्केट सर्वे करके लोगों की डिमाण्ड के मुताबिक भूखण्डों का साइज तय किया जाए।

15 सौ वर्ग मीटर कामर्शियल प्लाट की होगी नीलामी

बैठक में जानकीपुरम योजना में हेल्थ फैसिलिटी की जमीन पर चर्चा करते हुए सचिव ने इसका नक्शा दो दिन में निस्तारित करने के निर्देश दिए। वहीं, शारदा नगर योजना में खाली पड़े 1500 वर्ग मीटर के व्यवसायिक भूखण्ड समेत जानकीपुरम और बसंत कुंज योजना के भूखण्डों की प्रक्रिया को जल्द पूरा करके इनकी नीलामी कराए जाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह विरामखण्ड के भूखण्ड सं या सीएफ-1बी और सीएफ-1ए के डायमेंशन का काम जल्द से जल्द पूरा कराके इसे नीलामी में लगाए जाने के निर्देश दिए गए। वहीं, गणना अनुभाग को निर्देशित किया गया है कि 180 दुकानों की फाइल पूरी करके इसे स पत्ति अनुभाग को शीघ्र सौंपा जाए।

मानसरोवर योजना में जल्द खरीद सकेंगे दुकानें

एलडीए सचिव पवन गंगवार ने बैठक में कहा कि कानपुर रोड, मानसरोवर योजना में कॉ पलेक्स बनकर तैयार है। उन्होंने इस माह के अंत तक इसकी नपाई और कॉस्टिंग का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। अब जल्द ही इच्छुक लोग यहां दुकानें खरीद सकेंगे। इसके अलावा मानसरोवर योजना के सेक्टर-ओ में भूखण्ड सं या सीपी-2 और सीपी-3 का दो दिन में सर्वे करके कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

आठ संपत्तियों की नीलामी में 1.01 अरब की हुई आय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

गोमतीनगर में एलडीए द्वारा कामर्शियल संपत्तियों का ई आक शन किया गया। कुल 43 में 8 संपत्तियों का आक्शन हुआ है। 8 संपत्तियों के आक्शन के दौरान 1013042701 रुपए की आय हुई है। बुधवार को एलडीए द्वारा ई आक्शन किया गया। आक शन के दौरान 43 संपत्तियों का निस्तारण किया गया, जिसमें गोमतीनगर विस्तार, सीजी सिटी, गोमतीनगर का विजय खंड, विजयंत, विराज सहित दूसरे खंड की संपत्तियां शामिल हैं। ई आक्शन में 18 लोगों ने भागेदारी की। 8 संपत्तियों के आक्शन के दौरान 1013042701 रुपए की आय हुई है। यह आय आरक्षित विक्रय मूल्य के 40.45 प्रतिशत है।

उन्होंने स बंधित अधिकारियों को तीन दिन के अंदर प्रक्रिया पूरी करके रिर्पोट देने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार ने गोमतीनगर के विरामखण्ड में बनी 33 दुकानों और 32 भवनों की बिक्री के स बंध में चर्चा की। इस पर एलडीए वीसी ने दुकानों और मकानों की न बरिंग समेत अन्य कार्य को एक ह ते में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी तय किया गया कि यहां बनी दुकानों को नीलामी और भवनों को लॉटरी सिस्टम के तहत बेचा जाएगा।

ट्रैक एंड सॉल्व फॉर्मूला से काम करने के निर्देश

एलडीए के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश ने स पत्तियों के नीलामी कार्य में तेजी लाने के लिए ट्रैक एंड सॉल्व फॉर्मूला के तहत काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुछ जगहों पर मामूली वजहों से स पत्तियों के निस्तारण में देरी होती है। लिहाजा इन दिक्कतों को ढूंढकर, समस्त औपचारिकताएं पूरी करके स पत्ति निस्तारण का कार्य स पन्न कराया जाए।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो जालसाज गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकारी विभागों और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवकों से ठगी करने वाले दो जाल राज्यों को एसटीएफ ने गोमती नगर थाना क्षेत्र के हुसडिया चौराहा से गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए अंकित कटियार निवासी 465 गुंजन विहार, बर्रा , कानपुर और बृजेन्द्र तिवारी उर्फ रित्विक निवासी एच.5 ध् 276 हरदोई रोड दुबग्गा के पास से आइटीबीपी, रेलवे, एसएसबी आदि के कूटरचित जॉइनिंग लेटर परिचय पत्र आधार कार्ड क्रेडिट कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुए।

एसटीएफ को सूचना मिली थी कि भर्ती कराने के नाम पर ठगी करने वाला अंकित कटियार अपने मित्र के साथ हुसड़िया चौराहा पर जनेश्वर मिश्र पार्क की ओर जाने वाली रोड पर खड़ा है और कुछ लड़को को सरकारी विभागों में भर्ती के नाम पर बातचीत करने के लिये उन्हें बुलाया है। सूचना पर एसटीएफ की टीम ने वहां पहुंच कर दोनों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ एवं इनसे प्राप्त कूटरचित अभिलेखों से

पाया गया गया कि ये लोग इण्टरनेट पर सरकारी नौकरी की वेबसाइट चेक करते रहते थे। इसके उपरान्त इन लोगों द्वारा यह पता लगाया जाता था कि किस .किस सरकारी विभाग एवं गैर सरकारी विभागों में भर्तियां निकली हैं। भर्तियों का विज्ञापन निकलने के उपरान्त इन लोगों द्वारा इच्छुक अभ्यथियों को भेजकर फार्म भरने के लिये कहा जाता था। अभ्यर्थियों द्वारा विभाग विज्ञापन के अनुसार फार्म भरा जाता था। इसके उपरान्त इन्हें भर्ती करवा देने का झांसा देकर युवको से विभाग के अनुसार पैसे की मांग करते थे और एडवान्स के रूप में कुछ पैसा मिलने के उपरान्त अभ्यर्थियों को पूर्व से तैयार किये गये फर्जी ज्वानिंग लेटर दे दिया जाता था। इन लोगों द्वारा यह भी बताया गया कि अब तक इन लोगों द्वारा लगभग 15.20 लोगों के साथ इस प्रकार से ठगी कर चुके हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनावों के संदर्भ चुनाव आयोग से रिपोर्ट तलब

लखनऊ (विधि संवाददाता)। जिला पंचायत अध्यक्ष की चुनावों के मसले पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य चुनाव आयोग से रिपोर्ट तलब किया है। पीठ ने चुनाव आयोग के सचिव को भी विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। जस्टिस डीके उपाध्याय एवं जस्टिस एके श्रीवास्तवए प्रथम की पीठ ने यह आदेश सीतापुर से समाजवादी पार्टी की जिला पंचायत अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रहीं अनीता की एक विचाराधीन याचिका पर दिया है। पीठ के समक्ष यह याचिका चुनाव से पूर्व दाखिल की गई थी। याचिका में सत्ताधारी दल की प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रभावित करने के लिए अन्य प्रत्याशियों पर दबाव बनाने का आरोप स्थानीय पुलिस व प्रशासन पर लगाया गया है। पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए निष्पक्ष चुनाव कराने का आदेश दिया था। साथ ही यह स्पष्ट भी किया था कि वह चुनाव प्रभावित करने के मुद्दे पर सुनवाई करेगी। पीठ ने इस बार की सुनवाई के दौरान मतदान के दिन क्या घटनाएं हुईं व इस संदर्भ में जो भी तथ्य हैंए सभी को रिकॉर्ड पर रखने के लिए चुनाव आयोग के सचिव को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया।

गैंगरेप मामले में निरुद्ध मुल्जिम रुपेश्वर की दूसरी जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

गैंगरेप व जानमाल की धमकी के एक मामले में निरुद्ध मुल्जिम रुपेश्वर उर्फ रुपेश की दूसरी जमानत अर्जी एमपी.एमएलए की विशेष अदालत ने खारिज कर दी है। विशेष जज पवन कुमार राय ने अपने आदेश में कहा है कि इस मुकदमे में साक्ष्य की कार्यवाही लगभग पूरी हो चुकी है। मामले का विचारण अपने अंतिम दौर में है। लिहाजा ऐसी परिस्थिति व अन्य तथ्यों में मुल्जिम रुपेश्वर की द्वितीय जमानत अर्जी मंजूर करने का पर्याप्त आधार नहीं है। इस मामले में रुपेश्वर के साथ ही सूबे के पूर्व काबीना मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति, विकास, आशीष, अशोकए अमरेंद्र व मुल्जिम चंद्रपाल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल हुआ था। अदालत ने सभी मुल्जिमों पर आईपीसी की धारा 376 डीए 354 ए(1)ए 504ए 506 व 509 में आरोप तय किया था। साथ ही गायत्रीए विकासए आशीष व अशोक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 5जीध्6 के तहत भी आरोप तय किया था। 18 फरवरी, 2017 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर गायत्री प्रसाद प्रजापति व अन्य मुल्जिमों के खिलाफ थाना गौतमपल्ली में गैंगरेप, जानमाल की धमकी व पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पीड़िता की अर्जी पर दिया था। चित्रकुट की रहने वाली पीड़िता ने गायत्री व उनके साथियों पर गैंगरेप का आरोप लगाते हुए अपनी नाबालिग बेटी के साथ भी दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने सभी मुल्जिमों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

हाईकोर्ट से केजीएमयू के कुलपति को अवमानना की नोटिस जारी

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अदालती अवमानना के एक मामले में केजीएमयू के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) डॉ. बिपिन पुरी व एक अन्य के विरुद्ध नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। जस्टिस एआर मसूदी की एकल पीठ ने यह आदेश आनंद कुमार मिश्रा की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता केजीएमयू का कर्मचारी है। उसका कहना है कि दो जूनए 2020 को एक सहकर्मी की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार ने केजीएमयू को उसके खिलाफ मृतक आश्रित कोटे से नियुक्ति पाने पर विभागीय कार्यवाही करने का निर्देश दिया था। तब उसने राज्य सरकार के इस निर्देश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। छह जुलाईए 2020 को हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए विभागीय कार्यवाही के अंतिम निर्णय पर अगली सुनवाई तक के लिए रोक लगा दी। यह रोक आगे भी जारी रही। बावजूद इसके 19 जूनए 2021 को कुलपति ने उसके खिलाफ कार्यवाही कर दी। एकल पीठ ने इसे प्रथम दृष्टया अदालत के आदेश की अवमानना मानते हुए कुलपति व एक अन्य को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है।

गृह विभाग की मनमानी पर हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

विधि संवाददाता। लखनऊ

मुख्य स्थायी अधिवक्ता के दफ्तर व राज्य सरकार के विधि विभाग की राय को दरकिनार कर मनमाने तरीके से करीब डेढ़ साल बाद एक पुलिसवाले के मामले में विशेष अपील दाखिल करने पर हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गृह विभाग को कड़ी फ्टकार लगाई है। पीठ के समक्ष इसके बाद अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने पछतावा प्रकट करते हुए कहा कि ऐसा गलती से हुआ है। अब भविष्य में गृह विभाग सावधान रहेगा व ऐसी गलती नहीं दोहराएगा । जस्टिस रितुराज अवस्थी एवं जस्टिस दिनेश कुमार सिंह की पीठ ने यह आदेश राज्य सरकार के गृह विभाग की ओर से मृतक आश्रित विवाद में एक पुलिसवाले वाले के खिलाफ देरी से दाखिल विशेष अपील को खारिज करते हुए दिया है।

पीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि जिस आदेश के खिलाफ गृह विभाग ने अपील दाखिल किया थाए उस मामले में मुख्य स्थायी अधिवक्ता के दफ्तर व विधि विभाग ने मामले के गुण दोष पर विचार करते हुए अपील नहीं दायर करने की सलाह गृह विभाग को दिया था। बावजूद इसके गृह विभाग ने अपील दाखिल करा दिया। पीठ ने इस प्रकरण पर गंभीर रूख अपनाते कहा कि कानूनी मामलों मे विधि विभाग राज्य सरकार को सलाह देने के लिए होता है। यदि सरकार का कोई विभाग उसकी राय से सहमत नहीं हैए तो पुर्नविचार के लिए मामला उसे वापस भेज सकता है न कि स्वयं निर्णय लिया जा सकता है। पीठ के तलब करने पर सात जुलाई को जब अपर मुख्य सचिव अवस्थीए प्रमुख सचिव विधि पीके श्रीवास्तव व सूबे के डीजीपी पेश हुए थे। अवस्थी ने विभाग की गलती मानते हुए सफाई भी देने की कोशिश की थी। लेकिन तब उन्हें शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ा था। उन्होंने सफाई दिया कि ऐसा इसलिए किया गया था ताकि सरकार पर भारी आर्थिक बोझ नहीं पड़े। क्योंकि सरकार में उक्त पुलिसवाले की तरह ऐसे कई प्रकरण हैं। किन्तु बाद में रिकार्ड से ज्ञात हुआ कि पुलिस विभाग में ऐसा केवल एक ही प्रकरण है। पीठ ने समस्त प्रकरण को देखने के बाद अवस्थी को इंगित करते हुए कहा कि अदालती प्रकिया को किसी अफसर के अहम की संतुष्टि के लिए नहीं प्रयोग करना चाहिए।

केजीएमयू में एक दिन में हो सकेंगी 15 हजार जांचें

● अपग्रेडेड कोविड-19 हाईथ्रुपुट टेस्टिंग लैब का प्रमुख सचिव ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के अंतर्गत अपग्रेडेड कोविड.19 हाईथ्रुपुट टेस्टिंग लैब का लोकार्पण बुधवार को प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने किया। इस लैब के जरिये एक दिन में 15000 जांचे हो सकेंगी। इस लैब में आरटीपीसीआर की मशीन की संख्या 4 से बढाकर 7 कर दी गयी है। साथ आरएनए एक्सट्रेक्शन मशीन की संख्या 1 से बढाकर 4 कर दी गयी है।

माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रयोगशाला के लोकार्पण के पश्चात ब्राउन हाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ बिपिनपुरी ने पूरे यूपी राज्य के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा किए गए परामर्श कार्य की सराहना की एवं प्रयोगशाला के लिए बधाई दी। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की हेड प्रो अमिता जैन ने राज्य भर में कोविड परीक्षण के दौरान आयीं चुनौतियों के बारे में बताया। माइक्रोबायोलॉजी विभाग, केजीएमयू देश में अधिकतम कोविड.19 परीक्षण करने वाली प्रयोगशालाओं में से एक है और हाल ही में 22 लाख कोविड आरटीपीसीआर परीक्षण कर एक रिकार्ड स्थापित किया। पूरी टीम समाज के लाभ के लिए निरंतर समर्पण और सहयोग के साथ काम कर रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 15000 कोविड सैंपल आरटीपीसीआर टेस्ट करने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि यह बहुत सम्मान और गर्व का दिन है क्योंकि माइक्रोबायोलॉजी विभाग अपने क्षितिज का विस्तार कर रहा है और राज्य के लिए एक उच्च थ्रूपुट जीनोम अनुक्रमण सेवाओं को ला रहा है।

झलकारी बाई में पांच माह की गर्भवती को लगा पहला कोरोना टीका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में हथियार बने वैक्सीनेशन अभियान के दौरान बुधवार को राजधानी में पांच माह की गर्भवती महिला को पहला कोरोना का टीका लगा है। महिला को यह टीका झलकारी बाई महिला चिकित्सालय में लगा है। अस्पताल की सीएमएस डॉ रंजना खरे का कहना है कि गर्भवती महिलाओं के लिए वॉक इन रजिस्ट्रेशन की सुविधा है। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए गर्भवतियों के टीकाकरण पर भी जोर दिया जा रहा है। हालांकि, टीकाकरण के लिए प्रसूताएं अभी उतना आगे नहीं आ रहीं हैं। आज झलकारी बाई महिला अस्पताल में कैंट रोड निवासी पांच माह की गर्भवती आशिका को पहला टीका लगाया गया। झलकारी बाई महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डा रंजना खरे के अनुसार शुरू में गर्भवतियां टीकाकरण के लिए बिल्कुल नहीं आ रही थीं, पर अब वह इसके संबंध में जानकारी के लिए आगे आ रहीं। डा रंजना के अनुसार गर्भावस्था के दौरान वैक्सीन से मां और बच्चे दोनों की ही सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

कोरोना से प्रभावित बच्चों को मिलेगा मिड डे मिल के खाद्य सुरक्षा भत्ते का लाभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना के चलते निराश्रित हुए बच्चों के परिषदीय विद्यालयों में नामांकन के साथ ही सरकार उन्हें मिड डे मिल के खाद्य सुरक्षा भत्ते का भी लाभ देगी। इसके लिए महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि स्कूल के आसपास के गांवों में रहने वाले निराश्रित बच्चों का नामांकन स्कूल में करते हुए उन्हें मिड डे मिल के खाद्य सुरक्षा भत्ता का लाभ दिया जाए। सरकार कोरोना महामारी के तहत छुट्टियों के मिड डे मिल का अनाज व परिवर्तन लागत अभिभावकों के खाते में दे रही है। इसके तहत सभी स्कूल शिक्षक आसपास के गांव में रह रहे बच्चों की जानकारी इकट्ठा करेंगे। केन्द्र सरकार ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर तत्काल सभी निराश्रित बच्चों को खाद्य सुरक्षा भत्ता देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए सभी शिक्षको को चाइल्ड लाइन ;1098द्ध से भी ऐसे बच्चों की सूचनाएं हासिल करने को कहा गया है। साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा गया है कि वे बाल विकास कल्याण विभाग से सीधे संपर्क में रहे ताकि उन्हें पता रहे कि कितने बच्चे अनाथ हुए है।

जूम एप के जरिये आज से 28 तक ग्राम प्रधानों को मिलेगा प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में पंचायत चुनाव में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को 15 से 28 जुलाई के बीच जूम प्लेटफार्म के जरिये प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए पंचायती राज विभाग ने निर्वाचित ग्राम प्रधानों को प्रशिक्षण दिये जाने के लिए 24 से 29 जून के बीच प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन कर रूपरेखा तैयार कर ली है।

पंचायतीराज निदेशक किंजल सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए राज्य स्तर से प्रत्येक विषय पर मास्टर ट्रेनर मंडलों में तैनात किए गए है, जोकि प्रधानों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व तथा विभागीय योजनाओ, ग्राम पंचायत विकास योजना, एसडीजी ई.गवर्नेंस, स्वच्छ भारत मिशन ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन जैसे विषयों पर रूचिकर वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पहली बार है कि प्रधानों का प्रशिक्षण सामान्य निर्वाचन के डेढ़ माह के अन्दर ही आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण 20.20 के छोटे समूहों में आयोजित किया जा रहा है, समस्त मंडलों की चिन्हित ग्राम पंचायतों हेतु धनराशि पहले ही मंडलों को हस्तान्तरित की जा चुकी है। सभी ग्राम प्रधानों को उनके लिये निर्धारित तिथियों से सूचित किया जा चुका है। प्रधानों का प्रशिक्षण आरजीएस, योजना से ही किया जा रहा है जोकि पंचायतों के प्रशिक्षण एवं क्षमता संवर्द्धन हेतु समर्पित योजना है। निदेशक पंचायतीराज ने बताया कि प्रदेश की 58189 ग्राम पंचायतों में नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान अपने कार्य एवं दायित्वों की नियामक जानकारी, वित्त प्रबंधन, विभागीय महत्वपूर्ण योजनाओं आदि की जानकारी प्रदान करने से निश्चित रूप से उनकी कार्यकुशलता एवं क्षमता में वृद्धि होगी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो लोग गंभीर रूप से घायल

बख्शी का तालाब। चंद्रिका देवी मंदिर से पूजा करके लौट रहे मोटरसाइकिल सवारों को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुचाया जहां के घायल की हालत गंभीर बनी हुई हैं। घटना बीकेटी थाना क्षेत्र के पौराणिक तीर्थ स्थल चंद्रिका देवी रोड की हैं । डिडौली थाना अतरौली हरदोई के रहने वाले देशराज अपनी बहू सपना व पौत्र मृदुल तिवारी के साथ माता के दर्शन करके वापस लौट रहे थे। पुलिस चौकी के समीप जैसे ही वह पंहुचे सामने से तेज रफ़्तार आ रही होंडा अमेज यूपी32 एलटी 3956 ने सामने से जोरदार टक्कर मारी जिससे वह सभी उछलकर सड़क के किनारे जा गिरे। सूचना पर पहुची पुलिस ने एम्बुलेंस द्वारा ट्रामा सेंटर भेजवाया जहां देशराज और उनके पौत्र की हालत गंभीर बनी हुई हैं। वही थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि कार को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही हैं।

युवती पर कुल्हाड़ी से हमला कर किया घायल

संवाददाता। सरोजनीनगर

सरोजनीनगर में बुधवार को एक सिरफिरे ने अचानक एक युवती पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। युवती के ऊपर ताबड़तोड़ कुल्हाड़ी के कई वार होने से वह घायल हो गई। घायलावस्था में उसका सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराया गया है। वहीं पीड़िता की ओर से पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। सरोजनीनगर के कानपुर रोड स्थित एलडीए कॉलोनी के सेक्टर . ई निवासी राधा सिंह 29 सरोजनीनगर में बैंक ऑफ इंडिया गौरी शाखा की शाखा प्रबंधक है। बताते हैं कि राधा बुधवार सुबह बैंक जाने के लिए घर से निकल रही थी। आरोप है कि वह जैसे ही घर से स्कूटी लेकर दरवाजे पर निकलीए तभी घर के सामने ही रहने वाला संतोष कुमार शर्मा 38 अचानक उसके पास कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा और राधा के ऊपर बेवजह कुल्हाड़ी से वार कर दिया। राधा के सिर में कुल्हाड़ी पड़ते ही उसका हेलमेट टूट गया और वह जमीन पर गिर पड़ी। इसी बीच संतोष ने उसके शरीर के अन्य हिस्सों में ताबड़तोड़ कुल्हाड़ी से कई वार कर दिए। पेट में दाहिनी तरफ कुल्हाड़ी पड़ने से उसके गहरा घाव हो गया और वह चीखने चिल्लाने लगी। उसकी चीख सुनकर परिजनों के अलावा आसपास के लोग दौड़ पड़े और किसी तरह उसे संतोष से बचाया। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पहुंची पुलिस की मदद से राधा को इलाज के लिए सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। लेकिन इसके बावजूद वह काफी डरी सहमी हुई है। उधर पुलिस ने इस मामले में पीड़िता के परिजनों की ओर से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी संतोष को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी संतोष की मानसिक हालत ठीक नहीं है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक डिप्रेशन का शिकार होने के कारण ही संतोष ने यह घटना अंजाम दी। फिलहाल उसे गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। बताते हैं कि आरोपी संतोष शादीशुदा होने के साथ ही उसके दो बच्चे हैं और वह दिल्ली में नौकरी करता है। लेकिन इस समय वह घर पर ही रहकर वर्क टू होम कार्य कर रहा है।

16 जुलाई से शुरु होंगी एलयू की परीक्षाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड-19 महामारी के बीच लखनऊ विश्वविद्यालय की ऑफ्लाइन परीक्षाएं 16 जुलाई से शुरू हो रहीं हैं। परीक्षा के पहले दिन एमबीए, बीसीए, बीटेक और बीबीए के प्रश्न पत्र ऑफ्लाइन मोड पर बहुविकल्पीय प्रश्न पत्र (एमसीक्यू) प्रणाली के आधार पर होंगे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कोविड.19 प्रोटोकॉल का पालन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके लिए सचल दस्ता भी परीक्षा के दौरान सक्रिय रहेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय में पहले दिन सभी परीक्षाएं एलयू न्यू कैम्पस में होंगी।

शातिर वाहन चोर चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की ठाकुरगंज पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गितफ़्तार करने का दावा किया है। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज सुनील कुमार दूवे ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शातिर वाहन चोर है जिसने कई चोरी की हुई मोटरसाइकिलों को बेचा है उन्होंने बताया कि अभियुक्त भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे मॉल के बाहर व अस्पताल के पास खड़े वाहनों पर अपना हाथ साफ़ करता था। एडीसीपी पश्चिमी राजेश श्रीवास्तव ने बताया की पुलिस कमिश्नर द्वारा अपराध एंव अपराधियों की धड़ पकड़ अभियान के तहत ठाकुरगंज इंस्पेक्टर अपनी टीम के साथ गस्त पर थे तभी पुलिस टीम को सूचना मिली की बंधा रोड पर इक शातिर वाहन चोर मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम इटौंजा निवासी अवधेश कुमार बताया।पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की दो अदद मोटरसाइकिल और एक बाइक का इंजन बरामद किया है।

शराब पीने से मना करने पर युवक ने लगाई फांसी

लखनऊ। शराब पीकर घर पहुंचे युवक ने परिवारीजनों की डांट से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मूलरूप से सीतापुर के लहरपुर निवासी बद्री प्रसाद परिवार के साथ मड़ियांव के नौबस्ता बड़ी खदान में रहते हैं। उनका बेटा शैलेन्द्र कुमार वर्मा ;24द्ध मजदूरी कर घर के खर्च में हाथ बंटाता था। पिता के मुताबिक मंगलवार की रात को शैलेन्द्र शराब के नशे में घर आया था। इसको लेकर घरवालों ने उसको डांट दिया था। जिसके बाद वह कमरे में चला गया। कुछ देर बाद मां उसे बुलाने गई। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार खटखटाने के बावजूद दरवाजा न खुलने पर खिड़की से झांक कर देखा गया। अंदर शैलेन्द्र का शव पंखा और दुपट्टे के सहारे फांसी से लटक रहा था।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला से लूटी चेन

● सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए बदमाश पुलिस तलाश में जुटी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

इंदिरानगर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला के गले से चेन खींच ली और मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद लूट का केस दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है। इंदिरानगर के हरिहर नगर में 41 वर्षीय शैला यादव रहती है। उन्होंने बताया कि बुधवार शाम वह अपने बेटे अक्षत यादव के साथ स्कूटी से बाजार गईं थीं। वहां से वापस लौटते समय खुर्रमनगर के पास सर्विस रोड पर बाइक सवार दो बदमाश पीछे से आए और झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन खींच ली। पीड़िता जब तक कुछ समझती उससे पहले आरोपी वहां से फरार हो गए। इंस्पेक्टर का कहना है कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को दबोच लिया जाएगा।

कार्यालय अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद उरई

पत्रांक –(2021–22) निर्माण –उरई– दिनांक : –12.7.2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग से स्वीकृत कार्यों की निविदा दिनांक 03.08.2021 को अपरान्ह 02.00 बजे तक निविदायें जिलाधिकारी जालौन स्थान उरई/प्रभारी अधिकारी (स्था0 निकाय) के यहां आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.08.2021 को सायकाल 05.00 बजे तक निर्धारित मूल्य देकर निम्न स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं।

1. जिलाधिकारी कार्यालय व कार्यालय नगर पालिका परिषद उरई।
2. निविदा दिनांक 03.08.2021 अपरान्ह 03.00 बजे मा0 अध्यक्ष महोदय की उपस्थिति मे निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (रू0 में)	निविदा मूल्य (रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	समयावधि
01	टाउन हाल में FLAG MAST लगाने हेतु प्लेटफार्म का निर्माण कार्य।	837200.00	985.00	0.84	01 माह
02	टाउन हाल में FLAG MAST लगाने का कार्य।	996800.00	1175.00	1.00	01 माह

शर्तें :–

1. निर्धारित धरोहर धनराशि एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में अधिशासी अधिकारी के पदनाम से बन्धक कराकर अलग–2 निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि धरोहर धनराशि निविदा में संलग्न नहीं होगी। निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
2. शासनादेश अनुसार निविदा के साथ रू0 100.00 के स्टाम्प पेपर पर स्व–घोषणापत्र, शपथपत्र नोटरी द्वारा सत्यापित करा प्रस्तुत करना एवं प्रत्येक निविदा के साथ टी–4, टी–5 की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. निविदा फार्म पर निविदा रेट (दरें) प्रतिशत आधार पर स्पष्ट अंकित होना चाहिए। उसमे किसी प्रकार की कटिंग नहीं होनी चाहिए।
4. सशर्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. नियामानुसार आयकर एवं व्यापार कर, श्रमकर, रायल्टी आदि की कटौती की जायेगी।
6. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित कीमत के स्टाम्प पर अनुबन्ध करना अनिवार्य होगा तथा साथ ही एक बान्ड/शपथपत्र भी देना होगा।
7. शासनादेश के अनुसार अनुभव अधिकृत प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।
8. निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष नगर पालिका परिषद उरई को होगा।
9. सी0सी0 निर्माण कार्य मे बाइब्रेटर चलाना आवश्यक होगा।
10. अनुबन्ध होने के पश्चात ठेकेदार को लेवर लाइसेन्स मे पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।
11. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कार्य के विवरण का वोर्ड साइड पर लगाना अनिवार्य होगा।
12. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व, कार्य करने के दौरान व कार्य समाप्ति की फोटो लगाना अनिवार्य होगा।
13. ऐसे फर्म या ठेकेदार जिनके नाम से अविवादित नगर पालिका या पूर्व के कोई कार्य स्वीकृत हुआ है और कार्यादेश जारी हो चुका है। किन्तु स्थल पर कार्य प्रारम्भ नहीं किए है उन्हे अपात्र मानते हुए उनकी फाइनेन्शियल बिड नहीं खोली जायेगी।
14. फर्म/ठेकेदारों का निदेशालय के पत्रांक TC/314/8DLB/2020 दिनांक 01.01.2021 का पालन कराना होगा।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद उरई — अध्यक्ष नगर पालिका परिषद उरई।

DHFL
राष्ट्रीय कार्यालय : एचडीआईएल टावर्स, बी-विंग, छठा तल, अनंत काणेकर मार्ग, बान्द्रा (ईस्ट), मुंबई-400051
शाखा कार्यालय : धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भू तल एवं प्रथम तल, ऐक्सिस बैंक के बगल में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्किल, नौपाडा, थाणे (वेस्ट)-400 602

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। [illegible]

कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि एनपीए तिथि सहित	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन
(मेरठ शाखा का एलसी नंबर : 00001150) दाता राम (कर्जदार) रामेश्वरी आर (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 13,52,972/- [illegible] एनपीए (11-05-2020)	[illegible] उत्तर प्रदेश-250001
(हरिद्वार शाखा का एलसी नंबर : 00002158) तय्यब अली (कर्जदार) खालिद (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/ रु. 13,44,073/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible] उत्तराखंड-249402
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00003234) धीरेन्द्र कुमार सिंह (कर्जदार) आशा सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 13,42,732/- [illegible] एनपीए (11-03-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-226020
(मेरठ शाखा का एलसी नंबर : 00001667) साबिर अली (कर्जदार) वारसा (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 13,30,564/- [illegible] एनपीए (09-02-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-250110
(यमुनानगर शाखा का एलसी नंबर : 00000234) मोहम्मद वकील (कर्जदार) फरीदा पत्नी मोहम्मद वकील (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/ रु. 13,28,527/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-247001
(लखनऊ – लालबाग शाखा का एलसी नंबर : 00042326) राम औतार (कर्जदार) रेशमा देवी (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/ रु. 13,24,510/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible] उत्तर प्रदेश-226005
(राजनगर शाखा का एलसी नंबर : 00001489) स्नेहा चंद्रा (कर्जदार) रजत नन्दी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 13,18,034/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible] उत्तर प्रदेश-201010
(लखनऊ – लालबाग शाखा का एलसी नंबर : 00044035) अनिल श्रीवास्तव (कर्जदार) दीप्ति श्रीवास्तव (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 13,08,583/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-226005
(बरेली शाखा का एलसी नंबर : 00000396) पुष्पक कुमार (कर्जदार) अनीता देवी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,94,842/- [illegible] एनपीए (09-02-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-243001
(सहारनपुर शाखा का एलसी नंबर : 00003303) मुमताज अहमद (कर्जदार) मुशर्रफी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible]
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00008083) राकेश दुबे (कर्जदार) सुमन दुबे (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,86,324/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible] उत्तर प्रदेश-226020
(मेरठ शाखा का एलसी नंबर : 00001344) नरेन्द्र कलकल (कर्जदार) गजेन्द्र सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,78,391/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-201301
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00002890) वीरेन्द्र सिंह (कर्जदार) ओमवती वीरेन्द्र सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,69,490/- [illegible] एनपीए (11-03-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-281006
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00001635) मोहम्मद नफीसुद्दीन (कर्जदार) शाहिला अंजुम (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,66,902/- [illegible] एनपीए (11-03-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-282001
(नोएडा सेक्टर-2 शाखा का एलसी नंबर : [illegible]) मोहित (कर्जदार) आरती (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,58,246/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible] उत्तर प्रदेश-201009
(वाराणसी शाखा का एलसी नंबर : 00005021) बदरे आलम खान (कर्जदार) अंजुम आरा (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/ रु. 12,54,306/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-232101
(यमुनानगर शाखा का एलसी नंबर : 00000728) साजिद चौधरी (कर्जदार) फरहाना चौधरी (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/ रु. 12,52,087/- [illegible] एनपीए (11-03-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-247001
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00003229) जितेन्द्र कुमार (कर्जदार) रूबी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,51,525/- [illegible] एनपीए (11-03-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-282001
(बरेली शाखा का एलसी नंबर : 00000304) नरेश कुमार शर्मा (कर्जदार) मोनिका शर्मा (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,41,257/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-243001
(लखनऊ-लालबाग शाखा का एलसी नंबर : 00041420) राजू (कर्जदार) सुनीता राज (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,33,145/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-226020
(नई दिल्ली वेस्ट शाखा का एलसी नंबर : 00060290) धीरज कुमार (कर्जदार) बबीता देवी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,30,749/- [illegible] एनपीए (11-03-2021)	[illegible] उत्तर प्रदेश-201301
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00007574) जितेन्द्र कुमार (कर्जदार) लीलावती (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/ रु. 12,23,330/- [illegible] एनपीए (09-02-2021)	[illegible]
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00008821) इंदु सिंह (कर्जदार) राशि बिहारी सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/ रु. 12,14,913/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible] उत्तर प्रदेश-226001
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00003444) [illegible]	12-05-2021/ रु. 12,14,480/- [illegible] एनपीए (10-12-2020)	[illegible]
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00000171) [illegible]	12-05-2021/ रु. 12,10,884/- [illegible] एनपीए (09-01-2021)	[illegible]

[illegible]

तिथि : 15-07-2021
स्थान : उत्तर प्रदेश
हस्ता./-
(प्राधिकृत अधिकारी)
दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

कोरोना से मृत 5 लोगों के परिजनों की दर्ज कराई वरासत

● वरासत के विशेष अभियान को और तेज़ी से चलाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिलाधिकारी द्वारा कोरोना से मृत्यु होने पर विशेष अभियान के तहत 5 व्यक्तियों को प्रदान वरासत पत्र दिया गया। तहसील बीकेटी के 5 लोगो की वरासत दर्ज करायी गयी। वरासत के लिए विशेष अभियान को और तेज़ी से चलाने के लिए निर्देश दिए गए। प्रत्येक राजस्व ग्रामवार निर्विवाद वरासत के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का निस्तारण सभी उपजिलाधिकारी द्वारा निश्चित कराने के निर्देश दिए। बुधवार को जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने विशेष वरासत अभियान के तहत 5 व्यक्तियों को वरासत पत्र प्रदान किये गए। ज़िलाधिकारी ने बताया कि तहसील बीकेटी के तहत 5 लोगों की वरासत दर्ज कराते हुए उनको वरासत पत्र प्रदान किये गए है। जिलाधिकारी ने बताया कि खतौनी में दर्ज खातेदारों की मृत्यु हुई ऐसी स्त्री जिसने उत्तराधिकार में भूमि प्राप्त की है, के विवाहित होने की दशा में उनके निर्विवादित उत्तराधिकारियों के नाम समय से खतौनी में अंकित किए जाने के पूर्व में निर्देश दिए गए थे। तहसील स्तर उपजिलाअधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। इस अभियान के दौरान प्रत्येक राजस्व ग्रामवार निर्विवाद वरासत के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का निस्तारण सभी उपजिलाधिकारी द्वारा निश्चित कराया जाए।

इनकी वरासत दर्ज करायी गयी: कोरोना में मृत्यु हुई विजय कुमार आयु 60 वर्ष, निरंकार सिंह आयु 45 वर्ष वारिसान सीमा सिंह, अभिशेष यादव, किरन यादव वरासत दर्ज, कोरोना से हताहत हुए सत्यप्रकाश सिंह आयु 37 वर्ष पूनम यादव, कुमारी सान्वी वरासत दर्ज, हताहत हुए विनोद कुमार सिंह के वारिसान अन्नपूर्णा यादव, कुँवर प्रताप सिंह, निशा यादव वरासत दर्ज। कोरोना से मृत्यु कमला देवी के वारिसान कुशमा देवी, अन्नपूर्णा यादव, ओमकार सिंह यादव, अशोक कुमार सिंह, सीमा सिंह यादव, पूनम यादव, कुँवर प्रताप सिंह, निशा यादव, अभिशेष यादव, करन यादव, कुमारी सान्वी वरासत दर्ज करायी।

पराग ने 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ाए दूध के दाम, नई दरें कल शाम से लागू

लखनऊ। पराग ने दूध का मूल्य प्रति लीटर 2 रुपया बढ़ा दिया है। पराग दूध पर बढ़ाई गई नई दरें 16 जुलाई की शाम से लागू हो जाएंगी।यह जानकारी पराग के महाप्रबंधक डॉ मोहन स्वरूप ने दी। उल्लेखनीय है कि हाल ही के दिनों में अन्य दूध कंपनियों ने भी अपने दूध के दामों में बढ़ोतरी की है। इसी को देखते हुए पराग ने भी अपने दूध के दामों को बढ़ा दिया है। पराग की नई दरें लागू होने के बाद पराग का एफसीएम गोल्ड 5 लीटर दूध का पैकेट अब 280 रुपया में मिलेगा जबकि यह पहले 270 रुपए में था। इसी तरह से एफसीएम गोल्ड एक लीटर दूध का पैकेट 57 रुपए में मिलेगा जोकि पहले 55 रुपए में था। एफसीएम गोल्ड 500 एमएल दूध का पैकेट नई दर 29 रुपए में मिलेगा। एफसीएम गोल्ड 170 एमएल दूध का पैकेट के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है या पैकेट पुरानी दर 10 रुपए में ही मिलेगा। इसी प्रकार से पराग टोंड मिल्क 5 लीटर पैकेट 220 के जगह

बढ़ती महंगाई को देखते हुए आयात शुल्क कम करे सरकार: अनिल दुबे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे ने देश में पेट्रोल.डीज़ल, एलपीजी, खाद्य तेलों और दालों की कीमतों में रिकॉर्ड तोड वृद्धि को देखते हुए आसमान छूती ईंधन की कीमतों एवं जीएसटी दरों में कमी और महंगाई के भारी बोझ को कम करने के लिए आयात शुल्क कम करने कि मांग की है।

बुधवार को राष्ट्रीय सचिव ने बयान जारी करते हुए कहा कड़े विरोध के बावजूद, सरकार ने लगातार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ ज़िलों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये से अधिक हो गई है, जबकि एलपीजी की कीमत 900 रुपये प्रति सिलेंडर छू रही है। पिछले एक वर्ष में पेट्रोल.डीज़ल की कीमतों में 25.30 रुपये एवं एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 250 रुपये की अभूतपूर्व वृद्धि हो चुकी है। वर्ष 2014 के पूर्व जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 125 डॉलर प्रति बैरल थी, सरकारें पेट्रोल 65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 44 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध कराने में सक्षम थी और आज जब ये 75 डॉलर प्रति बैरल हैं तो जनता का तेल निकाला जा रहा है। उन्होंने देश में बेरोजगारी की ऊंची दर और वेतन कटौती पर चिंता जताते हुए कहा कि कहा कि जनता पहले से ही पिछले एक वर्ष में सरसो, वनस्पति एवं रिफाइंड इत्यादि खाद्य तेलों की कीमतों में हुई 35 से 50 रुपये प्रति लीटर और दालों की कीमतों में 15 से 20 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि से त्राहि.त्राहि कर रही है। उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर एन एस ओ द्वारा जारी आंकड़ों के हिसाब से महंगाई दर 6.26 प्रतिशत है वहीं दूसरी ओर सरकार इसे झूठी चिंता बता रही है।

21 साल पहले मृत व्यक्ति का फर्जी तरीके से बेच दिया प्लॉट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आशियाना इलाके में प्रापर्टी डीलरों ने फर्जी कागजतैयार कर 21 साल पहले मर चुके व्यक्ति का प्लॉट बेच दिया। इसफर्जीवाड़े की जानकारी मिलने पर थाने में ठगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। नोएडा सेक्टर.29 निवासी आलोक कुमार मिश्र के पिता धीरेंद्र मिश्राने 1984 में आशियाना सेक्टर.जी में 2275 वर्ग फीट का प्लॉट खरीदाथाए जिस पर बाउंड्री कराने के साथ ही गेट भी लगवाया गया था। वर्ष 2000में धीरेंद्र मिश्रा की मौत हो गई थी। इस बीच आलोक प्लॉट देखने के लिए एक बार आए थे। उनके मुताबिक बाउंड्री का कुछ हिस्सा टूटा हुआथा। यह देखने के बाद आलोक वापस लौट गए थे। कुछ समय पहले उन्हें पता चला कि प्लॉट पर किसी ने कब्जा कर लिया है। यह जानकारी मिलने परआलोक ने छानबीन करना शुरू किया। पड़ताल करने पर उन्हें पता चला कि धीरेंद्र कुमार मिश्र के नाम से जाली पहचान पत्र बना कर ठगों ने आलमबाग निवासी अनुराग मिश्रा को यह जमीन बेच दी गई है। धोखाधड़ी मेंहिंदनगर निवासी कलीम और आशियाना निवासी आशुतोष कुमार भी शामिल हैं। फर्जीवाड़े का पता चलने के बाद आलोक ने आशियाना थाने में अनुराग, कलीम, आशुतोष और धीरेंद्र बन कर रजिस्ट्री करने वाले व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

शराब तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

लखनऊ। कैंट पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिर तार करजेल भेज दिया है। आरोपियों के पास से काफी मात्रा में देशी शराब बरामद की गई है। इंस्पेक्टर कैंट के मुता बिक थाने में तैनात एसआई उमेश यादव व संजीव कुमार मंगलवार रात अपनी टीम के साथ इलाके में गश्त कररहे थे। इसी दौरान उन्होंने मुखबिर की सूचना पर वाल्मिकी मोहाल हाता बाग रोड रेलवे क्रासिंग के पास से नई बस्ती सदर कैंट निवासी आसिफ को गिर तार कर लिया। आसिफ के पास से पुलिस को 18 देशी शराब के क्वार्टर बरामद हुए है।

तालकटोरा में गैर इरादतन हत्या का आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। तालकटोरा थाना क्षेत्र के एमआईएस चौराहे के पास रविवार की रात शराब के नशे में दो लोगों के बीच हुई मारपीट में एक 28 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा सेक्टर 12 राजाजीपुरम के रहने वाले ऋतिक कुमार की तहरीर पर दर्ज कर आरोपी अम्रपाली योजना हरदोई रोड ठाकुरगंज के रहने वाले जफर अली को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर तालकटोरा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक और जफर अली आपस में दोस्त थे और दोनों नशे में धुत होकर किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा कर रहे थे मारपीट के दौरान जफर अली ने अपने मित्र के सर पर ईंट से हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल जफर के मित्र को अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर तालकटोरा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है उन्होंने बताया कि अज्ञात व्यक्ति की मौत के मामले में सेक्टर 12 राजाजीपुरम के रहने वाले ऋतिक कुमार की तहरीर पर दर्ज किए गए गैर इरादतन हत्या के मुकदमे में आरोपी बनाए गए जफर अली को आज टेंपो स्टैंड राजाजीपुरम के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

एमडी मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने किया मोहनलालगंज उपकेन्द्र का निरीक्षण

● विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए की जा रही सघन पेट्रोलिंग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रबन्ध निदेशक मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एसपी गंगवार ने 33–11 केवी उपकेन्द्र मोहनलाल गंज एवं उप अधिकारी कार्यालय मोहनलाल गंज का रात्रि निरीक्षण कर 250 केवीए परिवर्तक के लोड की जांच की।

मुख्य अभियन्ता वितरण सिस–गोमती ने 220 केवीए, कानपुर रोड एवं 33–11 केवीए, जीआईएस बस स्टैन्ड 220 केवीए उपकेन्द्र कानपुर रोड की नाइट पैट्रोलिंग की। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत नगरीय वितरण मण्डल राजभवन ने मोलवीगंज अमीनाबाद में मॉर्निंग रेड की कार्यवाही एवं नरही फॉरेस्ट कालोनी के परिवर्तक नरही के पास उमराव सिंह पार्क के परिवर्तक एवं न्यू कैन्ट उपकेन्द्र के परिवर्तक की जांच लोड बैलेसिंग की कार्यवाही की गयी। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत नगरीय वितरण मण्डल–सप्तम के नेतृत्व के अधिशासी अभियन्ता एवं उपखण्ड अधिकारी द्वारा आशियाना उपकेन्द्र वृन्दावन सेक्टर–3 एवं सेक्टर–6 में ठाकुर प्रसाद मन्दिर के पास स्थापित 400 केवीए परिवर्तक के लोड की जांच नाइट पैट्रोलिंग की गयी। अधिशासी अभियन्ता विद्युत नगरीय वितरण खण्ड रहीमनगर ने सेक्टर–13 विकासनगर के अन्तर्गत 630 केवीए परिवर्तक की लोड बैलेसिंग कल्याणपुर उपकेन्द्र कमला नेहरू नगर में स्थापित 630 केवीए परिवर्तक तथा खुर्रम नगर में स्थापित विभिन्न परिवर्तकों की जांच कर लोड बैलेसिंग एवं नाइट पैट्रोलिंग की कार्यवाही की। ठाकुरगंज क्षेत्र में अधिशासी अभियन्ता द्वारा चौपटिया में नाइट पैट्रोलिंग के दौरान परिवर्तक के लोड को चेक कराने एवं बैलेसिंग का कार्य किया गया। अधिशासी अभियन्ता चिनहट द्वारा 33–11 केवीए कमता उपकेन्द्र में पीक ऑवर्स लोड की जांच का कार्य किया गया। अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड लेसा सेस–प्रथम द्वारा उतरेटिया के एच ब्लाक साउथ सिटी में नाइट पैट्रोलिंग कर परिवर्तक की लोड बैलेसिंग की गयी।

सीएम करें एरियर भुगतान पर फैसला

लखनऊ। केंद्रीय सरकार द्वारा केंद्र के कर्मचारियों के लिए 1 जुलाई 2021 से डीए 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर दी गई है लेकिन जनवरी 2020 से जून 2021 तक के एरियर के भुगतान का आदेश नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार इसी के आधार पर आदेश जारी करेगी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उप्र के अध्यक्ष एसपी तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद कुमार वर्मा एवं महामंत्री आरके निगम ने संयुक्त रूप से मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एरियर भुगतान पर भी फैसला करें जिससे मंहगाई के दौरान कर्मचारी समाज को कुछ राहत मिल सके।

सपा प्रतिनिधि मंडल पुलिस महानिदेशक से मिला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बुधवार को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ को समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में विधान परिषद सदस्य अरविन्द कुमार सिंह, डॉण् राजपाल कश्यप तथा उदयवीर सिंह शामिल थे। पुलिस महानिदेशक से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर जनपद प्रतापगढ़ के ब्लाक आसपुर देवसरा थाना आसपुर देवसरा विधान सभा पट्टी में ब्लाक प्रमुख चुनाव में भाजपा सरकार के इशारे पर बरती गई धांधली की जांच कराकर उसमें लिप्त भाजपा के कार्यकर्ताओं और पुलिस प्रशासन के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग की है।

सपा का तहसील स्तर पर प्रदर्शन आज

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के अध्यक्षों के चुनाव में भाजपा सरकार द्वारा की गई धांधली और लोकतंत्र की हत्या के विरोध में 15 जुलाई गुरुवार को तहसील स्तर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। अखिलेश यादव पार्टी मुख्यालय में विधान परिषद सदस्यों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में समाजवादी पार्टी के सदस्य बहुमत में जीते थे। लेकिन भाजपा सरकार ने सरकारी मशीनरी का दुरूपयोग करते हुए अध्यक्ष के पदों पर अपना कब्जा जमा लिया। भाजपा सरकार ने कई जनपदों में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के नामांकन पत्र नहीं दाखिल होने दिए, कई क्षेत्र पंचायत सदस्यों का अपहरण कर लिया गया और कईयों का पुलिस द्वारा उत्पीड़न कराया गया है। श्री यादव ने कहा भाजपा जनादेश के अपहरण की साजिशें करने की तैयारियां कर रही है। भाजपा से लोकतंत्र को बड़ा खतरा है। महामहिम राष्ट्रपति महोदय जी को सम्बोधित 16 सूत्रीय ज्ञापन में भाजपा सरकार की विफलताओं का भी ब्यौरा है।

संविदा पर तैनात एएनएम की गृह जनपद में तैनाती की मांग

लखनऊ। यूपी एनएचएम में संविदा पर तैनात एएनएम ने गृह जनपद में तबादले की मांग मुख्य सचिव से की है। इस संबंध में एएनएम संविदा संघ ने मुख्य सचिव को पत्र भी लिखा है। एएनएम संविदा संघ की संयोजिका प्रेमलता पांडेय ने कहा कि कोरोना टीकाकरण में यूपी पहले पायदान पर है। इसमें एएनएम की भूमिका को कोई नजरअंदाज नहीं कर सकता है। प्रदेश भर में संविदा पर तैनात करीब 16 हजार एएनएम कोरोना मरीजों की सेवा में जुटी हैं। इसके बावजूद हमारी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं है। हालात यह है कि गृह जनपद में तबादला तक नहीं हो रहा है। कम वेतन में किराए का मकान लेकर गुजारा करने में दिक्कत आ रही है। जबकि गृह जनपद में तबादला होने से तमाम समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

मोहम्मद फाहद समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कासगंज निवासी मोहम्मद फाहद को समाजवादी युवजन सभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया है। यह जानकारी समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने दी। श्री पटेल ने बताया इसके साथ ही देवरिया निवासी उदय प्रकाश यादव को समाजवादी युवजन सभा का राष्ट्रीय महासचिव नामित किया जाता है।

यूपीएएल की मदद से बेसहारा परिवार को मिली आसरे की छांव

मोहनलालगंज। कोरोना काल में पति इकबाल खां को खो चुकी सिसेण्डी की बेसहारा रेशमा को मोहनलालगंज की यूपीएएल ने आसरे की छांव मुहैया कराई है। समाजसेवी ललित दीक्षित की पहल पर फैक्ट्री महाप्रबंधक जीएन श्रीवास्तव ने रेशमा के घर में एस्बेस्टस की चादरें मुफ्त में रखाकर मानवता की मिशाल पेश की है। जिसे लेकर बेसहारा रेशमा के परिवार ने फैक्ट्री प्रबन्धन का आभार जताया है। इससे पहले कई समाजसेवी इस जरुरतमंद परिवार को आर्थिक मदद भी मुहैया करा चुके हैं।

एसएसबी ने किया पौधरोपण

मोहनलालगंज। सशस्त्र सीमा बल के डीआईजी अभिषेक पाठक ने बुधवार को जवानों के साथ मोहनलालगंज के कनकहा, जबरौली, बिन्दौवा, गदियाना, उतरावां, छोटीखेड़ा समेत दर्जनभर गांव में अभियान पौधरोपण किया। इस अवसर पर विभिन्न एसएसबी अधिकारी मौजूद रहे।

वैभव बने भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री

लखनऊ। बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची बुधवार शाम को जारी हो गई है। सूची में उत्तर प्रदेश से दो पदाधिकारी शामिल हैं। राष्ट्रीय सूची में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में डॉ अभिनव प्रकाश और राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में वैभव सिंह का नाम है। वैभव सिंह इसके पहले भाजयुमो के पूर्व उपाध्यक्ष रह चुके हैं। गोंडा निवासी वैभव की पारिवारिक पृष्ठिभूमि राजनीति से जुड़ी रही है। वैभव के पिता सत्यदेव सिंह एक बार गोंडा और दो बार बलरामपुर से सांसद निर्वाचित रहे हैं। उनकी माता बलरामपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष और गोंडा की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष रह चुकी हैं। राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में नाम घोषित होने के बाद वैभव सिंह ने पत्रकारों को बताया कि मेरा पूरा परिवार चार दशकों से पार्टी के प्रति निस्वार्थ भाव से तत्पर है। पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करूंगा।

आवागमन ठप, खाद के लिए भटक रहे तीन हजार किसान

मोहनलालगंज। मौरावां रोड का निर्माण करा रही लोक निर्माण विभाग की विश्व बैंक यूनिट ने मोहनलालगंज की साधन सहकारी समिति भौंदरी का आवागमन ठप कर दिया है। लिहाजा समिति से जुड़े तकरीबन पचास गांव के तीन हजार से अधिक किसानों को धान की फसल उगाने के लिए खाद नहीं मिल पा रही है। खाद के लिए भटक रहे किसानों की परेशानी को लेकर समिति पदाधिकारी लगातार पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं। लेकिन पांच महीने बाद भी समस्या का समाधान नहीं कराया जा सका है। अलबत्ता रोड किनारे बनाए गए नाले की ऊंचाई बढ़ा दिए जाने से समिति परिसर और ग्रामीणों के सामने जलनिकासी की जटिल समस्या खड़ी हो गई है। मोहनलालगंज के भौन्दरी एडेहवा एभसण्डा एधनुवासांड़ एभदेसुवा एउत्तरगांव एसिसेण्डी एजबरौली एसमेत तकरीबन पचास गांव के तीन हजार से अधिक किसान साधन सहकारी समिति भौंदरी से खाद ले जाते हैं।

न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू करने का लूटा ने किया विरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शासन स्तर पर शैक्षिक सत्र 2012–22 पर सभी राज्य विश्वविद्यालयों में न्यूनतम समान पाठ्यक्रम लागू करने की कवायद का लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने विरोध किया है। शिक्षक संघ का कहना है कि नई शिक्षा नीति के नाम पर राज्य सरकार विश्वविद्यालयों की अकादमिक स्वायत्तता को समाप्त करने का प्रयास कर रही है। दुनिया के किसी भी विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम सरकार द्वारा तय नहीं किया जाता। उत्तर प्रदेश में ऐसा किया जा रहा है। लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ विनीत वर्मा वह महामंत्री डॉ राजेंद्र कुमार वर्मा की तरफसे कहा गया है कि विश्वविद्यालय के संकायों बोर्डों द्वारा गंभीर चर्चा के बाद इसे नई शिक्षा नीति के अनुरूप न होने के कारण खारिज किया जा चुका है। लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी विभागों द्वारा कुलपति के निर्देश पर अपनी 100 वर्ष की विशिष्टता को समायोजित करते हुए नई शिक्षा नीति के अनुरूप चार वर्षीय पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। किंतु शासन ने इस पर विचार करने के बजाए पुनः पत्र जारी कर सभी विश्वविद्यालयों को शासन द्वारा निर्मित न्यूनतम समान पाठ्यक्रम इसी सत्र से लागू करने का आदेश दिया है।

शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी करने की मांग: लखनऊ। वर्ष 2013 के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों की वरिष्ठता सूची न जारी होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने नाराजगी जताई है। शिक्षक संघ का कहना है कि इस दौरान कई शिक्षक सेवानिवृत्त हुए तथा कई शिक्षक नियुक्त हुए हैं। वरिष्ठता सूची न होने से शिक्षकों में आए दिन वरिष्ठता के विवाद सामने आ रहे हैं। ऐसे में विवि प्रशासन को वरिष्ठता सूची जारी करनी चाहिए। शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. विनीत वर्मा व महामंत्री डॉ. राजेन्द्र कुमार वर्मा की तरफ से कुलपति को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि विगत कुछ वर्षों में कुछ शिक्षक बिना प्रोन्नति प्राप्त किए ही सेवानिवृत्त हो गए।

योगी ने फरियादियों को दिया भरोसा

- सीएम ने जनता दरबार में सुनीं समस्याएं, रुपये के अभाव में नहीं रुकेगा किसी गरीब का इलाज
- एक शिकायत तीन बार आने पर अधिकारियों पर नाराज हुए सीएम

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में अपने दौरे के दूसरे दिन बुधवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर में नित्य दिनचर्या के बाद जनता दरबार में लोगों की समस्या सुनीं। इस दौरान सीएम के जनता दरबार में गोरखपुर सहित विभिन्न जिलों से करीब 300 फरियादी पहुंचे। योगी आदित्यनाथ एक.एक कर सभी फरियादियों के पास गए उनकी समस्या सुन अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब जनता दरबार में लोगों की शिकायतें सुन रहे थेए तभी एक फरियादी ने उनसे इस बात की शिकायत की कि पिछले दो बार से आ रहे हैंए यह तीसरी बार है। इस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई। कहा भविष्य में इसकी पुनरावृति नहीं होनी चाहिए। जिस स्तर पर समस्या जाए उसका वहीं पर स्थाई हल दें। जनता दरबार मे सीएम के सामने महिला से धोखे से शादी कर उसके साथ जबरिया धर्म परिवर्तन कराए जाने का भी मामला पहुंचा। रामगढ़ताल इलाके की रहने वाली महिला ने सीएम योगी को बताया कि तीन वर्ष पूर्व कोतवाली इलाके के नखास पर रहने वाले अमीरूल हक नाम के व्यक्ति ने धोखे से उससे कोर्ट मैरिज कर ली और फिर अब उसका जबरिया धर्म परिवर्तन कराना चाहता है। सीएम ने तत्काल अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके अलावा सउदी अरब में मृत व्यक्ति का शव वतन वापस जाने सहितए अधिकारियों द्वारा मामलों में सही रिपोर्ट न दिए जाने और अधिकांश जमीनी विवाद और पुलिस से जुड़े मामले पहुंचे। गंभीर बीमारियों का पैसों के अभाव में इलाज नहीं हो पाने के मामलों को भी सीएम ने गंभीरता से लिया। जनता दरबार में करीब आधा दर्जन ऐसे मामले आएए जिसके परिजन किसी न किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैंए लेकिन पैसों के अभाव में उनका इलाज नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री ने ऐसे मामलों में फरियादियों को अस्पताल से इलाज का इस्टिमेट बनवाकर देने को कहा है। उन्होंने कहा कि रुपयों को अभाव में किसी भी गरीब का इलाज नहीं रूकेगा। ऐसे सभी गरीबों का इलाज सरकार की ओर से कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी अपनी दिनचर्या के अनुसार सुबह सबसे पहले नाथपंथ के आदि गुरु गोरक्षनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई और फिर अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के समाधि स्थल पर जाकर उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर का भ्रमण करने के बाद वे हमेशा की तरह गोशाला गए और करीबा आधा घंटा गायों के बीच गुजारा। उन्हें गुड़ भी खिलाया।

गोरखपुर में 8025.47 लाख की योजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में योगीराज बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केन्द्र में आयोजित कुल 8025.47 लाख रुपए की लागत की 123 अवस्थापना विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इनमें 3953.53 लाख रुपए की 48 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 4071.94 लाख रुपए की लागत की 75 परियोजनाओं का लोकार्पण सम्मिलित है। यह परियोजनाएं विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर ग्रामीण, पिपराइच, सहजनवा, बासगांव, खजनी के विकास कार्यों की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास किसी क्षेत्र विशेष के लिए सीमित नहीं है बल्कि पूरे जनपद के जनमानस के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए है। विकास के लिए धन की कमी नहीं है, आवश्यकता है कि उपलब्ध धनराशि का समयबद्ध ढंग से सदुपयोग किया जाए। विकास हर नागरिक के जीवन में परिवर्तनए खुशहाली एवं रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करेगा। विकास का कोई विकल्प नहीं होता है।

- विकास एक क्षेत्र तक सीमित नहीं बल्कि पूरे जनमानस के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए है

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी योजनाएं जनहित में संचालित की जाती हैं उनका लाभ पात्र जन को समय से उपलब्ध कराया जाए और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के बजाए सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास की स्वीकृत योजनाओं में समग्रता छिपी होती है। सबका साथ और सबका विकास का भाव निहित होता है। हम सबका दायित्व है कि स्वीकृत परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाएए यह हर नागरिक के जीवन में परिवर्तन लाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर समेत पूरे प्रदेश में कोरोना का सफलतापूर्वक मुकाबला करने के साथ-साथ विकास की परियोजनाओं को भी तेजी के साथ आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। जीवन के साथ ही जीविका को भी बचाया गया है। उन्होंने कहा कि कोरोना कमजोर हुआ है समाप्त नहीं, इसके प्रति लापरवाही नहीं होनी चाहिए। हर व्यक्ति मास्क पहने यह सुरक्षा प्रदान करता है और मास्क तमाम प्रकार के इंफेक्शन से बचाने में सफल है। इसके प्रति सभी को जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना कालखण्ड के दौरान कोरोना नियंत्रण में निगरानी समितियों द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है। यह समितियां मेडिकल किट वितरण से लेकर घर-घर जाकर स्क्रीनिंग का कार्य कर रही हैं। निगरानी समितियों से जुड़े हुए लोगों को सम्मानित करना हमारा दायित्व बनता है, सभी के सामूहिक प्रयासों का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि कोरोना के लक्षण दिखते ही इसे छिपाने के बजाए जांच कराकर उपचार कराएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कारण जिन बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया है। ऐसे बच्चों के कानूनी अभिभावक के बैंक खाते में उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत जल्द ही 4000 रुपए दिए जाएंगे और नि:शुल्क आधुनिक शिक्षा की व्यवस्था के साथ ही कोरोना के कारण निराश्रित महिलाओं को पेंशन तथा उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार दिया जाएगा ताकि वे आत्मनिर्भर होकर रह सकें।

मोदी आज फिर आएंगे काशी का हौसला बढ़ाने

- अपने संसदीय क्षेत्र में पांच घंटा के दौरान एमसीएच विंग में कोविड की तीसरी लहर पर चिकित्सकों से करेंगे चर्चा, अरबों की योजनाओं का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

पीएम नरेन्द्र मोदी 15 जुलाई को बीएचयू के आईआईटी कैम्पस सहित शहर के अन्य कार्यक्रम में शिरकत के आ रहे हैं और करीब पांच घंटा रहेगें तथा 15सौ से अधिक योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास करेगें तथा 1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देने के बाद एमसीएच विंग में कोविड की तीसरी लहर पर चिकित्सकों से चर्चा करेगें। बीएचयू हैलीपैड पर देश के पीएम नरेन्द्र मोदी एवं वाराणसी के सांसद का स्वागत प्रदेश की गर्वनर आनंदी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित उनके मंत्रिमंडल के साथी करेगें। अपने संसदीय क्षेत्र में निर्धारित कार्यक्रम में शिरकत करने आ रहे प्रधानमंत्री मोदी काशीवासियों की कई योजनाओं की सौगात देने के साथ ही तीसरी लहर को लेकर यहां के डाक्टरों से संवाद भी करेंगे। इसके लिए बीएचयू की एमसीएच ;मैटर्नल एंड चाइल्ड हेल्थद्ध विंग में दो स्टेज बनाए जा रहे हैं। कोरोना की पहली व दूसरी लहर में संक्रमण से लड़ने के काशी के तौर.तरीकों की प्रधानमंत्री मोदी कई मंचों से तारीफ कर चुके हैं। अब तीसरी लहर से निबटने में काशी को पूर्वांचल व देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहली बार होगा कि प्रधानमंत्री कोरोना से बचाव को लेकर मेडिकल टीम संग बनारस में आमने .सामने संवाद करेंगे। बीएचयू हास्पिटल का शताब्दी सुपर स्पेशियालिटी काम्लेक्स पहली लहर की शुरुआत से ही लेवल.थ्री कोविड केयर सेंटर के रूप में सेवारत है। वहीं दूसरी लहर में जरूरत बढ़ने पर डीआरडीओ की ओर से बीएचयू में ही 750 बेड की क्षमता वाला अस्थाई हास्पिटल तैयार किया गया। दोनों सेंटर पर बनारस ही नहीं पूर्वांचल के अन्य जिलों के गंभीर मरीजों का इलाज किया गया। ऐसे में यदि संक्रमण की तीसरी लहर आती है तो चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में बनारस एक बार फिर पूर्वांचल का केंद्र होगा।

रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन में जापान के राजदूत भी होंगे शामिल

वाराणसी। भारत और जापान दोस्ती के प्रतीक वाराणसी में बने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के लोकार्पण में जापान के राजदूत और दूतावास के अन-?य अधिकारी भी शामिल होंगे। जापानी दल आज बुधवार दोपहर बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंच गया। सड़क मार्ग से होटल गेट.वे में पूरी टीम ठहरी है। इस दौरान तीन दिवसीय दौरे में भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स-?थली सारनाथ में दर्शन.पूजन और भ्रमण भी करना है।भारत.जापान दोस्ती के प्रतीक रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के लोकार्पण में जापान के राजदूत सुजीकी सातोषी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल बुधवार को बनारस पहुंच गया।

इंडियनऑयल ने कानपुर में किया फ्री पेट्रोल स्कीम और सर्वो एक्सट्रा कैश ऑफर का शुभारंभ

कानपुर। इंडियनऑयल ने आज कानपुर नगर में अपने विश्व स्तरीय ल्यूब ब्रांड सर्वो के अंतर्गत ष्फ्री पेट्रोलष् स्कीम का शुभारम्भ किया। इंडियन ऑयल के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख, उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालयडा. उत्तीय भट्टाचार्य ने बीएल ऑटो फिल्स पेट्रोल पम्प, कानपुर से फ्री पेट्रोल स्कीम को लॉंच किया। स्कीम के बारे में बात करते हुए डॉ. भट्टाचार्य ने कहा कि पहली बार सर्वो टी जूम के 900 एमल पैक की खरीद पर ग्राहकों को आधा लीटर पेट्रोल फ्री दिया जाएगा। यह स्कीम दुपहिया वाहन चालकों के लिये है। फायदों के बारे में बात करते हुए राज्य प्रमुख ने कहा कि एक बार इसको डालने के बाद आपकी बाइक का सफर आरामदायक हो जाएगा। इस ल्यूब के इस्तेमाल से इंजिन साफरहता है और वियर एंड टेयर कम होता है। इस अवसर पर डॉ. भट्टाचार्य नेफ्री पेट्रोल स्कीम का भी विमोचन किया। इस अवसर पर श्री गिरीश जैनए जनरल मैनेजर, रजत कौशलए जनरल मैनेजर दुश्यंत सिंह, डिवीज़नल रीटेल हैड कानपुर डीओ परिमल कुमारए चीफ़ मैनेजर एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

संजय सिंह ने एनटीपीसी टांडा परियोजना प्रमुख का कार्यभार संभाला

संवाददाता। टांडा, अम्बेडकर

संजय कुमार सिंह ने सोमवार को एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। श्री के.श्रीनिवास राव पूर्व परियोजना प्रमुख को कार्यकारी निदेशक के पद पर पदोन्नति के बाद तलचर स्थानांतरित कर दिया गया है। एनटीपीसी में 37 वर्षों की अपनी सेवा में श्री सिंह ने 3 मार्च 2020 को एनटीपीसी टांडा में महाप्रबंधक संचालन और रखरखाव के रूप में शामिल होने से पहले सिंगरौली, दादरी, ईओसी, गडरवारा सहित विभिन्न स्टेशनों पर काम किया है। कार्यभार सौंपने पर श्री सिंह ने कहा-श्री राव के कुशल मार्गदर्शन में टीम टांडा के एक हिस्से के रूप में काम करना एक खुशी की बात है। विभिन्न विभागों के साथ निकट समन्वय में यूनिट को चालू करने की प्रक्रिया में मेरी भागीदारी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं एनटीपीसी टांडा की निरंतर प्रगति के लिए उन पाठों का उपयोग करने की पूरी कोशिश करूंगा।

यूपी चुनाव समेत तीसरी लहर पर रहा संघ का पूरा फोकस

- चिंतन शिविर का हुआ समापन

संवाददाता। चित्रकूट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पांच दिवसीय राष्ट्रीय चिन्तन बैठक में तय किये मसौदों को सार्वजनिक नहीं किया गया। माना जा रहा है कि कोरोना की सम्भावित तीसरी लहर से बचने और बचाने व यूपी समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में फतह दिलाने की रणनीति पर संघ काम करेगा। छह से 13 जुलाई तक राष्ट्रीय चिन्तन बैठक में संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने चित्रकूट में मंथन किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ व वर्चुअल आनलाइन छोटे-बडे 15 सत्रों में हुई बैठक में सभी की राय परेशानी और उपाय जाने गये। आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय की गई। बैठक के अन्तिम दिन मंगलवार की शाम तक संघ की ओर से कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई। माना जा रहा है कि मंथन के बाद तय मसौदों पर ही संघ आगे काम करेगा। बैठक में किसानों के साथ समन्वय बनाने और कृषि उपज बढाने की परम्परागत कृषि के साथ आधुनिक खेती को किसानों को प्रेरित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों के भविष्य को बेहतर बनाने को संघ कार्य करेगा। पौधरोपण नदियों, तालाबों में सफाई के साथ जागरूकता पर जोर दिया। हिन्दुत्व एजेंडे में बदलाव ना कर मुस्लिमों से समन्वय स्थापित कर संघ से जोड़ने के प्रयास होंगे। अगले वर्ष पांच राज्यों में चुनाव में भाजपा की सरकार बनवाने में सहयोगी भूमिका निभाने की तैयारी की गई।

याद किये गए रज्जू भैया

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सिविल लाइन्स में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा से याद किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल और विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचन्द्र प्रान्तीय संगठन मंत्री डा राम मनोहर क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह सह मंत्री चिन्तामणि सिंह क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख जगदीश सिंह एवं रानी रेवती सरस्वती विद्या निकेतन के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय ने परिसर में वृहद वृक्षारोपण कर रज्जू भैया को श्रद्धासुमन अर्पित किया। प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह ने कहा इस माह में प्रत्येक दिन प्रयाग महानगर के विभिन्न महानुभावों के द्वारा वृक्षारोपण कराया जाएगा।

जहरीली शराब से मौत की बढ़ती घटनाओं पर कोर्ट ने जताई चिंता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जहरीली शराब पीने से मौत की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है।कोर्ट ने कहा कि पैसे की लालच में नकली शराब बेचने वाले लोगों के जीवन से खेल रहे हैं। ये विधवाओं और अनाथों को जन्म दे रहे हैं। ये न केवल पीड़ित अपितु समाज के अपराधी हैं। जिन पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा प्रयागराज के फूलपुर की अमिलिया देशी शराब के ठेके से नकली शराब पीने से 6 लोगों की मौत और दर्जनों के बीमार होने की घटना गंभीर है। मरने से बचे लोगों को आगे चलकर के गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

याची के महिला होने के नाते ऐसे अपराध में राहत नहीं दी जा सकती। जमानत पर छूटने पर पीड़ितों को धमकाये जाने की संभावना है। कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी है।यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने संगीता जायसवाल की अर्जी पर दिया है। आबकारी निरीक्षक विजय प्रताप यादव ने फूलपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अनुज्ञा पी याची के पति श्याम बाबू जायसवाल और सेल्समैन जगजीत सिंह को नकली शराब बेचने का आरोपी बनाया गया है। 19 नवंबर 20 को लोगों ने ठेके से शराब खरीदी। पीने के बाद बीमार पड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। छ: लोग मर गए की बीमार है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सेल्समैन जगजीत सिंह को गिरफ्तार कर नमूना जांच के लिए भेजा गया है। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में जहरीली शराब पीने से मौत की घटनाएं हुई हैं। पिछले 11 महीनों में 96 लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हो चुकी है। इसमें समाज के हाशिए के लोग पीड़ित हैं। मृतकों के शरीर से इथाइल मिथाइल जहर मिला है। जो गंभीर अपराध है।

छात्रनेता व अधिवक्ता राहुल राज की हालत अभी गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कैंट थाना क्षेत्र के घौसाबाद में बदमाशों द्वारा गोली से घायल राहुल राज की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। आटो रिक्शा पर सवार बदमाशों ने पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष राहुलराज पर गोली मार दी।चिकित्सकों के अनुसार गोली छात्रनेता के हड्डी में घुसी है जिससे अभी भी खतरा बना हुआ है। छात्रनेता के बयान पर पुलिस कुछ बदमाशों को उठाकर पूछताछ में जुटी है। छात्रनेता को दोपहर में बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। कैंट थानांतर्गत घौसाबाद क्षेत्र में मंगलवार की रात 11ण्30 बजे ऑटो रिक्शा सवार बदमाशों ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष व अधिवक्ता राहुल राज ;27द्ध को पीछे से गोली मार दी। हमले में घायल राहुल ने पड़ोसी के घर में घुसकर किसी तरह अपनी जान बचाई। हालांकिए रीढ़ में गोली लगने से हालत देर रात तक चिंताजनक बनी रही। घायल को मलदहिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायल पूर्व छात्र नेता के बयान के आधार पर एक आरोपित को रात में ही हिरासत में लेने की खबर है। वहीं कैंट थाने पर तहरीर भी रात में ही लिख दी गई। परिजनों के अनुसार घौसाबाद निवासी राहुल अपने घर लच्छीपुरा स्थित चेंबर से लौट रहा था। बाइक वरुणा पुल निवासी यासिर चला रहा था और राहुल पीछे बैठा था। घर से चंद कदम पहले ज्वाला देवी मंदिर के सामने पीछे से आए ऑटो सवार ने बाइक में टक्कर मार दी। इसके बाद यासिर अनियंत्रित हो गया। ऑटो से निकले दो युवकों में एक ने असलहा निकालकर फायर कर दिया। फायर होने के बाद गोली राहुल के पीठ की ओर लग गई।

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक पूरी होगी राममंदिर की नींव भराई

- श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर निर्माण की समीक्षा की ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ हुई मंत्रणा, आज भी जारी रहेगी समीक्षा बैठक

संवाददाता। अयोध्या

भगवान श्री राम लला के भव्य मंदिर निर्माण के लिए बनाया गया श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट लगभग पिछले 1 महीने से जमीन विवाद घोटाले में घिरा हुआ था। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ संघ को भी जमीन विवाद घोटाला अपने संज्ञान में लेना पड़ा और चित्रकूट की बड़ी बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत के सामने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्र को भी पेश होना पड़ा। जमीन विवादों के बीच में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के निर्माण समिति के अध्यक्ष पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे राम लला के दर्शन के बाद पहली पाली में राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यदाई संस्था एलएनटी व ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ परिसर में बैठक की। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में दूसरी पाली की बैठक अयोध्या के सर्किट हाउस में प्रारंभ हुई जहां श्री राम मंदिर निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और नए निर्णय भी लिए गए। बैठक समाप्त होने के बाद ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि सितंबर के अंतिम सप्ताह और अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक श्री राम मंदिर के नीव भराई का कार्य पूरा हो जाएगा और श्री राम मंदिर के दीवारों का कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने कहा श्री राम मंदिर निर्माण के कार्यों में तेजी लाई गई है और बहुत जल्द न्यू का कार्य पूरा हो जाएगा।

अधिकारियों से मिले नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या। अयोध्या पहुंचने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने अयोध्या के जिलाधिकारी व एसएसपी से मुलाकात की और भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण के बारे में जाना। सूत्रों की माने तो बैठक के पहले अधिकारियों से मुलाकात कर निर्माण समिति के अध्यक्ष जमीन विवाद और श्री राम मंदिर की सुरक्षा के बारे में जानकारी ली क्योंकि कुछ दिन पहले अयोध्या से लगभग 120 किलोमीटर दूर लखनऊ में कुछ आतंकी पकड़े गए थे

घातक लापरवाही

तीसरी लहर का खतरा

ऐसा लगता है कि अनेक राज्यों को कोविड-19 की लगभग निश्चित तीसरी लहर के खतरे के बारे में जरा भी चिन्ता नहीं है। समय आ गया है कि अब अदालतें हस्तक्षेप कर देश को कोरोनावायरस के ज्यादा खतरनाक रूप की चपेट में आने से बचाएं जो किसी दिन हमला कर सकता है। जून में बड़े उत्साह से कहा जा रहा था कि कोविड-19 की दूसरी लहर कमजोर पड़ने लगी है या बिल्कुल समाप्त हो गई है। लेकिन अब तीसरी लहर आने की गिनती शुरू हो गई है जो ज्यादा खतरनाक डेल्टा प्लस रूप के कारण होगी। इंडियन मेडिकल असोसियेशन ने कहा था कि वर्तमान समय में विभिन्न राज्यों में लोगों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकालों के घोर उल्लंघन को देखते हुए तीसरी लहर का आना अपरिहार्य है। महाराष्ट्र और केरल में मामले अभी से बढ़ने लगे हैं, हालांकि दोनों राज्य तर्क दे रहे हैं कि अभी स्थिति नियंत्रण से बाहर नहीं हुई है। अब सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के नवीनतम हाटस्पाट के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र के कम से कम दस जिलों में पाजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से अधिक है। अरुणाचल प्रदेश के 10 जिलों में सक्रिय मामले बहुत अधिक हैं। ऐसे जिलों की संख्या मणिपुर में नौ, मेघालय में छह, त्रिपुरा में तीन, मिजोरम में दो तथा सिक्किम व असम में एक-एक है। सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे के रूप में राज्य सरकारों की उपस्थिति ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में है। अधिकांश राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति दयनीय है।

उदाहरण के लिए, अरुणाचल प्रदेश में गांव बहुत दूर-दूर हैं, वहां तक पहुंचना आसान नहीं है और लोग चिकित्सा सहायता की अनुपस्थिति की

शिकायत करते हैं। इन सभी राज्यों में मामले ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे हैं और पूरे-पूरे परिवारों के संक्रमित होने की विशिष्ट परिघटना सामने आई है। हालांकि, इस तथ्य से थोड़ी सांत्वना मिलती है कि मृत्यु दर संक्रमण दर जितनी अधिक नहीं है। ऐसा कोई अभियान नहीं दिख रहा है जो लोगों को मास्क पहनने तथा शारीरिक दूरी बनाए रखने पर मजबूर कर सके। इन सबके साथ नागरिक गैर-जिम्मेदारी की भावना से उत्तर भारत में वायरस सुपरस्प्रेडर घटनाओं का खतरा मंडरा रहा है। चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा दो ऐसे आगामी बड़े अवसर हैं कि यदि इनकी अनुमति दी जाती है तो ये कुंभ मेले की तरह भयानक विभीषिका का कारण बन सकते हैं। लाखों भक्तों ने यात्रा शुरू कर दी है। 2019 में दस राज्यों के 30 मिलियन से अधिक भक्तों ने कांवड़ यात्रा में भाग लिया था। यदि इस साल इसकी अनुमति दी जाती है तो तार्किक रूप से यह स्वास्थ्यरक्षा विभीषिका हो सकती है। राज्य सरकारों ने अभी इस मामले में निर्णय नहीं लिया है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया है कि वह कोविड प्रोटोकालों का पूरी तरह पालन करते हुए यात्रा करा सकती है। लेकिन जैसा कि कुंभ मेले के उदाहरण से स्पष्ट है, इनका पालन शायद ही कोई करता हो। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा रद्द करने के राज्य उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। वर्तमान समय में उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र जैसे वायरस बम पर बैठे हुए हैं। भारी संख्या में भीड़ अनलाक का लाभ उठा रही है और किसी को मास्क पहनने या शारीरिक दूरी का पालन करने की चिन्ता नहीं है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकारों या जनता ने अतीत की गलतियों से कोई सबक नहीं सीखे हैं और वे अपने कृत्यों से तीसरी लहर को आमंत्रित कर रहे हैं। ऐसे में अदालतों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

राजकोषीय असंतुलन की स्थिति

सरकार जिस प्रकार बिना किसी जवाबदेही के अपनी राजस्व योजनाएं लागू कर रही है, उससे राजस्व प्राप्तियों व खर्च में असंतुलन ठीक करने में कठिनाई हो सकती है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

कई साल से नरेन्द्र मोदी सरकार भारी राजस्व घाटे-एफडी का सामना कर रही है। संशोधित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2020-21 में एफडी सकल घरेलू उत्पाद का असाधारण रूप से 9.5 प्रतिशत रहा। इसे आर्थिक गतिविधियों पर कोरोनावायरस वैश्विक महामारी का विनाशकारी प्रभाव कहा जा रहा है। लेकिन जब ऐसी कोई समस्या नहीं थी, तब भी 2017-18, 2018-19 व 2019-20 में भी राजकोषीय घाटा 5.5-6 प्रतिशत के बीच था और यह इन वर्षों के लिए निर्धारित लक्ष्यों से बहुत अधिक था। इसका कारण यह है कि खर्च और राजस्व के बारे में सरकार कभी अपने वादों पर खरी नहीं उतरी। हमें कुछ उदाहरणों पर गौर करना चाहिए। 1919-92 में तत्कालीन नरसिम्हाराव सरकार ने तीन साल में उर्वरक सब्सिडी समाप्त करने की प्रतिबद्धता प्रकट की जो खर्च का बड़ा हिस्सा थी। इसके बावजूद यह सब्सिडी 1993-94 के बाद भी जारी रही। वर्ष 2000 में खर्च सुधार आयोग-ईआरसी ने चरणबद्ध रूप से उर्वरक सब्सिडी पांच साल में समाप्त करने की योजना पेश की जिसकी शुरुआत 2001-02 से होनी थी। 2005-06 तक यह केवल सीधे छोटे व सीमान्त किसानों को दी जानी थी। लेकिन इसे हटाने की तो बात दूर, भुगतान में लगातार भारी वृद्धि हुई और यह 2008-09 में 1,00,000 करोड़ रुपये की सीमा भी पार कर गया। 2014 में तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने तीन मुख्य सब्सिडियों-खाद्य, उर्वरक व ईंधन में कमी का वादा किया था। इनको 2014-15 में जीडीपी का 2 प्रतिशत, 2015-16 में 1.7 प्रतिशत तथा 2016-17 में 1.6 प्रतिशत किया जाना था। लेकिन ये सब्सिडी बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। 2020-21 में केन्द्र ने इन सब्सिडियों पर 6,74,000 करोड़ खर्च किए जिनमें खाद्य पर 5,00,000, उर्वरक पर 1,34,000 करोड़ तथा ईंधन पर 40,000 करोड़ थे। ये जीडीपी का लगभग 3.5 प्रतिशत हैं जो जेटली द्वारा 2015-17 के निर्धारित लक्ष्य से अधिक हैं। इन सब्सिडी में लाखों अवांछित लोगों को मिलने वाली सब्सिडी शामिल है, सस्ते खाद्य व उर्वरकों का दुरुपयोग होता है तथा हैंडलिंग व वितरण खर्च के रूप में भारतीय खाद्य निगम एजेंसियों को बहुत अधिक भुगतान करता है।

राजस्व में टैक्सों का हिस्सा सबसे ज्यादा है। 2020-21 में केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्यक्ष कर संग्रह लगभग 9,30,000 करोड़ था। इसमें कार्पोरेट आयकर-सीआईटी 4,57,000 करोड़ तथा व्यक्तिगत आयकर-पीआईटी 4,71,000 करोड़ था। यह वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी का केवल 4.7 प्रतिशत है जिसमें दोनों करों का हिस्सा लगभग 2.35-2.35 प्रतिशत है। पीआईटी क्षेत्र में 60 प्रतिशत से अधिक घोषित आय 'वेतनभोगी वर्ग' की है। इससे यह पूर्णतः स्पष्ट है कि अधिकांशतः असंगठित क्षेत्र में आमदनी करने वालों की आय का बड़ा हिस्सा अघोषित रहता है। नवंबर, 2016 में पूर्ण नोटबंदी के थोड़े से समय को छोड़ कर यह करापवंचन बढ़ा है। इसके साथ ही अपनी आय घोषित करने वालों को भी अनेक रियायतों से सहायता मिलती है और वे बहुत कम टैक्स देते हैं या बिल्कुल नहीं देते हैं। कार्पोरेट क्षेत्र में भी रियायतों व कटौतियों के कारण सीआईटी संग्रह बाधित होता है तथा अनेक कंपनियां अपना कर 20 प्रतिशत तक ले जाने में सफल हुई हैं, जबकि वर्तमान दर 34.9 प्रतिशत है। सरकार ने करों की दर में भारी कमी की है तथा विनिर्माण क्षेत्र में 'नए उद्यमों' के लिए वर्तमान 25 प्रतिशत कर के स्थान पर 15 प्रतिशत की अनुमति दी है। 20 सितंबर, 2019 को घोषित इस कटौती से हर साल लगभग 1,50,000 करोड़ रुपये का घाटा होता है। जहां तक परोक्ष करों का मामला है, 2020-21 में केन्द्र ने इस स्रोत से 10,64,000 करोड़ रुपये एकत्र किए जो जीडीपी का लगभग 5.5 प्रतिशत हैं। परोक्ष करों से उच्च संग्रह अच्छा नहीं माना जाता है क्योंकि इसका प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर 'समान' रूप से पड़ता है जिनमें अधिकांश गरीब लोग हैं। इसके उलट प्रत्यक्ष कर किसी व्यक्ति की आय पर लगता है और इसे 'प्रगतिशील' माना जाता है क्योंकि ज्यादा आय वाला व्यक्ति ज्यादा टैक्स देता है। इससे भी बुरी बात है कि इस स्रोत से राजस्व का बड़ा हिस्सा पेट्रोल व डीजल पर सेंट्रल एक्साइज़ ड्यूटी-सीईडी लगाने से आता है। 2020-21 में सीईडी से केन्द्र का संग्रह 3,90,000 करोड़ था जिसमें सड़क व ढांचागत सेस भी शामिल है। यह सकल परोक्ष टैक्स राजस्व का 37 प्रतिशत है। प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक प्रयोग या उपभोग का अविभाज्य अंग होने के कारण ईंधनों पर उच्च कर न केवल उन पर भारी बोझ डालता है, बल्कि इससे गरीबों को मुफ्त राशन या सस्ते खाद्यान्न देने जैसी कल्याणकारी योजनायें चलाने पर खर्च भी बढ़ता है। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में सीईडी व वैट का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक है। यह 'एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने' का मामला है।

सरकार के वित्त मंत्रालय में बैठे लोग समझते हैं कि ईंधन टैक्सों से प्राप्त राजस्व सरकार को ढांचागत विकास तथा अनेक कल्याणकारी योजनायें चलाने में सहायता करता है। लेकिन उनको खाद्य, उर्वरक व ईंधनों पर बढ़ते सब्सिडी भुगतानों पर भी गौर करना चाहिए जो 2020-21 में 6,74,000 करोड़ तक पहुंच गए थे। इसका एक बड़ा हिस्सा ईंधन की बढ़ी कीमतों पर खर्च होता है। जहां तक वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी का सवाल है, शुरुआत में इसने व्यवस्था को स्थिर करने में सहायता की तथा इस मद में संग्रह बढ़ने की उम्मीद थी। इसका कारण वृद्धि तेज होना तथा उन करोड़ों लेनदेन को कर दायरे में लाना था जिन पर 1 जुलाई, 2017 से पहले टैक्स लागू नहीं हो पाता था। लेकिन प्राप्तियों में कमी आई। केन्द्र द्वारा 2020-21 में कुल टैक्स संग्रह 5,48,000 करोड़ था, जबकि महामारी के पहले 2019-20 में यह संग्रह 5,99,000 करोड़ था। हालांकि, ई-वे बिल, एलेक्ट्रानिक इन्वायस, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन-आरएफआईडी टैग जैसे अनेक उपाय सरकार द्वारा कर चोरी रोकने के लिए किए गए हैं, पर टैक्स न देने वाले अनेक लेनदेन पकड़ने की काफी संभावना बची है।

इसके साथ ही जीएसटी परिषद द्वारा 40 लाख से कम वार्षिक टर्नओवर वाले बिजनेसों को कर भुगतान से छूट देने के निर्णय से राजस्व संग्रह में भारी कमी आई है। इसमें 1.5 करोड़ से कम टर्नओवर वाले व्यापारी-निर्माता को टैक्स भुगतान के लिए कंपोजीशन योजना-सीएस का प्रस्ताव किया गया है जिसमें वे एक प्रतिशत की दर से टैक्स देते हैं। इसके अलावा 50 लाख से कम टर्नओवर वाले सेवाप्रदाताओं को 6 प्रतिशत कर देने की अनुमति दी गई है। मजेदार बात है कि पंजीकृत उद्यमों का लगभग 75 प्रतिशत एक करोड़ से कम टर्नओवर वाला है ओर वे कुल राजस्व संग्रह में केवल 6.5 प्रतिशत योगदान करते हैं।

सरकार जिस प्रकार खर्च व राजस्व योजनाओं का क्रियान्वयन करती है उसमें सक्षमता व जवाबदेही पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। ऐसे में राजस्व प्राप्तियों तथा खर्च के बीच वर्तमान असंतुलन से बाहर निकलने की संभावना नहीं दिखती है। राजकोषीय मजबूती के लिए प्रमुख सब्सिडियों पर काफी समय से लंबित सुधार लागू किए जाने चाहिए तथा परोक्ष कर व्यवस्था में सुधारो पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही रियायतों व छूटों से मुक्ति पानी चाहिए ताकि कर चोरी समाप्त हो। जीएसटी प्रशासन की क्षमता बढ़ाने तथा पेट्रोल, डीजल, क्रूड आयल व प्राकृतिक गैस को जीएसटी के दायरे में लाने की जरूरत है। इन सभी मामलों में लगातार कार्रवाई होनी चाहिए। यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि जीएसटी के अंतर्गत राजस्व में भारी कमी को दूर करने के लिए कर क्षेत्र के विस्तार तथा सब्सिडी भुगतान में कमी लाने की जरूरत है।

नेपाल की राजनीति में न्यायपालिका की शक्ति

ऋषि गुप्ता
(लेखक जेएनयू में डाक्टोरल फेलो हैं)

नेपाल में जारी सियासी जंग ने नया मोड़ ले लिया है। लगातार तीसरी बार, नेपाल का सर्वोच्च न्यायालय नेपाली संविधान के बचाव में आया है और 21 मई को संसद को भंग करने और ओली को नियुक्त करने के लिए प्रधान मंत्री केपी ओली के समर्थन में राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी द्वारा जारी किए गए आदेशों को रद्द कर दिया है। अंतरिम प्रधान मंत्री हालांकि वह पहले ही 10 मई को विश्वास मत हार चुके हैं।

विभिन्न स्वतंत्र व्यक्तियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक दलों द्वारा दायर 30 रिट याचिकाओं पर दलीलें सुनते हुए, अदालत ने राष्ट्रपति को 13 जुलाई तक नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को नए प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त करने का आदेश दिया, बशर्ते कि वह बहुमत साबित करें। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के अनुसार उनकी नियुक्ति के 30 दिनों के साथ संसद में। देउबा को पुष्प कमल दहल %प्रचंड% के नेतृत्व वाली माओवादी पार्टी, समाजवादी पार्टी के उपेंद्र यादव और यूएमएल पार्टी के माधव-नेपाल गुट के बाबूराम भट्टराई गुट का समर्थन प्राप्त है। अदालत ने 20 जून को ओली कैबिनेट में 20 नए मंत्रियों की नियुक्ति को रद्द करने के हफ्तों बाद 12 जुलाई को फैसला सुनाया। कार्यवाहक प्रधान मंत्री ओली ने 4 जून और 10 जून को दो उप प्रधानमंत्रियों सहित इन मंत्रियों को नियुक्त किया था।

अपनी अल्पमत सरकार का समर्थन करने के लिए महंत ठाकुर और राजेंद्र महतो के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी के एक गुट के साथ समझौता करने में कामयाब होने के बाद। हालांकि, इन मंत्रियों को तब नियुक्त किया गया था जब संसद भंग हो गई थी, इस प्रकार, अदालत ने रद्द कर दिया।

हाल के वर्षों में, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली अपने अति-राष्ट्रवादी दृष्टिकोण और एक सत्तावादी कार्यशैली के लिए प्रसिद्ध हुए। 2017 के संसदीय चुनावों के दौरान सहयोगी के रूप में अपने कट्टर प्रचंड को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने के बाद ओली को एक महत्वपूर्ण लाभार्थी के रूप में देखा गया था। यहां तक कि उन्होंने दोनों पार्टियों को मिलाकर सबसे बड़ी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी बनाई, जिसने ओली के खिलाफ मजबूत विरोध को समाप्त कर दिया। विलय के दो साल बाद, प्रचंड ने ओली को समझ का सम्मान करने और मई 2020 में शेष अवधि के लिए प्रीमियर को सौंपने की याद

दिलाई। हालांकि, ओली असहमत थे, और एक बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल ने नेपाल को प्रभावित किया था। अंतर-पार्टी के झगड़े तब तक जारी रहे जब तक कि सुप्रीम ने विलय को अवैध नहीं कहा और दोनों पक्षों को उनके पुराने रूपों में विभाजित कर दिया। साथ ही कालापानी सीमा विवाद को लेकर ओली का भारत के साथ जुबानी भी झगड़ा हुआ था। अपने हाल ही में मांगे गए चेहरे पर जोर देते हुए, ओली ने भारत के साथ सांस्कृतिक मोर्चे पर ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और बाद में सीमा पर अतिक्रमण का आरोप लगाया। उन्होंने कालापानी को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाते हुए नेपाल का एक नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इस प्रकार, एक नए ओली-गार्ची का जन्म हुआ।

हालांकि, अगर किसी को देश में राजनीतिक अस्थिरता की मौजूदा स्थिति और कोविड-19 के गंभीर प्रभाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना है, तो वह केपी ओली हैं। जब देश को एक परिपक्व और मजबूत नेतृत्व की जरूरत थी, ओली ने अकेले अपने बारे में सोचा और अपनी स्थिति की रक्षा करने की मांग की। उन्होंने न्यायिक प्रणाली को भी चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि अदालतें प्रधान मंत्री की नियुक्ति नहीं कर सकती हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने अन्यथा साबित किया है।

इस बीच, नए प्रधान मंत्री शेर बहादुर देउबा को कई चुनौतियों का समाधान करना है। सबसे पहले देउबा के नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से हटने के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। इसलिए, अपनी पार्टी को हर चीज से पहले व्यवस्थित करना अधिक कठिन काम होगा। नेपाली कांग्रेस पार्टी में युवा नेतृत्व की मांग है। एक पार्टी, जो 1960-1990 तक पंचायत युग, 1990 में आंशिक लोकतंत्र, 1996 से 2006 तक माओवादी विद्रोह के अलावा बची रही।

दूसरा, नेपाली कांग्रेस का समर्थन करने वाले दलों से बड़े सौदे होते हैं, और एक एकल विवाद देउबा की स्थिति को खतरे में डाल सकता है। माओवादी अप्रत्याशित हैं क्योंकि उन्होंने 2016 में नेपाली कांग्रेस का समर्थन किया था; सरकार में रहने के बावजूद 2017 में केपी ओली में शामिल हुए। तीसरा, नेपाल की विदेश नीति स्पष्ट रूप से जर्जर है और मित्रों और अतिक्रमणकारियों पर कोई स्पष्टता नहीं है। केपी ओली चीन के लिए एक नीली आंखों वाले लड़के रहे हैं जिन्होंने पिछले तीन सालों में भारत के खिलाफ जहर जारी किया है।

इसलिए, देउबा के पास भारत के विश्वास को वापस जीतने की चुनौती होगी, यह देखते हुए कि बाद वाला नेपाल पर लंबे समय से चुप्पी साधे हुए है। देउबा के लिए माओवादियों के साथ संतुलन बनाना मुश्किल होगा क्योंकि चीन के साथ प्रचंड की दोस्ती व्यापक है। पिछले हफ्ते ही, प्रचंड को सीपीसी शताब्दी समारोह के अवसर पर 6 जुलाई को सीपीसी और विश्व राजनीतिक दलों के शिखर सम्मेलन के दौरान चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपनी हार्दिक सहायक नदियों का भुगतान करते देखा गया था। नेपाल में न्यायपालिका ने राजनीतिक दबाव के आगे न झुककर अपनी योग्यता साबित की है। न्यायपालिका की शक्ति लोकतांत्रिक मूल्यों का एक अच्छा संकेत है जो 2006 में 200 साल पुरानी सामंती राजशाही के खिलाफ एक दशक की लंबी लड़ाई के बाद जीते गए थे। हालांकि, आज तक, लोकतांत्रिक ताकतें सत्ता का दावा करने के लिए लड़ रही हैं और राजनीतिक गठबंधन राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने में विफल रहे हैं।

इसलिए शेर बहादुर देउबा की नियुक्ति नेपाल में लंबी अवधि की उम्मीदों की गारंटी नहीं देती है। इस बीच, नेपाल के लोगों को अभी भी सबसे बुरे और बुरे के बीच चयन करना बाकी है।

आप की बात

धर्मांतरण पर रोक लगे

मतांतरण का सुनियोजित धन्धा सारे देश मे फल फूल रहा है। जिसके जहरीले फल देश की गौरवशाली संस्कृति, सनातन धर्म, राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को छिन्न भिन्न करते हुये देश मे अलगाववाद अराजकता और आतंकवाद को बढ़ा रहे है। धर्म बदलने के बाद लोगों मे राष्ट्रवाद की भावना का लोप हो जाता है। तलवार की नोक, धन और पद के लालच में अपना धर्मपरिवर्तन करने वाले लोग अपने को विदेशी मानने लगे। मतांतरण करने वालो की संतानें धार्मिक स्थलों लेकर प्रकृति परिवेश को लेकर उनके श्रद्धा के प्रति सोच बदल जाने के साथ उनके प्रति घृणात्मक दृष्टिकोण हो जाता है। मतांतरण से आस्था और उपासना पद्धति ही नही बदलती बल्कि राष्ट्रांतरण भी हो जाता है। मतांतरित व्यक्ति की समाज, देश और संस्कृति के प्रति धारणा बदल जाती है। आदिकाल से चला आ रहा सनातन धर्म और दर्शन अपने उदार, सहिष्णु, समावेशी सोच के कारण सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा दे रहा है। धर्म धारण किया जाता है और मजहब एवं रिलीजन लोग स्वीकार स्वतः कम करते हैं। धर्मांतरण का खेल भारत देश मे हजारो वर्षों से जारी है। जिसका दुष्परिणाम भारत से अलग हुए देश मे हिंदुओं को जबरन मतांतरण करना पड़ा।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

गन्ना संकट दूर हो!

पिछले कुछ दशकों में भारत में गन्ने की खेती का बहुत विस्तार हुआ है। उत्पादन को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां, न्यूनतम मूल्य ,गन्ने की गारंटीकृत बिक्री और चीनी के सार्वजनिक वितरण जैसे कुछ कारकों ने भारत को दुनिया भर में चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बनने में मदद की है। हालांकि बारिश की कमी और जमीनी पानी में गिरावट, गन्ना कृषक को भुगतान में देरी ,अन्य फसलों की तुलना में कम शुद्ध आय ,श्रम की कमी ,श्रम की बढ़ती लागत और अब कोविड-19 महामारी जैसे पाठ संपूर्ण चीनी क्षेत्र को नीचा बना रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि गन्ना एक नकदी फसल है इसीलिए भारतीय कृषि और किसान की आय को दोगुना करने के लिए गन्ना उद्योग को प्रभावित करने वाले मुद्दों का समाधान किया जाना महत्वपूर्ण है। बताते चलें कि गन्ना उद्योग से संबंधित बहुत सारी चुनौतियां हैं जिनमें से मूल्य निर्धारण नियंत्रण, उच्च आगत और कम उत्पादन लागत, चीनी निर्यात और अव्यवहार्यता और भारत के इथेनॉल कार्यक्रम का निराशाजनक प्रदर्शन प्रमुख है। इन सभी समस्याओं को दूर करना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हमें गन्ने का मानचित्रण सही तरीके से करना चाहिए।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नैनीताल

खुशी की बात

तीसरी लहर को देखते हुए सरकार अब स्तनपान करने वाली महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं को भी टीकाकरण करने का निर्णय ले चुकी है इसके तहत अब 12 से 18 साल तक के बच्चों के लिए भी टीकाकरण की योजना फैलाई जा रही है। इनका टीकाकरण शादी के बाद सितंबर से प्रारंभ किया जा सकता है यानी 12 से लेकर 100 साल तक के इंसानों के लिए अब टीकाकरण उपलब्ध है एवं वह अनिवार्य कर दिया गया है इस योजना के लिए सरकार जॉइंटसकेडिया की डीएनए वैक्सीन पर विशेषज्ञ कार्य समिति की सिफारिश का इंतजार कर रही है तब हम तो यही कहेंगे कि केंद्र सरकार इस बार पहली,दूसरी लहर की परेशानियों के बाद अपनी जनता के लिए किसी भी तरह से कोई परेशानी आने पर बचाव के लिए हर तरह के उपाय कर रही है अतः जनता को चाहिए कि वह सरकार द्वारा लाए जा रहे हर तरह के नियम एवं उपायों का पालन करती रहे अतःहम तो यही कहेंगे कि जनता का फर्ज है कि अपने तई खुब होशियार रहें एवं अपने कोविड नियमो पालन का ईमानदारी से करें बेहतर बात है।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी से लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

– **प्रियंका गांधी वाड्रा**
कांग्रेस महासचिव

जैन के आवास के बाहर हमने पानी की लाइन हटाने के लिए जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया। हम केजरीवाल के आवास का भी पानी का कनेक्शन काट देंगे।

– **नवीन कुमार**
दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख

यह सच है कि कोरोना के कारण पर्यटन और व्यापार पर काफी असर पड़ा है, लेकिन पहाड़ी स्थलों, बाजारों में बिना मास्क के भारी भीड़ होना चिंता का विषय है।

– **नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री

केंद्रीय मंत्री पीयूष राज्यसभा में सदन के नेता नियुक्त

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बुधवार को राज्यसभा में सदन का नेता नियुक्त किया गया। गोयल के लिए यह एक पदोन्नति है जो उन्हें उच्च सदन में सरकार के चेहरे के रूप में पेश करेगी। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास राज्यसभा में बहुमत नहीं है।

ऐसे में गोयल को सरकार के विधाई कार्य एजेंडे को आगे बढ़ाते समय सदन में विभिन्न राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गोयल की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें बधाई दी।

राज्यसभा के दो बार के सदस्य गोयल (57) उच्च सदन में उप-नेता थे और अब सदन के नेता के रूप में वह पूर्व केंद्रीय मंत्री थावरचंद गहलोत की जगह लेंगे, जिन्हें कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। गोयल केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य भी हैं। उनके पास वाणिज्य और उद्योग, खाद्य एवं उपभोक्ता तथा कपड़ा मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों का दायित्व है।

उनकी नियुक्ति को भाजपा में राजनीतिक पदोन्नति के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि वह उस पद पर होंगे जिसपर कभी जसवंत सिंह और अरुण जेटली जैसे दिग्गज हुआ करते थे। गोयल को बधाई देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि मुझे विश्वास है कि पीयूष भाई अपने समर्पण, क्षमता और ऊर्जा से राज्यसभा में भाजपा की एक बुलंद आवाज बनेंगे। पूर्व में गोयल रेलवे और कोयला मंत्री (2017-19) थे। वर्ष 2018 और 2019 में उनके पास दो बार वित्त एवं कॉरपोरेट मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार भी रहा। वर्ष 2014 में वह मोदी सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बिजली, कोयला, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा (2014-2017) तथा खान मामलों के मंत्री (2016-17) भी रहे।

सरकार में शामिल होने से पहले गोयल चार साल तक भाजपा के कोषाध्यक्ष भी रहे। पार्टी 1991 से आम चुनावों तथा 2004 से सभी चुनावों में उनकी सेवाओं का इस्तेमाल करती रही है।

अरुणाचल में सेना का ट्रक खाई में गिरा, एक जवान की मौत, कई घायल

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अपर सियांग जिले में बुधवार की सुबह एक ट्रक खाई में गिर गया जिससे उसमें सवार सेना के एक जवान की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना का वाहन 11 कर्मियों को लेकर मिजिंग से तुटिंग स्थित सेना के शिविर जा रहा था। तुटिंग के अतिरिक्त उपायुक्त स्टारली जमोह ने बताया कि ट्रक पंगो और तुटिंग के बीच सुबह सात बजकर 10 मिनट पर खाई में गिर गया। सेना के सूत्रों के हवाले से उन्होंने कहा कि चार सिख लाइट इन्फेंट्री के एक जवान की घटना स्थल पर मौत हो गई। अन्य चार की हालत नाजुक है। उन्होंने कहा कि सेना के हेलीकॉप्टर की मदद से नाजुक हालत में चार जवानों को निकाला गया। उनमें से एक को असम के तिनसुकिया जिले में दीनजन आर्मी बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि अन्य तीन को गुवाहाटी के आर्मी बेस अस्पताल ले जाया गया है।

भारत में कोविड-19 के 38,792 नए मामले

● 624 लोगों की मौत

भाषा। नई दिल्ली

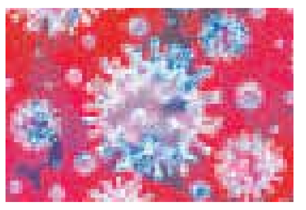

भारत में कोविड-19 के एक दिन में 38,792 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,09,46,074 हो गई जबकि 624 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 4,11,408 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 4,29,946 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 1.39 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 97.28 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 2,832 मरीज संक्रमण मुक्त हुए हैं।

मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को कोविड-19 के लिए 19,15,501 नमूनों की जांच की गई जिससे देश में अभी तक संक्रमण का पता लगाने के लिए जांच किए गए नमूनों की कुल संख्या 43,59,73,639 पर पहुंच गई है। संक्रमण की दैनिक दर 2.10 प्रतिशत है।

लगातार 23 दिनों से यह तीन प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 2.25 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले मरीजों की संख्या 3,01,04,720 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत है। अभी तक देशव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत 38.76 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख के पार हो गए। देश में 19 दिसम्बर को ए मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। देश में जिन 624 लोगों ने जान गंवाई है उनमें से 196 की मौत महाराष्ट्र में और 124 की केरल में हुई है। इस संक्रामक रोग से अभी तक कुल 4,11,408 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से।,26,220 की महाराष्ट्र, 35,944 की कर्नाटक, 33,502 की तमिलनाडु, 25,020 की दिल्ली, 22,704 की उत्तर प्रदेश, 17,944 की पश्चिम बंगाल और 16,199 लोगों की मौत पंजाब में हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

लोग कोरोना वायरस के खतरे को नहीं देख पा रहे हैं: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के मामलों के कम होने के बीच बड़ी संख्या में लोगों के बाजारों का रुख करने, सार्वजनिक और पर्यटन स्थलों की ओर जाने तथा कोविड से बचाव के नियमों का पालन नहीं करने पर विशेषज्ञों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संक्रमण को नियंत्रित करने में समाज की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और लोग खतरे को नहीं देख पा रहे हैं। विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि जनता के रवैए में बदलाव के लिए सरकार में उनका भरोसा अहम होता है, लेकिन दुर्भाग्य से देश में लोगों का राजनीति पार्टियों में यकीन कम है। उनका यह भी कहना है कि संक्रमण की गंभीरता और टीकाकरण दर के बारे में अस्पष्ट जानकारी देने से भी भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों पर पर्वतीय पर्यटन स्थलों पर प्रवेश के लिए कारों की लंबी कतारों और लोगों की भीड़ की तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे कई हलकों में चिंता बढ़ी है। अपनी जिंदगी को पटरी पर लाने के चक्कर में लोगों ने बचाव के बुनियादी उपाय करना भी छोड़ दिया है। वरिष्ठ महामारी विशेषज्ञ ललित कांत ने कहा कि नियमों का पालन नहीं करना, लोगों की उदासीनता और जो होगा ईश्वर की मर्जी से होगा का मिश्रण है। मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान के निदेशक नीमेश देसाई का कहना है कि मास्क न लगाना और सामाजिक दूरी का पालन नहीं करने जैसी लापरवाही का कारण यह है कि लोग खतरे को नहीं देख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग खतरे को जिस तरह से आंकते हैं, उसके हिसाब से अपना व्यवहार बदलते हैं। देसाई का कहना है कि भारत में सामाजिक गैर जिम्मेदारी की भारी प्रवृत्ति देखी गई है। उन्होंने भी कहा कि लोगों को व्यवहार बदलने के लिए प्रेरित करना मुश्किल है, नामुमकिन नहीं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महामारी विज्ञान और संचारी रोग प्रभाग के पूर्व प्रमुख कांत ने पीटीआई-भाषा से कहा कि लोग जिस तरह से कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करेंगे, उसी के मुताबिक महामारी के मामले घटेंगे या बढ़ेंगे। देसाई ने कहा, बीते दो दशक में विकसित देश यह समझ पाए हैं कि हर व्यक्ति की सेहत उसकी जीवनशैली और व्यवहार पर निर्भर करती है। यह हमारे समाज में नहीं है। अर्थशास्त्री अरूण कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, अगर लोगों का सरकारों में भरोसा ज्यादा होगा तो वे उसके निर्देशों का पालन करेंगे। भारत में दुर्भाग्य से राजनीतिक पार्टियों में विश्वास बहुत कम है। उन्होंने कहा, देखा गया है कि कई परिवारों ने इलाज के खर्च के लिए कर्ज लिया है। लोग अपना पैसा अपने पास रखेंगे।

अनुंसधान एवं विकास को बढ़ावा दें विज्ञान मंत्रालय और विभाग: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सभी वैज्ञानिकों से अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया ताकि देश की आयात पर निर्भरता को काफी कम किया जा सके। एक बयान में यह जानकारी दी गई है। मंत्री ने यहां सभी विज्ञान मंत्रालयों और विभागों की पहली संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों और उद्योगों एवं कॉर्पोरेट घरानों के साथ सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए सभी विज्ञान मंत्रालयों के बीच जमीनी स्तर के सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

अल्पसंख्यकों के लिए कल्याण योजनाएं कानूनी रूप से वैध: केंद्र सरकार

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चलाई जा रहीं कल्याणकारी योजनाएं कानूनी रूप से वैध हैं और ए असमानता को घटाने पर केंद्रित हैं तथा इनसे हिन्दुओं या अन्य समुदायों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता। केन्द्र ने एक याचिका के जवाब में शीर्ष अदालत में दायर एक शपथ पत्र में यह दलील दी है।इस याचिका में कहा गया है कि कल्याणकारी योजनाओं का आधार धर्म नहीं हो सकता। यह याचका नीरज शंकर सक्सेना और पांच अन्य लोगों ने दायर की है। केंद्र ने अपने शपथपत्र में कहा है कि मंत्रालय द्वारा लागू की जा रही योजनाएं अल्पसंख्यक समुदायों में असमानता को कम करने, शिक्षा के स्तर में सुधार, रोजगार में भागीदारी, दक्षता एवं उद्यम विकास, निकाय सुविधाओं या अवसंरचना में खामियों को दूर करने पर केंद्रित हैं। शपथपत्र में कहा गया कि योजनाएं संविधान में प्रदत्त समानता के सिद्धांतों के विपरीत नहीं हैं। योजनाएं कानूनी रूप से वैध हैं क्योंकि ऐसे प्रावधान करती हैं जिससे कि समावेशी परिवेश प्राप्त किया जा सके और अशक्तता को दूर किया जा सके। इसलिए इन योजनाओं के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों के सुविधाहीनावंचित बच्चोंअभ्यर्थियों की सहायता करने को गलत नहीं कहा जा सकता। केंद्र ने कहा कि कल्याणकारी योजनाएं केवल अल्पसंख्यक समुदायों के कमजोर तबको, वंचित बच्चो, अभ्यर्थियों महिलाओं के लिए हैं, न कि अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित सभी व्यक्तियों के लिए। नीरज शंकर सक्सेना और पांच अन्य लोगों की याचिका में कहा गया है कि अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को जो लाभ मिल रहे हैं, उनसे याचिकाकार्ताओं को उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर संवैधानिक रूप से वंचित रखा जा रहा है।

घबराहट पैदा करने के लिए निरर्थक बयान दिए: मंडाविया

● केन्द्र राज्यों को खुराक आवंटन के बारे में अवगत करा चुका है

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कुछ राज्यों द्वारा कोविड-19 टीकों की कमी के बारे में शिकायत किए जाने के बीच बुधवार को कहा कि लोगों में दहशत पैदा करने के लिए फिजूल बयान दिए जा रहे हैं और राज्यों को अच्छी तरह से पता है कि उन्हें कब और कितनी मात्रा में खुराक मिलेगी।

उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों को खुराक के आवंटन के बारे में पहले ही सूचित कर चुका है। मंडाविया ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि टीकों की उपलब्धता को तथ्यों के वास्तविक विश्लेषण द्वारा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है।

उन्होंने ट्वीट किया कि टीके की उपलब्धता के संदर्भ में मुझे विभिन्न राज्य सरकारों और नेताओं के बयान एवं पत्रों से जानकारी मिली है। तथ्यों के वास्तविक विश्लेषण से इस स्थिति को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। निरर्थक बयान सिर्फ लोगों में घबराहट पैदा करने के लिए किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकारी और निजी अस्पतालों के जरिए टीकाकरण हो सके, इसलिए जून महीने में 11.46 करोड़ टीके की खुराकें राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गईं और जुलाई के महीने में इस उपलब्धता को बढ़ाकर 13.50 करोड़ किया गया है। उन्होंने ट्वीट किया कि जुलाई में राज्यों में टीके की कितनी खुराकें उपलब्ध कराई जाएंगी, इसकी जानकारी केंद्र सरकार ने राज्यों को 19 जून, 2021 को ही दे दी थी। इसके बाद 27 जून व 13 जुलाई को केंद्र की ओर से राज्यों को जुलाई के पहले व दूसरे पखवाड़े के लिए उन्हें हर दिन की टीके उपलब्धता की जानकारी बैच के हिसाब से एडवांस में ही दी गई।

मंडाविया ने लिखा कि इसलिए राज्यों को यह अच्छी तरह से पता है कि उन्हें कब और कितनी मात्रा में टीके खुराक मिलेंगे। केंद्र सरकार ने ऐसा इसलिए किया है ताकि राज्य सरकारें जिला स्तर तक टीकाकरण का काम सही योजना बनाकर कर सकें और लोगों को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने ट्वीट किया कि अगर केंद्र पहले से ही अपनी तरफ से ए जानकारियां एडवांस में दे रही है और इसके बावजूद भी हमें कुप्रबंधन और टीके लेने वालों की लंबी कतारें दिख रही हैं तो यह बिल्कुल स्पष्ट है कि समस्या क्या है और इसकी वजह कौन है। उन्होंने कथित रूप से मीडिया में भ्रम और चिंता पैदा करने वाले बयान देने वाले नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि क्या वे शासन प्रक्रिया और संबंधित सूचनाओं से इतने दूर हैं कि उन्हें टीके आपूर्ति के संबंध में पहले से दी जा रही जा रही सूचना की भी जानकारी नहीं है। राजस्थान, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्यों ने सोमवार को सबसे अधिक मामले सामने आए। इन राज्यों ने भी कोविड-19 टीकों की किल्लत मामला उठाया है।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में एनएचपीसी के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया

भाषा। नई दिल्ली

सीबीआई ने पांच लाख रुपए की रिश्वत के एक मामले में सार्वजनिक क्षेत्र की पनबिजली कंपनी एनएचपीसी के मुख्य महाप्रबंधक और गैमन सीएमसी ज्वाइंट वेंचर लिमिटेड के एक वरिष्ठ कार्यकारी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह मामला हिमाचल प्रदेश में पार्वती पनबिजली परियोजना के लंबित बिलों से संबंधित है। उन्होंने कहा कि एनएचपीसी के मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) हरजीत सिंह पुरी तथा गैमन सीएमसी ज्वाइंट वेंचर के वरिष्ठ महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट) सुनील मेंदीरत्ता और एक अन्य आरोपी संचित सैनी को गिरफ्तार किया गया है।सीबीआई ने इस मामले में कंपनी गैमन सीएमसी तथा सुनील सैनी नाम के एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी के कुल्लू (हिमाचल प्रदेश) के पास एनएचपीसी के पार्वती परियोजना में चल रहे कार्य के लिए 5.26 करोड़ रुपए से अधिक के बिल लंबित थे। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि मेंदीरत्ता ने पुरी से भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया और इसके लिए पुरी ने पांच लाख रुपए की रिश्वत मांगी। उन्होंने बताया कि रिश्वत की जानकारी मिलने के बाद सीबीआई ने फरीदाबाद में एक स्थान पर छापा मारा जहां पुरी को संचित सैनी के साथ गिरफ्तार किया गया। सैनी पर रिश्वत के लिए नकदी लाने का आरोप है।

ममता बनर्जी ने राज्यपाल धनखड़ से मुलाकात की

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में राजभवन और राज्य सरकार में जारी तनाव के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बुधवार को मुलाकात की और राज्य से जुड़े अनेक विषयों पर एक घंटे तक चर्चा की। राज्यपाल ने एक ट्वीट में कहा कि सहयोगियों की मौजूदगी के बिना बैठक हुई। उनके ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आज राजभवन में राज्यपाल जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। दोनों ने सहयोगियों के बिना एक घंटे तक बातचीत की।

कोच्चि में एसएसएलसी परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों को मिठाई खिलातीं सेंट एंथोनी स्कूल की प्रधानाचार्य

सेना ने 147 और महिला एसएसी अधिकारियों को स्थाई कमीशन दिया

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा मार्च, 2021 में तय किए गए नए मानदंडों के आधार पर भारतीय सेना की 147 और महिला शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों को स्थाई कमीशन दिया गया है।

न्यायालय ने 25 मार्च को कहा था कि महिला एसएससी अधिकारियों को स्थाई कमीशन देने के लिए सेना के मूल्यांकन का मानदंड व्यवस्थागत तरीके से उनके प्रति भेदभाव करता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार महिला अधिकारियों पर पुन:विचार किया गया है, ताजा परिणामों की घोषणा कर दी गई है। नतीजतन और 147 महिला अधिकारियों को स्थाई कमीशन दिया जा रहा है।

615 अधिकारियों का मूल्यांकन किया गया था, जिनमें से कुल 424 अधिकारियों को स्थाई कमीशन दिया गया है। बयान के अनुसार, कुछ महिला अधिकारियों के परिणाम प्रशासनिक कारणों से रोके गए हैं और केन्द्र सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका पर फैसला आने का इंतजार है। उच्चतम न्यायालय ने फरवरी, 2020 में ऐतिहासिक फैसले में केन्द्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सुनिश्चित करे कि एसएससी महिला अधिकारियों को कमांड पोस्टिंग सहित सेना में स्थाई कमीशन दिया जाए।

इसके बाद सेना ने महिला अधिकारियों के लिए सितंबर, 2020 में विशेष चयन बोर्ड का गठन किया, जिसने नवंबर 2020 में परिणामों की घोषणा की।

कान फिल्मोत्सव में गाय बनी चर्चा का विषय

नई दिल्ली। 74वें कान फिल्मोत्सव में इस बार गाय पर आधारित 93 मिनट का एक वृत्तचित्र चर्चा का विषय बना हुआ है। काउ शीर्षक के तहत बने इस वृत्तचित्र में दुनिया को एक गाय के नजरिए से देखने की कोशिश की गई है। इसका निर्देशन ऑस्कर पुरस्कार विजेता फिल्मकार और ब्रितानी नागरिक एंड्रिया अर्नोल्ड ने किया है। इसे बनाने में उन्हें सात साल का समय लगा। फिल्मकार के बताया कि फिल्म के संपादन में तीन साल का समय लगा क्योंकि वह अन्य परियोजनाओं पर भी काम कर रही थीं। ब्रितानी फिल्मकार अर्नोल्ड तीन बार कान जूरी पुरस्कार जीत चुकी हैं। उन्हें रेड रोड (2006), फिश टैंक (2009) और अमेरिकन हनी (2016) के लिए पुरस्कृत किया गया। उन्होंने लघु फिल्म वास्प के लिए 2005 में अकादमी पुरस्कार जीता था। काउ में खेत में चरने वाली एक गाय पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसमें उसका जीवन चक्र दिखाया गया है। अर्नोल्ड ने कहा, यह वास्तविकता की कहानी है, यह दूध देने वाली एक गाय की कहानी है और यह उस सेवा के लिए श्रद्धांजलि है, जो वह हमें देती है। जब मैं हमारी गाय लूमा को देखती हूं, तो मैं उसके जरिए पूरी दुनिया को देखती हूं। अमेजन प्राइम की सीरीज ट्रांसपेरेंट की कई कड़ियों और एचबीओ कार्यक्रम बिग लिटिल लाइज के दूसरे सीजन का निर्देशन करने वाली अर्नोल्ड ने काउ के प्रीमियर के बाद कहा, हम अक्सर गाय को एक समूह के रूप में देखते हैं। मैं उसे एक अकेले पशु के रूप में देखना चाहती थी।

अमृता शेरगिल की पेंटिंग नीलामी में 37.8 करोड़ रुपए में बिकी

भाषा। नई दिल्ली

प्रख्यात भारतीय कलाकार अमृता शेरगिल की पेंटिंग इन द लेडीज एनक्लोजर, सैफ्रनआर्ट द्वारा हाल में कराई गई नीलामी में 37.8 करोड़ रुपए में बिकी और इसके साथ ही वह दुनिया में दूसरी सबसे मंहगी भारतीय कलाकृति बन गई है। इससे पहले इसी साल वी एस गायतोंडे की 1961 की पेंटिंग 39.98 करोड़ रुपए में बिकी थी जो वैश्विक स्तर पर सबसे महंगी भारतीय कलाकृति है। भारत वापस आने के कुछ सालों बाद शेरगिल द्वारा 1938 में ऑयल ऑन कैनवस पर बनाई गई पेंटिंग ने शेरगिल के लिए भी एक वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पेंटिंग गोरखपुर में उनके घर पर बनाई गई थी और इसमें खेत में कुछ महिलाओं को दर्शाया गया है। सैफ्रनआर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह संस्थापक दिनेश वजीरानी ने एक बयान में कहा, अमृता शेरगिल की बेहतरीन पेंटिंग की कीर्तिमान स्थापित करने वाली बिक्री से एक कलाकार के रूप में उनके स्तर का पता चलता है और यह उनकी प्रतिभा तथा कौशल का प्रमाण है।

मानसून सत्र में 17 विधेयक पेश करने की तैयारी में है सरकार

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने संसद के मानसून सत्र में पेश करने के लिए 17 नए विधेयकों को सूचीबद्ध किया है। मानसून सत्र 19 जुलाई से आरंभ होगा और 13 अगस्त को समाप्त होगा।

सरकार की ओर से पेश किए जाने वाले इन 17 नए विधेयकों में से तीन विधेयक अध्यायदेशों के स्थान पर लाए जाने हैं। दरअसल, संसद का सत्र आरंभ होने पर अध्यादेश को विधेयक के रूप में संसद की मंजूरी दिलानी होती है क्योंकि 42 दिन या छह सप्ताह में इनके प्रभावी रहने की समयसीमा समाप्त हो जाती है। सरकार की ओर से 30 जून को एक अध्यादेश लाया गया था जो आवश्यक रक्षा सेवाओं से जुड़े लोगों के आंदोलन या हड़ताल करने पर रोक से संबंधित है।

आयुध कारखाना बोर्ड (ओएफबी) के कुछ प्रमुख फेडरेशन की ओर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा करने की पृष्ठभूमि में यह अध्यादेश लाया गया था। इन फेडरेशन ने ओएफबी के निगमीकरण से संबंधित सरकार के फैसले के विरोध में हड़ताल की घोषणा की थी। गत 12 जुलाई को जारी लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, आवश्यक रक्षा सेवा विधेयक 2021 को भी अध्यायदेश के स्थान पर लाने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग विधेयक, 2021 भी एक अध्यादेश के स्थान पर लाया जाना है।

बेंगलुरू में चोरी के बरामद सामानों का निरीक्षण करते बेंगलुरू सिटी के पुलिस कमिश्नर कमलकांत

जनसंख्या कानून के मुद्दे पर बिहार सत्तारूढ़ गठबंधन में मतभेद

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून बनाने के पक्ष में नहीं होने के बयान और उनकी सहयोगी भाजपा के इस तरह के कठोर उपायों के समर्थन में आने के बाद यहां सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर का वैचारिक मतभेद एक बार फिर धरातल पर आ गया है। नीतीश ने सोमवार को इस बाबत पूछे जाने पर कहा था, हम कानून के पक्ष में नहीं हैं। अलग-अलग राज्य के लोगों की अपनी सोच है, वे अपने ढंग से जो चाहें करें। असम और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में उनके समकक्ष हिमंत विश्व सरमा और योगी आदित्यनाथ के कानून बनाकर एक बच्चे की नीति को लागू करने के प्रस्तावों के साथ सामने आने पर इसको लेकर चर्चाएं होनी शुरू हुई।

नीतीश ने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए अगर सिर्फ आप कानून बनाकर उसका उपाय करेंगे तो ए संभव नहीं है। आप चीन का उदाहरण देख लीजिए। वहां एक बच्चे की नीति बनाई गई और अब देखिए वहां क्या हो रहा। उन्होंने कहा था कि महिलाएं जब शिक्षित होंगी तो अपने आप प्रजनन दर घट जाएगा। इसमें किसी भी समुदाय को लेकर बातचीत न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा था, बिहार में बालिका शिक्षा पर हमने ध्यान दिया जिसके परिणाम अब सामने आने लग हैं। बिहार में प्रजनन दर चार के ऊपर थी जो घटते-घटते अब तीन के करीब आ गई है।हम समझते हैं कि 2040 तक यह स्थिति नहीं रहेगी और उसके बाद प्रजनन दर में गिरावट आएगी। हम इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं।

वहीं, उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए पुरुषों को जागरूक करना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए महिलाओं से ज्यादा पुरुषों को जागरूक करने की जरूरत है, क्योंकि पुरुषों में नसबंदी को लेकर काफी डर देखा जाता है। बिहार के कई जिलो में तो नसबंदी की दर मात्र एक प्रतिशत है।

भाजपा नेत्री रेणु देवी ने कहा कि महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य के लिए सरकारी अस्पतालों में कई सुविधाएं दी जाती हैं मगर इन सुविधाओं का लाभ महिलाओं तक तभी पहुंचेगा जब घर के पुरूष जागरूक होंगे और महिलाओं को अस्पताल तक लेकर जाएंगे। अक्सर देखा गया है कि बेटे की चाहत में पति और ससुरालवाले महिला पर अधिक बच्चे पैदा करने का दबाव बनाते हैं, जिससे परिवार का आकार बड़ा होता जाता है। उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए लैंगिक समानता पर भी काम करने की जरूरत है। लोगों को समझना होगा कि बेटा-बेटी एक समान हैं।

केंद्रीय मंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री के प्रमुख विरोधियों में से एक भाजपा नेता गिरिराज सिंह द्वारा इस तरह के कानून की मांग कई बार की गई है। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय जायसवाल ने एक बच्चे की नीति के पक्ष में बोलने और इसे कानूनी रूप से लागू करने का संकल्प दिखाने के लिए योगी की प्रशंसा की है। भाजपा के विधान पार्षद (एमएलसी) और नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, जिनके दो से अधिक बच्चे हैं, उन्हें पहले ही नगरपालिका चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। इसलिए पंचायतों के लिए समान नियम क्यों नहीं हैं? यदि अधिनियम बनाया जाता है, तो इन्हें कुछ महीनों में होने वाले पंचात चुनाव में लागू नहीं किया जा सकता है, लेकिन हम भविष्य के ग्राम निकाय चुनावों के लिए जमीन तैयार कर सकते हैं।

भाजपा के एक नेता जो अपना नाम उजागर नहीं करना चाहते, ने कहा कि सभी समुदायों को परिवार नियोजन की आवश्यकता है। हालांकि सबसे बड़ी चुनौती मुसलिम समुदाय में हैं जिनमें बहुविवाह को धार्मिक रूप से मंजूरी दी गई है और जो कांग्रेस नेता संजय गांधी के समय से ही नसबंदी के सबसे प्रबल विरोधी रहे हैं। इसलिए एक ही विकल्प बचा है कि इसपर एक कानून हो।

भाजपा के साथ 1990 के दशक की शुरुआत से चले आ रहे गठबंधन के बावजूद, नीतीश अपने सहयोगी दल की सभी राय से सहमत नहीं रहे हैं। संसद में पारित होने पर उनकी पार्टी जदयू ने तीन तलाक विधेयक का विरोध किया था तथा संशोधित नागरिकता कनून (सीएए) का मानवीय आधार पर समर्थन किया जबकि राज्य विधानसभा में प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करके अपनी मंशा स्पष्ट कर दी थी। दिलचस्प बात यह है कि उक्त प्रस्ताव सदन द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया जिसमें 50 से अधिक भाजपा विधायक थे।

अपने नेता द्वारा अपनाए जाने वाले वैचारिक रुख को भांपते हुए, अशोक चौधरी और विजय कुमार चौधरी जैसे जदयू के मंत्रियों ने भी जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए एक कानून लाए जाने को निरर्थक बताया था। भाजपा नेता और बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा, जनसंख्या नियंत्रण आवश्यक है, कानून सिर्फ एक उपाय हो सकता है लेकिन यह निश्चित रूप से पर्याप्त नहीं है। शिक्षा के माध्यम से जन जागरूकता जरूरी है। शुक्र है कि बिहार इस मामले में अच्छा कर रहा है।

माओवादी ने तेलंगाना पुलिस के सामने किया समर्पण

हैदराबाद। प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की प्लाटून पार्टी समिति के एक सदस्य ने यहां बुधवार को तेलंगाना पुलिस के सामने समर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। राज्य के पुलिस महानिदेशक एम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि रावुला रंजीत उर्फ श्रीकांत (23), नवंबर 2017 में सीपीआई (माओवादी) में शामिल हुआ था और छत्तीसगढ़ में काम कर रहा था। डीजीपी ने कहा कि रंजीत, सुरक्षा बलों पर किए गए चार हमलों में शामिल था। उन्होंने कहा कि इसके अलावा वह घात लगाकर किए गए एक हमले और अन्य कई वारदातों में भी शामिल था। रंजीत का पिता रावुला श्रीनिवास केंद्रीय समिति का सदस्य था और दण्डकारण्य विशेष जोनल समिति (डीकेएसजेडसी) का सचिव था। डीजीपी ने बताया कि उसकी मां डिविजनल समिति की सदस्य थी। रेड्डी ने कहा, उसके पिता की मौत के बाद उसे पार्टी में बेहद अपमान झेलना पड़ा।

नई दिल्ली में केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन से मुलाकात करते हुए केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी।

तालिबान के वैधता हासिल करने केलिए आतंकवाद और संबंधित मुद्दों से निपटना होगा: रूस

नई दिल्ली। रूस ने बुधवार को कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान एक वर्तमान वास्तविकता है और उसे वैधता हासिल करने के लिए आतंकवाद और अन्य संबंधित मुद्दों की समस्या से निपटना होगा। रूस ने कहा कि अफगानिस्तान में जो स्थिति पैदा हो रही है, उसका कोई सैन्य समाधान नहीं है। रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने राजदूत निकोलाए कुदाशेव के साथ एक संयुक्त मीडिया ब्रीफिंग में यह भी कहा कि भारत की अफगानिस्तान में बहुत अधिक रुचि है और यह नई दिल्ली को संघर्ष-ग्रस्त देश में अपनी भागीदारी की सीमा तय करनी है। कुदाशेव ने कहा कि भारत और रूस दोनों ही संबंधित पक्षों की प्रतिबद्धताओं पर आधारित अंतर-अफगान वार्ता का समर्थन करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भविष्य की अफगान सरकार समावेशी हो। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान को स्वतंत्र, संप्रभु, एकजुट और लोकतांत्रिक बनाने में देश बनाने में अफगानियों का समर्थन करना बेहद महत्वपूर्ण है। पश्चिमी देशों के सैनिकों की तेजी से वापसी शुरू होने के बाद, क्षेत्रीय प्रयास और भी महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

बाबुश्किन ने कहा कि अफगानिस्तान एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और इसका कोई सैन्य समाधान नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि रूस और भारत दोनों अफगानिस्तान में वार्ता प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध हैं और उस देश में पैदा हो रही स्थिति की सक्रियता से निगरानी कर रहे हैं। तालिबान वर्तमान में अफगानिस्तान में एक वास्तविकता है। यह अंतर-अफगान वार्ता में एक पार्टी है। हमें लगता है कि उसे सामान्ईकरण और एक ऐसी समावेशी सरकार की स्थापना के लिए एक समाधान तलाशना चाहिए, जिसमें सभी प्रमुख जातीय समूह शामिल हों।

तालिबान की आतंकवादी गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर बाबुश्किन ने कहा कि इस मुद्दे पर रूस की स्थिति कभी नहीं बदली है। उन्होंने संकेत दिया कि मॉस्को और नई दिल्ली दोनों का इस पर स्पष्ट दृष्टिकोण है। हम अफगानिस्तान में आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। तालिबान और अल-कायदा दोनों ऐसे संगठन हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठन करार दिया गया है और वे रूस में भी प्रतिबंधित हैं। जब अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद की बात आती है, तो रूसी स्थिति सुसंगत होती है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के खिलाफ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में एक कार्य योजना तैयार किए जाने के बारे में पूछे जाने पर, बाबुश्किन ने कहा कि एससीओ आम सहमति के सिद्धांत के तहत कार्य करता है।

क्विक न्यूज

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सोमेन मित्रा के बेटे ने पार्टी की प्रदेश इकाई के महासचिव पद से इस्तीफा दिया

कोलकाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिवंगत सोमेन मित्रा के बेटे रोहन मित्रा ने पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी के साथ मतभेदों के चलते बुधवार को पार्टी की राज्य इकाई के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। चौधरी को लिखे पत्र में, मित्रा ने कहा कि वह उनके नेतृत्व में काम करने के लिए प्रेरित नही हैं, इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, शुरुआत से मेरे प्रति आपका दृष्टिकोण निराश करने वाला रहा है। आपके करीबी गुट द्वारा मेरे पिता और अन्य नेताओं के खिलाफ पूर्व में इस्तेमाल की गई भाषा बंगाल में पार्टी इकाई को नुकसान पहुंचाने वाली रही है। दो मई के नतीजों के बाद भी, मुझे उम्मीद थी कि आप आवश्यक कदम उठाएंगे और सुधार करेंगे जो राज्य के लोगों को संदेश देगा कि बंगाल कांग्रेस विपक्ष में जगह पाने के लिए भाजपा से लड़ेगी। अफसोस, ऐसा भी नही हुआ। इस इस्तीफे ने एक बार फिर गुटों में बंटी प्रदेश कांग्रेस के भीतरी कलह को उजागर किया है, जो वाम मोर्चे और आईएसएफ के साथ हाथ मिलाने के बाद विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नही जीत पाई। मित्रा ने कहा कि पार्टी का राज्य में जबर्दस्त पतन हुआ है और इसके फिर से उठ खड़े होने के कोई संकेत नही हैं। पत्र में लिखा, आपके लहज़े में बदलाव और टीएमसी सरकार और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के प्रति भाव इस बात का प्रमाण हैं। चौधरी से तत्काल इस विषय पर कोई टिप्पणी नही मिल पाई है। रोहन की मां शिखा मित्रा का नाम भाजपा ने राज्य चुनावों के लिए चौरिंघी सीट से घोषित किया था, जब भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने उनसे मुलाकात की थी। उस वक्त उन्होने कहा था कि नाम की घोषणा से पहले उनसे विचार-विमर्श नही किया गया और वह कांग्रेस नही छोड़ेंगी, जिससे मजबूरन भाजपा को अपना प्रत्याशी बदलना पड़ा था।

शिवेंदु के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की वह याचिका सुनवाई के लिए बुधवार को स्वीकार कर ली, जिसमें विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से विपक्ष के नेता शिवेंदु अधिकारी के निर्वाचन को चुनौती दी गई है। अदालत ने अधिकारी को नोटिस जारी किए जाने का निर्देश दिया है। दूसरी ओर भाजपा नेता शुभेंदू अधिकारी ने उच्चतम न्यायालय का रुख कर नंदीग्राम से उनके चुनाव के खिलाफ ममता बनर्जी द्वारा दाखिल याचिका को पश्चिम बंगाल से बाहर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। दूसरी ओर कोलकाता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शम्पा सरकार ने कहा कि बनर्जी की चुनाव याचिका पर 12 अगस्त को सुनवाई होगी। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि इस बीच इस मामले में भाजपा विधायक अधिकारी और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किए जाएं। न्यायमूर्ति सरकार ने कहा कि उच्च न्यायालय प्रशासन से उनकी पीठ को मिली रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव याचिका जन प्रतिनिधि कानून के प्रावधानों का पालन करते हुए दायर की गई है। अदालत ने निर्वाचन आयोग को नंदीग्राम में चुनाव संबंधी सभी रिकॉर्ड एवं उपकरण संरक्षित रखने का निर्देश दिया। इससे पहले, न्यायमूर्ति कौशिक चंदा ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख की याचिका पर सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया था, जिसके बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल ने इस मामले को न्यायमूर्ति सरकार की पीठ के पास भेज दिया था। निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार अधिकारी ने बनर्जी को।,956 मतों के अंतर से हराया था।

अमरिंदर सिंह, सुखबीर बादल के बीच ट्वीटर पर छिड़ी जंग

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल के नेताओ के कृषि विधेयको की तारीफ करने वाला एक वीडियो पोस्ट करते हुए विपक्षी दल पर निशाना साधा। इस पर शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने कृषि कर्ज माफ करने के मुख्यमंत्री के चुनाव से पूर्व किए वादे को लेकर उन पर पलटवार किया। सिंह ने ट्वीटर पर शिअद प्रमुख सुखबीर बादल, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमे वह कृषि अध्यादेशो की तारीफ कर रहे है जिन्हे बाद मे कानूनो मे बदल दिया गया। ऐसा लगता है कि सिंह ने केंद्र के कृषि कानूनो के खिलाफ चल रहे किसानो के प्रदर्शन के बीच उन्हे परेशानी मे डालने के लिए यह वीडियो पोस्ट किया है। इस पुरानी वीडियो मे सुखबीर बादल को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कृषि अध्यादेश से फसलो की बिक्री होगी और इसका मकसद फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने से रोकना नही है। वीडियो मे प्रकाश सिंह बादल और हरसिमरत कौर बादल को किसानो से यह कहते हुए देखा जा सकता है कि वे इन अध्यादेशो पर कांग्रेस समेत अन्य दलो के दुष्प्रचार से भ्रमित न हो। सिंह ने बादल परिवार को टैग करते हुए ट्वीट किया, कही ऐसा न हो कि आप भूल जाओ। मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए सुखबीर बादल ने 2017 के विधानसभा चुनावो से पहले की एक वीडियो अपलोड की जिसमे सिंह को किसानो से यह वादा करते हुए देखा गया कि पंजाब सरकार बैंको से लिए उनके कर्ज को चुकाएगी। सुखबीर बादल ने ट्वीट किया, कही ऐसा न हो आप भूल जाओ, कैप्टन अमरिंदर।

भुवनेश्वर में कांग्रेस पार्टी की महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने गैस व पेट्रोल की बढ़ती हुई कीमतों के खिलाफ प्रदर्शन किया

जयपुर में जाली नोट छापने का कारखाना पकड़ा

● 5.80 लाख रुपए मूल्य की जाली मुद्रा व उपकरण जब्त

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष कार्यबल ने जयपुर के गोनेर इलाके में जाली नोट छापने का कारखाना पकड़ा है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 5.80 लाख रुपए से अधिक के जाली नोट तथा नोट छापने के उपकरण बरामद किए हैं। एसओजी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अशोक राठौड़ ने बताया कि जयपुर के गोनेर इलाके में महिमा कोपल नाम की एक आवासीय योजना की एक विला पर मंगलवार रात दबिश दी गई। मौके से पांच लाख 80 हजार 900 रुपए की भारतीय जाली मुद्रा, आधे छपे नोट, कलर प्रिंटर, स्कैनिग मशीन, लेमिनेटर, भारी मात्रा में नोट छापने के कागज व अन्य सामान जब्त कर दो आपूर्तिकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

एसओजी में दर्ज मुकदमे में वांछित अभियुक्त बृजेश मौर्या के बारे में मुखबिर से सूचना मिली कि वह अपने साथी प्रथम शर्मा के साथ मिलकर महिमा कोपल की एक विला में जाली भारतीय मुद्रा छापने का कारखाना चला रहा है। इस पर टीम ने बुधवार रात दबिश दी। वहां आरोपी बृजेश मौर्या व प्रथम शर्मा भारतीय जाली मुद्रा छापने की मशीनों व छपी मुद्रा के साथ नोटों की कटिंग करते हुए मिले। टीम ने मौके से आरोपियों के कब्जे से 500 के 1147 नोट व 200 के 37 नोट, कुल 5,80,900 रुपए की भारतीय जाली मुद्रा, आधे छपे नोट, कलर प्रिंटर, स्कैनिंग मशीन, लेमिनेटर, भारी मात्रा में नोट छापने के कागज व नोट छापने के अन्य सामान जब्त किए। आरोपी कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर आदि के माध्यम से उच्च क्वालिटी की भारतीय जाली मुद्रा बना रहे थे।

नाना पटोले ने राकांपा पर परोक्ष हमला बोला

भाषा। मुंबई

● कहा-2014 मे कांग्रेस के साथ धोखा किया गया

पिछले विधानसभा चुनाव के संदर्भ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) पर परोक्ष हमला बोलते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि 2014 में उनकी पार्टी के साथ धोखा किया गया था और वह अब उसी को ध्यान में रखकर 2024 के आम चुनाव की तैयारी कर रही है। पटोले ने यहां संवाददाताओं से यह भी कहा कि उन्हें विपक्षी भाजपा को निशाना बनाने का दायित्व दिया गया था, शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा या शिवसेना को नहीं। उल्लेखनीय है कि शिवसेना-राकांपा और कांग्रेस तीनों मिलकर महाराष्ट्र में महा विकास अघाडी (एमवीए) सरकार चला रही हैं।

भविष्य में कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने की प्राय: बात करते रहने वाले पटोले ने कहा, हमें (कांग्रेस) 2014 में धोखा दिया गया था। उसे ध्यान में रखते हुए हम अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। पटोले का इशारा महाराष्ट्र में 2014 के विधानसभा चुनाव में राकांपा के अकेले लड़ने के कदम की ओर था। कांग्रेस के एक तबके का मानना है कि राकांपा के निर्णय से भाजपा को लाभ हुआ जिसने 122 सीट जीती थीं और सरकार बनाने का दावा किया था।

गौरतलब है कि राकांपा ने तब सरकार बनाने के लिए भाजपा को बाहर से समर्थन दिया था और कहा था कि वह ऐसा महाराष्ट्र के हित में और राज्य के विकास के लिए कर रही है। हालांकि, तब भाजपा ने शिवसेना के समर्थन से सरकार बना ली थी। भाजपा और शिवसेना का गठबंधन 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद टूट गया था क्योंकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी मुख्यमंत्री का पद दिए जाने पर अड़ गई थी। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन धीरे-धीरे यह विधायकों की संख्या के मामले में चौथे स्थान पर खिसक गई।

पटोले ने कहा, 2024 में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार (केंद्र में) आएगी। भाजपा ने समूचे राष्ट्र को बिक्री के लिए रख दिया है। लोग महामारी से पीड़ित हैं। महंगाई बढ़ने से उनकी स्थिति खराब होती जा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर केवल कांग्रेस ही भाजपा की जगह ले सकती है। पटोले ने हाल में यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि एमवीए सरकार उनकी जासूसी करा रही है। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी के बढ़ते प्रभाव की वजह से शिवसेना और राकांपा के पैरों तले की जमीन खिसक रही है। पटोले ने अपनी टिप्पणी पर विवाद बढ़ने के बाद सोमवार को कहा था कि मीडिया के माध्यम से गलत सूचना फैलाई जा रही है और एमवीए के घटक दलों के बीच कोई विवाद नहीं है तथा कांग्रेस को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

वेणुगोपाल से मिले गुजरात कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता

● प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी जल्द बनाने की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस की गुजरात इकाई के वरिष्ठ नेताओं ने बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल से मुलाकात की और राज्य के लिए नए प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नए नेता की जल्द नियुक्ति करने की मांग की। गुजरात विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष नरेश रावल, विधायक शैलेश परमार और हिम्मत सिंह पटेल, पूर्व सांसद राजू परमार और सागर राइका समेत 10 से अधिक नेताओं ने वेणुगोपाल से मुलाकात की।

इस मुलाकात के दौरान मौजूद रहे गुजरात प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, सभी नेताओं ने कांग्रेस नेतृत्व के समक्ष यह मांग उठाई है कि गुजरात में जल्द नए प्रदेश अध्यक्ष, विधयक दल के नेता और प्रभारी की नियुक्ति की जाए। करीब डेढ़ साल बाद विधानसभा चुनाव होना है और इसके लिए तैयारी करने के लिए ए नियुक्तियां जल्द से जल्द की जानी जरूरी हैं। कांग्रेस नेतृत्व की तरफ से यह भरोसा दिलाया गया है कि अगले एक-दो सप्ताह में गुजरात कांग्रेस के लिए जरूरी नियुक्तियां कर दी जाएंगी।

वेणुगोपाल से मुलाकात के दौरान कुछ नेताओं ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के लिए आलाकमान को पुराने चेहरों की बजाय किसी नए चेहरे पर विश्वास जताना चाहिए। गुजरात के इन नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात का समय मांगा था, हालांकि आलाकमान की तरफ से इन्हें वेणुगोपाल से मिलने के लिए कहा गया। गुजरात के स्थानीय निकाय के चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद इसी साल मार्च महीने में अमित चावड़ा ने प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद और परेश धनानी ने नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था।

2024 के चुनाव में भाजपा के खिलाफ किसी एक चेहरे पर आम सहमति बनाना कठिन : राउत

मुंबई। तीसरे मोर्चे के गठन की अटकलों के बीच शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को कहा कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाना और किसी एक चेहरे पर आम सहमति बनाना मुश्किल काम है क्योंकि हर क्षेत्रीय दल खुद को राजा मानता है और अपने हिसाब से चीजों को तय करने की कोशिश करता है। यह पूछे जाने पर कि क्या शरद पवार वह संभावित चेहरा होंगे, राउत ने कहा कि राकांपा प्रमुख एक वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता हैं, लेकिन साथ ही, कुछ लोग पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के बारे में विचार कर रहे हैं।

उन्होंने दिल्ली में एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा, 2024 के आम चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाना और किसी एक चेहरे पर आम सहमति बनाना बहुत ही बड़ा काम है। हर विपक्षी दल अपने आप को किसी राजा के समान समझता है और अपने हिसाब से चीजों को तय करने की कोशिश करता है। राउत ने कहा, हमें केंद्र सरकार का मुकाबला करने के लिए, आपातकाल के बाद के चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ जयप्रकाश नारायण, राजीव गांधी के खिलाफ वीपी सिंह जैसे किसी चेहरे की जरूरत है। बाद में (तत्कालीन प्रधानमंत्री) मनमोहन सिंह और (कांग्रेस अध्यक्ष) सोनिया गांधी को 2014 के आम चुनावों में नरेंद्र मोदी द्वारा चुनौती दी गई थी।

यह पूछे जाने पर कि भाजपा का मुकाबला करने के लिए संभावित चेहरे के रूप में कौन नेता उभर सकते हैं, राउत ने कहा, शरद पवार लंबे समय से राष्ट्रीय नेता रहे हैं। हाल के पश्चिम बंगाल चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद कुछ लोग ममता बनर्जी के बारे में सोचते हैं। ऐसी परिस्थिति में अगर (चुनाव रणनीतिकार) प्रशांत किशोर कुछ जादू कर सकते हैं तो मुझे खुशी होगी। प्रशांत किशोर ने हाल में ममता बनर्जी और पवार से अलग-अलग मुलाकात की थी। उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात की।

राउत ने कहा कि किशोर के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और कांग्रेस नेतृत्व के साथ उनकी मुलाकात पूरी तरह से उनका अपना मामला है। महाराष्ट्र में अपनी पार्टी के आधार के विस्तार को लेकर राज्य कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राउत ने कहा, इसके बारे में बात करने के लिए कुछ भी नहीं है। पार्टी का हर नेता पार्टी की सभाओं और रैलियों में अपनी पार्टी के विस्तार की बात करता है। वास्तविक फैसला सोनिया गांधी, शरद पवार और (शिवसेना अध्यक्ष और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री) उद्धव ठाकरे को करना है।

थोक मुद्रास्फीति जून में घटकर 12.07% हुई

● खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल की कीमतों में दिखी नरमी

भाषा। नई दिल्ली

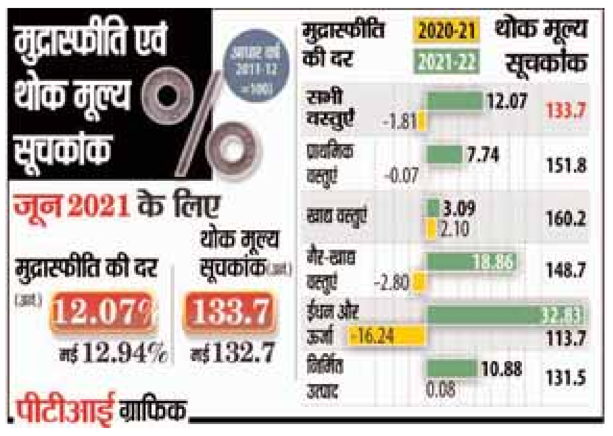

कच्चे तेल और खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के चलते थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) जून में मामूली रूप से घटकर 12.07 प्रतिशत रह गई। हालांकि, डब्ल्यूपीआई जून में लगातार तीसरे महीने दो अंकों में रही, जिसका मुख्य कारण पिछले साल का कम आधार है। जून, 2020 में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति शून्य से 1.81 प्रतिशत नीचे थी। विनिर्मित उत्पादों की महंगाई बनी रहने के बावजूद खाद्य पदार्थों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते लगातार पांच महीनों की तेजी के बाद जून में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में नरमी आई। विशेषज्ञों ने कहा कि डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति और खुदरा मुद्रास्फीति के लगातार दो अंकों में रहने से आने वाले वक्त में मौद्रिक नीति पर दबाव देखने को मिल सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि डब्ल्यूपीआई के अक्टूबर, 2021 तक उच्च स्तर पर रहने का अनुमान है।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जून 2021 (जून 2020 के मुकाबले) 12.07 प्रतिशत है, जो जून 2020 में शून्य से 1.81 प्रतिशत नीचे थी। बयान में कहा गया, जून 2021 में मुद्रास्फीति की उच्च दर मुख्य रूप से कम आधार प्रभाव और पेट्रोल, डीजल (एचएसडी), नेफ्था, एटीएफ, फर्नेस ऑयल जैसे खनिज तेलों और मूल धातु, खाद्य उत्पाद, रसायनिक उत्पाद जैसे विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण है। समीक्षाधीन अवधि में ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति घटकर 32.83 प्रतिशत हो गई, जो मई में 37.61 प्रतिशत थी। इसी तरह खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति भी जून में घटकर 3.09 प्रतिशत रह गई, जो मई में 4.31 प्रतिशत थी। हालांकि, इस दौरान प्याज महंगा हुआ। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति जून में 10.88 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले महीने में 10.83 प्रतिशत थी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में नरमी जारी रहने की उम्मीद है, हालांकि सितंबर तिमाही में यह दो अंकों में बनी रहेगी। उद्योग मंडल पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि महंगे ईंधन और बिजली के चलते महंगाई उद्योग की लागत को बढ़ा रही है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर असर पड़ रहा है।

कर्ज बढ़ने से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था संकट में आई, मुद्रा भंडार घटा

एपी। कोलंबो

श्रीलंका ने विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से कमी के चलते कृषि रसायनों, कारों और अपने मुख्य मसाले हल्दी के आयात में कटौती की है। कोरोना वायरस महामारी से उबरने के लिए संघर्ष के बीच श्रीलंका अपने भारी कर्ज को चुकाने के लिए संघर्ष कर रहा है। पड़ोसी देश ने व्यापार घाटे को कम करने के लिए टूथब्रश, स्ट्रॉबेरी, सिरका, वेट वाइप्स और चीनी सहित सैकड़ों विदेश से आने वाले सामानों को प्रतिबंधित कर दिया है या विशेष लाइसेंसिंग आवश्यकताओं के अधीन ला दिया है।

श्रीलंका में कई उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी और लंबे समय से चल रहे संकट से तंग आकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। महामारी से पहले ही श्रीलंका मुश्किल में था और पर्यटन उद्योग के प्रभावित होने से यह परेशानी और बढ़ गई। पर्यटन विदेशी मुद्रा आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। यह क्षेत्र आमतौर पर 30 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है और जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से अधिक है। इस समय देश का विदेशी मुद्रा भंडार मुश्किल से तीन महीने के आयात का भुगतान करने के लिए पर्याप्त है। बड़ी मात्रा में विदेशी ऋणों की अदायगी लंबित है, जिससे श्रीलंका की वित्तीय प्रणाली प्रभावित हो रही है। पेट्रोलियम मंत्री उदय गमपिल्ला ने हाल ही में कहा था कि देश में तेल आयात के भुगतान के लिए नकदी की कमी है। भुगतान संतुलन के लिए सरकार ने अमेरिकी डॉलर के लेनदेन को सीमित कर दिया है। आर्थिक शोध समूह प्वाइंट पेड्रो इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट के प्रमुख मुत्तुकृष्ण सर्वनाथन ने कहा, अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी खराब है, इसमें कोई संदेह नहीं है। फिच रेटिंग्स ने श्रीलंका को सीसीसी श्रेणी में डाउनग्रेड कर दिया है, जो डिफॉल्ट की वास्तविक संभावना को दर्शाता है।

क्विक न्यूज

पीजीसीआईएल को दूरसंचार, डिजिटल प्रौद्योगिकी व्यवसाय के लिए सीईआरसी की मंजूरी मिली

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली नियामक आयोग (सीईआरसी) ने भारत सरकार द्वारा संचालित पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) द्वारा दूरसंचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी कारोबार करने के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गठित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सीईआरसी के 10 जुलाई 2021 के आदेश में कहा गया, हम याचिकाकर्ता (पीजीसीआईएल) द्वारा दूरसंचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी व्यवसाय शुरू करने के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के गठन को मंजूरी देते है... इस शर्त के साथ कि याचिकाकर्ता लाइसेंसधारी द्वारा ऐसी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के पास पारेषण लाइसेंस या डीम्ड पारेषण लाइसेंस नही होगा। सीईआरसी ने अपने आदेश में कहा कि इसके अलावा पीजीसीआईएल सभी दीर्घकालिक पारेषण ग्राहकों को किसी भी अतिरिक्त लागत या सहायक कंपनी के गठन के कारण हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति करेगा। पीजीसीआईएल मुख्य रूप से बिजली पारेषण व्यवसाय में है।

कोविड-19 की दूसरी लहर से एफएमसीजी उद्योग के लिए चुनौतियां बढ़ीः आईटीसी

नई दिल्ली। आईटीसी लिमिटेड ने कहा कि भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के चलते एफएमसीजी उद्योग के लिए चुनौतियां बढ़ी है और पहली लहर की तुलना में इस बार ग्रामीण क्षेत्रों में वायरस का प्रकोप अधिक रहने से उद्योग की वृद्धि संभावनाओं पर असर पड़ने की आशंका भी है। आईटीसी की वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वायरस के प्रकोप के कारण भारत में आर्थिक सुधार को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक उपभोक्ता अब बचत पर जोर दे सकते हैं, जिसके चलते खपत में वृद्धि प्रभावित होगी। इसके अलावा ग्रामीण मांग भी प्रभावित हो सकती है। कंपनी के निदेशकों ने रिपोर्ट में कहा, देश में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर की गंभीरता एक महत्वपूर्ण चुनौती है और निकट अवधि में एफएमसीजी उद्योग को सजग रहना होगा।

मानव संसाधन मुहैया कराने वाली कंपनी पर छापे में 880 करोड़ रुपए की अघोषित आय मिलीः सीबीडीटी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आरोप लगाया है कि बेंगलुरु स्थित एक प्रमुख मानव संसाधन मुहैया कराने वाली कंपनी पर छापे में 880 करोड़ रुपए की अघोषित आय मिली है। दूसरी ओर क्वेस कॉर्प लिमिटेड ने इस आरोप का खंडन करते हुए कहा है कि वह आयकर विभाग को पूरा सहयोग दे रही है। छापे की कार्यवाही आठ जुलाई को कंपनी के बेंगलुरु स्थित दो परिसरों में शुरू हुई थी। सीबीडीटी ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि छापे में कुल 880 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला है, जो विभिन्न आकलन वर्षों से संबंधित है। दूसरी ओर कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, आयकर विभाग द्वारा अभी तक किए गए सवाल व्याख्यात्मक किस्म के है। हालांकि, हम आगे संवाद की प्रतीक्षा कर रहे है, हम उनके साथ सहयोग जारी रखेंगे।

आईएलएंडएफएस को मार्च 2022 तक 58,000 करोड़ रुपए वसूली की उम्मीद

मुंबई। कर्ज से लदी इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएलएंडएफएस) ने बुधवार को कहा कि उसे मार्च 2022 तक अपने अनुमानित कर्ज वसूली लक्ष्य के 58,000 करोड़ रुपए या 95 प्रतिशत को पूरा करने की उम्मीद है। समूह ने इस साल अप्रैल में सितंबर 2021 के बाद कुल ऋण वसूली के अपने अनुमानों को संशोधित कर 61,000 करोड़ रुपए कर दिया था। समूह का कुल कर्ज अक्टूबर 2018 तक 99,000 करोड़ रुपए था। समूह ने बुधवार को जारी एक प्रस्तुति में कहा कि सितंबर 2021 तक 50,000 करोड़ रुपए की वसूली कर ली जाएगी। समूह ने आगे कहा, मार्च 2022 तक अनुमानित वसूली (समाधान के लिए) के 95 प्रतिशत (58,000 करोड़ रुपए) हिस्से को पूरा करने की उम्मीद है। समूह ने यह भी कहा कि 31 मई 2021 तक 43,600 करोड़ रुपए की वसूली की जा चुकी है।

इंडिग्रिड ने एफआरवी से 660 करोड़ रुपए में 100 मेगावाट की सौर संपत्ति का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। अवसंरचना निवेश ट्रस्ट इंडिग्रिड ने बुधवार को कहा कि उसने फोटोवेटियो रिन्यूएबल वेंचर्स (एफआरवी) से 660 करोड़ रुपए में कुल 100 मेगावाट क्षमता वाली दो सौर ऊर्जा संपत्तियों में पूरी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इंडिग्रिड द्वारा किया गया यह अधिग्रहण देश में किसी भी अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) द्वारा पहला अक्षय ऊर्जा अधिग्रहण है। इस अधिग्रहण के साथ कंपनी के पास अब 14 विविध बिजली परियोजनाएं है, जिनमें 40 पारेषण लाइनें (7,570 सर्किट किलोमीटर), 11 सबस्टेशन (13,550 एमवीए क्षमता) और 100 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी 5,000 करोड़ रुपए तक जुटाने के लिए शेयरधारकों से मंजूरी लेगी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने बुधवार को कहा कि वह इक्विटी शेयर, बांड और ऐसी अन्य प्रतिभूतियों के जरिए 5,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए चार अगस्त 2021 को होने वाली अपनी वार्षिक आम सभा (एजीएम) में शेयरधारकों से मंजूरी लेगी। एजीएम की नोटिस में कहा गया है कि इस प्रस्ताव के जरिए निदेशक मंडल 5,000 करोड़ रुपए (या इसके समकक्ष विदेशी मुद्रा) तक राशि के लिए प्रतिभूतियां जारी कर सकेंगे। इस राशि का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय एवं राजस्व व्यय की जरूरतों और अन्य उद्देश्य को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

केरल के उद्योग मंत्री ने काइटेक्स के आरोपों को खारिज किया

तिरुवनंतपुर। केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने काइटेक्स समूह के चेयरमैन साबू जैकब के आरोपों को आधारहीन बताया है। जैकब ने आरोप लगाया है कि केरल में उद्योगों के अनुकूल माहौल नही है। इन आरोपों के जवाब में राजीव ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार एक जिम्मेदार निवेश के लिए खड़ी है। केरल अगले कुछ साल में इस तरह के निवेश का प्रमुख गंतव्य होगा। केरल के उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान हरित उद्योगों तथा आईटी आधारित उद्योगों को राज्य में आकर्षित करने पर है। उन्होंने कहा कि जमीन की कमी तथा इनके साथ जुड़े पर्यावरणीय मुद्दों की वजह राज्य में समस्या है। राजीव ने कहा, हम हमेशा से निवेश के पक्ष में रहे है। हम उद्योगों के पक्ष में है। लेकिन हमारी जरूरत यह है कि निवेश जिम्मेदारी भरा होना चाहिए। हम जिम्मेदारी भरे निवेश के साथ खड़े है। जिम्मेदार या दायित्व वाले निवेश का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि यह निवेश के फैसलों में पर्यावरण, सामजिक और संचालन (ईएसजी) कारकों को डालने के व्यवहार की रणनीति है। जैकब पर प्रतिक्रिया देते हुए राजीव ने कहा कि उनकी गतिविधियां जिम्मेदार निवेश की अवधारणा के उलट है। जैकब ने केरल से 3,500 करोड़ रुपए की निवेश परियोजनाएं वापस लेने की घोषणा की है। उन्होंने राज्य सरकार के अधिकारियों पर परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने तेलंगाना में टेक्सटाइल पार्क में 1,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की घोषणा की है।

सरकार ने कपड़ा निर्यातकों के लिए करों, शुल्कों में छूट योजना आगे जारी रखने को मंजूरी दी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को कपड़ा निर्यात के लिए राज्य और केंद्रीय करों तथा शुल्कों में छूट (आरओएससीटीएल) योजना मार्च, 2024 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी। इससे कपड़ा निर्यातकों को उनके निर्यात पर केंद्रीय और राज्य करों पर छूट पहले की तरह मिलती रहेगी। इस पहल का मकसद श्रम गहन कपड़ा क्षेत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में आरओएससीटीएल योजना जारी रखने को मंजूरी दी। यह मंजूरी उसी समान दर पर दी गई है जिसकी अधिसूचना कपड़ा मंत्रालय ने परिधान निर्यात और मेड अप (चादर, कंबल, कालीन आदि) निर्यात के लिए जारी की थी। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, योजना 31 मार्च, 2024 तक जारी रहेगी। इससे निर्यात और रोजगार सृजन में मदद मिलेगी। जो क्षेत्र इस योजना के दायरे में आएंगे, उन्हें निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों से छूट (आरओडीटीईपी) योजना का लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा तैयार नियम के अनुसार जो कपड़ा उत्पाद आओएससीटीएल योजना के अंतर्गत नहीं आएंगे, वे अन्य उत्पादों के साथ आरओडीटीईपी योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगे। योजना का क्रियान्वयन राजस्व विभाग करेगा। आओएसीसीटीएल योजना को जारी रखने और उसके क्रियान्वयन के बारे में कपड़ा मंत्रालय राजस्व विभाग के परामर्श से संशोधित दिशानिर्देश जारी करेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कपड़ा, परिधान और मेड-उप के लिए आरओएससीटीएल जारी रखने से करों और शुल्कों पर छूट से ये उत्पाद वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी हो सकेंगे...। इस योजना के तहत, निर्यातकों को निर्यात किए गए उत्पाद में निहित करों और शुल्क के मूल्य के लिए एक ड्यूटी क्रेडिट स्क्रिप (बीजक या पर्ची) जारी की जाती है। निर्यातक इस बीजक का उपयोग उपकरण, मशीनरी या किसी अन्य कच्चे माल के आयात के लिए मूल सीमा शुल्क का भुगतान करने के लिए कर सकते हैं। इन बीजकों का व्यापार किया जा सकता है। यानी, यदि निर्यातक को अपने निजी उपयोग के लिए इसकी आवश्यकता नहीं है, तो वे इसे किसी अन्य आयातक को हस्तांतरित कर सकते हैं। इससे पहले, आरओएससीटीएल योजना के तहत परिधान के लिए छूट की अधिकतम दर 6.05 प्रतिशत थी जबकि मेड-अप के लिए यह 8.2 प्रतिशत तक थी। इस निर्णय के बारे में कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि योजना को आगे बढ़ाए जाने से निर्यातकों को सभी कर प्राप्त करने और उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी।

ऋण योजनाओं को बंद करने को अधिकांश शेयरधारकों की सहमति जरूरीः न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में बुधवार को कहा कि ऋण योजनाओं को बंद करने से पहले अधिकांश शेयरधारकों की सहमति जरूरी है और यदि न्यासी नियमों का उल्लंघन करते हैं तो बाजार नियामक सेबी के पास हस्तक्षेप करने की ताकत होगी। शीर्ष अदालत का फैसला फ्रैंकलिन टेम्पलटन द्वारा दायर अपील सहित इस संबंध में दायर अन्य याचिकाओं पर आया।

फ्रैंकह्यलिन टेम्पलटन ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कंपनी को अपनी छह म्यूचुअल फंड (एमएफ) योजनाओं को अपने निवेशकों की सहमति हासिल किए बिना बंद करने से रोक दिया गया था। न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की पीठ ने इस मुद्दे पर नियमों और विनियमों की व्याख्या के आधार पर फैसला दिया, न कि फ्रैंकलिन टेम्पलटन की छह म्यूचुअल फंड योजनाओं के समापन से संबंधित मामले के तथ्यों के संबंध में। पीठ ने कहा, हमने वैधानिक प्रावधानों की व्याख्या की है। हम ऋण योजनाओं को बंद करने के लिए अधिकांश शेयरधारकों की सहमति पर उच्च न्यायालय द्वारा व्यक्त विचारों से सहमत हैं।

नियमों की वैधता को बरकरार रखते हुए न्यायमूर्ति खन्ना ने पीठ द्वारा लिए गए फैसले को सुनाते हुए कहा कि यदि न्यासी इसका उल्लंघन करते हैं, तो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) मामले में दखल दे सकता है। पीठ ने कहा, हमने तथ्यों की पड़ताल बिल्कुल भी नहीं की है। उन्हें खुला छोड़ दिया जाएगा। साथ ही न्यायालय ने कहा कि फर्म और अन्य की याचिका पर निर्णय के लिए अक्टूबर में सुनवाई की जाएगी। पीठ ने कहा, यह मूल रूप से एक सैद्धांतिक व्याख्या है। हमने बहुत सी चीजों को नहीं छुआ है। शीर्ष अदालत ने 12 फरवरी को म्यूचुअल फंड योजनाओं को बंद करने के लिए ई-वोटिंग प्रक्रिया की वैधता को बरकरार रखा था और कहा था कि यूनिटधारकों को धन का वितरण जारी रहेगा।

ब्रिटेन में महंगाई तीन साल के उच्चतम स्तर पर

लंदन। ब्रिटेन में आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक खाद्य वस्तुओं और मोटर ईंधन के दामों में बढ़ोतरी के चलते महंगाई लगभग तीन सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने बुधवार को कहा कि मुद्रास्फीति की वार्षिक दर जून में बढ़कर 2.5 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 2.1 प्रतिशत थी। जून की दर अगस्त, 2018 के बाद सबसे अधिक है, जब मुद्रास्फीति 2.7 प्रतिशत हो गई थी। मुद्रास्फीति की दर बैंक ऑफ इंग्लैंड के दो प्रतिशत के लक्ष्य से काफी अधिक है, जिसके बाद अनुमान जताया जा रहा है कि ब्रिटेन का केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में कीमतों के दबाव को कम करने के लिए जल्द कोई कदम उठा सकता है। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप से उबरने के बाद दुनिया के कई देश मुद्रास्फीति में तेजी से बढ़ोतरी का अनुभव कर रहे हैं। अमेरिका में मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वहां वार्षिक मुद्रास्फीति दर 13 साल के उच्च स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

आईटी शेयरों की अगुवाई मे सेंसेक्स 134 अंक और चढ़ा

भाषा। मुंबई

कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने की उम्मीद के बीच आईटी शेयरों में लिवाली तथा अनुकूल आर्थिक आंकड़ों से बुधवार को शेयर बाजारों में बढ़त का सिलसिला जारी रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 134.32 अंक या 0.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,904.05 अंक पर पहुंच गया। शुरुआती नुकसान से उबरकर सेंसेक्स लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में लाभ के साथ बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 41.60 अंक या 0.26 प्रतिशत के लाभ से 15,853.95 अंक रहा।

सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर सबसे अधिक 2.69 प्रतिशत चढ़ गया। एचसीएल टेक, इन्फोसिस, एलएंडटी, टाटा स्टील, आईटीसी और टीसीएस के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया डॉ. रेड्डीज तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.24 प्रतिशत तक चढ़ गए। आईटी क्षेत्र की कंपनी इन्फोसिस ने बाजार बंद होने के बाद अपने तिमाही नतीजों की घोषणा की है। चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 22.7 प्रतिशत बढ़कर 5,195 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, नकारात्मक वैश्विक रुख के बावजूद पहली तिमाही के बेहतर नतीजों की उम्मीद के बीच घरेलू बाजार अपनी शुरुआती गिरावट से उबर गए। उन्होंने कहा कि जून में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति घटकर 12.07 प्रतिशत पर आ गई है। मई में यह 12.94 प्रतिशत पर थी। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग तथा जापान के निक्की में गिरावट आई।

इन्फोसिस का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 23 प्रतिशत बढ़ा, 2021-22 के लिए आय अनुमान बढ़ाया

भाषा। नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में 22.7 प्रतिशत बढ़कर 5,195 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष के लिए अपनी आय वृद्धि के अनुमान को बढ़ाया है। बेंगलुरु की कंपनी का शुद्ध लाभ इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की अप्रैल-जून तिमाही में 4,233 करोड़ रुपए था।

इन्फोसिस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी परिचालन आय 2021-22 की पहली तिमाही में 17.8 प्रतिशत बढ़कर 27,896 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले 2020-21 की इसी तिमाही में यह 23,665 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने 2021-22 के लिए आय अनुमान बढ़ाकर 14-16 प्रतिशत किया है जो पहले 12-14 प्रतिशत था। इन्फोसिस के लिए बड़े सौदों का प्रवाह मजबूत बना हुआ है। पहली तिमाही में कुल अनुबंध मूल्य 2.6 अरब डॉलर का था। इन्फोसिस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सलिल पारेख ने कहा, हमारे कर्मचारियों ने जो समर्पण दिखाया और ग्राहकों ने जो भरोसा जताया, उसके कारण हमने पहली तिमाही में एक दशक में तीव्र गति से वृद्धि की। सालाना आधार पर यह 16.9 प्रतिशत जबकि तिमाही आधार पर यह 4.8 प्रतिशत है। इससे हमारा भरोसा बढ़ा है और हमने आय वृद्धि अनुमान बढ़ाकर 14-16 प्रतिशत कर दिया है। इन्फोसिस के मुख्य परिचालन अधिकारी प्रवीण राव ने कहा कि जैसे-जैसे डिजिटल प्रतिभाओं की मांग बढ़ती है, उद्योग में नौकरी छोड़कर जाने की बढ़ती दर अल्पकालीन चुनौती बन गई है। उन्होंने कहा, हम इस मांग को पूरा करने के लिए कॉलेज स्नातकों की नियुक्ति योजना का विस्तार कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2021-22 में वैश्विक स्तर पर करीब 35,000 नियुक्तियां की जाएंगी।

पेज 1 का शेष

कांवड़ यात्रा...

राज्य के प्रधान सचिव उपरोक्त समाचारों पर जवाब दें। उसने रजिस्ट्री को इस आदेश की प्रति प्रधान न्यायाधीश को भेजने का निर्देश दिया और कहा, हम संबंधित सरकारों का नजरिया जानना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर का खतरा जताए जाने के बावजूद 25 जुलाई से यात्रा की मंगलवार को अनुमति दे दी। उत्तराखंड सरकार ने वैश्विक महामारी के मद्देनजर कांवड़ यात्रा रद्द कर दी है।

प्रशांत किशोर...

और एक आम रणनीति बनाने की महत्वपूर्ण भूमिका पर काम कर रहे हैं। प्रशांत किशोर द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ चर्चा के एक दिन बाद इस बात को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या चुनावी रणनीतिकार किशोर देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे।

केंद्रीय कर्मचारियों...

लिए डीआर को एक जुलाई से बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत मूल वेतनापेंशन पर 17 प्रतिशत की मौजूदा दर पर 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक जुलाई से डीए और डीआर की तीन किस्तों को बहाल करने की मंजूरी दे दी है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी, 2020 से 30 जून, 2021 की अवधि के लिए किसी बकाया का भुगतान नहीं किया जाएगा।

आईटी एक्ट...

कि उसने राज्यों से अनुरोध किया है कि वे आईटी एक्ट की धारा 66ए के तहत दर्ज किए गए केसों को तुरंत वापस ले। सुप्रीम कोर्ट ने आईटी एक्ट की धारा 66ए का इस्तेमाल किए जाने पर सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी किया था। जस्टिस आरएफ नरीमन की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि यह हैरत भरा है कि जिस कानून को रद्द करने का फैसला किया गया था, उस पर अभी तक अमल नहीं हुआ।

आतंकवादियों के...

की मदद करना स्वीकार कर लिया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। एडीजी ने कहा कि तीनों को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा और अगर आवश्यकता हुई तो इन तीनों को भी रिमांड पर लिया जाएगा। एडीजी ने बताया कि शकील वजीरगंज थाना क्षेत्र में जगत नारायण रोड पर शिक्षा भवन के पीछे स्थित जनता नगरी का रहने वाला है। पेशे से रिक्शा चालक शकील वर्तमान में बांसमंडी पर सैफअहमद के मकान में रह रहा था। मोहम्मद मुस्तकीम मूल रूप से ग्राम मंडी, थाना किताबी, मुजफ्फरनगर का रहने वाला है वह यहां 536/84, तकिया तारनशाह, मदेय गंज, सीतापुर रोड पर रह रहा था। इसके अलावा मोहम्मद मुईद न्यू हैदरगंज कैम्पल रोड का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि मुस्तकीम को इस पूरे षडयंत्र की पूरी जानकारी थी। दोनों आतंकवादियों ने जो आतंकी घटना अंजाम देने की योजना बनाई थी उसमें मुस्तकीम ने सक्रिय रूप से उनका सहयोग किया था। मुईद के बारे में एडीजी ने बताया कि उसने मुस्तकीम के माध्यम से मिनहाज को पिस्टल उपलब्ध कराई थी। शकील ने भी असलहे उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई और मिनहाज का सहयोग किया।

महिला सुरक्षा...

के उपवास को दुर्लभ प्रकरण बताते हुए उन्होंने कहा कि खान ने एक सही मुद्दा उठाया है और उनका आंदोलन सार्थक है। कन्नूर के सांसद ने कहा, केरल में हालात ऐसे हैं कि राज्यपाल को आंदोलन के लिए गांधीवादी तरीका अपनाना पड़ रहा है। राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हट सकती। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि खान ने सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक उपवास किया। राज्यपाल अनशन समाप्त करने से पहले शाम को यहां गांधी भवन में आयोजित प्रार्थना सभा में भी हिस्सा लिया। गांधी भवन में भी सुबह से शाम तक अनशन चला, जहां कई गांधीवादी, गांधी स्मारक निधि और ऐसे ही अन्य संगठनों के तत्वावधान में अभियान में हिस्सा लिया। खान ने मंगलवार शाम एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा था कि दहेज प्रथा महिलाओं की गरिमा के साथ घोर अन्याय और अपमान है। गांधीवादी संगठनों ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ अत्याचार को समाप्त करना और केरल को उनके लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने की आवश्यकता पर जोर देना है। खान ने पिछले महीने महिलाओं से भावनात्मक अपील की थी कि वे शादी के समय दहेज की मांग को मना कर दें और उन्होंने दहेज के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए किसी भी संगठित स्वैच्छिक आंदोलन का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की थी।

कोरोना से...

भूमिका की जांच करने की आवश्यकता है। एक अन्य संगठन पीएफआई को वैन कराने के सवाल पर डीजीपी ने कहा कि इस बारे में अध्ययन करेंगे और अभी कुछ नहीं कह सकते। डीजीपी ने प्रदेश के बड़े शहरों में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने एक अच्छी शुरुआत की है, अभी लखनऊ, कानपुर, नोएडा और वाराणसी में यह सिस्टम लागू किया गया है। यहां तैनात पुलिस अधिकारियों को अपनी परफारमेंस दिखानी होगी और जब सरकार को नजर आएगा तो वह आगे इसे अन्य शहरों में भी लागू कर सकती है। डीजीपी ने कहा कि प्रयागराज, आगरा, मेरठ, गोरखपुर और दिल्ली से सटे गाजियाबाद जैसे शहरों में भी पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किए जाने की आवश्यकता है। प्रदेश की योगी सरकार द्वारा बीते मंगलवार को नियमों को शिथिल करते हुए एक तिहाई के स्थान पर दो तिहाई थानों में सब इंस्पेक्टर को थाना प्रभारी तैनात कर सकने के निर्णय को डीजीपी ने पुलिस व्यवस्था के लिए बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि एक तो उम्र अधिक हो जाने की वजह से इंस्पेक्टर के अंदर काम करने का उत्साह कम हो जाता है, दूसरे वह यह जानते हैं कि लिमिटेड एप्रोच होने की वजह से उन्हें तो थाना मिलना ही है। इसके साथ ही सब इंस्पेक्टर को एसओ बनने के लिए कोई मोटिवेशन नहीं होता है। अब जिले के पुलिस कप्तान के सामने यह विकल्प रहेगा कि वह काम न करने वाले इंस्पेक्टर के बजाय सब इंस्पेक्टर को थाना प्रभारी नियुक्त कर सकेगा और सब इंस्पेक्टर भी दूने उत्साह से काम करेंगे। पांच साल तक प्रतिनियुक्त पर बाहर तैनात रहने के बाद बतौर डीजीपी उत्तर प्रदेश लौटे मुकुल गोयल का कहना है कि अब सब कुछ बहुत फास्ट हो चुका है। पुलिस विभाग में काफी सकारात्मक बदलाव हुए हैं। वूमेन पावर लाइन और 112 की उपयोगिता सबके सामने हैं। पुलिस मैं जिस प्रकार टेक्नोलॉजी का समावेश हुआ है उससे कार्यों में काफी पारदर्शिता आई है। थानों की जनरल डायरी से लेकर केस डायरी तक ऑनलाइन कंप्यूटर पर ही लिखी जा रही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि इसके फायदे भी हैं तो पुलिस के लिए नुकसान भी हैं। फायदा यह है कि अब समय रहते अधिकारियों को घटनाओं की जानकारी मिल जाती है और उन पर एक्शन होता है। पुलिस की समस्या इसलिए बढ़ी है कि अब उसे तुरंत रिएक्ट करना होता है। कुल मिलाकर फील्ड में तैनात पुलिस अफसरों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। डीजीपी ने कहा कि मैं यह महसूस करता हूं कि जनता से जुड़ाव कम हुआ है और वह भी खासकर ग्रामीण अंचल की वह जनता जो सोशल मीडिया से दूर रहती है। गरीब, कमजोर वर्ग के लोग और महिलाएं अपनी बात पुलिस तक नहीं पहुंचा पाती हैं, उन्होंने कहा कि इसीलिए मैंने अपनी पहली ही मीटिंग में पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह समस्याओं को सुनें और छोटी सी छोटी घटनाओं पर कार्रवाई करें। मसलन अगर कहीं छेड़खानी की शिकायत आई तो अगर सिर्फ पुलिस वहां चली जाए। आरोपी को समझा दे, धमका दे, उसके घर वालों को शामिल करे, तो उतने पर ही मामला सुलट सकता है। एनसीआर की जांच नहीं होती है। बीट के कांस्टेबल और सब इंस्पेक्टर को इसकी विधिवत जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि छोटी सी घटना बड़ा रूप धारण न कर सके। डीजीपी ने कहा कि आने वाले समय में त्योहारों का सीजन शुरू हो जाएगा और कोरोनावायरस की तीसरी वेब की भी आशंका है। ऐसे में हमारा प्रयास यही रहेगा कि ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे आम नागरिक कोविड 19 के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हंसी-खुशी अपना त्यौहार मना सके।

डब्ल्यूटीसी के दूसरे चक्र में श्रीलंका

न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा भारत

भाषा। दुबई

भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के दूसरे चक्र में भी पाकिस्तान से नहीं खेलेगा और उसे अगले दो वर्षों में तीन दौरे करने हैं जिसकी शुरूआत अगले महीने इंग्लैंड श्रृंखला के साथ हो रही है। नियमों के अनुसार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) कैलेंडर में नौ देशों को अपनी पसंद के छह देशों के खिलाफ खेलना है और 2021-2023 चक्र में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के बजाय श्रीलंका से खेलेगी। टीम 2017 के शुरूआती डब्ल्यूटीसी चरण के दौरान वेस्टइंडीज से खेली थी।

भारतीय टीम चार अगस्त से इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से डब्ल्यूटीसी अभियान शुरू करेगी। टीम को दिसंबर 2021 से जनवरी 2022 के बीच दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी करना है फिर उसे नवंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ उसकी

● आईसीसी ने डब्ल्यूटीसी अंकों की पुष्टि की, जीत पर मिलेंगे 12 और ड्रा पर चार अंक

ही सरजमीं पर श्रृंखला खेलनी है। इंग्लैंड के खिलाफ उसके मैदानों पर श्रृंखला के अलावा सबसे बड़ी श्रृंखला अपनी सरजमीं पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले साल सितंबर से नवंबर के शुरू में होगी। इनके अलावा भारत इस साल नवंबर में दो टेस्ट मैचों के लिए न्यूजीलैंड और फरवरी से मार्च 2022 तक श्रीलंका की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर पुष्टि की कि डब्ल्यूटीसी के दूसरे चक्र के दौरान जीत दर्ज करने पर 12 अंक, ड्रा पर

चार अंक और मैच टाई होने पर छह अंक दिए जाएंगे। आईसीसी ने आगे कहा कि जीते गए अंकों के प्रतिशत का उपयोग 2021-23 के चक्र में स्थानों का निर्धारण करने के लिए किया जाएगा। इससे पहले प्रत्एक टेस्ट श्रृंखला के लिए 120 अंक तय किए गए थे जिससे असमानता पैदा होती थी क्योंकि दो टेस्ट मैचों की एक श्रृंखला में एक टेस्ट जीतने पर टीम को 60 अंक मिल जाते थे जबकि पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में एक मैच जीतने पर केवल 24 अंक मिलते थे। पीटीआई ने पिछले महीने ही रिपोर्ट दे दी थी कि आईसीसी डब्ल्यूटीसी के दूसरे चक्र के लिए नई अंक प्रणाली शुरू करने जा रही है। आईसीसी के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी ज्योफ अलारडाइस ने कहा कि पिछले साल के व्यवधान से सबक लेकर ए बदलाव अंक प्रणाली को सरल बनाने के लिए किए गए हैं। अलारडाइस ने आईसीसी के बयान में कहा, हमें प्रतिक्रिया मिली कि पिछली अंक प्रणाली को सरल बनाने की जरूरत है। क्रिकेट समिति ने प्रत्येक मैच के लिए एक नई मानकीकृत प्रणाली का प्रस्ताव रखते समय इसे ध्यान में रखा। जून 2023 में समाप्त होने वाले डब्ल्यूटीसी के दूसरे चक्र में पांच टेस्ट मैचों की केवल दो श्रृंखलाएं शामिल हैं। इनमें भारत-इंग्लैंड श्रृंखला के अलावा इस साल आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाली एशेज श्रृंखला शामिल है। आस्ट्रेलिया के अगले साल के भारत दौरे में चार टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह नए चक्र में चार मैचों की एकमात्र श्रृंखला होगी। नौ टेस्ट टीमें कुल छह-छह श्रृंखलाएं खेलेंगी। इनमें से पिछली बार की तरह तीन श्रृंखलाएं स्वदेश और तीन विदेश में खेलनी होंगी।

नेतृत्वकर्ता के रूप में सभी को एकजुट और खुश रखना चाहता हूं: शिखर धवन

कोलंबो (भाषा)। श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम की कमान संभाल रहे शिखर धवन का मानना है कि नेतृत्वकर्ता का काम सभी को एकजुट और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में रखना है। विराट कोहली और अन्य अहम खिलाड़ियों के न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए इंग्लैंड जाने के बाद बाएं हाथ के बल्लेबाज धवन को सीमित ओवरों की टीम की कमान सौंपी गई। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ पांच टेस्ट भी खेलेगी। भारत का श्रीलंका दौरा 18 जुलाई से शुरू होगा जिसमें टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं।

धवन ने स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्ल्यूज पर कहा, यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है कि मैं भारतीय टीम का कप्तान बना हूं। एक नेतृत्वकर्ता के रूप में मैं चाहता हूं कि सभी एकजुट और खुश रहें- यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उन्होंने कहा, हमारे पास अच्छी टीम, शानदार सहयोगी स्टाफ है और हमने पहले भी एक साथ काम किया है। धवन ने कहा कि पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के साथ उनके रिश्ते अच्छे हैं जिन्हें श्रीलंका दौरे के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। धवन ने कहा, राहुल भाई के साथ मेरे रिश्ते अच्छे हैं। जब मैंने रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया तो मैं उनके खिलाफ खेला और तभी से उन्हें जानता हूं। जब मैं भारत ए की ओर से खेला तो मैं कप्तान था और वह कोच थे इसलिए बातचीत होती थी। उन्होंने कहा, जब वह एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के निदेशक बने तो हम लगभग 20 दिन के लिए वहां जाते थे इसलिए काफी बात होती थी और अब हमारे बीच अच्छे रिश्ते हैं। अब हमें छह मैच एक साथ खेलने का मौका मिला है इसलिए काफी मजा आएगा और मुझे लगता है कि हम सभी एक साथ अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चयनकर्ताओं ने रुतुराज गायकवाड़ और चेतन सकारिया जैसे कई उभरते हुए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव नहीं है और धवन चाहते हैं कि ए युवा खिलाड़ी अपने सफर का लुत्फ उठाएं।

योगी ने टोक्यो ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले यूपी के खिलाड़ियों से बात कर बढ़ाया मनोबल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में टोक्यो ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले उत्तर प्रदेश के 10 खिलाड़ियों प्रियंका गोस्वामी, सुश्री अन्नू रानी, सीमा पुनिया, वंदना कटारिया, सौरभ चौधरी, मेराज अहमद खान, अरविन्द सिंह, सतीश कुमार, शिवपाल सिंह एवं ललित कुमार उपाध्याय से वर्चुअल वार्ता कर उनका मनोबल बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के इस कालखण्ड में ओलम्पिक खिलाड़ियों के प्रयासों से नई पीढ़ी को स्फू र्ति एवं प्रेरणा मिलेगी। इनके द्वारा देश एवं प्रदेश का मान बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ओलम्पिक में एकल खेल में स्वर्ण पदक लाने वाले खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपएए रजत पदक लाने वालों को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक लाने वाले खिलाड़ियों को 2 करोड़ रुपए, प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को 10 लाख रुपए तथा टीम खेल में स्वर्ण पदक लाने पर 3 करोड़ रुपए, रजत पदक लाने पर 2 करोड़ रुपए, कांस्य पदक लाने पर 1 करोड़ रुपए एवं प्रतिभाग करने पर 10 लाख रुपए का सहयोग करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा है कि अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ना चाहिए और अलग-अलग फ ील्ड के प्रतिभाशाली लोगों को सरकार की ओर से एक मंच मिलना चाहिए।

● ओलम्पिक खिलाड़ियों के प्रयासों से नई पीढ़ी को स्फूर्ति एवं प्रेरणा मिलेगी: मुख्यमंत्री

केन्द्र एवं राज्य सरकार इसी दिशा में प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत अभी हर स्तर पर प्रतिस्पर्धाएं चल रही हैं जिससे नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्कूलए कॉलेज व गांव में अलग-अलग स्तर पर यह कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान, स्टेडियम, मिनी स्टेडियम का निर्माण एवं स्पोर्ट्स किट उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश सरकार के युवा कल्याण विभाग द्वारा हर गांव में युवक मंगल दल गठित करने के साथ उन्हें स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जा रही है। यह अभियान निरन्तर आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की जायेगी। यह यूनिवर्सिटी सभी खिलाड़ियों को जोड़कर उनकी प्रतिभाओं एवं ऊर्जा का लाभ राज्य के युवाओं को आगे बढ़ने एवं एक नये मंच को प्रदान करने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री से संवाद कार्यक्रम में शूटर मेराज अहमद खान ने प्रदेश में शूटिंग रेंज की स्थापना की जरूरत बताई, जिस पर सीएम ने कहा कि वाराणसी और लखनऊ में शूटिंग रेंज की स्थापना हो रही है।

जापान के राजा नारुहितो करेंगे टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत की घोषणा: रिपोर्ट

भाषा। टोक्या

जापान के राजा नारुहितो के 23 जुलाई को तोक्यो ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने की उम्मीद है और वह खेलों की शुरुआत की घोषणा कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

क्योदो समाचार एजेंसी ने इस मामले की जानकारी रख ने वाले एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ओलंपिक का मेजबान देश उद्घाटन समारोह में राजा की मौजूदगी के लिए इंतजाम कर रहा है। खबर के अनुसार नारुहिता शाही महल में मेहमान विदेशी प्रतिनिधियों से मिलने के लिए भी तैयार हैं। खबर के अनुसार हालांकि शाही सदस्यों के अन्य स्पर्धाओं को देखने की संभावना नहीं है क्योंकि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए आयोजन समिति ने लगभग सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन खाली स्टेडियम में कराने का फैसला किया है। नारुहितो तोक्यो 2020 ओलंपिक और पैरालंपिक के मानद संरक्षक हैं। उनकी उम्र 61 साल है। ओलंपिक चार्टर के अनुसार मेजबान देश का राष्ट्राध्यक्ष खेलों की शुरुआत की घोषणा करता है। राजा नारुहितो ने इससे पहले इम्पीरियल हाउसहोल्ड एजेंसी के ग्रैंड स्टीवर्ड यासुहिको निशिमुरा के जरिए चिंता जताई थी कि तोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में इजाफा हो सकता है। नारुहितो तीसरे राजा हैं जिन्होंने मानद संरक्षक की भूमिका स्वीकार की है।

आगरा में टोक्यो ओलंपिक को लेकर ताजमहल के पास एक पार्क में सेल्फी पॉइंट के पास पोज देते उत्साहित बच्चे

शपथ लेने वालों की संख्या तीन से बढ़ाकर छह की गई

भाषा। तोक्यो

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए टोक्यो ओलंपिक खेलों के उदघाटन समारोह में शपथ लेने वालों की संख्या तीन से बढ़ाकर छह कर दी गई है। इसके साथ ही शपथ में समावेश और समानता शब्दों को शामिल करने के लिए थोड़ा बदलाव भी किया गया है। ओलंपिक शपथ सभी प्रतिभागियों की तरफ से मेजबान देश का एक खिलाड़ी लेता है। इस समारोह में एक कोच और एक जज भी शामिल होता है। जापान में इस बार इनमें से प्रत्येक समूह से एक पुरुष और एक महिला शपथ लेगी। ओलंपिक में 1920 से ही शपथ लेने का प्रचलन रहा है। इस बार ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे। आईओसी ने बयान में कहा, शपथ लेने वालों में लिंग समानता ओलंपिक चार्टर के अनुसार खेलों में सभी स्तर पर महिलाओं को बढ़ावा देने के आईओसी और आयोजन समिति के कई फैसलों और प्रतिबद्धताओं में से एक है। शपथ की शुरुआती पंक्ति में दो नए शब्द समावेश और समानता जोड़े गए हैं। आईओसी के एथलीट आयोग की सिफारिश पर शपथ में ए दो नए शब्द जोड़े गए हैं। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने अप्रैल 2021 में इन सिफारिशों को मंजूरी दी थी। आईओसी कार्यकारी बोर्ड के फैसले के बाद सभी भागीदार देशों को इस बार उदघाटन समारोह में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी को ध्वजवाहक बनाने की अनुमति दी गई है। भारत ने महिला मुक्केबाज एम सी मेरीकोम और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह को उद्घाटन समारोह के लिए ध्वजवाहक चुना है। आठ अगस्त को होने वाले समापन समारोह में पहलवान बजरंग पूनिया ध्वजवाहक होंगे।

खिलाड़यों को खुद ही अपने गले में डालना होगा ओलंपिक पदक

तोक्यो (एपी)। टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से बचाए रखने के लिए खुद ही अपने गले में पदक डालने होंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अध्यक्ष थॉमस बाक ने 339 स्पर्धाओं के पारंपरिक पदक समारोह के लिए हुए बहुत अहम बदलाव का खुलासा बुधवार को किया। बाक ने तोक्यो से कांफ्रेंस कॉल पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया को बताया, पदकों को गले में डालकर नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, पदक खिलाड़ी को ट्रे में पेश किए जाएंगे और फिर एथलीट पदक

लेकर खुद अपने गले में डालेंगे। बाक ने कहा, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जो भी व्यक्ति ट्रे में पदक रखेगा, वह कीटाणुरहित दस्ताने पहनकर ही इन्हें ट्रे में रखेगा ताकि सुनिश्चित हो कि किसी ने भी पदकों को छुआ नहीं हो।

बाक ने सुगा से मुलाकीत की

तोक्यो (एपी)। कोरोना वायरस के बढ़ते हुए मामले उसी दिन दर्ज किए गए जिस दिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक को टोक्यो में जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा से शिष्टाचार मुलाकात करनी थी। सुगा और बाक दोनों ने कहा है कि तोक्यो ओलंपिक सुरक्षित होंगे जबकि खेलों का उद्घाटन तोक्यो और पड़ोसी प्रांतों में केंद्र सरकार द्वारा लागू आपातकाल के बीच होगा। तोक्यो में बुधवार को कोरोना वायरस के।,149 नए मामले दर्ज किए गए। लगभग छह महीने पहले 22 जनवरी को।,184 मामलों के बाद से ए एक दिन में सर्वाधिक नए मामले हैं। साथ ही लगातार 25वें दिन पिछले हफ्ते की तुलना में अधिक मामले दर्ज किए गए। सुगा ने बाक से सुनिश्चित करने को कहा है कि ओलंपिक सुरक्षित होंगे विशेषकर जापान की जनता के लिए जिनमें 20 प्रतिशत से कम का ही पूर्ण टीकाकरण हुआ है। सुगा ने बाक से कहा, हमारे लोगों को समझाने और तोक्यो 2020 खेलों की सफलता के लिए यह बेहद आवश्यक है कि सभी प्रतिभागी महामारी के खिलाफ कार्रवाई और उपाय करें। उन्होंने कहा, खेलों के मेजबान के रूप में, मुझे उम्मीद है कि आईओसी प्रयास करेगा जिससे कि सभी खिलाड़ी और हितधारक इन उपायों का पूरी तरह से पालन करें।

क्विक न्यूज

शतरंज विश्व कप: गुकेश दूसरे दौर में

सोच्चि। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने पोलैंड के पावेल टेकलाफ को टाईब्रेकर मे हराकर फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के पुरूषो के वर्ग के दूसरे दौर मे प्रवेश कर लिया। दो गेम का मिनी मैच मंगलवार को।-। से ड्रॉ पर खत्म हुआ था। टाइब्रेकर में गुकेश ने पहला गेम जीता और दूसरे मे ड्रॉ खेला। भारत के आर प्रग्गानानंधा, निहाल सरीन , पी इनियान, बी अधिबान , अरविंद चिदंबरम दूसरे दौर में पहले ही पहुंच चुके है। विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा को पहले दौर मे बाय मिला था। महिला वर्ग मे पद्मिनी राउत, आर वैशाली, भक्ति कुलकर्णी पहले दौर मे जीत दर्ज करने मे कामयाब रही। डी हरिका भी दूसरे दौर में पहुंच गई।

पीजीए प्रतियोगिता से पहले कोविड से संक्रमित पाए गए दो गोल्फर

निकलसविले (अमेरिका)। टेड पूडी और क्रिस काउच कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण पीजीए टूर की प्रतियोगिता बार्बासोल गोल्फ चैपियनशिप से बाहर हो गए। इस तरह से पिछले 12 दिनो मे चार गोल्फरो को इस वायरस से संक्रमित पाया गया है। बार्बासोल चैपियनशिप अप्रैल मे वलस्पार चैपियनशिप के बाद पहली ऐसी प्रतियोगिता होगी जिसमे इतने खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आया है। पूडी और काउच की जगह एरिक एक्सली और सिमली कॉफ्मैन को इस चैपियनशिप मे खेलने का मौका दिया गया है। इन दोनो से पहले जॉक जॉनसन का कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया था जिसके कारण उन्हे ब्रिटिश ओपन से हटना पड़ा। हिदेकी मात्सुयामा का रॉकेट मॉर्टिज क्लासिक के पहले दौर के बाद परीक्षण पॉजिटिव आया था। वह भी बाद मे ब्रिटिश ओपन से हट गए थे।

ममता ने जिम्नास्ट प्रणति नायक को ओलंपिक में सफलता की शुभकामना दी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जिम्नास्ट प्रणति नायक को आगामी तोक्यो ओलंपिक खेलों में सफलता के लिए शुभकामना दी। प्रणति इन खेलो मे भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय जिम्नास्ट है। वह पश्चिम बंगाल मे पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के पिंगला की रहने वाली है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, प्रणति नायक को हार्दिक बधाई जो ओलंपिक 2021 मे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र जिम्नास्ट है। उन्होंने लिखा, प्रणति मेदिनीपुर के एक छोटे कस्बे की रहने वाली है। अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उसने पहले ही कई सम्मान हासिल किए है और मुझे इस बार भी उसकी सफलता का भरोसा है। छब्बीस वर्षीय प्रणति एक बस कंडक्टर की बेटी है। वह दीपा कर्माकर के बाद ओलंपिक खेलो के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय महिला जिम्नास्ट है।

ओडिशा के मुख्य कोच बने जाफर

कटक । भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज और घरेलू क्रिकेट के दिग्गज वसीम जाफर को आगामी घरेलू सत्र के लिए बुधवार को ओडिशा की सीनियर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। ओडिशा क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुब्रत बहेड़ा ने पीटीआई से कहा, वह (जाफर) मुख्य कोच होंगे। उनसे दो साल का करार किया गया है। संघ की क्रिकेट सलाहकार समिति की बैठक के बाद यह फैसला किया गया। जाफर राज्य के पूर्व कप्तान रश्मि रंजन परीदा की जगह लेंगे जो दो सत्र तक टीम के साथ थे। बहेड़ा ने बयान मे कहा, सभी आयु ग्रुप के क्रिकेट विकास के अलावा वह (जाफर) राज्य में कोचों के विकास कार्यक्रम का हिस्सा भी होंगे। रणजी ट्राफी में सर्वाधिक रन जुटाने वाले जाफर दूसरी बार किसी राज्य टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

टोक्यो में तीरंदाजों पर होगी टेन की बरसात

नई दिल्ली। सभी तीरंदाज प्रतियोगिता मे परफेक्ट 10 के स्कोर पर निशाना साधने के लिए ट्रेनिंग करते है और आगामी तोक्यो ओलंपिक में वे चाहे जितने भी बार बुल्स आइ (परफेक्ट 10) निशाना लगाएं उन्हे युमेनोशिमा पार्क पर हर बार तीर छोड़ने के बाद टेन (10) ही सुनाई देगा। प्रत्एक तीरंदाज का लक्ष्य अधिक से अधिक बार 10 अंक जुटाना होता है। जापानी भाषा में हालांकि अंक को टेन कहते है और ऐसे मे तीरंदाज चाहे कितने भी अंक जुटाएं उन्हे आखिर मे यह जादुई अंक सुनने को मिलेगा। प्रत्एक तीर चलाने के बाद अंक की घोषणा की जाती है। तीरंदाजी में अंक की घोषणा करने वाले अधिकतर समय अंग्रेजी मे अंक (प्वाइंट) शब्द नही बोलते लेकिन जापानी में अलग अलग अंको का उच्चारण समान लगता है और ऐसे में प्रतियोगिता के दौरान टेन का इस्तेमाल करना लगभग अनिवार्य है। जापानी भाषा मे 10 को जू जबकि नौ को क्यू और आठ को हाची बोलते है।

शिवाजी बनर्जी को मरणोपरांत मोहन बागान रत्न

कोलकाता। पेले की कप्तानी वाले कोस्मोस क्लब के खिलाफ यहां 1977 मे नुमाइशी फुटबॉल मैच खेलने वाले भारत के पूर्व गोलकीपर शिवाजी बनर्जी को मरणोपरांत मोहन बागान रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। क्लब की कार्यकारी समिति के सदस्यो ने फीजी के स्ट्राइकर रॉय कृष्णा को वर्ष 2020 . 21 का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जिनके शानदार प्रदर्शन के दम पर एटीके मोहन बागान इंडियन सुपर लीग मे उपविजेता रहा। बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मे 100 मीटर बाधा दौड़ और ऊंची कूद जीतने वाली बिदिशा कुंडू को सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया।

फिटनेस भारतीय हॉकी टीम की सबसे बड़ी पूंजी, टोक्यो में जीत सकती है पदक

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय हॉकी के दिग्गज धनराज पिल्लै का मानना है कि इस बार बेहद फिट टीम टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने के लिए जा रही है और वह पदक के पिछले 41 वर्षों के इंतजार को खत्म कर सकती है। धनराज ने 1992 से लेकर 2004 तक लगातार चार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि 23 जुलाई से शुरू होने वाले तोक्यो खेलों के लिए मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम की सबसे बड़ी पूंजी फिटनेस है। भारत ने आखिरी बार 1980 मॉस्को ओलंपिक खेलों में हॉकी में स्वर्ण पदक जीता था।

इस 52 वर्षीय खिलाड़ी ने हॉकी इंडिया की फ्लैशबैक सीरीज के अंतर्गत कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस बार पदक जीतने में सफल रहेंगे। वे पिछले पांच वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। फिटनेस उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। हमारे जमाने में वैसी सुविधाएं नहीं थी जो आज उनके

पास है। उन्होंने कहा, इस टीम ने आश्चर्यजनक परिणाम दिए हैं। उसने हाल में विशेषकर चैंपियन्स ट्राफी (2016 और 2018) तथा विश्व लीग फाइनल्स (2015 और 2017) में अपने प्रदर्शन से लाखों लोगों का दिल जीता है। कोविड-19 के कड़े दिशानिर्देशों के कारण धनराज टीम से नहीं मिल पाए। उन्होंने मनप्रीत और महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल को पत्र लिखकर तोक्यो में सफलता की शुभकामना दी। उन्होंने कहा, मैं बेंगलुरू में हूं और मुझे उनसे मिलकर अच्छा लगता लेकिन प्रोटोकॉल के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। मैंने उन्हें पत्र भेजकर उन्हें शुभकामनाएं भेजी है। मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं कि जब वे ओलंपिक गांव में रहें तो अपने खानपान के प्रति सतर्क रहें। उन्होंने कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि उन्हें शांतचित और सहज रहकर अपने खेल जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दौर का आनंद उठाना चाहिए। धनराज ने कहा, पुरुष और महिला टीमों से मैं कहना चाहता हूं कि वे पदक जीतने के बारे में नहीं सोचें। वे मैच दर दर आगे बढें और आखिर तक एक इकाई के तौर पर एकजुट रहें। हमने हर ओलंपिक खेलों में यह गलती की कि हमने मैच दर मैच आगे बढ़ने के बजाय फाइनल को लक्ष्य बनाया।

वरुण, सिमरनजीत, रीना व नमिता को भारतीय हाकी टीम में मिला मौका

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से कोविड-19 महामारी के कारण टीम खेलों में दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को रखने की अनुमति मिलने के बाद डिफेंडर वरुण कुमार और मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह को तोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में शामिल किया गया है। हॉकी इंडिया ने इससे पहले पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए 16 16 सदस्ईय टीम का चयन किया था लेकिन अब दोनों टीमों में दो दो अतिरिक्त खिलाड़ी जोड़ दिए गए हैं। वरुण और सिमरनजीत को जहां पुरुष टीम में जगह मिली है वहीं डिफेंडर रीना खोकर और अनुभवी मिडफील्डर नमिता टोप्पो को महिला टीम में शामिल किया गया है। सूत्रों ने कहा, वरुण और सिमरनजीत को टीम में शामिल किया गया है और अब यह 18 सदस्ईय टीम होगी। वे भले ही अतिरिक्त खिलाड़ी हैं लेकिन आईओसी के तोक्यो 2020 के लिए विशेष दिशानिर्देशों के तहत वे प्रत्एक मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ओलंपिक की हॉकी टीमों में परंपरागत रूप से 16 खिलाड़ी शामिल होते हैं लेकिन आईओसी ने कोविड-19 के कारण बदली परिस्थितियों में प्रत्एक भागीदार देश को दो अतिरिक्त खिलाड़ियों का चयन करने की अनुमति दी है। आईओसी के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, रग्बी और वॉटर पोलो के प्रत्एक मैच में वैकल्पिक खिलाड़ी को स्थाई खिलाड़ी की जगह उतारा जा सकता है। पूर्व में ओलंपिक खेलों में कुछ स्टैंड बाई खिलाड़ी टीम के साथ दौरे पर जाते थे लेकिन किसी खिलाड़ी के चोटिल होने के कारण स्थाई तौर पर बाहर होने तक वह खेलों में भाग नहीं ले सकते थे।

खेल मंत्री ने भारतीय ओलंपिक दल का आधिकारिक गीत लांच किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने देश के ओलंपिक दल का चीयर-इंडिया गीत बुधवार को लांच किया और लोगों से तोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान खिलाड़ियों का समर्थन करने की अपील की। ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए आर रहमान और युवा गायिका अनन्या बिरला ने मिलकर तोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय दल के आधिकारिक गीत तैयार किया जिसका शीर्षक चीयर4इंडिया : हिन्दुस्तानी वे है। ठाकुर ने कहा, मैं सभी देशवासियों से इस गीत को सुनने और साथियों से इसे शेयर करने तथा तोक्यो ओलंपिक के लिए पूरे भारतीय दल के लिए यह दिखाने के लिए चीयर करने का भी अनुरोध करता हूं कि हम आपके साथ हैं। उन्होंने रहमान और अनन्या का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने कोविड-19 महामारी के इतने मुश्किल समय में इस गीत को तैयार किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि टीम इंडिया का आधिकारिक चीयर गीत पिछले 18 महीनों में सभी शेयरधारकों के कठिन परिश्रम को दर्शाता है। राज्य मंत्री (खेल) निशीथ प्रमाणिक, खेल सचिव रवि मित्तल, भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान और आईओए महासचिव राजीव मेहता भी इस मौके पर मौजूद थे।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 15 जुलाई, 2021

पाक में बस पर हमला, चीनी इंजीनियरों सहित 13 की मौत

एपी। पेशावर, बीजिंग

उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के पर्वतीय क्षेत्र में बुधवार को निर्माण कामगारों को ले जा रही बस पर हुए हमले में नौ चीनी इंजीनियरों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के अपर कोहिस्तान जिले के दसू इलाके में हुई, जहां चीनी इंजीनियर और निर्माण श्रमिक एक बांध बनाने में मदद कर रहे हैं। यह बांध 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा है।

इस बीच, चीनी दूतावास ने एक बयान में कहा कि बस पर हमला किया गया।अपर कोहिस्तान के उपायुक्त मुहम्मद आरिफ ने अपने शुरुआती बयान में कहा कि निर्माणाधीन दसू बांध की जगह पर चीनी इंजीनियरों और श्रमिकों को ले जा रही बस में विस्फोट होने से नौ चीनी नागरिकों और फ्रंटियर कोर के दो सैनिकों सहित कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई।अधिकारी ने कहा कि धमाके के बाद बस गहरी खाई में गिर गई। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। संसदीय मामलों पर प्रधानमंत्री के सलाहकार बाबर अवान ने नेशनल असेंबली में इसे कायरतापूर्ण हमला बताया और कहा कि इससे पाकिस्तान व उसके पड़ोसियों के बीच विशेष पहल से ध्यान नहीं हटेगा। अवान ने कहा कि वह गृह मंत्री शेख राशिद अहमद से सदन को देश की सुरक्षा स्थिति के बारे में अवगत कराने और घटना के बारे में जानकारी देने के लिए कहेंगे।बीबीसी उर्दू सेवा ने बताया कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि जोर की आवाज हुई और बस हवा में उछलकर नीचे गिर गई। एक अन्य चश्मदीद के हवाले से उसने कहा कि विस्फोट के बाद बस हवा में उछलती दिख रही थी। कुछ देर बाद जोरदार आवाज के साथ बस जमीन पर गिर गई। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, जहां घायल चिल्ला रहे थे हालांकि, बांध निर्माण के लिए जिम्मेदार जल और बिजली विकास प्राधिकरण (वापडा) ने एक बयान में कहा कि यह एक दुर्घटना थी। अधिकारियों ने कहा कि जांच के बाद और जानकारी दी जाएगी।एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, विस्फोट के बाद बस गहरी खाई में गिर गई और भारी नुकसान हुआ। एक चीनी इंजीनियर और एक सैनिक लापता है। बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री के विशेष सहायक कामरान खान बंगश ने कहा कि एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल तथ्यों का पता लगाने के लिए अपर कोहिस्तान के लिए रवाना हो गया है।

उन्होंने कहा, मीडिया को सलाह दी जाती है कि इस मामले में अटकलों से बचें। बंगश ने कहा कि चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा अधिकारियों को तैनात किया गया था। जो लोग गंभीर हालत में हैं, उन्हें हेलीकॉप्टर के जरिए स्थानांतरित किया जा रहा है। बचाव के लिए 1122 एंबुलेंस और बड़ी संख्या में अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि चीनी कामगारों को ले जा रही बस यांत्रिक खराबी के बाद खाई में गिर गई, जिसके परिणामस्वरूप गैस का रिसाव होने से विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नौ चीनी और तीन पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई है। चीनी कामगार और उनके साथ आए पाकिस्तानी कर्मचारी एक परियोजना के लिए अपने कार्यस्थल की ओर जा रहे थे।विदेश मंत्रालय ने कहा कि जांच जारी है, जबकि स्थानीय अधिकारी घायलों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान और चीन घनिष्ठ मित्र और पक्के-भाई हैं और पाकिस्तान देश में चीनी नागरिकों, परियोजनाओं और संस्थानों की सुरक्षा को बहुत महत्व देता है।

बीजिंग में, चीन ने दसू जल विद्युत संयंत्र के पास बस पर बम हमले की निंदा की और पाकिस्तान सरकार से दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने का अनुरोध किया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि वह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए बम हमले से स्तब्ध हैं और इसकी निंदा करते हैं।

झाओ ने दैनिक समाचार ब्रीफिंग में कहा, हम हमले में चीनी और पाकिस्तानी कर्मियों की मौत पर शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवारों व घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। झाओ ने कहा, हमने पाकिस्तानी पक्ष से घटना की तह तक जाने, हमलावरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने, कड़ी सजा देने और पाकिस्तान में चीनी कर्मियों, संस्थानों और परियोजनाओं की सुरक्षा को ईमानदारी से रक्षा करने की मांग की है।

सभी आतंकी बलों से पूरी तरह संबंध तोड़े तालिबान: चीन

भाषा। बीजिंग

चीन ने अफगानिस्तान में आक्रामक गतिविधियां तेज कर रहे तालिबान संबंधी अहम नीतिगत बयान में संगठन से विशेषकर ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक पार्टी (ईटीआईएम) समेत सभी आतंकवादी बलों से पूरी तरह संबंध तोड़ने को कहा है।

अलकायदा समर्थित उइगर मुसलमान आतंकवादी समूह ईटीआईएम चीन के शिनजियांग प्रांत की आजादी के लिए संघर्ष कर रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग ई ने दुशान्बे में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अफगानिस्तान में युद्ध, खासकर गृह युद्ध से बचा जाना चाहिए। उन्होंने अफगानिस्तान में राजनीतिक सुलह तलाशने और सभी प्रकार के आतंकवादी बलों को वहां मजबूत होने से रोकने के लिए अंतर-अफगान वार्ता पुनः शुरू करने की वकालत है।

वांग ने मंगलवार को कहा कि अफगानिस्तान में बड़े सैन्य बल के तौर पर तालिबान को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और सभी आतंकवादी संगठनों से पूरी तरह संबंध तोड़ने चाहिए तथा अफगान राजनीति की मुख्यधारा में लौटना चाहिए। चीन के मित्र पाकिस्तान पर तालिबान आतंकवादियों को पनाह देने का अक्सर आरोप लगाने वाली अफगानिस्तान सरकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने राष्ट्र की एकता, सामाजिक स्थिरता और लोगों की आजीविका में सुधार के लिए बहुत काम किया है।

चीनी आधिकारिक मीडिया ने बुधवार को यहां बताया कि वांग ने ताजिकिस्तान के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन के साथ दुशान्बे में बातचीत के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान यह टिप्पणी की। उनकी यह टिप्पणी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की दुशान्बे में होने वाली बैठक से पहले आई है, जिसमें वांग के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी शामिल होंगे। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ अतमार को एससीओ संपर्क समूह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह बैठक विदेश मंत्रियों की बैठक के तुरंत बाद होगी। आठ सदस्यीय एससीओ समूह में चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। अफगानिस्तान एससीओ समूह का पर्यवेक्षक है। वांग ने कहा कि चीन अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद अफगानिस्तान से व्यापक समावेशी राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने, ठोस मुस्लिम नीति का पालन करने, सभी आतंकवादी एवं चरमपंथी विचारधाराओं का दृढ़ता से मुकाबला करने और सभी पड़ोसी देशों के साथ मित्रवत संबंधों के लिए प्रतिबद्ध होने की उम्मीद करता है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि तालिबान पर वांग की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि चीन तालिबान के उस हालिया बयान को तवज्जो नहीं देना चाहता, जिसमें उसने चीन को अपना मित्र बताया था।

चीन ईटीआईएम के सैकड़ों लड़ाकों को लेकर चिंतित है। ईटीआईएम उइगर मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में विद्रोह भड़काने की कोशिश कर रहा है। शिनजियांग की सीमा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और ताजिकिस्तान से भी लगती है।

अमेरिकी सैनिकों की वापसी का स्वागत

बीजिंग। चीन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो बलों की वापसी का स्वागत किया और कहा कि इससे देश को अपने लोगों की नियति अपने हाथों में लेने का एक नया मौका मिलेगा। चीन ने साथ ही विद्रोही तालिबान से आतंकवादी समूहों के साथ सभी तरह के संबंधों को खत्म करने का आह्वान किया।विदेश मंत्री वांग ई ने ताजाकिस्तान की राजधानी दुशांबे में मंगलवार को कहा कि 20 साल की सैन्य भागीदारी के शांति लाने में विफल रहने पर अमेरिका को अफगानिस्तान में अपनी भूमिका पर विचार करना चाहिए।

बेरूत में प्रदर्शन के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारी

कतर में शांति वार्ता करेगा अफगान प्रतिनिधिमंडल और तालिबान

एपी। काबुल

अफगानिस्तान सरकार के एक उच्चाधिकार प्राप्त प्रतिनिधिमंडल को दोहा में तालिबान के साथ बैठक करनी है ताकि लंबे समय से बाधित शांति प्रक्रिया शुरू की जा सके। प्रतिनिधिमंडल में देश की सुलह परिषद के प्रमुख भी शामिल होंगे।

एक अफगान अधिकारी ने मंगलवार को गोपनीयता की शर्त पर बताया कि वार्ता के लिए तालिबान के वरिष्ठ नेता आ सकते हैं और यह बैठक संभवत: शुक्रवार को हो सकती है। तालिबान का राजनीतिक कार्यालय कतर की राजधानी दोहा में स्थित है।

शांति समझौते पर पहुंचने की यह कवायद ऐसे वक्त में हो रही है जब अमेरिका अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुला रहा है। निवर्तमान अमेरिकी कमांडर जनरल स्कॉट मिलर ने हाल में आगाह किया था कि बढ़ती हिंसा से अफगानिस्तान के दशकों के युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म करने के मौकों पर गंभीर असर होगा। वहीं, तालिबान के लड़ाकों ने देश के बड़े हिस्सों पर कब्जा जमा लिया है।

अभी यह पता नहीं है कि तालिबान के कब्जे में कितने जिले हैं लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि अफगानिस्तान के 421 जिलों में से एक तिहाई से अधिक पर तालिबान का शासन है। इनमें से कई जिले रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं और उनकी सीमा ईरान, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान से लगती है। दोहा वार्ता की अगुवाई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला करेंगे जो अफगानिस्तान सुलह परिषद का नेतृत्व करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई के भी इसमें शामिल रहने की उम्मीद है। इस वार्ता का मकसद हिंसा खत्म करना है जो अमेरिका के पिछले साल फरवरी में तालिबान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद से बढ़ गई है। करजई ने सरकार से शांति का मौका न गंवाने का आह्वान किया है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि एक दिन अफगानिस्तान में कोई महिला राष्ट्रपति बनेगी और उन्होंने महिलाओं से अपनी नौकरियां और शिक्षा हासिल करते रहने का अनुरोध किया। हजारों अफगान नागरिक भविष्य को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच देश छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, फ्रांस ने अपने नागरिकों से अफगानिस्तान छोड़ने का अनुरोध किया और यह एलान किया कि वह काबुल से उन्हें निकालने के लिए शनिवार को एक विशेष विमान की व्यवस्था कर रहा है। अभी यह संकेत नहीं मिले हैं कि क्या फ्रांस दूतावास बंद होगा। ऑस्ट्रेलिया ने अपना दूतावास बंद कर दिया है।

अमेरिकी सदन में विधेयक पेश

वाशिंगटन। अमेरिका के एक सांसद ने हिंद महासागर क्षेत्र को हिंद-प्रशांत का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए मंगलवार को प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया, जो क्षेत्र के देशों खासकर भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ संबंधों को मजबूत करने के बारे में है। सांसद ने कहा कि इस क्षेत्र में अमेरिका के राजनीतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा हित हैं। कांग्रेस सदस्य जोआक्विन कास्त्रो की ओर से लाए गए विधेयक हिंद महासागर क्षेत्र रणनीतिक समीक्षा अधिनियम में कहा गया है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की भागीदारी के तौर पर यह उसकी नीति होनी चाहिए कि वह क्षेत्र के देशों, वहां की सरकारों, समाज तथा निजी क्षेत्रों के साथ मजबूत संबंध बनाए और क्षेत्र में अमेरिका की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा दे। इसमें मांग की गई है कि सुरक्षा सहयोग के नियमन की खातिर अमेरिका-भारत संबंधों को बढ़ावा देना जारी रखा जाए।

अफगानिस्तान में हिंसा के कारण जनवरी से करीब 2,70,000 लोग हुए विस्थापित

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी संबंधी मामलों की एजेंसी ने बताया कि अफगानिस्तान में असुरक्षा तथा हिंसा के कारण जनवरी से करीब 2,70,000 लोग विस्थापित हुए हैं। साथ ही एजेंसी ने तालिबान लड़ाकों द्वारा बड़ी संख्या में क्षेत्रों पर तेजी से कब्जा करने और युद्धग्रस्त देश से अमेरिकी सैनिकों की वापसी पर सुरक्षा चिंताओं के बढ़ने पर अफगानिस्तान में एक आसन्न मानवीय संकट को लेकर आगाह किया। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय ने कहा , अफगानिस्तान में बढ़ते मानवीय संकट के कारण मानवीय पीड़ा और नागरिकों के विस्थापन में वृद्धि हुई है।

यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बाबर ब्लोच ने मंगलवार को जिनेवा में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जनवरी 2021 से अब तक 2,70,000 अफगान नागरिक देश के अंदर विस्थापित हुए हैं। इसका मुख्य कारण असुरक्षा और हिंसा है। इसके साथ ही विस्थापित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 35 लाख के पार चली गई।एजेंसी ने कहा, हालिया सप्ताह में अपने घरों से भागने के लिए मजबूर परिवारों ने इसके लिए बिगड़ती सुरक्षा स्थिति को बड़ा कारण बताया है। यहा एक चेतावनी है कि अफगानिस्तान में शांति समझौते तक पहुंचने तथा वर्तमान हिंसा को रोकने में विफलता से देश के भीतर साथ ही पड़ोसी देशों और उससे आगे भी विस्थापन होगा।

संयुक्त राष्ट्र के मिशन के अनुसार, 2020 की तुलना में इस साल पहली तिमाही में लोगों के हताहत होने के मामलों में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इनमें से अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। ब्लोच ने कहा, लंबे समय तक संघर्ष, विस्थापन के बढ़ते मामलों, कोविड-19 के प्रभाव, सूखे सहित प्राकृतिक आपदाओं और गहराती गरीबी अफगानिस्तान के लोगों की सहन करने की क्षमता के पार हो गई है। अफगानिस्तान की करीब 65 प्रतिशत आबादी बच्चे या युवकों की है। उन्होंने कहा कि यूएनएचसीआर और उसके सहयोगी, एक समन्वित प्रतिक्रिया के हिस्से के रूप में, कमजोर समूहों तक पहुंचने में चुनौतियों के बावजूद, उक्त विस्थापित अफगानिस्तान के लोगों को आपातकालीन आश्रय, भोजन, स्वास्थ्य, पानी, स्वच्छता संबंधी सामान और नकद मुहैया करा उनकी सहायता कर रहे हैं।

इराक के नजफ में अग्निकांड के मृतकों को दफनाने की तैयारी करते उनके परिजन

फिलाडेल्फिया में एक कार्यक्रम में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन

बाइडन ने दो भारतीय-अमेरिकी चिकित्सकों को प्रमुख पदों के लिए किया नामित

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने दो भारतीय-अमेरिकी चिकित्सकों को अपने प्रशासन में प्रमुख पदों के लिए नामित किया है। वेस्ट वर्जीनिया के पूर्व स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. राहुल गुप्ता को मंगलवार को राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति कार्यालय के निदेशक पद के लिए नामित किया गया है। भारतीय-अमेरिकी सर्जन एवं लोकप्रिय लेखक अतुल गावंडे को यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) में एक वरिष्ठ पद के लिए नामित किया है।

प्राथमिक देखभाल चिकित्सक के तौर पर 25 साल तक अपनी सेवाएं दे चुके गुप्ता वेस्ट वर्जीनिया के स्वास्थ्य आयुक्त के रूप में दो गवर्नर के अधीन काम कर चुके हैं। राज्य के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में, उन्होंने ओपिओइड संकट प्रतिक्रिया प्रयासों का नेतृत्व किया और कई अग्रणी सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल शुरू की। वहीं, गावंडे ने कॉम्प्लीकेशंस , बेटर , द चेकलिस्ट मेनिफेस्टो और बीइंग मॉर्टल किताब लिखी हैं, जो न्यूयॉर्क में काफी बिकी तथा लोकप्रिय भी हुईं। गावंडे ने ट्वीट किया, कोविड-19 सहित ब्यूरो फॉर ग्लोबल हेल्थ का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने को लेकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। विश्वभर में 2020 की तुलना में 2021 के पहले छह महीने में अधिक लोगों की मौत कोविड-19 के कारण हुई, मैं आभारी हूं कि मुझे इस संकट को खत्म करने और विश्व स्तर पर जन स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने का मौका मिला है। गावंडे ब्रिघम एंड वीमेन हॉस्पिटल में सर्जरी के प्रतिष्ठित प्रोफेसर हैं। वह ब्रिघम एंड वीमेन हॉस्पिटल , हार्वर्ड टीएच स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ और एक गैर सरकारी संगठन लाइफबॉक्स के एक संयुक्त केन्द्र एरियाडेन लैब्स के संस्थापक एवं अध्यक्ष भी हैं।

नेपाल में शेर बहादुर देउबा सरकार का कार्यकाल विश्वास मत पर निर्भर होगा

भाषा। काठमांडू

उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद रिकॉर्ड पांचवीं बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शेर बहादुर देउबा की नियुक्ति के बाद भी ऐसा नजर नहीं आ रहा है कि इससे देश में बहुप्रतीक्षित राजनीतिक स्थिरता आएगी क्योंकि उन्हें 30 दिनों के भीतर संसद में विश्वास मत हासिल करना होगा।काठमांडू पोस्ट की खबर के अनुसार नेपाल कांग्रेस के अध्यक्ष देउबा (75) अगर किसी तरह विश्वास मत जीत लेते हैं, तो 18 महीनों में नए सिरे से चुनाव कराने होंगे। देउबा के पास 275 सदस्यीय प्रतिनिधिसभा में केवल 61 सीटें हैं। यदि वह विश्वास मत हासिल नहीं कर पाते हैं तो देश में छह महीनों के भीतर चुनाव होंगे।

नेपाल की संसद के निचले सदन प्रतिनिधिसभा ने अपने पांच साल के कार्यकाल का साढ़े तीन साल से अधिक समय पूरा कर लिया है। खबर में कहा गया है कि देउबा को प्रधानमंत्री नियुक्त करने संबंधी अपने आदेश में, उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा था कि उन्हें संविधान के अनुच्छेद 76 (6) के अनुसार विश्वास मत प्राप्त करने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसमें कहा गया है कि अनुच्छेद 76 (6) के अनुसार, उन्हें नियुक्ति के 30 दिनों के भीतर संसद में विश्वास मत हासिल करना होगा।

अखबार ने काठमांडू यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ के पूर्व डीन बिपिन अधिकारी के हवाले से कहा, विश्वास मत का परिणाम देउबा सरकार के भाग्य का फैसला करेगा। देउबा ने सदन में अपनी 61 सीटों के साथ, चार अन्य दलों के सांसदों के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश किया था। कुल मिला कर, प्रतिनिधिसभा के 149 सदस्यों ने उनका समर्थन किया है जिसमें यूएमएल के माधव नेपाल गुट के 26 सदस्य शामिल हैं।

खबर में कहा गया है कि सोमवार को उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद देउबा का समर्थन करने वाले दलों की अन्य नेताओं के साथ एक बैठक के दौरान, माधव नेपाल ने कहा था कि वह अब गठबंधन में नहीं रह सकते हैं। इसमें कहा गया है कि देउबा को 136 वोटों की जरूरत है क्योंकि सदन में फिलहाल केवल 271 सदस्य हैं।

अधिवक्ता और संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ दिनेश त्रिपाठी का मानना है कि देउबा को विश्वास मत जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि 26 यूएमएल सांसदों के हस्ताक्षर का आधार था जिसके तहत उच्चतम न्यायालय ने सदन को बहाल करने और देउबा को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया।

त्रिपाठी ने कहा कि इसलिए, विश्वास मत के दौरान यूएमएल के सांसद देउबा के खिलाफ मतदान नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने देउबा के खिलाफ मतदान किया तो उन्हें अदालत की अवमानना का सामना करना पड़ेगा।

अपने भाग्य की चित्रकारी

'मधुरा दत्ता' अलग-अलग पीढ़ियों के दो पटचित्र कलाकारों, स्वर्ण चित्रकर और ममोनी चित्रकार की कहानी साझा कर रही हैं, जो इस बात के सशक्त उदाहरण हैं कि कैसे प्रतिकूल स्थिति स्व-सशक्तिकरण की सहज इच्छा को जन्म दे सकती है।

ममोनी चित्रकार का जन्म पश्चिम मेदिनीपुर के नया नामक गांव में पारम्परिक पटचित्र कलाकारों के एक मुस्लिम समुदाय में हुआ था। पटचित्र चित्रित स्क्रॉल के माध्यम से कहानी कहने का एक लोक रूप है, जिसे कलाकार कथा गाते समय फहराते हैं। एक अनूठी मौखिक परंपरा होने के बावजूद, 20 साल पहले भी इसके लिए कुछ बाजार थे। ममोनी के परिवार ने एक गंभीर आर्थिक संकट का अनुभव किया क्योंकि उनके कला रूप से आय असंगत थी। ममोनी की मां, स्वर्णा चित्रकार, एक मजबूत महिला थीं, जो लगातार मिट्टी की गुड़िया बनाकर और पटचित्रों को चित्रित करके, और जब भी अवसर मिलता है, एजेंटों के माध्यम से उन्हें बेचकर बाधाओं का मुकाबला करती थीं। हालांकि, गरीबी एक दुष्चक्र है, जिससे बाजारों द्वारा शोषण होता है, हाशिए पर जा रहा है।

ममोनी को बचपन से ही पेंटिंग का शौक था और वह रंग बनाने में अपनी मां की मदद करती थीं। उसके प्रारंभिक वर्ष स्कूल में, अपनी माँ से पेंटिंग सीखने और अपने दादा से पटचित्र गीत सुनने में व्यतीत हुए, जिसके माध्यम से उन्होंने लोक कथाएँ, स्थानीय मिथक और किवदंतियां सीखीं। वह छोड़े गए कागज, टिकट, पैम्फलेट एकत्र करती थी और अभ्यास करने के लिए उन पर पेंट करती थी।

हालांकि, पांच बहनों में सबसे बड़ी होने के कारण, उन्हें स्कूल छोड़ने और 14 साल की उम्र में शादी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 16 साल की उम्र में, उनका पहला बच्चा था, जो स्वास्थ्य समस्याओं के साथ पैदा हुआ था। रात में, वह शिक्षित और एक उपलब्धि हासिल करने का सपना देखती थी, लेकिन उसे पराजित होने के दर्द को दबाना पड़ा। हालाँकि उसके ससुराल वालों ने उसे आश्वासन दिया था कि वे उसे अपनी कला जारी रखने देंगे, लेकिन अभाव के कारण इन वादों को पूरा नहीं किया जा सका। उसका पति एक दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करता था, जो कि कम आय पर पूरा भोजन उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त नहीं था। चूंकि उसकी शादी उसके ही गांव में हुई थी, इसलिए उसकी मां थी, जो खुद एक मजबूत महिला होने के नाते, किसी तरह ममोनी के घर का समर्थन करती थी। ममोनी ने अपना अधिकांश खाली समय अपनी मां के घर पर बिताना शुरू कर दिया, अपने पेंटिंग कौशल को तेज किया और संबंधित गाने सीखे। यह बात उसके ससुराल वालों को मंजूर नहीं थी, लेकिन उसने हार नहीं मानी।

इस बीच, सतत और समावेशी सामुदायिक विकास के लिए संस्कृति का उपयोग करने वाले एक राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन, 'बंगलांतक.कॉम' के हस्तक्षेप ने पटचित्र लोक कलाकारों के लिए प्रशिक्षण

और प्रत्यक्ष बाजार संबंधों के अवसर लाए। इस गाँव के कुछ अन्य चित्रकारों के साथ, स्वर्णा ने एनजीओ के समर्थन के माध्यम से गरीबी और हाशिए से बाहर निकलने का रास्ता खोज लिया। आखिरकार, स्वर्णा ने खुद को एक विश्व-प्रसिद्ध कलाकार के रूप में स्थापित किया, अपने काम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया, किताबों का चित्रण किया, और फ्रांसीसी कलाकार आंद्रे सेवेरा के साथ मिलकर कैनवास पर एक साझा कथा का सह-निर्माण किया। वह कहती है कि यह आसान नहीं था, और उसके समाज ने उसकी यात्रा और स्वतंत्र जीवन शैली का समर्थन नहीं किया। लेकिन उन्होंने अपने जीवन को अपने तरीके से जीने और अन्य महिलाओं को एक चेंजमेकर के रूप में प्रेरित करने के लिए चुनी गई निंदाओं का खामियाजा भुगतना पड़ा।

चूंकि ममोनी एक उत्कृष्ट और भावुक कलाकार थीं, स्वर्णा ने उन्हें अपने पटचित्र कौशल का अनुसरण करके स्वतंत्र होने के लिए प्रोत्साहित किया। मामोनी ने अपनी मां को ताकत की एक मॉडल के रूप में रखते हुए, 19 साल की उम्र में एक कलाकार के रूप में कदम रखने का साहस जुटाया। उनकी यात्रा कोलकाता से शुरू हुई और जल्द ही उन्हें इटली और यूएसए में अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया। ममोनी कहती हैं, ''मुझे लगता है, एक बार जब एक महिला को पता चल जाता है कि वह क्या करने में सक्षम है, तो उसे उसके सपनों को हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। मेरे मामले में, मेरी उच्च शिक्षा की कमी, गरीबी, सामाजिक और पारिवारिक दबाव कोई मायने नहीं रखता था जब मैंने एक पेशेवर कलाकार बनने का मन बना लिया था। आज, मैं अपने समुदाय में कई लोगों के लिए प्रेरणा हूं।''

ममोनी की आर्थिक स्वतंत्रता और प्रसिद्धि ने उन्हें सामाजिक रूप से निर्धारित कर्तव्यों से मुक्ति दिलाई। एक प्रसिद्ध कलाकार, आज, 32 वर्ष की उम्र में, वह अपना परिवार चलाती है, अपने पति का समर्थन करती है, और अपने दो बच्चों, एक बेटे और एक बेटी की शिक्षा प्रदान करती है। उनकी यात्रा एक खूबसूरत मां-बेटी के रिश्ते का प्रतिनिधित्व करती है, दोनों अपने संकट से बचने के लिए पटचित्र के अपने पारंपरिक सांस्कृतिक रूप को पकड़े हुए हैं। ममोनी की मां स्वर्णा ने न केवल खुद को कठिनाई से बाहर निकाला बल्कि अपनी बेटी में भी वही प्रगतिशील रवैया डाला।

स्वर्णा कहती हैं, ''जब मुझे एक कलाकार के रूप में पहचान मिली, तो मुझे एहसास हुआ कि किसी के काम के लिए सफलता और मान्यता प्राप्त करना कितना महत्वपूर्ण है, खासकर महिलाओं के लिए। मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में मदद करने जा रही हूं, मैं उनकी प्रतिभा को बेकार नहीं जाने दूंगी। मैंने उसे पटचित्र पेंटिंग के लिए अपने प्यार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया, तब भी जब उसके ससुराल वाले हतोत्साहित कर रहे थे, और आर्थिक रूप से भी उसकी मदद की। मुझे लगता है कि चेंजमेकर्स के लिए कल के नेता बनाना बहुत महत्वपूर्ण है, और मैं अपनी बेटी के लिए यही चाहता था। आज ममोनी एक स्थापित पटचित्र कलाकार हैं, वह मेलों और त्योहारों में जाती हैं, विदेश यात्रा करती हैं और इस सब के बीच मेरी खुशी और सफलता का हिस्सा है।''

दोनों महिलाएं, विभिन्न पीढ़ियों से, इस बात के सशक्त उदाहरण हैं कि कैसे प्रतिकूलता कला के साथ उनकी ताकत और प्रेरणा के साथ आत्म-सशक्तिकरण की सहज इच्छा पैदा कर सकती है।

पर्यावरण हितैषी संरचनाएं

'राहुल कादरी' विस्तार से बता रहे हैं कि कैसे स्थायी वास्तुकला को मुख्यधारा के संदर्भ में प्रासंगिक बनाया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, वैश्विक ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 1900 के दशक से लगातार बढ़ रहा है, जो 2019 में लगभग 59 गीगाटन के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ये उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन के प्राथमिक कारणों में से एक हैं, जिसके कारण पिछले कुछ दशकों में वैश्विक औसत 1.1 डिग्री सेल्सियस के साथ तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। इसने, बदले में, पारिस्थितिक तंत्र और प्राकृतिक आवासों को बदल दिया है, जिससे फसल की विफलताओं और जंगल की आग से लेकर घटती जल की आपूर्ति, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और चरम मौसम की घटनाओं तक सब कुछ हो गया है।

इस तरह के उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान इमारतों और शहरों का होता है। 2006 के यूएनईपी के एक अध्ययन में बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर सभी ऊर्जा से संबंधित जीएचजी उत्सर्जन में इमारतों का हिस्सा 30 प्रतिशत तक है।

बढ़ते शहरीकरण के साथ – 2050 तक 2.5 बिलियन लोगों के शहरी क्षेत्रों में जाने की भविष्यवाणी की गई है – और जीवन स्तर में सुधार, साथ ही प्रति व्यक्ति ऊर्जा और संसाधनों की खपत में परिणामी वृद्धि, क्या हम अपने शहरों और इमारतों को कम करने के लिए डिज़ाइन, या फिर से डिज़ाइन कर सकते हैं हमारे कार्बन पदचिह्न और सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ दुनिया का निर्माण? स्थिरता दर्ज करें।

संवहनीयता क्या है?

जब जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों के लिए सक्रिय प्रतिक्रियाओं की बात आती है तो सस्टेनेबिलिटी को अक्सर जादू की गोली के रूप में देखा जाता है। लेकिन इसका क्या मतलब है और क्या यह हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक को हल कर सकता है?

व्यापक अर्थ में, भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए वर्तमान की विविध जरूरतों को पूरा करने के बारे में स्थिरता है। यह मानता है कि प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए रूढ़िवादी और तर्कसंगत खपत को बढ़ावा देता है कि ये संसाधन ओवरटाइम बनाए रखें, हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के साथ-साथ उस पर निर्भर सामाजिक और आर्थिक मानव प्रणालियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए।

वास्तुकला और डिजाइन में, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में स्थिरता को एक चर्चा के रूप में कम कर दिया गया है और आज अक्सर हरे, ऊर्जा-कुशल, शुद्ध-शून्य और अधिक जैसे शब्दों के साथ भ्रमित होता है। इसके अलावा, कई रेटिंग तंत्रों और एजेंसियों जैसे कि आईजीबीसी, ग्रीह और लीड, और शहरी मध्यम वर्ग में बढ़ती पर्यावरणीय जागरूकता के साथ, स्थिरता को तेजी से एक मार्केटिंग नौटंकी के रूप में नियोजित किया जा रहा है। तो क्या छत पर सोलर पैनल वाली इमारत टिकाऊ है? लीड 5-सितारा रेटेड भवन के बारे में क्या? स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, क्या सभी टिकाऊ इमारतों का निर्माण मिट्टी और ईंट से किया जाना है? क्या कांच और कंक्रीट की इमारतें स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं?

प्रारूपण संवहनीयता

सतत डिजाइन एक जटिल अवधारणा है और इसे एक व्यापक लेंस के माध्यम से देखा जाना चाहिए। इसमें संरचनाओं का डिजाइन और निर्माण शामिल है जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए प्राकृतिक और मानव संसाधनों और ऊर्जा के उपयोग को कम करते हैं और अपने निवासियों को जीवन की उच्च गुणवत्ता प्रदान करते हैं।

स्थिरता प्रक्रिया के बारे में उतना ही है जितना कि यह उत्पाद के बारे में है और इसके सिद्धांतों को भवन के पूरे जीवन चक्र के माध्यम से पालन करना चाहिए – इसके प्रारंभिक डिजाइन और निर्माण, और उपयोग और रखरखाव से, इसके विध्वंस और इसके निर्माण सामग्री के पुन: उपयोग के लिए।

प्रक्रिया रणनीतिक रूप से चयनित साइट पर इमारत को इस तरह से रखने के साथ शुरू होती है जो इसे पानी के प्रवाह और पौधों और पेड़ों की वृद्धि और जीविका जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं को बाधित करने के बजाय स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ एकीकृत करती है। इसलिए साइट पर पेड़ों को बचाना और उनके आसपास की इमारत को डिजाइन करना, या भूमि बंजर होने पर देशी वनस्पति लगाना हमेशा एक अच्छा विचार है, जो स्थानीय जैव विविधता को आकर्षित करता है और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को फिर से चालू करता है। आर्किटेक्ट्स और लैंडस्केप डिजाइनर गैर-छिद्रपूर्ण फ़र्श की मात्रा को कम करके या साइट पर उथले स्वेल्स (जल चैनल) या तालाब बनाकर साइट पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखते हैं ताकि वर्षा जल को भूजल एक्वीफर्स को रिचार्ज करने के लिए मिट्टी में रिसने की अनुमति मिल सके। इस तरह की रणनीतियाँ मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं, सिंचाई की ज़रूरतों को कम कर सकती हैं,

साथ ही एक आरामदायक माइक्रॉक्लाइमेट भी बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, जो घर पेड़ों से छायांकित होते हैं या छोटे जल निकायों को देखते हैं, वे भारत के गर्म गर्मी के महीनों के दौरान काफी ठंडे रहते हैं।

अगला कदम कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था और यांत्रिक ताप या शीतलन भार को कम करने के लिए अंदरूनी हिस्सों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन को अधिकतम करना है, इस प्रकार परिचालन लागत को कम करना और ऊर्जा की बचत करना। आमतौर पर जिसे 'निष्क्रिय सौर' डिज़ाइन कहा जाता है, के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, इसमें इमारत को इस तरह से डिजाइन करना शामिल होता है कि यह एक निश्चित क्षेत्र और जलवायु प्रकार के लिए गर्मी, प्रकाश और हवा की इष्टतम मात्रा को कैप्चर, रीडायरेक्ट और / या स्टोर करता है। निष्क्रिय सौर डिजाइन कई वास्तुशिल्प विकल्पों, उपकरणों और रणनीतियों को नियोजित करता है जैसे कि सूर्य के जवाब में भवन की ओरिएंटेशन, दीवारों की मोटाई और द्रव्यमान, खिड़कियों और दरवाजों के आकार और स्थान, इन्सुलेशन जैसे कारकों के आधार पर।

एक इमारत के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए अक्सर निष्क्रिय सौर डिजाइन के संयोजन के साथ उपयोग की जाने वाली अन्य रणनीतियां सक्रिय सौर हैं जैसे कि फोटोवोल्टिक पैनल स्थापित करना, जो सौर ऊर्जा को कैप्चर करने और इसे यांत्रिक या विद्युत माध्यमों के माध्यम से उपयोग करने या अन्य नवीकरणीय उपयोग करने पर आधारित होते हैं। पवन या भूतापीय जैसी ऊर्जा प्रणालियाँ। उपयोग के लिए वर्षा जल संचयन के साथ-साथ भवन से उत्पन्न सभी अपशिष्ट जल और अपशिष्ट के उपचार और/या पुन: उपयोग के लिए सिस्टम भी स्थापित किए जा सकते हैं। प्रत्येक सामग्री या उत्पाद का मूल्यांकन करना भी महत्वपूर्ण है जिसका उपयोग किसी भवन में अवशोषित ऊर्जा/कार्बन के परिप्रेक्ष्य में किया जाता है, जो कुल ऊर्जा की खपत, या उत्पादन और वितरण के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाओं द्वारा उत्पन्न कुल त।।त उत्सर्जन को संदर्भित करता है। एक सामग्री या उत्पाद। इसलिए प्राकृतिक और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों में भारी मात्रा में संसाधित सामग्री की तुलना में कम ऊर्जा और कार्बन होता है, जिसे दूर से ले जाना पड़ता है, और इसलिए, उनके उपयोग और पुन: उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सभी भवनों का पर्यावरण पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ेगा। वे कुछ ऊर्जा की खपत करेंगे और कुछ अपशिष्ट और कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करेंगे। विचार यह है कि जितना हो सके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जाए – ऊर्जा की जरूरतों को कम करने और अक्षय ऊर्जा स्रोतों के साथ उन कम जरूरतों को पूरा करने के लिए। कचरे को कम करने के लिए और इसके बजाय हम जो कर सकते हैं उसका पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण करें, और इसके माध्यम से, एक इमारत के जीवन चक्र से जुड़े जीएचजी उत्सर्जन को कम करें।

शहरी भविष्य

इमारतें, हालांकि, एकाकी रूप में मौजूद नहीं हैं। वे एक बहुत बड़े पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं और स्थिरता के विचार को एकीकृत किया जाना चाहिए कि हम अपने शहरों को कैसे डिजाइन और योजना बनाते हैं – हमारे शहरों को क्या शक्तियां, संसाधन और सार्वजनिक सेवाएं कैसे वितरित की जाती हैं, और हम कचरे का प्रबंधन कैसे करते हैं। जैसा कि हम भविष्य के लिए निर्माण करते हैं, हमें अपने निर्मित वातावरण में लचीलापन और आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करना चाहिए। एक ऐसे पड़ोस की कल्पना करें जहां आप अपने दरवाजे से 500 मीटर के दायरे में अपनी जरूरत की हर चीज तक पहुंच सकें – स्कूलों और अस्पतालों से लेकर बगीचों और साप्ताहिक किसान बाजारों तक, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सभी सार्वजनिक सुविधाओं और सुविधाओं के साथ एक आत्मनिर्भर इकाई; एक इकाई जिसे आसानी से प्रशासित किया जा सकता है और जहां निवासी काम करने, सीखने, खरीदारी करने और खेलने के लिए चलने या साइकिल चलाने में सक्षम होंगे।

इस तरह के स्मार्ट-पड़ोस यात्रा के समय और नियमित अंतर-पड़ोस यात्राओं की आवश्यकता को कम कर सकते हैं, जिससे शहरों से जुड़े कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण के उच्च स्तर को कम किया जा सकता है। वे संसाधनों और सेवाओं के अनुकूलन, प्रभावी लागत और अपव्यय को कम करना भी सुनिश्चित कर सकते हैं। पेरिस पहले से ही इस विचार का परीक्षण कर रहा है और '15 मिनट का शहर' बनने पर काम कर रहा है। मेलबर्न और मिलान भी हैं।

भवन क्षेत्र, निस्संदेह, जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए भारी क्षमता रखता है – और अपेक्षाकृत कम लागत पर। लेकिन जब आर्किटेक्ट और डिजाइनर जागरूक ग्राहकों के लिए एकवचन टिकाऊ इमारतों या विकास पर काम करते हैं, तो उनके प्रयासों का प्रभाव सीमित होगा। बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। हमें निर्माण उद्योग में व्यापक नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है जो सतत विकास को प्रोत्साहित करें और बुरी प्रथाओं को हतोत्साहित करें ताकि स्थिरता को मुख्यधारा के अभ्यास में एकीकृत किया जा सके – और पड़ोस और शहर के स्तर पर। हमें याद रखना चाहिए कि आज हम जिन इमारतों और शहरों को डिजाइन करेंगे, वे आने वाले वर्षों में ऊर्जा की खपत और उत्सर्जन के पैटर्न को आकार देंगे। तो चलिए अब शुरू करते हैं। जलवायु घड़ी टिक रही है।

(लेखक आईएमके आर्किटेक्ट्स में एक भागीदार और प्रमुख वास्तुकार हैं, जो 1957 में स्थापित एक वास्तुकला और शहरी डिजाइन अभ्यास है, जिसका बेस मुंबई और बेंगलुरु में है।)

2 न्यूज-व्यूज
सूबे की पंचायतों में बढ़ा महिलाओं का दखल

6 अभिमत
राजकोषीय असंतुलन की स्थिति

12 विविध
अपने भाग्य की चित्रकारी

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 263
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 15 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

सभी को एकजुट और खुश रखना चाहता हूं: धवन

स्पोर्ट्स-11

कांवड़ यात्रा की अनुमति पर सुप्रीम कोर्ट चिंतित

- उप्र सरकार के फैसले पर केंद्र एवं राज्यों को नोटिस भेजा
- कोरोना को लेकर प्रधानमंत्री के बयान का किया उल्लेख

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बीच कांवड़ यात्रा की अनुमति देने के उत्तर प्रदेश सरकार के चिंतित करने वाले फैसले का बुधवार को स्वत: संज्ञान लिया और इस मामले पर अलग-अलग राजनीतिक मत होने के मद्देनजर केंद्र, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड की सरकारों से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन और न्यायमूर्ति बी आर गवई की पीठ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कोविड-19 को

रोकने के प्रयासों में कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि 25 जुलाई से धार्मिक यात्रा शुरू करने की अनुमति देने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले के बाद लोग हैरान हैं। शीर्ष अदालत ने केंद्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को नोटिस जारी किए और मामले की सुनवाई के लिए शुक्रवार का दिन तय किया। पीठ ने कहा कि उसे यह पढ़कर थोड़ी चिंता हुई कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कावड़ यात्रा की अनुमति देने का फैसला किया है, जबकि उत्तराखंड ने दूरदर्शिता दिखाते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। पीठ ने कहा, (समाचार पत्र में) इस शीर्षक से ठीक ऊपर प्रधानमंत्री के उस बयान के बारे में लिखा था, जो उन्होंने पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों के साथ मुलाकात के दौरान दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोग, भारत के नागरिकों पर कोविड-19 की तीसरी लहर के खतरे के बारे में सवाल करते हैं, इसे रोकना हमारी जिम्मेदारी है और हम थोड़ा सा भी समझौता नहीं कर सकते। उसने कहा, एक ही समय पर व्यक्त किए गए विभिन्न राजनीतिक मतों के मद्देनजर यह महत्वपूर्ण है कि भारत के संबंधित सचिव इस समाचार के संबंध में जवाब दें। यात्रा 25 जुलाई, 2021 से आरंभ होनी है, ऐसे में इस मामले की सुनवाई कम समय में करने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि 16 जुलाई, 2021 यानी शुक्रवार सुबह तक हलफनामे दाखिल किए जाएं, जिनमें भारत संघ के संबंधित सचिव उत्तराखंड राज्य के प्रधान सचिव और उत्तर प्रदेश राज्य के प्रधान सचिव उपरोक्त समाचारों पर जवाब दें। उसने रजिस्ट्री को इस आदेश की प्रति प्रधान न्यायाधीश को भेजने का निर्देश दिया और कहा, हम संबंधित सरकारों का नजरिया जानना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर का खतरा जताए जाने के बावजूद 25 जुलाई से यात्रा की मंगलवार को अनुमति दे दी। उत्तराखंड सरकार ने वैश्विक महामारी के मद्देनजर कांवड़ यात्रा रद्द कर दी है।

प्रधानमंत्री आज वाराणसी में, 1500 करोड़ की योजनाओं की देंगे सौगात

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 जुलाई को बीएचयू के आईआईटी कैम्पस सहित शहर के अन्य कार्यक्रमों में शिरकत के आ रहे हैं और करीब पांच घंटा रहेंगे। इस दौरान वे कई योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के बाद एमसीएच विंग में कोविड की तीसरी लहर पर चिकित्सकों से चर्चा करेंगे। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कई परियोजनाओं का विवरण साझा किया, जिनका वह वहां उद्घाटन करेंगे और कहा कि उनकी सरकार का दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए शहर में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे के दौरान मोदी 1,500 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से काशी और पूर्वांचल के लोगों के लिए जीवन की सुगमता को और बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में व्यापक काम किया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के तहत काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) अस्पताल में 100 बेड की एमसीएच विंग का उद्घाटन किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट किया कि इस परियोजना से काशी

और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा आसानी से उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा, काशी के लिए हमारा दृष्टिकोण आने वाली पीढ़ियों के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। इसी भावना के साथ सिपेट, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परियोजनाओं और करखियां में आम के साथ-साथ सब्जी के एकीकृत पैक हाउस की आधारशिला रखी जाएगी। उन्होंने कहा, मुझे वाराणसी में एक सम्मेलन केंद्र रुद्राक्ष का उद्घाटन करते हुए खुशी होगी। जापान की सहायता से निर्मित, यह अत्याधुनिक केंद्र वाराणसी को सम्मेलनों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना देगा और इस प्रकार शहर अधिक पर्यटकों और व्यापारियों को आकर्षित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, वाराणसी में जिन प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाएगा, उनमें गोदौलिया में बहु-स्तरीय पार्किंग, पर्यटन विकास के लिए रो-रो जहाज और वाराणसी-गाजीपुर राजमार्ग पर तीन लेन का फ्लाईओवर शामिल है।

आतंकवादियों के तीन मददगारों को एटीएस ने किया गिरफ्तार

- आतंकी साजिश में शामिल रहने के साथ ही पिस्टल मुहैया कराने का है आरोप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मोहम्मद मुस्तकीम | मोहम्मद मुईद | शकील

अलकायदा समर्थित आतंकी संगठन गजवातुल हिन्द (एक्यूआईएस) के गिरफ्तार दोनों आतंकवादियों मिनहाज और मुसीरुद्दीन से रिमांड के दौरान हुई पूछताछ के बाद एटीएस ने उनके तीन अन्य मददगारों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शकील, मुस्तकीम और मुईद पर आतंकियों को असलहा मुहैया कराने के साथ ही आतंकी साजिश में सक्रिय भूमिका निभाने के आरोप हैं। एटीएस ने बीते रविवार को लखनऊ में अलग-अलग स्थानों से मिनहाज और मुसीरुद्दीन को गिरफ्तार किया था। इन दोनों को कोर्ट के आदेश पर एटीएस ने मंगलवार को 14 दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर लिया। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि रिमांड के दौरान इन दोनों से हुई पूछताछ में शकील (35 वर्ष), मोहम्मद मुस्तकीम (44 वर्ष) और मोहम्मद मुईद (29 वर्ष) के नाम सामने आए। जिन्हें एटीएस मुख्यालय पूछताछ के लिए बुलाया गया था। तीनों आरोपियों ने आतंकवादियों की मदद करना स्वीकार कर लिया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

एडीजी ने कहा कि तीनों को कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा और अगर आवश्यकता हुई तो इन तीनों को भी रिमांड पर लिया जाएगा। एडीजी ने बताया कि शकील वजीरगंज थाना क्षेत्र में जगत नारायण रोड पर शिक्षा भवन के पीछे स्थित जनता नगरी का रहने वाला है। पेशे से रिक्शा चालक शकील वर्तमान में बांसमंडी पर सैफ अहमद के मकान में रह रहा था। मोहम्मद मुस्तकीम मूल रूप से ग्राम मंडी, थाना किताबी, मुजफ्फरनगर का रहने वाला है वह यहां 536/84, तकिया तारनशाह, मदेय गंज, सीतापुर रोड पर रह रहा था। इसके अलावा मोहम्मद मुईद न्यू हैदरगंज कैम्पल रोड का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि मुस्तकीम को इस पूरे षडयंत्र की पूरी जानकारी थी।

दोनों आतंकवादियों ने जो आतंकी घटना अंजाम देने की योजना बनाई थी उसमें मुस्तकीम ने सक्रिय रूप से उनका सहयोग किया था। मुईद के बारे में एडीजी ने बताया कि उसने मुस्तकीम के माध्यम से मिनहाज को पिस्टल उपलब्ध कराई थी। शकील ने भी असलहे उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई और मिनहाज का सहयोग किया।

आर-फैक्टर ने बढ़ायी चिंता, गृह मंत्रालय ने राज्यों को चेताया

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पर्वतीय पर्यटन स्थलों सहित देश के अनेक हिस्सों में कोविड रोधी नियमों का खुला उल्लंघन देखा गया है और राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को दिशा-निर्देशों का अनुपालन कराने से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे गए पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने यह भी कहा है कि सार्वजनिक परिवहन में कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन नहीं किया जा रहा है और बाजारों में जबरदस्त भीड़ देखने को मिल रही है तथा भौतिक दूरी बनाकर रखने के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। भल्ला ने जोर देकर कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर अभी समाप्त नहीं हुई है और किसी को भी खुशफहमी में नहीं रहना चाहिए तथा कोविड उचित व्यवहार का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महामारी के मामलों में कमी आने के बाद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने धीरे-धीरे आर्थिक गतिविधियों को फिर से खोलने की शुरुआत की है, लेकिन प्रतिबंधों में ढील की प्रक्रिया को बहुत सोच-समझकर अंजाम दिया जाना चाहिए। भल्ला ने कहा कि संक्रमण दर में कमी वाली अवधि में मामलों में किसी संभावित वृद्धि को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए। गृह सचिव ने कहा, लेकिन, देश के अनेक हिस्सों में कोविड रोधी नियमों का खुला उल्लंघन देखा गया है, खासकर सार्वजनिक परिवहन और पर्वतीय पर्यटन क्षेत्रों में। बाजारों में भी जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है, भौतिक दूरी के नियमों का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन कराने में विफल रहने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्वाई की जानी चाहिए। भल्ला ने कहा कि कुछ राज्यों में आर-फैक्टर में वृद्धि चिंताजनक है। आर-फैक्टर यह बताता है कि एक संक्रमित व्यक्ति औसतन कितने लोगों में संक्रमण फैला रहा है। एक से कम आर-फैक्टर यह दर्शाता है कि संक्रमित व्यक्ति औसतन एक से कम व्यक्ति में बीमारी फैला रहा है। भल्ला ने पत्र में कहा, आप अवगत होंगे कि आर-फैक्टर में 1.0 से ऊपर कोई भी वृद्धि कोविड-19 के प्रसार का संकेत है।

भारत की चीन से दो टूक यथास्थिति में एकतरफा बदलाव स्वीकार्य नहीं

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को दुशांबे में चीन के अपने समकक्ष वांग ई से मुलाकात की। एक घंटे तक चली इस बैठक में पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से संबंधित लंबित मुद्दों के समाधान पर बात हुई। वार्ता के बाद जयशंकर ने कहा कि उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारत को यथास्थिति में एकतरफा बदलाव स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने जल्द ही वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की बैठक आयोजित करने पर सहमति जताई। यह मुलाकात शंघाई सहयोग संगठन की विदेश मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर हुई। जयशंकर ने ट्वीट किया, दुशांबे में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर चीन के स्टेट काउंसलर एवं विदेश मंत्री वांग ई के साथ एक घंटे चली द्विपक्षीय वार्ता संपन्न हुई। इस दौरान पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी से संबंधित लंबित मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि संबंधों के विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में पूर्ण शांति बहाली और समरसता को बरकरार रखना आवश्यक है।

केंद्रीय कर्मचारियों को सरकार का तोहफा

- महंगाई भत्ता बहाल, एक जुलाई से दर 17 से बढ़ाकर 28% की गयी

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) को एक जुलाई, 2021 से फिर बहाल करने का फैसला किया है। इसके साथ ही महंगाई भत्ते की दर को 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि डीए और डीआर में बढ़ोतरी से सरकारी खजाने पर 34,401 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। ठाकुर ने कहा कि इस कदम से केंद्र सरकार के 48.34 लाख कर्मचारियों तथा 65.26 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सरकार ने डीए और डीआर की तीन अतिरिक्त किस्तों को रोक लिया था। ए किस्तें एक जनवरी, 2020, एक जुलाई, 2020 और एक जनवरी, 2021 से बकाया थीं। एक बयान में कहा गया है कि सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए डीए तथा पेंशनभोगियों के लिए डीआर को एक जुलाई से बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत मूल वेतनापेंशन पर 17 प्रतिशत की मौजूदा दर पर 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक जुलाई से डीए और डीआर की तीन किस्तों को बहाल करने की मंजूरी दे दी है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी, 2020 से 30 जून, 2021 की अवधि के लिए किसी बकाया का भुगतान नहीं किया जाएगा।

महबूबा मुफ्ती की मां ईडी के समक्ष नहीं हुईं पेश

भाषा। श्रीनगर

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की मां गुलशन नजीर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक नोटिस पर बुधवार को एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुईं, क्योंकि उन्हें उस मामले का ब्योरा नहीं दिया गया, जिसमें पूछताछ की जानी है। मुफ्ती परिवार के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि नजीर को केवल इतना बताया गया है कि ईडी के समक्ष उनकी पेशी धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत दर्ज एक मामले में जरूरी है। सूत्रों ने कहा, वह ईडी के समक्ष पेश नहीं हुईं क्योंकि एजेंसी ने उनके उस पत्र का जवाब नहीं दिया है, जिसमें मामले का ब्योरा पूछा गया है। उन्होंने कहा, मामले में प्राथमिकी या लेनदेन संबंधी आरोपों की जानकारी अभी तक नहीं दी गई है, जिनके बारे में उन्हें उत्तर देना है। ईडी ने नजीर को उसके समक्ष पेश होने के लिए समन भेजा था। इससे कुछ घंटे पहले ही पीडीपी ने केंद्रशासित प्रदेश के चार दिन के दौरे पर आए परिसीमन आयोग के सदस्यों से मुलाकात नहीं करने का फैसला किया था।

लश्कर के पाकिस्तानी कमांडर सहित तीन आतंकवादी ढेर

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का एक पाकिस्तानी कमांडर और उसके दो स्थानीय सहयोगी मारे गए हैं। कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने इस अभियान के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी कमांडर एजाज ऊर्फ अबू हुरारिया और दो स्थानीय आतंकवादी मारे गए हैं।

पुलिस और सुरक्षा बलों को बधाई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलवामा शहर में आतंकवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों द्वारा मंगलवार की रात घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा, तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों की उपस्थिति की पुष्टि होने के बाद असैन्य नागरिकों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला गया। आतंकवादियों को समर्पण का अवसर दिया गया। लेकिन, उन लोगों ने संयुक्त दल पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसकी जवाबी कार्वाई के बाद मुठभेड़ हुई। उन्होंने बताया कि अंधेरा होने के बाद अभियान को रोक दिया गया था लेकिन घेराबंदी बरकरार रही। प्रवक्ता ने बताया, आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे।

तड़के, छुपे हुए आतंकवादियरों से समर्पण कराने के लिए बार-बार घोषणा की गई, लेकिन उन्होंने फिर से संयुक्त दल पर गोलियां चलाईं। इसका जवाब दिया गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए हैं, और उनके शव मौके से बरामद कर लिए गए हैं। प्रवक्ता ने बताया, उनकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा के पाकिस्तानी कमांडर एजाज ऊर्फ अबू हुरारिया, तहाब पुलवामा निवासी जावीद अहमद राथेर और सम्बूरा अवंतिपोरा निवासी शाहनवाज नजीर गनी के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि रिकॉर्ड के अनुसार, मारे गए आतंकवादी विभिन्न मामलों में संलिप्त रहे समूह का हिस्सा थे। प्रवक्ता ने बताया, विदेशी आतंकवादी एजाज आतंकी अपराधों में लिप्त रहा है।

बाजार

सेंसेक्स	52,904	↑	134	
निफ्टी	15,853	↑	41	
सोना	47,024	↑	23	/10g
चांदी	67,663	↓	399	/kg

क्विक न्यूज

पीयूष गोयल राज्यसभा में सदन के नेता नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बुधवार को राज्यसभा में सदन का नेता नियुक्त किया गया। गोयल के लिए यह एक पदोन्नति है जो उन्हे उच्च सदन मे सरकार के चेहरे के रूप में पेश करेगी। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पास राज्यसभा मे बहुमत नही है। ऐसे मे गोयल को सरकार के विधाई कार्य एजेंडे को आगे बढ़ाते समय सदन में विभिन्न राजनीतिक चुनौतियों से निपटना होगा। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गोयल की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें बधाई दी। जोशी ने कहा, उन्हें (गोयल) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान किया है। उन्हें शुभकामना देता हूं कि वह निरंतर उत्साह के साथ राष्ट्र की सेवा करें।

कोरोना से हुई बेरोजगारी बढ़ा सकती है अपराधः मुकुल गोयल

विवेक श्रीवास्तव। लखनऊ

- डीजीपी ने कहा, प्रयागराज, आगरा, मेरठ, गोरखपुर और गाजियाबाद जैसे बड़े शहरों में भी पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किए जाने की जरूरत

उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल का मानना है कि आने वाले दिनों में संपत्ति संबंधी अपराध की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो सकता है। इसके पीछे वह कोरोना काल के दौरान आई आर्थिक मंदी और बढ़ती बेरोजगारी को वजह मानते हैं। उनका कहना है कि पिछले डेढ़ साल के दौरान कोरोना की वजह से आम जनता के घरों में कैद रहने और लगातार लॉकडाउन व कर्फ्यू के चलते प्रदेश में अपराधों में काफी कमी आई है। यह पुलिस के लिए फिलहाल राहत भरी बात हो सकती है लेकिन इस समयावधि में जिस तेजी से बेरोजगारी बढ़ी है, वह निश्चित तौर पर पुलिस के लिए खतरे की घंटी है। बेरोजगार हुए युवक चोरी और लूटपाट जैसी घटनाओं में शामिल हो सकते हैं। ऐसे में संपत्ति संबंधी अपराधों के बढ़ने की पूरी आशंका है। डीजीपी ने कहा कि इसके लिए पुलिस को पूरी तरह से चौकन्ना होना पड़ेगा। डीजीपी **मुकुल गोयल** बुधवार को **पायनियर** के साथ विशेष बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश में चल रही आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों से लेकर समाज विरोधी तत्वों द्वारा धर्मांतरण की साजिश, आने वाले त्योहारों के दौरान पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था, भविष्य में पुलिस की चुनौतियां, पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम और अपनी प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। प्रदेश में बढ़ती आतंकी गतिविधियों के संबंध में डीजीपी ने कहा कि आतंकवादी घटनाएं तो प्रदेश के शहरों में पहले भी हुई हैं। अल कायदा एक बड़ा आतंकी संगठन है। हमें चौकन्ना रहना पड़ेगा। इस बार जो माड्यूल मिला है उसकी गहराई तक पहुंच कर उसके बाकी सदस्यों और जो भी इसके साथ जुड़े हुए हैं या किसी भी प्रकार से मदद पहुंचा रहे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। एटीएस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुराने केस भी देखे जा रहे हैं। लखनऊ और कानपुर कमिश्नरेट पुलिस भी एटीएस के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई कर रही है। डीजीपी ने कहा कि आउटस्कर्ट पर जो लोग आकर बस जाते हैं और अवांछनीय गतिविधियों में शामिल रहते हैं, उनके

बारे में समय रहते जानकारी मिल सके इसके लिए पब्लिक से भी सहयोग लिया जाएगा। एटीएस को और मजबूत किया जा रहा है। मैन पावर व संसाधन बढ़ाए जाएंगे। एटीएस में अच्छे पुलिस अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। आतंकी संगठन के लोग जिस प्रकार लखनऊ और कानपुर जैसे शहरों में अपना ठिकाना बना रहे हैं और उनकी हर तरह से मदद हो रही है, इसके पीछे कहीं देश में प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन सिमी की भूमिका तो नहीं है, इस सवाल पर डीजीपी ने कहा कि सिमी की भूमिका की जांच करने की आवश्यकता है। एक अन्य संगठन पीएफआई को वैन कराने के सवाल पर डीजीपी ने कहा कि इस बारे में अध्ययन करेंगे और अभी कुछ नहीं कह सकते। डीजीपी ने प्रदेश के बड़े शहरों में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू किए जाने पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने एक अच्छी शुरुआत की है, अभी लखनऊ, कानपुर, नोएडा और वाराणसी में यह सिस्टम लागू किया गया है। यहां तैनात पुलिस अधिकारियों को अपनी परफारमेंस दिखानी होगी और जब सरकार को नजर आएगा तो वह आगे इसे अन्य शहरों में भी लागू कर सकती है। डीजीपी ने कहा कि प्रयागराज, आगरा, मेरठ, गोरखपुर और दिल्ली से सटे गाजियाबाद जैसे शहरों में भी पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू किए जाने की आवश्यकता है। प्रदेश की योगी सरकार द्वारा बीते मंगलवार को नियमों को शिथिल करते हुए एक तिहाई के स्थान पर दो तिहाई थानों में सब इंस्पेक्टर को थाना प्रभारी तैनात कर सकने के निर्णय को डीजीपी ने पुलिस व्यवस्था के लिए बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि एक तो उम्र अधिक हो जाने की वजह से इंस्पेक्टर के अंदर काम करने का उत्साह कम हो जाता है, दूसरे वह यह जानते हैं कि लिमिटेड एप्रोच होने की वजह से उन्हें तो थाना मिलना ही है। इसके साथ ही सब इंस्पेक्टर को एसओ बनने के लिए कोई मोटिवेशन नहीं होता है। अब जिले के पुलिस कप्तान के सामने यह विकल्प रहेगा कि वह काम न करने वाले इंस्पेक्टर के बजाय सब इंस्पेक्टर को थाना प्रभारी नियुक्त कर सकेगा और सब इंस्पेक्टर भी दूने उत्साह से काम करेंगे। पांच साल तक प्रतिनियुक्त पर बाहर तैनात रहने के बाद बतौर डीजीपी उत्तर प्रदेश लौटे मुकुल गोयल का कहना है कि अब सब कुछ बहुत फास्ट हो चुका है। पुलिस विभाग में काफी सकारात्मक बदलाव हुए हैं। वूमेन पावर लाइन और 112 की उपयोगिता सबके सामने हैं। पुलिस मैं जिस प्रकार टेक्नोलॉजी का समावेश हुआ है उससे कार्यों में काफी पारदर्शिता आई है। थानों की जनरल डायरी से लेकर केस डायरी तक ऑनलाइन कंप्यूटर पर ही लिखी जा रही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि इसके फायदे भी हैं तो पुलिस के लिए नुकसान भी हैं। फायदा यह है कि अब समय रहते अधिकारियों को घटनाओं की जानकारी मिल जाती है और उन पर एक्शन होता है। पुलिस की समस्या इसलिए बढ़ी है कि अब उसे तुरंत रिएक्ट करना होता है। कुल मिलाकर फील्ड में तैनात पुलिस अफसरों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सूबे की पंचायतों में बढ़ा महिलाओं का दखल

● मुख्यमंत्री के महिला सशक्तिकरण अभियान के चलते अब यूपी की पंचायतों का बदलता परिदृश्य

यूपी की पंचायतों में महिला प्रतिनिधित्व 53.7 फीसदी हुआ

कैसरबाग जिला पंचायत सभागार में आयोजित अभिन्दन कार्यक्रम में मौजूद जिला पंचायत अध्यक्ष आरती रावत व अन्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे महिला सशक्तीकरण अभियान का असर सब हर तरफ दिखाई देने लगा है। इस अभियान के चलते यूपी की पंचायतों का परिदृश्य बदला है। अब पंचायतों में महिलाओं का वर्चस्व बढ़ा है। कुछ वर्ष पहले तक सूबे के ग्रामीण क्षेत्रों में इलाके के सबसे बुजुर्ग को पंचायत की कमान सौंपना सबसे तसल्लीबख्श काम माना जाता था, वही अब ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर महिलाओं को बढ़चढ़ कर जिम्मेदारी सौपी गई है। इस बदले माहौल के चलते इस बार ग्राम प्रधान के पद पर 31,212, ब्लाक प्रमुख के पद पर 447 और जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर 42 महिलाएं चुनाव जीती हैं। ग्रामीण लोकतंत्र और आपसी भाईचारे को मजबूत करने की यह एक शानदार पहल है। काबिल.ए.गौर बात यह भी है कि प्रदेश की पंचायतों में महिलाओं का एक तिहाई आरक्षण है, लेकिन सभी छोटे बड़े पदों पर उनकी मौजूदगी कोटे से ज्यादा है।

यूपी के इतिहास में यह पहल अवसर है, जब इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं ने पंचायत चुनावों में जीत हासिल की है। पंचायत चुनावों के पुराने इतिहास को देखे तो इस बार पंचायत चुनावों में हर स्तर पर महिलाओं ने जीत का परचम फहराया है। महिलाओं की इस जीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा चलाए जा रहे महिला सशक्तीकरण अभियान और गांवों में कराए जा रहे विकास कार्यों की अहम भूमिका रही है। महिला सशक्तीकरण अभियान के चलते शहर से लेकर गांवों में महिलाओं में जागरूकता आयी। उन्होंने ;महिलाओंद्ध पंचायत चुनावों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और ग्रामीण जनता ने उन्हें जीतने में संकोच नहीं किया। ग्रामीणों के मिले आशीर्वाद के चलते ही ग्राम प्रधान के 58,176 पदों में से 31,212 पदों पर महिलाओं ने जीत हासिल की। पंचायत चुनावों के नतीजों के अनुसार इस बार निर्वाचित प्रधानों में से 53.7 प्रतिशत यानि 31,212 महिलाएं हैं। जबकि ग्राम प्रधान के 26,955 पदों पर पुरुष जीते हैं। अखिलेश सरकार में 25,809 महिलाएं ही ग्राम प्रधान का चुनाव जीती थी। इस बार हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नतीजों पर गौर करें तो स्थानीय सियासत में महिलाओं के बढ़ते दबदबे की तस्वीर साफहोती है।

सूबे की 75 जिला पंचायतों के अध्यक्ष पदों में से 42 पर महिलाओं का कब्जा हुआ है , जबकि एक तिहाई आरक्षण कोटे के अनुसार उनकी हिस्सेदारी 24 पदों तक होती है। राज्य मंत्री स्तर वाले इन पदों पर महिला प्रतिनिधित्व 56 प्रतिशत है। जिला पंचायत अध्यक्ष के 33 पदों पर पुरुषों को जीत हासिल हुई है। अब पंचायतों के दूसरे अहम् पद क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष यानि ब्लाक प्रमुखों की बात करें। यहां पर भी महिलाएं आगे हैं। ब्लाक प्रमुख के कुल 825 पदों में से 447 पर महिलाएं ही आसीन हुई हैं। उनकी यह हिस्सेदारी भी 54.2 प्रतिशत है। ब्लाक प्रमुख के 378 पदों पर पुरुष जीते हैं, उनकी यह हिस्सेदारी 45.8 प्रतिशत है। कुल मिलाकर देखें तो सूबे की पंचायतों में महिला प्रतिनिधित्व 53.7 फीसदी है जो एक तिहाई आरक्षण कोटे से कहीं अधिक है। जबकि, कई राज्यों में 50 प्रतिशत आरक्षण होने के बाद भी देश में महिलाओं का औसत प्रतिनिधित्व 36.87 फीसदी ही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ चुनाव जीतने की वजह से ही महिलाओं का दबदबा बढ़ा है। सार्थक पक्ष यह है कि उच्च शिक्षा प्राप्त महिलाएं भी पंचायतों का नेतृत्व संभालने के लिए आगे आई हैं। पहली बार ग्राम प्रधान बनी आगरा के बड़ागांव ग्राम की शिक्षित बेटी कल्पना सिंह गुर्जर मानती हैं कि यदि परिवार की परिस्थिति अनुकूल हो तो पढ़ी.लिखी महिलाओं को नौकरी करने के बजाए राजनीति में आना चाहिए। वे समाज के बारे में बेहतर ढंग से सोच सकतीं हैं।

राज्य कर्मचारियों को भी डीए में बढ़ोत्तरी की उम्मीद

● कोरोना काल में राज्य सरकार ने लगाई थी रोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत के भुगतान के फैसले से लाखों राज्य कर्मियों को डीए मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। जनवरी 2020 से वेतनवृद्धि के नाम पर शून्य चल रहे कर्मचारियों को एकमुश्त 11 फीसदी महंगाई भत्ता राहत मिलेगी। इसके साथ ही जुलाई महीने के वेतन के साथ करीब तीन फीसदी सालाना वेतन वृद्धि का लाभ भी मिलने की उम्मीद है। 11 फीसदी महंगाई भत्ता मिलने पर कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़कर 28 फीसदी हो जाएगा। अभी यह 17 फीसदी है। देश में कोरोना संक्रमण का प्रसार होने के बाद जनवरी 2020, जुलाई 2020 और जनवरी 2021 के महंगाई भत्ते के भुगतान पर राज्य सरकार ने रोक लगा दी थी। यह घोषणा की गई थी कि जुलाई 2021 में महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाएगा। जनवरी 2020, जुलाई 2020 तथा जनवरी 2021 के महंगाई भत्ते की दर 11 फीसदी बन रही है। इस बढ़े हुए महंगाई भत्ता, महंगाई राहत को एक जुलाई से केंद्रीय कर्मचारियों व पेंशनर्स को दिए जाने की घोषणा केंद्र सरकार ने कर दी है। केंद्र सरकार द्वारा इससे संबंधित अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य सरकार भी इसी दर पर डीए व डीआर दिए जाने की घोषणा करेगी। राज्य सरकार के करीब 15 लाख कर्मचारियों व 12 लाख पेंशनर्स को 11 फीसदी डीए व डीआर देने के साथ ही करीब तीन फीसदी सालाना वेतन वृद्धि का लाभ दिए जाने की स्थिति में सरकार के खजाने पर करीब 3000 करोड़ का अतिरिक्त भार आएगा।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने पुत्र राहुल से उसके दुराचरणों के कारण अपने सभी सम्बन्ध विच्छेद करके अपने परिवार व चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। श्रीमती श्रीदेवी पत्नी श्री पाल नि0 ग्राम–धौकलपुर थाना–साढ, कानपुर नगर।

सूचना

मैं शालिनी वर्मा, उम्र लगभग 30 वर्ष, पत्नी श्री शशांक वर्मा निवासिनी 2/548, विराम खण्ड–2 गोमती नगर, लखनऊ घोषणा करती हूँ कि मेरा नाम कुमारी शालिनी था और विवाह के पश्चात् शालिनी वर्मा रख लिया है और अब मैं शालिनी वर्मा के नाम से जानी व पहचानी जाऊँगी।

सूचना

सूच्य हो कि मैंने अपने पुत्र मंसूर अली को उसका चाल–चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब से उसके किसी भी कृत्य व लेन–देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। बरकत अली पुत्र सहाबुद्दीन निवासी–ग्राम करस्योरा, थाना–तालगांव, पगरना व तहसील–सीतापुर

सूचना

सूचना
श्री निरंकारी गर्ल्स इण्टर कालेज, ज्वालागंज, फतेहपुर की
प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी व सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम दिनांक 24.07.2021 को प्रातः 10 बजे से विद्यालय प्रांगण में होना सुनिश्चित किया गया है। चुनाव बैठक में भाग लेने हेतु संचालन समिति के सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि को नियत समय पर उपस्थित होने की अपील की जाती है।
अभय प्रताप सिंह
(प्रबन्धक)

सूचना

सूचना
पं0 जवाहर लाल इण्टर कालेज, खखरेरू, फतेहपुर की
प्रबन्ध समिति के पदाधिकारी व सदस्यों का चुनाव कार्यक्रम दिनांक 24.07.2021 को अपरान्ह 2:00 बजे से विद्यालय प्रांगण में होना सुनिश्चित किया गया है। चुनाव बैठक में भाग लेने हेतु संचालन समिति के सभी सदस्यों से निर्धारित तिथि को नियत समय पर उपस्थित होने की अपील की जाती है।
अभय प्रताप सिंह
(प्रबन्धक)

सूचना

मैं अरविंद भटनागर पुत्र स्व0 श्री जी बी भटनागर एतद्द्वारा सूचित करता हूँ कि मेरा बैग तेलीबाग मार्केट लखनऊ में कहीं खो गया है जिसमें मेरे फ्लैट T5 401 साउथ सिटी गार्डन ब्लॉक जे, रायबरेली रोड, लखनऊ के पंजीकृत टाइटल डीड के पेज 2 और पेज 9 जैसे कुछ महत्वपूर्ण कागजात थे। यह टाइटल डीड 11.02.2020 को सब रजिस्ट्रार सरोजनी नगर लखनऊ के साथ बही संख्या 1, जिल्द संख्या 3833 के पेज 283 से 308 क्रमांक 4045 पर पंजीकृत किया गया था। किसी भी निकाय द्वारा कहीं भी इन शीर्षक पृष्ठों का अवैध कब्जा एवं उपयोग गैरकानूनी है और कानून की अदालत के समक्ष दंडित किया जायेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है
मजीदुन निसा गर्ल्स डिग्री कालेज, कोपागंज, मऊ सम्बद्ध वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तरपर कला संकाय के विषय–गृहविज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र में तीन–तीन एवं उर्दू में दो प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान यू0जी0सी0, उ0प्र0 शासन विश्वविद्यालय परिनियिमावलीनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति एवं चार नवीनतम पासपोर्ट साइज फोटो के साथ विज्ञापन तिथि के 21 दिनों के अन्दर प्रबन्धक के पदनाम महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक/दूरभाष द्वारा दी जायेगी।
प्रबंधक–मो0 9839384234

भाजपा सरकार अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में हर मोर्चे पर विफल रही

● सपा मुखिया ने 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्यों की बैठक बुधवार को पार्टी मुख्यालय, लखनऊ में हुई जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने की। बैठक में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव, नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद अहमद हसन तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

विधान परिषद सदस्यों की बैठक में प्रदेश की राजनीतिक–आर्थिक स्थिति पर चर्चा के साथ सन् 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही संकल्प लिया गया कि आगामी चुनावों में समाजवादी पार्टी अपनी सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों को सामने रखकर चुनाव में उतरेगी। भाजपा सरकार अपने साढ़े चार साल के कार्यकाल में हर मोर्चे पर विफल रही है। बैठक में कहा गया कि भाजपा राज में किसानों और नौजवानों की सबसे ज्यादा दुर्दशा हुई है। भाजपा ने किसानों के साथ किया एक भी वादा पूरा नहीं किया है न तो उसकी फसल की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद हुई और नहीं वादे के अनुसार उसे लागत का डयोढ़ा मूल्य मिला। उसकी आमदनी दुगनी करने का वादा भी भाजपा ने नहीं निभाया हैं।

सूबे के निजी विद्यालय भी अब आरटीआई के दायरे में

● सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गयी सूचना देने के लिए होंगे बाध्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के सभी निजी विद्यालय सूचना अधिकार अधिनियम के दायरे में माने जाएंगी। अब निजी विद्यालय सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत मांगी गयी सूचना देने के लिए बाध्य होंगे। यह आदेश बुधवार को राज्य सूचना आयुक्त प्रमोद कुमार तिवारी ने संजय शर्मा बनाम जसू अधिकारी मुख्य सचिव उप्र शासन के विषय में योजित अपील के निस्तारण में दी है। उन्होंने मुख्य सचिव को यह संस्तुति की है कि जन सूचनाओं की महत्ता को देखते हुए निजी विद्यालयों प्रबन्धकों को भी जन सूचना अधिकारी घोषित करने की व्यवस्था करें। अपीलार्थी संजय शर्मा ने जसूअध्मुख्य सचिव, उप्र शासन से लखनऊ के दो प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों के विषय में आरटीआई एक्ट के तहत राज्य सूचना आयोग लखनऊ में द्वितीय अपील योजित की थी। यदि निजी विद्यालयों को विद्यालय की स्थापना हेतु रियायती दरों पर विकास प्राधिकरण द्वारा भूमि उपलब्ध करायी गयी है तो मा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा डीएवी कालेज ट्रस्ट एण्ड मैनेजमेंट सोसायटी एवं अन्य बनाम डायरेक्टर ऑफ पब्लिक इंन्सट्रक्शन एवं अदर्स में प्रतिपादित विधि अनुसार ऐसे विद्यालय राज्य द्वारा पर्याप्त रूप से वित्त पोषित समझे जायेंगे। बता दें कि अभी तक निजी विद्यालय सूचना का अधिकार अधिनियम.2005 के तहत इस आधार पर सूचना नहीं देते थे कि वे राज्य द्वारा वित्त पोषित नहीं है एवं वे अधिनियम की परिधि से बाहर हैं।

यूपी के पूर्व सीएम चन्द्र भानु गुप्त के जन्मदिन पर चारबाग रवीन्द्रालय स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पअर्पित करते मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के सदस्य

आप ने चिकित्सा उपकरण खरीद में घोटाले का लगाया आरोप

● एफआईआर के लिए दी तहरीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी ने कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के नाम पर प्रदेश भर में बन रहे विशेष वार्डो के लिए चिकित्सकीय उपकरण खरीद में घोटाले का आरोप लगाया है। इस मामले में चिकित्सा मंत्री सुरेश खन्नाए प्रमुख सचिव आलोक कुमार सहित विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के निदेशक एवं मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य को आरोपित बनाते हुए के प्रदेश प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ओर से हजरतगंज कोतवाली में तहरीर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए सांसद संजय सिंह ने दो टूक कहा कि बच्चों की जिंदगी से खेलने वाले ऐसे भ्रष्टाचारियों की जगह मंत्रालय और सचिवालय नहींए बल्कि जेल में है। अगर तहरीर पर मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो कोर्ट जाएंगे। 6 महीने इंतजार करिए नई सरकार आते ही लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले ये सारे भ्रष्टाचारी जेल में होंगे। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में तीसरी लहर की आशंका के नाम पर बड़े पैमाने पर चिकित्सा विभाग में घोटाला हुआ । बच्चों के वेंटीलेटर सहित तमाम चिकित्सकीय उपकरण खरीदने के नाम पर हुए इस घोटाले से संबंधित मैंने सारे कागज सामने रखें कि जो वेंटिलेटर उत्तर प्रदेश के केजीएमयू में 10 लाख रुपये में खरीदा जा रहा है वही उत्तर प्रदेश की सरकार दूसरे मेडिकल कालेजों में 27ए 22 या 37 लाख आदि मनमाने दाम में खरीदे जा रहे हैं। तमाम मॉनिटर आदि उपकरण जो बाजार में सस्ते दाम पर मिल रहे हैं उत्तर प्रदेश की सरकार 2 गुनाए 3 गुनाए 4 गुना महंगे दामों में खरीद रही है।

कोरोना की तीसरी लहर की तैयारियों का ब्लूप्रिंट जनता के सामने रखे सरकारः लल्लू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कोरोनावायरस की तीसरी लहर की दस्तक हो चुकी है। डेल्टा वेरिएंट के बाद कप्पा वैरीअंट की भी वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है। 2 मरीजों की मौत भी हो चुकी है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार की तैयारी दूसरी लहर की तरह केवल घोषणाओं और कागजों पर है। सरकार को चाहिए की पारदर्शी तरीके से जनता को विश्वास में लेते हुए कोरोनावायरस की तीसरी लहर की तैयारियों को बताएं। कोरोना की तीसरी लहर जो बच्चों के लिए घातक है, की तैयारियों का ब्लूप्रिंट योगी सरकार को जनता के सामने रखना होगा।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आधा जुलाई माह बीतने को है, लेकिन अभी तक जिलों में डिमांड के अनुरूप वैक्सीन नहीं मिल रही है। उत्तर प्रदेश में भी कोई दिन ऐसा नहीं बीतता जिस दिन तमाम जिलों से वैक्सीन की किल्लत की खबरें ना आएं। पिछले दिनों लखनऊ, वाराणसी ,नोएडा, मेरठ , संभल, बुलंदशहर सहित तमाम जिलों से वैक्सीन किल्लत की खबरें आयीं, कई वैक्सीनेशन सेंटर बंद होने की भी खबरें आयी हैं। कहां तो सरकार जुलाई माह में वैक्सीनेशन और तेज करने की बात कह रही थी कहां उत्तर प्रदेश में जुलाई वैक्सीनेशन की रफ्तार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। कोरोना की तीसरी लहर का सबसे ज्यादा खतरा बच्चों पर बताया जा रहा है। इसके लिए पहली जरूरत है की जिले ही नहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोहतक पशुओं के लिए स्पेशल पीडियाट्रिक वार्ड तैयार किए जाएं क्योंकि जिलों की आबादी के हिसाब से जिला चिकित्सालय दूसरी लहर में अपर्याप्त साबित हुए हैं। यही नहीं सरकार ने बच्चों के डॉक्टर पीडियाट्रिशियन की भर्ती भी अभी तक पूरी नहीं की जबकि यह संख्या भी अपर्याप्त ही है। उत्तर प्रदेश में एक तिहाई पीएससी में स्टाफकी तैनाती ही नहीं हुई है। स्टाफकी कमी से जूझ रहे हैं तो कई जगह केवल सफाई कर्मचारी ही केवल ताला खोलते और बंद करते हैं। तो तमाम जगह तो रिपोर्टों के अनुसार भवन जर्जर हालत में है उसमें से कई जगह केवल किराएदार रह रहे हैं जबकि पीएचसी बंद पड़ी हुई है।

यूपी में सौ यूनिट बिजली को फ्री करने की लामबंदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तराखंड में 100 यूनिट तक घरेलु उपभोक्ताओं की बिजली फ्री और अगली 100 यूनिट आधी का एलान करने के बाद ही उप्र विद्युत उपभोक्ता परिषद् ने लामबंदी शुरू कर दी है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा से इस बारे में मुलाकात की और कहा कि प्रदेश के घरेलु व किसान लम्बे समय से सस्ती बिजली का ख्वाब देख रहे हैं। ऐसे में सरकार प्रदेश के उपभोक्ताओं की वयथा को समझे और उत्तराखंड सरकार की तरफ बिजली उपभोक्ताओं के लिए घोषणा करें। उपभोक्ता परिषद् ने कहा कि उत्तराखंड की बीजेपी सरकार ने यह एलान कर दिया है की उत्तराखंड में 100 यूनिट तक घरेलु उपभोक्ताओं की बिजली फ्री होगी और 101 से 200 यूनिट तक बिजली का मूल्य आधा लिया जाएगा प्रदेश के उपभोक्ताओं को सरकार फ्री में बिजली न दे कोई बात नहीं लेकिन उपभोक्ताओं की बिजली दरों में प्रदेश में भारी कमी होनी चाहिए। क्योंकि यहाँ प्रदेश के उपभोक्ताओं का रूपए बिजली कम्पनियों पर निकल रहा है। सरकार को अबिलम्ब विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 108 के तहत प्रदेश के उपभोक्ताओ की बिजली दरों में कमी करने के लिए उपभोक्ताओं का बिजली कम्पनियों पर निकल रहे 19537 करोड़ रुपए का समायोजन कर दरों में कमी कराने का निर्देश नियामक आयोग को देना चाहिए। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री श्रीकांत शर्मा ने उपभोक्ता परिषद् को आश्वासन दिया की उनकी सरकार में पिछली बार बिजली दर में कोई बढ़ोतरी नहीं की इस बार भी मुख्यमंत्री ने बिजली दर में कोई बढ़ोतरी न करने का एलान किया है। आगे सरकार लगातार सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध करने की दिशा में काम कर रही है। सरकार उपभोक्ताओ के हित में लगातार प्रयास कर रही है और आगे भी निर्णय लेगी। उपभोक्ता परिषद् ने कहा प्रदेश में घरेलु 200 यूनिट तक उपभोग करने वाले उपभोक्ताओ की बात करे तो उनकी कुल संख्या लगभग 70 लाख के करीब होगी जिनकी वर्तमान दरों में आसानी से कटौती की जा सकती है। प्रदेश में 100 यूनिट तक उपभोग करने वाले ग्रामीण घरेलु उपभोक्ताओ की संख्या 29 लाख 65 हजार 689 है। प्रदेश में 101 से 150 यूनिट तक उपभोग करने वाले ग्रामीण घरेलु उपभोक्ताओं की संख्या 11 लाख 91 हजार 531, 100 यूनिट तक उपभोग करने वाले शहरी बीपीएल घरेलु उपभोक्ताओ की संख्या 19 लाख 84 हजार 843, 150 यूनिट तक उपभोग करने वाले शहरी घरेलु उपभोक्ताओ की संख्या 11 लाख 98 हजार 953 है।

32 प्रवासी भारतीयों से 1045 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में मिली सफलता

● 116 भारतीय दूतावासों से सम्पर्क करके 3064 प्रवासी भारतीयों का डाटा किया गया तैयार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान किये गये प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश मूल के 32 प्रवासी भारतीयों से 1045 करोड़ का निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में सफलता मिली है। इन प्राप्त निवेश प्रस्तावों में एग्रीकल्चर, डिफेंस एवं आईटी क्षेत्र प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सिद्धार्थ नाथ सिंह खादी भवन में प्रवासी भारतीयों की सुविधा और निवेश को आकर्षित करने के लिए गठित प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग यूनिट के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 116 भारतीय दूतावासों से सम्पर्क करके 3064 प्रवासी भारतीयों का डाटा तैयार किया गया और इन प्रवासी भारतीयों से लगातार सार्थक संवाद स्थापित कर निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि अभी 16 भारतीय दूतावासों से एनआरआई का डाटाबेस प्राप्त हुआ है। शीघ्र ही पांच देशों से एनआरआई का डाटा उपलब्ध हो जायेगा। अन्य देशों से विदेश मंत्रालय के सहयोग से यूपी के एनआरआई की जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री सिंह ने कहा कि जापान में स्पेसीफाईड स्किल्ड वर्कर्स प्रोग्राम के तहत 14 सेक्टर के लिए 3.14 लाख कुशल क्षमता के लोगों को लिया जायेगा। उत्तर प्रदेश से 35 हजार कुशल श्रमिकों को इसके लिए तैयार कराया जायेगा। इन लोगों को जैपनीज भाषा की ट्रेनिंग देने के साथ ही उनका कौशल विकास भी किया जायेगा। उत्तर प्रदेश मूल के प्रवासी भारतीयों को मान्यता प्रदान करते हुए एनआरआई कार्ड देने की व्यवस्था है। इसके माध्यम से प्रवासी भारतीयों को विशेष सुविधाएं अनुमन्य होंगी। उन्होंने कहा कि अभी तक आवेदन करने वाले 540 प्रवासी भारतीयों को एनआरआई कार्ड जारी भी किया जा चुका है।

औद्योगिक क्षेत्रों को युद्ध स्तर पर अपग्रेड किया जाए

● एकीकृत कुटीर उद्योग क्लस्टर का पायलट प्रोजेक्ट प्रयागराज में शीघ्र शुरू होगा

लखनऊ। एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में मौजूद औद्योगिक क्षेत्रों को युद्ध स्तर पर अपग्रेड किया जाए। औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कए निकासी एवं बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को एमएसई–सीडीपी योजना के तहत औद्योगिक क्षेत्रों के अपग्रेडेशन के प्रस्ताव भेजें जा रहें हैं। अभी तक सात प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजें जा चुके है तथा 23 प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं । उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण प्रदेश में नए एकीकृत कुटीर उद्योग क्लस्टर विकसित किये जाए। जिनमें कुटीर उद्योगों के लिए फ्लैटेड फैक्ट्री परिसर, डिस्प्ले सेंटर, रॉ मटेरियल बैंक, डारमेट्री, कैंटीन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा इस सम्बन्ध में एक पायलट प्रोजेक्ट प्रयागराज में शीघ्र.अतिशीघ्र किया जाए। श्री सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से वाराणसी एवं झाँसी में विकसित किये जाएँ जिससे की उद्योगों के लिए एक इकोसिस्टम तैयार हो सके।

लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह का अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

लखनऊ। उप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. विशेष गुप्ता ने बुधवार को मोतीनगर स्थित लीलावती मुंशी निराश्रित बालगृह पहुंच कर निरीक्षण किया। उन्होंने बालगृह में संचालित एडाप्शन सेंटर का निरीक्षण किया। साथ ही बच्चों से संबंधित सभी दस्तावेजों की भी जांच की। बालगृह निरीक्षण के लिए पहुंचे अध्यक्ष ने भंडार कक्ष के निरीक्षण से लेकर एडाप्शन सेंटर के बच्चों और बालगृह की लड़कियों से भी बात की। आयोग अध्यक्ष ने विदेश में गोद दिए गए बच्चों की भी फाइल देखी, जिसमें बच्चों का फालोअप मौजूद था। एडाप्शन सेंटर उप्र बाल कल्याण परिषद की ओर से संचालित है। इस दौरान एडाप्शन सेंटर में चार माह में तीन बच्चों की मौत की भ्रामक खबर पर बाल आयोग अध्यक्ष के सामने सभी बच्चों की केस फाइल प्रस्तुत की गई। दस्तावेज पेश कर बताया गया कि एक बच्चे की मौत 26 अगस्त 2020, दूसरी की मौत एक सितंबर 2020 और तीसरे बच्चे की मृत्यु नौ मार्च 2021 को हुई है।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–8, जलकल विभाग, नगर निगम लखनऊ

पत्र सं0 : 187/EE-8/21-22 दिनांक : 14.07.2021

(अति–अल्पकालीन निविदा–सूचना)

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 27.07.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाऐं दिनांक 27.07.2021 को अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 27.07.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–8 के कार्यालय में खोली जायेंगी।

1. बिजनौर रोड सेक्टर–एल स्थित म0नं0–2/345 के पास 250 एमएम डाया गैप सीवर लाइन 27 मीटर डालने का कार्य, धरोहर राशि रु० 2200/– एवं निविदा मूल्य रु० 100/–
2. मानसरोवर योजना कानपुर रोड रोड के विभिन्न 10 नलकूपों पर फॉयर फ्लैन्ज लगाने का कार्य, धरोहर राशि रु० 3500/– एवं निविदा मूल्य रु० 150/–

अधिशासी अभियन्ता, जोन–8
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 15 जुलाई, 2021

पीएम मोदी आज फिर करेंगे काशी की हौसलाआफजाई

- अपने संसदीय क्षेत्र में पांच घंटा के दौरान एमसीएच विंग में कोविड की तीसरी लहर पर चिकित्सकों से करेंगे चर्चा, अरबों की योजनाओं का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

पीएम नरेन्द्र मोदी 15 जुलाई को बीएचयू के आईआईटी कैम्पस सहित शहर के अन्य कार्यक्रम में शिरकत के आ रहे हैं और करीब पांच घंटा रहेगें तथा 15सौ से अधिक योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास करेगें तथा 1500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की सौगात देने के बाद एमसीएच विंग में कोविड की तीसरी लहर पर चिकित्सकों से चर्चा करेगें। बीएचयू हैलीपैड पर देश के पीएम नरेन्द्र मोदी एवं वाराणसी के सांसद का स्वागत प्रदेश की गवर्नर आनंदी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित उनके मंत्रिमंडल के साथी करेगें।

अपने संसदीय क्षेत्र में निर्धारित कार्यक्रम में शिरकत करने आ रहे प्रधानमंत्री मोदी काशीवासियों की कई योजनाओं की सौगात देने के साथ ही तीसरी लहर को लेकर यहां के डाक्टरों से संवाद भी करेंगे। इसके लिए बीएचयू की एमसीएच ;मैटर्नल एंड चाइल्ड हेल्थद्ध विंग में दो स्टेज बनाए जा रहे हैं। कोरोना की पहली व दूसरी लहर में संक्रमण से लड़ने के काशी के तौर.तरीकों की प्रधानमंत्री मोदी कई मंचों से तारीफकर चुके हैं। अब तीसरी लहर से निबटने में काशी को पूर्वांचल व देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जा रहा है। यह पहली बार होगा कि प्रधानमंत्री कोरोना से बचाव को लेकर मेडिकल टीम संग बनारस में आमने .सामने संवाद करेंगे। बीएचयू हास्पिटल का शताब्दी सुपर स्पेशियालिटी काम्लेक्स पहली लहर की शुरुआत से ही लेवल.थ्री कोविड केयर सेंटर के रूप में सेवारत है। वहीं दूसरी लहर में जरूरत बढ़ने पर डीआरडीओ की ओर से बीएचयू में ही 750 बेड की क्षमता वाला अस्थाई हास्पिटल तैयार किया गया। दोनों सेंटर पर बनारस ही नहीं पूर्वांचल के अन्य जिलों के गंभीर मरीजों का इलाज किया गया। ऐसे में यदि संक्रमण की तीसरी लहर आती है तो चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के मामले में बनारस एक बार फिर पूर्वांचल का केंद्र होगा। तैयारियों के मद्देनजर एमसीएच विंग.बीएचयू में प्रधानमंत्री मोदी 15 जुलाई को आइएमएस.बीएचयू के चिकित्सकों व जिले के बाल रोग विशेषज्ञों से संवाद करेंगे। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहेंगे। पीएम मोदी की संवाद में इनकी उपस्थिति–रू पीएम मोदी के संवाद कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बीएचयू की ओर से कार्यवाहक कुलपति प्रो. वीके शुक्लाए रजिस्ट्रार डॉ. नीरज त्रिपाठीए आएमएस निदेशक प्रो. बीआर मित्तल, बीएचयू हास्पिटल के एमएस प्रो. केके गुप्ता, डिप्टी एमएस प्रो. सौरभ सिंहए नीकू वार्ड के इंचार्ज व डीन रिसर्च प्रो. अशोक कुमार, बाल रोग विभाग के अध्यक्ष प्रो. राजनीति प्रसाद, एमसीएच विंग प्रभारी प्रो. मधु जैन सहित अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वाराणसी मंडल डॉ. एसके उपाध्याय, मंडलीय हास्पिटल के एसआइसी डॉ. प्रसन्न कुमार, सीएमओ डॉ. वीबी सिंहए जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरके सिंह, जिला अस्पताल की एसआइसी डॉ. लिली श्रीवास्तव आदि के नाम संभावित हैं। इसके अलावा कोरोना की तीसरी लहर के दौरान बेहतर कार्य करने वाले निजी अस्पतालों के डाक्टरों को भी शामिल किया जा सकता है।

वायसेना के हेलीकाप्टर सहित प्रशासन के अधिकारियों ने किया ग्रैंड रिहर्सल

वाराणसी। पीएम नरेन्द्र मोदी के काशी आगमन के पूर्व बुधवार को प्रशासन तथा खुफिया एजेंसिंया सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्क है। सोशल आपरेशन ग्रुप ने सुरक्षा की कमान संभाल ली है। वहीं हेलीकाप्टर ने बाबतपुर से लेकर बीएचयू तक पूर्वाभ्यास किया। ड्रोन से भी सभास्थल की निगरानी किया जाएगा। बुधवार को गैरंड रिहर्सल किया गया। वायु सेना के हेलीकाप्टर ने दो बार बीएचयू से लगायत सम्पूर्णानंद संस्कृत यूनिवरसिटी के मैदान तक रिहर्सल किया गया। इस दौरान पुलिस–प्रशासन सहित सारे आला अधिकारी उपस्थित रहे। पीएम की सुरक्षा में आकाश से लेकर जमीन तक पांच स्तरीय सुरक्षा के घेरे में होगा। परिंदा पर न मार सके इसलिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गये है। पुलिस लाइन से लेकर बीएचयू तक सैकड़ों गाड़ियों से सुरक्षा की पूर्वाभ्यास किया गया।

रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के उद्घाटन में पीएम के साथ जापान के राजदूत भी शामिल होंगे

वाराणसी। भारत और जापान दोस्ती के प्रतीक वाराणसी में बने रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के लोकार्पण में जापान के राजदूत और दूतावास के अन–?य अधिकारी भी शामिल होंगे। जापानी दल आज बुधवार दोपहर बाबतपुर एयरपोर्ट पर पहुंच गया। सड़क मार्ग से होटल गेट.वे में पूरी टीम ठहरी है। इस दौरान तीन दिवसीय दौरे में भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्–?थली सारनाथ में दर्शन.पूजन और भ्रमण भी करना है।भारत.जापान दोस्ती के प्रतीक रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर के लोकार्पण में जापान के राजदूत सुजीकी सातोषी के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल बुधवार को बनारस पहुंच गया। उनके साथ जापान इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी ;जायकाद्ध व रुद्राक्ष निर्माण से जुड़ी कंपनी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कल्सटेंट और फुजिता कारपोरेशन के अफसर भी शामिल रहे। तीन दिवसीय दौरे के दौरान दल बनारस भ्रमण भी कर रहा है। जापानी दल को सारनाथ में दर्शन. पूजन और भ्रमण करने का मौका भी मिला है। इसको लेकर जिला प्रशासन ने अपने स्तर से तैयारी कर रखी थी। जापानी दल बुधवार को दोपहर में बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा और यहां से सीधे नदेसर स्थित होटल गेट.वे रवाना हो गया।

जापानी दूतावास के मेहमान: सुजुकी सातोषी राजदूत जापान, चीकागे सुजुकी (पत्नी), कियोस काजुहीरो (काउंसर), ओदा आकारी (सचिवद्ध।

जायका के आमंत्रित प्रतिनिधि: मात्सूमोतो कात्सुओ (मुख्य प्रतिनिधि), आकामिन केंगो (वरिष्ठ प्रतिनिधि), एमपी सिंह (मुख्य विकास परियोजना अधिकारी)

पीएमसी के सदस्य: आबे रेइको (अध्यक्ष), डॉ. जॉयदीप दास (अभियंता), मोहित सिंह (वरिष्ठ अभियंता)।

प्राचीन चौरा माता मंदिर के कीर्तन और भण्डारे में शामिल हुये पालिकाध्यक्ष मनोज जायसवाल

मिर्जापुर। नपाध्यक्ष मनोज जायसवाल बुधवार की दोपहर विजयपुर तिलोई स्थित प्राचीन चौरा माता के मन्दिर पहुँचे।जहाँ हर वर्ष की भांति इस बार भी कमेटी के सदस्यों द्वारा माता के भजन.कीर्तन और भण्डारे का आयोजन किया गया। नपाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने वार्षिक कीर्तन.भजन में भाग लेकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा.अर्चना कर माँ का आशीर्वाद लिया।नपाध्यक्ष ने भण्डारे में शामिल होकर चौरा माता का प्रसाद की ग्रहण किया।नपाध्यक्ष ने इस मौके पर कहा कि माता के भजन.कीर्तन में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करना सौभाग्य की बात है। इससे मन को आत्मीय शान्ति मिलती है। इस मौके पर दीपक दूबे, प्रदीप तिवारी, महेश मिश्रा, भगवती यादव, संदीप अग्रहरि, सुरेश दुबे, संजय गौड़, नन्दू मौर्या, गुरु प्रसाद शर्मा, ऋतु चौबे, सभासद नरेश जायसवाल, रविकर सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

छात्रनेता व अधिवक्ता राहुल राज की हालत अभी गंभीर पुलिस कुछ बदमाशों को उठाकर कर रही है पूछताछ

- मंगलवार की रात आटो में सवार बदमाशों ने राहुलराज को मार दी थी गोली

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कैंट थाना क्षेत्र के घौसाबाद में बदमाशों द्वारा गोली से घायल राहुल राज की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। आटो रिक्शा पर सवार बदमाशों ने पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष राहुलराज पर गोली मार दी।चिकित्सकों के अनुसार गोली छात्रनेता के हड्डी में घुसी है जिससे अभी भी खतरा बना हुआ है। छात्रनेता के बयान पर पुलिस कुछ बदमाशों को उठाकर पूछताछ में जुटी है। छात्रनेता को दोपहर में बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

कैंट थानांतर्गत घौसाबाद क्षेत्र में मंगलवार की रात 11ण्30 बजे ऑटो रिक्शा सवार बदमाशों ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष व अधिवक्ता राहुल राज ;27द्ध को पीछे से गोली मार दी। हमले में घायल राहुल ने पड़ोसी के घर में घुसकर किसी तरह अपनी जान बचाई। हालांकिए रीढ़ में गोली लगने से हालत देर रात तक चिंताजनक बनी रही। घायल को मलदहिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायल पूर्व छात्र नेता के बयान के आधार पर एक आरोपित को रात में ही हिरासत में लेने की खबर है। वहीं कैंट थाने पर तहरीर भी रात में ही लिख दी गई। परिजनों के अनुसार घौसाबाद निवासी राहुल अपने घर लच्छीपुरा स्थित चेंबर से लौट रहा था। बाइक वरुणा पुल निवासी यासिर चला रहा था और राहुल पीछे बैठा था। घर से चंद कदम पहले ज्वाला देवी मंदिर के सामने पीछे से आए ऑटो सवार ने बाइक में टक्कर मार दी। इसके बाद यासिर अनियंत्रित हो गया। ऑटो से निकले दो युवकों में एक ने असलहा निकालकर फायर कर दिया। फायर होने के बाद गोली राहुल के पीठ की ओर लग गई। इसके बाद राहुल ने पड़ोस के घर में घुसकर किसी तरह अपनी जान बचाई। बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद नदेसर की तरफ भाग निकले। परिवारीजनों की सहायता से घायल को मलदहिया स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बुधवार सुबह तक उपचार जारी था। एसीपी कैंट अभिमन्यु मांगलिक ने घायल का हाल जाना और पूछताछ के साथ ही पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे से फुटेज खंगाल कर पुलिस आरोपितों को चिन्हित करने में जुटी है।

क्विक न्यूज

आयकर जीएसटी विभाग में लगी टीके की सेकेंड डोज

वाराणसी। आयकर/जीएसटी कार्यालय में तीसरी टीकाकरण कैंप संपन्न हो चुका है।वाराणसी प्रभार के सभी अधिकारीएकर्मचारी एवं उनकी परिवार के लोगए वाहन चालक एवं सुरक्षा कर्मी सहित सभी का शत प्रतिशत टीकाकरण ही हमारा लक्ष्य है। वाराणसी प्रभार के कोई भी व्यक्ति टीकाकरण से वंचित नही रहना चाहिए। यदि टीकाकरण से वंचित रहे गए है तो आगे और कैंप लगवाने पर विचार किया जाएगा। कुछ दिन के भीतर चौथा कैंप भी लगवाया जायेगाए जून में लगे टीका के प्रथम डोज धारक को 2दक डोज के लिए भी कैंप लगवाया जायेगा। आयकर कर्मचारी महासंघए वाराणसी ने इस कैंप के लिए भरपूर सहयोग किया। विशेष रूप से अमन चित्रांशी जी ने इस कैंप के लिए अहम योगदान दिया। जीएसटी के अधिकारी अनिल मथलानीए संयुक्त आयकर आयुक्त जी पी सिंहए आयकर अधिकारी के के श्रीवास्तवए जितेंद्र यादवए जे पी चौबे एवं आयकर कर्मचारी महासंघ के सहायक जोनल सचिव गौतम कुमार बरुआए अध्यक्ष राज कुमार सिंहए अमन चित्रांशी जी मजूद रहे।

दहेज उत्पीड़न का मुकदमा हुआ दर्ज

बीजपुर/सोनभद्र। पुलिस ने स्थानीय थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा बीजपुर के पुनर्वास प्रथम निवासी नागेंदर प्रसाद पुत्र गंगाराम केवट के ऊपर पुलिस ने उसकी पत्नी सरोज देवी पुत्री रामपति निवासी मध्य प्रदेश प्रान्त जनपद सिंगरौली थाना बैढ़न ग्राम उर्ती के तहरीर पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा सोमवार की देर सायं दर्ज कर लिया था। पत्नी की तहरीर पर बीजपुर पुलिस ने सोमवार को आरोपी नागेंदर प्रसाद पुत्र गंगाराम केवट निवासी ग्राम सभा बीजपुर टोला पुनर्वास प्रथम के ऊपर मुकदमा लिखने के उपरांत विवेचना की मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिर तार करके विवेचना के दौरान पाए गए वास्तविकता के आधार पर सुसंगत धाराओं में चालान कर अग्रीम कार्रवाई के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया।

टोक्यो में भारतीय टीम को दीं शुभकामनाएं

धानापुर/चन्दौली। शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा महाविद्यालय क्रीड़ा परिषद के अंतर्गत टोक्यो ओलंपिक में आयोजित खेल समारोह में भाग लेने वाले भारतीय टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसमें भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए गोष्ठी का आयोजन कर शुभकामनाएं दी गयी। गोष्ठी की शुरुआत शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉक्टर नौशाद अहमद ने भारतीय टीम जो टोक्यो ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन किया और कहा कि सभी खिलाड़ी पदक जीत कर देश के मान को विश्व पटल पर लाएं जिसके लिए महाविद्यालय परिवार बहुत सारी शुभकामनाएं देता है। महाविद्यालय क्रीडा परिषद के उपाध्यक्ष पूनम निर्मल ने भारती महिला टीम ने कहा कि कि वह अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारत को मेडल दिलाएं इतिहास विभाग के किरण यादव ने भारतीय ओलंपिक टीम को पूरी तरह से अच्छा प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महाविद्यालय डॉक्टर राम नरेश शर्मा सहित महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

जीआरपी व आरपीएफ ने संयुक्त रूप से किया मॉकड्रिल

मुगलसराय/चन्दौली। लखनऊ एटीएस द्वारा गिरफ्तार आतंकियों और पीएम मोदी के वाराणसी कार्यक्रम आयोजन को देखते हुए जीआरपीए आरपीएफव डॉग स्कवॉड की टीम ने डीडीयू स्टेशन पर मॉकड्रिल किया। इस दौरान स्टेशन के पीएचबी में एक लावारिश बैग मिला जिसकी जाँच में किसी भी प्रकार की सन्दिग्ध वस्तु नहीं मिली । मिली जानकारी के अनुसार जीआरपी और आरपीएफडीडीयू ने संयुक्त मॉक ड्रिल किया। इस दौरान डॉग स्कायड की टीम के साथ स्टेशन के प्लेटफॉर्म व ट्रेनों सहित स्टेशन परिसर में चेकिंग की गई । चेकिंग के दौरान यात्री प्रतिक्षालय में एक लावारिस बैग मिला । जिसके बाद जीआरपी और आरपीएफकी टीम ने उसकी जाँच की तो बैग में किसी प्रकार का संदिग्ध वस्तु नही मिला । आप को बता दें कि डीडीयू जंक्शन हावड़ा. दिल्ली रेल रूट के महत्वपूर्ण स्टेशनों में सुमार है । जहाँ से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रेनों से हजारों की संख्या रेल यात्री सफर करते हैं । इस सम्बंध में जीआरपी प्रभारी अशोक कुमार दुबे ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आए दिन स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया जाता है ।

कोविड में अनाथ 46 बच्चों को अनुदानित करेंगे केंद्रीय मंत्री

सोनभद्र। कोविड संक्रमण के दौरान अपने माता-पिता को खोने वाले ऐसे अनाथ बच्चों की जिंदगी अब सवरने लगी है। जिले के 46 अनाथ बच्चों को 17 जुलाई को मु यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत अनुदान राशि वितरित की जाएगी। यह राशि बच्चों के भरण पोषण एवं शिक्षा चिकित्सा आदि के लिए दी जाएगी, जिससे उनका जीवन संवर सके और उन्हें किसी तरह की कोई दिक्कत न हो जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरेंद्र प्रोत्सायन ने बताया कि 17 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभागार में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री हरदीप एस पुरी द्वारा जनपद के 46 अनाथ बच्चों को अनुदान राशि वितरित किया जाएगा। जिन्होंने करोना काल में अपने माता पिता को खो दिया है।उन्होंने बताया कि कोविड काल में अनाथ हुए बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए मु यमंत्री बाल सेवा योजना शुरू की गई है। जिससे इस योजना का लाभ अधिक से अधिक बच्चे उठा सकें। जिला प्रोबेशन अधिकारी के मुताबिक 18 वर्ष तक के ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता में से किसी एक की मृत्यु कोविड काल में हो गई हो और अनाथ हुए बच्चे के संरक्षक की वार्षिक आय तीन लाख हो वह बच्चे मु यमंत्री बाल सेवा योजना का लाभ उठा सकेंगे। बच्चों के वैध संरक्षक को 4 हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। इसके अलावा जो बच्चे पूरी तरह से अनाथ हो गए हैं उनको विभाग द्वारा संचालित संस्थाओं में सुपुर्द कराया जाएगा। उनको कक्षा 6 से 12 तक की शिक्षा के लिए अटल आवासीय व कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में प्रवेश दिलाया जाएगा । जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि मु यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत अनाथ हुए बच्चों को कक्षा 9 उत्तीर्ण होने पर टैबलेट एवं बालिकाओं के 18 वर्ष पूर्ण या इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने पर शादी के लिए एक लाख एक हजार रुपए दिए जाएंगे।

सपा कार्यालय में अल्पसंख्यक सभा की हुई बैठक

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निर्देशानुसार 15 जुलाई को तहसील मुख्यालय पर होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए अल्पसंख्यक सभा की बैठक पार्टी कार्यालय लोहिया ट्रस्ट पर जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक इलियास खान के द्वारा संपन्न हुईद्य इस अवसर पर इलियास खान ने कहा कि क्षेत्र पंचायत प्रमुख एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनावो में भाजपा सरकार द्वारा की गई। धांधली से लोकतंत्र की हत्या के विरोध और बढ़ती महंगाई बिगड़ती कानून व्यवस्था नौजवानों की बेरोजगारी के विरोध बिगड़ी कानून व्यवस्था किसानों के ऊपर थोपे जा रहे काला कृषि कानून, महिलाओं से दुर्व्यवहार, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, कार्यकर्ताओं पर फर्जी केस लगाने, और प्रशासन द्वारा सत्ता के दुरुपयोग पर जिसके विरोध में जिले के सभी तहसील मुख्यालयों पर होने वाले प्रदर्शन में आप लोग शामिल होकर सफल बनाएं।

पंचायत चुनाव परिणाम बताते हैं प्रदेश में सुशासन का राज:दिलीप

- नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख व जिला पंचायत सदस्यों का हुआ अभिनन्दन

संवाददाता। सोनभद्र

भारतीय जनता पार्टी सोनभद्र द्वारा नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुख एवं जिला पंचायत सदस्यगणों का अभिनन्दन समारोह जिला कार्यालय पर आयोजित किया गया। अभिनन्दन समारोह को संबोधित करते हुए मु यअतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष दिलीप सिंह पटेल ने कहा कि सोनभद्र में भारतीय जनता पार्टी की सभी ब्लॉको में हुई ऐतिहासिक विजय में प्रत्येक कार्यकर्ता एवं पार्टी के विचारों की जीत हुयी है। सबका साथ सबका विकास एवं सबका विश्वास को अपना मंत्र मानकर कार्य करने वाली भाजपा को जनमत देकर जनता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में सुशासन का राज कायम है समूचे काशी क्षेत्र में शतप्रतिशत ब्लॉको में पार्टी की विजय हुयी जिसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता बधाई के पात्र है। हमे पद मिला है तो उसे सेवा का संकल्प मानकर अपने क्षेत्र के विकास में सहयोग करें इस चुनाव में विजयी सभी ब्लाको प्रमुखो व जिला पंचायतों को बधाई देते हुए आगामी विधानसभा के चुनाव में विजय हासिल करने के लिए हम सभी को संकल्पित होना चाहिए। समारोह कि अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि लगातार तीन महिने से सभी कार्यकर्ता तन मन धन से इस पंचायत चुनाव में लगे रहे कोरोना के विषम परिस्थिति में भी संघर्ष करते हुए आज इस ऐतिहासिक जीत की सूत्रधार सभी कार्यकर्ताओं को नमन करते है साथ ही साथ नवनिर्वाचित सभी जिला पंचायत सदस्यों को भी स्वागत करते है जिन्होने विपरित परिस्थितिओं के साथ दुरुह क्षेत्र होने के बाद भी घर घर पहुंचकर पार्टी के किये गये कार्यो को जनता के बीच मे रखकर विश्वास दिलाया है तभी ऐतिहासिक जीत हुई है क्षेत्र पंचायत चुनाव मे भी जिले के 10 ब्लॉक में पार्टी एवं सहयोगी दल की ऐतिहासिक जीत हुई है आगे आने वाले 2022 चुनाव को भी फतह करने का आवाह्न करते हुए अपनी बात समाप्त किया। इस अवसर पर सदर विधायक भूपेश चौबे ओबरा विधायक संजय गोंड़ निवर्तमान जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा पूर्व विधायक तीरथराज पूर्व सांसद छोटेलाल खरवार ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उनके बल पर मिली इस ऐतिहासिक विजय पर धन्यवाद ज्ञापित किया।समारोह का संचालन जिला महामंत्री कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया।इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य अनिल सिंह गौतम कुसुम शर्मा, जिला महामंत्री रामसुन्दर निशाद जीत सिंह खरवार अमरनाथ पटेल जिला कन्हैया जायसवाल विनोद पटेल जिला एसीएसटी आयोग के सदस्य अमरेश चेरो रंजना सिंह विशाल पाण्डेय आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो पिकअप गोवंश बरामद, तस्करों के कब्जे से असलहा बरामद

चकिया, शहाबगंज। चंदौली जिले की शहाबगंज पुलिस ने बिशुनपुरा गांव के पास से दो पिकअप गाड़ी बरामद कर उस पर लदे 11 राशि जिंदा व चार राशि मृत गायों को बरामद किया है तथा गाड़ी के साथ टिंकू सोनकर निवासी लेवा थाना बबुरी व अमन साहनी निवासी अदलपुरा थाना चुनार जनपद मिर्जापुर को एक 315 बोर के तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में बताया गया कि जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर अपराध नियंत्रण को लेकर दिए गए निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के द्वारा गठित टीम ने उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी की है।बताया जाता है कि पुलिस को मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि बबुरी की ओर से दो पिकअप पर पशुओं को बेरहमी पूर्वक लादकर बध हेतु बिहार के रास्ते से पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा है। जिस सूचना पर पुलिस ने दोनों पिकअप को घेराबन्दी कर पकड़ लिया। गाड़ी रुकते ही दोनों गाड़ियों से एक एक व्यक्ति खेत में भागने में सफल रहे जबकि दो पकड़े गए।

खुद नहरों की सफाई में जुटे भाजपाई

सकलडीहा/चन्दौली। धान का कटोरा कहे जाने वाले चंदौली इन दिन नहरों की साफ सफाई और पानी की समस्या से जूझ रहा है। किसानों की शिकायत पर सकलडीहा विधान सभा प्रभारी भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी गांव गांव जेसीबी लेकर नहरों की साफ सफाई कराकर किसानों की समस्या दूर करने में जुट गये है। बुधवार को अमिलाई ओरवा माइनर की साफ सफाई कराकर दर्जनों गांव के किसानों को राहत पहुंचाया है। भाजपा नेता के पहल का किसानों ने सराहना किया है।

एक ओर मौसम की बेरूखी और दूसरी ओर सिंचाई विभाग की लापरवाही का किसान दंश झेल रहे है। धान की नर्सरी करने के लिये किसान डीजल इंजन से प्रतिदिन हजारों खर्चकर धान की नर्सरी रोपने को मजबूर है। पिछले कई दिनों से अमिलाई ओरवा माइनर, पंडुकपुर माईनर, सकलडीहा अमावल राजवाहा, मनियारपुर खोर माइनर, सेवखर राजवाहा, घरचित तेनुवट राजवाहा पानी तो दूर झाड़ झंखाट से पटा पड़ा हुआ है। जबकि शासन का नहरों की साफ सफाई का निर्देश है। बाबजूद सिंचाई विभाग के अधिकारी कुंभकरणी निद्रा में सो रहे है। किसानों की समस्या पर सकलडीहा विधान सभा प्रभारी सूर्यमुनी तिवारी खुद जेसीबी लेकर ओरवा अमिलाई, पंडुपुर आदि माइनर की साफ सफाई कराकर दर्जनों गांव के किसानों को राहत दिलाया। किसानों ने भाजपा नेता के इस पहल का सराहना किया। इस बाबत भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी ने बताया कि किसानों की हर समस्या का समाधान किया जायेगा। इस मौके पर सर्वेश पाण्डेय , मनोज पाण्डेय, घनश्याम तिवारी, गोपाल राजभर, मुन्नीलाल मौर्या, रोहित पाण्डेय, पिंटू सिंह, रामलाल राजभर ,पप्पू पाण्डेय ,रिंकू पांडेय, सूरज पांडेय आदि किसान मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

मऊ। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम बुद्धिसागर मिश्र ने मुहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वलीदपुर में हत्या का प्रयास के मामले में आरोपी मुहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के वलीदपुर मठिया निवासी रामानंद की जमानत अर्जी सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने यह आदेश बचाव पक्ष एवं अपर जिला शासकीय अजय कुमार सिंह को सुनने के उपरान्त उनके तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पारित किया। वादी नगर पंचायत वलीदपुर निवासी रामविलास ने 14 फरवरी 2021 को प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोपी पर अभियुक्तगण के साथ मिलकर वादी के घर में घुस कर वादी के भाई शिवशंकर व माता गिरिजा देवी को जान मारने की नीयत से फायर करने का आरोप है।

जिला अस्पताल में नौ डाक्टर मिले अनुपस्थित

- सीएमएस ने वेतन अवरुद्ध करते हुए जारी किया नोटिस

संवाददाता। मऊ

जिला अस्पताल के चिकित्सकों के उपस्थिति रजिस्टर की जांच करते सीएमओ

जिला अस्पताल में आए दिन चिकित्सकों की अनुपस्थिति एवं दुर्व्यवस्था की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को सीएमओ डॉण् सतीश चंद्र सिंह ने औचक निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्साधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल के नौ चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए। सीएमओ ने अनुपस्थित सभी चिकित्सकों का वेतन अवरुद्ध करते हुए नोटिस जारी किया है। सीएमओ के औचक निरीक्षण से पूरे दिन अफरा.तफरी मचा रहा। सौ बेड के जिला संयुक्त चिकित्सालय में वैसे तो सरकार द्वारा सभी अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही एवं आए दिन चिकित्सकों के अनुपस्थित रहने के कारण जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मरीजों व तीमारदारों को नहीं मिल पा रहा है। जिला संयुक्त चिकित्सालय में दुर्व्यव्यवस्था की शिकायत जिले के संभ्रांत नागरिकों समेत भाजपा नेताओं ने जिलाधिकारी अमित सिंह बसंल एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सतीश चंद्र सिंह से किया। जिला अस्पताल में दुर्व्यवस्था की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सतीश चंद्र सिंह दलबल के साथ जिला संयुक्त चिकित्सालय का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। सीएमओ ने निरीक्षण के दौरान सबसे पहले ओपीडी कक्ष का निरीक्षण किया। मुख्य चिकित्साधिकारी के निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल के नौ चिकित्सक अनुपस्थित पाए गए। सीएमओ के निरीक्षण के दौरान डॉ. हेमंत सिंह, डॉ. अनवर सज्जाद, डॉण् एनके सिंह, डॉ. विनय कुमार, डॉ. आरपी पाल, डॉ संदीप कुमार, डॉ सीएस साहनी, डॉ. विवेक तथा डॉ एमके गुप्ता अनुपस्थित पाए गए। वहीं दूसरी तरफ मुख्य चिकित्साधिकारी के औचक निरीक्षण की सूचना मिलते ही कई चिकित्सक आनन.फानन में जिला अस्पताल के ओपीडी कक्ष में पहुंचे।

जल शक्ति मंत्रालय ने वर्चुअल मीट के माध्यम से की समीक्षा

कानपुर देहात। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजनान्तर्गत जल शक्ति अभियान -कैच द रेन के तहत भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा वर्चुअल मीट के माध्यम से कैच द रेन के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किये गये, वर्षा जल संचयन के सम्बन्ध में बताया गया कि परम्परागत जल के स्त्रोतों का संरक्षण, पुनः परिवर्तन, कायाकल्प करना जरूरी है, इसके साथ ही साथ वर्षा जल के संचयन को बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा वनों को लगाना जरूरी है। वहीं सीडीओ ने बताया कि जनपद में कैच द रेन के लिए दसों विकास खण्डों में कार्ययोजना बनायी गयी है जिसके तहत वर्षा के पानी का संचयन किया जायेगा।

किशोरी को भगाने का मुकदमा दर्ज :गुरसहायगंज (कन्नौज)। नाबालिग किशोरी को युवक अपने साथियों की मदद से बहला-फुसलाकर भगा ले गया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कार्यालय अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद उरई

पत्रांक -(2021-22) निर्माण -उरई- दिनांक : -12.7.2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य वित्त आयोग से स्वीकृत कार्यों की निविदा दिनांक 03.08.2021 को अपरान्ह 02.00 बजे तक निविदायें जिलाधिकारी जालौन स्थान उरई/प्रभारी अधिकारी (स्था0 निकाय) के यहां आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.08.2021 को सायकाल 05.00 बजे तक निर्धारित मूल्य देकर निम्न स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं।

1. जिलाधिकारी कार्यालय व कार्यालय नगर पालिका परिषद उरई।
2. निविदा दिनांक 03.08.2021 अपरान्ह 03.00 बजे मा0 अध्यक्ष महोदय की उपस्थिति मे निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (रू0 में)	निविदा मूल्य (रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	समयावधि
01	टाउन हाल में FLAG MAST लगाने हेतु प्लेटफार्म का निर्माण कार्य।	837200.00	985.00	0.84	01 माह
02	टाउन हाल में FLAG MAST लगाने का कार्य।	996800.00	1175.00	1.00	01 माह

शर्तें :-

1. निर्धारित धरोहर धनराशि एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में अधिशासी अधिकारी के पदनाम से बन्धक कराकर अलग-2 निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। यदि धरोहर धनराशि निविदा में संलग्न नहीं होगी। निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
2. शासनादेश अनुसार निविदा के साथ रू0 100.00 के स्टाम्प पेपर पर स्व-घोषणापत्र, शपथपत्र नोटरी द्वारा सत्यापित करा प्रस्तुत करना एवं प्रत्येक निविदा के साथ टी-4, टी-5 की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3. निविदा फार्म पर निविदा रेट (दरें) प्रतिशत आधार पर स्पष्ट अंकित होना चाहिए। उसमे किसी प्रकार की कटिंग नहीं होनी चाहिए।
4. सशर्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. नियामानुसार आयकर एवं व्यापार कर, श्रमकर, रायल्टी आदि की कटौती की जायेगी।
6. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित कीमत के स्टाम्प पर अनुबन्ध करना अनिवार्य होगा तथा साथ ही एक बान्ड/शपथपत्र भी देना होगा।
7. शासनादेश के अनुसार अनुभव अधिकृत प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।
8. निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अध्यक्ष नगर पालिका परिषद उरई को होगा।
9. सी0सी0 निर्माण कार्य मे बाइब्रेटर चलाना आवश्यक होगा।
10. अनुबन्ध होने के पश्चात ठेकेदार को लेवर लाइसेन्स मे पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।
11. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कार्य के विवरण का वोर्ड साइड पर लगाना अनिवार्य होगा।
12. निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व, कार्य करने के दौरान व कार्य समाप्ति की फोटो लगाना अनिवार्य होगा।
13. ऐसे फर्म या ठेकेदार जिनके नाम से अविवादित नगर पालिका या पूर्व के कोई कार्य स्वीकृत हुआ है और कार्यदेश जारी हो चुका है। किन्तु स्थल पर कार्य प्रारम्भ नहीं किए है उन्हे अपात्र मानते हुए उनकी फाइनेन्शियल बिड नहीं खोली जायेगी।
14. फर्म/ठेकेदारों का निदेशालय के पत्रांक TC/314/8DLB/2020 दिनांक 01.01.2021 का पालन करना होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद उरई

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद उरई।

DHFL Changing Rules Changing Lives

राष्ट्रीय कार्यालय : एचडीआईएल टावर्स, बी-विंग, छठा तल, अनंत कानेकर मार्ग, बान्द्रा (ईस्ट), मुंबई-400051
शाखा कार्यालय : धीरज बाग, बिल्डिंग "ए" भू तल एवं प्रथम तल, ऐक्सिस बैंक के बगल में, मोनालिसा बिल्डिंग के सामने, आगरा रोड, हरि निवास सर्किल, नौपाडा, थाने (वेस्ट)-400 602

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3(1) के अधीन। अधोहस्ताक्षरी वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनरनिर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (उक्त अधिनियम) के अधीन दीवान हाउसिंग फाइनैंस कारपोरेशन लिमिटेड (डीएचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी है। प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अधीन मांग सूचनाएं जारी की थीं, जिनमें निम्नलिखित कर्जदार(रों) ("उक्त कर्जदार(रों)") से उनको जारी की गई संबंधित मांग सूचना(ओं) में वर्णित राशियां, जो यहां नीचे भी दी गई हैं, चुकाने की मांग की गई थी। उपरोक्त के संबंध में, एतदद्वारा, उक्त कर्जदार(रों) को, एक बार पुनः, डीएचएफएल को यहां नीचे दी गई राशियों का भुगतान, उक्त कर्जदार(रों) द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेज/प्रलेख, यदि कोई, के साथ पठित ऋण अनुबंध के अधीन देय, नीचे वर्णित तिथि(यों) से, भुगतान तथा/अथवा वसूली की तिथि तक, लागू दर पर आगे ब्याज सहित, इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने हेतु सूचना दी जाती है। उक्त कर्जदार(रों) द्वारा ऋण की सम्यक वापसी के लिए प्रतिभूति के रूप में निम्नलिखित आस्तियां डीएचएफएल के पास बंधक रखी गई हैं।

कर्जदार (रों)/गारंटर (रों) का नाम	मांग सूचना तिथि और राशि एनपीए तिथि सहित	प्रत्याभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन
(मेरठ शाखा का एलसी नंबर : 00001150) दाता राम (कर्जदार) रामेश्वरी आर (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 13,52,972/- (रूपए तेरह लाख बावन हजार नौ सौ बहत्तर मात्र) एनपीए (11-05-2020)	प्लॉट नंबर 25, एवं 26, खसरा नंबर 110 एवं 112 के भाग पर मकान, गोल्डन विहार कालोनी, निकट गोल्डन बेल चिल्ड्रन एकैडमी, ग्राम सूंडपुर उर्फ पाठनपुरा, मेरठ, उत्तर प्रदेश-250001
(हरिद्वार शाखा का एलसी नंबर : 00002158) तय्यब अली (कर्जदार) खालिद (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 13,44,073/- (रूपए तेरह लाख चौवालीस हजार तिहत्तर मात्र) एनपीए (10-12-2020)	प्लॉट नंबर 25, एवं 26, खसरा नंबर 2143 का भाग, कृष्ण नगर फेज-1, सलेमपुर महदूद 2, परगना रूडकी, हरिद्वार, उत्तरांचल -249402
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00003234) धीरेन्द्र कुमार सिंह (कर्जदार) आइशा धीरेन्द्र सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 13,42,732/- (रूपए तेरह लाख बयालीस हजार सात सौ बत्तीस मात्र) एनपीए (11-03-2021)	प्लॉट नंबर 12 पर मकान, खसरा नंबर 172/2 मिन, ग्राम माल्हापुर, वार्ड हैदर गंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226020
(मेरठ शाखा का एलसी नंबर : 00001667) साबिर अली (कर्जदार) बारेसा (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 13,30,564/- (रूपए तेरह लाख तीस हजार पांच सौ चौंसठ मात्र) एनपीए (09-02-2021)	खसरा नंबर 345 एवं 348 मिन का भाग, रोशनपुर डोरली रूडकी रोड, परगना दौराला, सरधना, मेरठ, उत्तर प्रदेश-250110
(यमुनानगर शाखा का एलसी नंबर : 00000234) मोहम्मद वकील (कर्जदार) फरीदा पत्नी मोहम्मद वकील (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 13,28,527/- (रूपए तेरह लाख अठ्ठाईस हजार पांच सौ सत्ताईस मात्र) एनपीए (09-01-2021)	खसरा नंबर 1788 मिन, न्यू सम्राट विक्रम कालोनी गंगेश्वर, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश-247001
(लखनऊ - लालबाग शाखा का एलसी नंबर : 00042326) राम औतार (कर्जदार) रेशमा देवी (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 13,24,510/- (रूपए तेरह लाख चौबीस हजार पांच सौ दस मात्र) एनपीए (10-12-2020)	प्लॉट खसरा नंबर 15 मिन का भाग, ग्राम सेमरागौरी, वार्ड फैजुल्लागंज, तहसील एवं जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226005
(राजनगर शाखा का एलसी नंबर : 00001489) स्नेहा चंद्रा (कर्जदार) रजत बनर्जी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 13,18,034/- (रूपए तेरह लाख अठारह हजार चौंतीस मात्र) एनपीए (10-12-2020)	फ्लैट नंबर यूजीएफ-1, यूजीएफ आरएचएस साइड फ्लैट, प्लॉट नंबर 48, खसरा नंबर 1447, अक्षय एन्क्लेव फेज-2, ग्राम रईसपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201010
(लखनऊ - लालबाग शाखा का एलसी नंबर : 00044035) अनिल श्रीवास्तव (कर्जदार) दीप्ति श्रीवास्तव (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 13,08,583/- (रूपए तेरह लाख आठ हजार पांच सौ तिरासी मात्र) एनपीए (09-01-2021)	खसरा नंबर 472 के प्लॉट नंबर 36 पर मकान नंबर 545 ख/एमपी-742, मायापुरम, आलमनगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226005
(बरेली शाखा का एलसी नंबर : 00000396) पुष्पक कुमार (कर्जदार) अनीता देवी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,94,842/- (रूपए बारह लाख चौरानवे हजार आठ सौ बयालीस मात्र) एनपीए (09-02-2021)	खेत नंबर 487 का भाग, कंधारपुर, बरेली, उत्तर प्रदेश-243001
(हल्द्वानी शाखा का एलसी नंबर : 00003303) मुमताज अहमद (कर्जदार) मुशरफी (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 12,89,150/- (रूपए बारह लाख नवासी हजार एक सौ पचास मात्र) एनपीए (09-01-2021)	खसरा नंबर 425 का भाग, मोहल्ला धोबार तहसील सदर, रामपुर, उत्तर प्रदेश-244901
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00008083) राकेश दुबे (कर्जदार) सुमन दुबे (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 12,86,324/- (रूपए बारह लाख छियासी हजार तीन सौ चौबीस मात्र) एनपीए (10-12-2020)	म्युनिसिपल नंबर 555/के-226, खसरा नंबर 1455 का भाग, ग्राम कनौसी, वार्ड केशरी खेड़ा, निकट रेलवे क्रॉसिंग, लखनऊ उत्तर प्रदेश-226020
(मेरठ शाखा का एलसी नंबर : 00001344) नरेन्द्र कलकल (कर्जदार) गजेन्द्र सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,78,391/- (रूपए बारह लाख अठहत्तर हजार तीन सौ इक्यानवे मात्र) एनपीए (09-01-2021)	प्लॉट नंबर 138ए पर तृतीय तल पर फ्लैट, खसरा नंबर 553, ग्राम फफराना मोहल्ला राजबाला एन्क्लेव, मोदीनगर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201301
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00002890) वीरेन्द्र सिंह (कर्जदार) ओमवती वीरेन्द्र सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,68,490/- (रूपए बारह लाख अड़सठ हजार चार सौ नब्बे मात्र) एनपीए (11-03-2021)	खसरा नंबर 345 बी के भाग पर मकान, कालिंदी कालोनी, मौजा घेरूआ, तहसील मांट, मथुरा, उत्तर प्रदेश-281006
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00001635) मोहम्मद नफीसुद्दीन (कर्जदार) सोहिल अंजुम (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,66,902/- (रूपए बारह लाख छियासठ हजार नौ सौ दो मात्र) एनपीए (11-03-2021)	एलआईजी मकान नंबर 145, एक मंजिला, इंद्रापुरम योजना, निकट बैंक कालोनी, शम्शाबाद रोड, आगरा, उत्तर प्रदेश-282001
(नोएडा सेक्टर-2 शाखा का एलसी नंबर : 00042852) मोहित (कर्जदार) आरती (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,58,246/- (रूपए बारह लाख अठ्ठावन हजार दो सौ छियालीस मात्र) एनपीए (10-12-2020)	फ्लैट नंबर एसएफ-01, द्वितीय तल (फ्रंट आरएचएस), खसरा नंबर 206/9, गोपाला होम्स- I, ग्राम अकबरपुर बेहरामपुर, परगना लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201009
(वाराणसी शाखा का एलसी नंबर : 00005021) बदरे आलम खान (कर्जदार) अंजुम आरा (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 12,54,306/- (रूपए बारह लाख चौवन हजार तीन सौ छह मात्र) एनपीए (09-01-2021)	अराजी नंबर 208, मौजा मुगलचक परगना धूस चंदौली, चंदौली उत्तर प्रदेश-232101
(यमुनानगर शाखा का एलसी नंबर : 00000728) साजिद चौधरी (कर्जदार) फरहाना चौधरी (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 12,52,087/- (रूपए बारह लाख बावन हजार सतासी मात्र) एनपीए (11-03-2021)	प्लॉट नंबर 6, खसरा नंबर 661, वाके मौजा पाठनपुरा पंजाबी बाग शमशान घाट सहारनपुर, उत्तर प्रदेश-2470011
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00003229) जितेन्द्र कुमार (कर्जदार) रूबी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,51,525/- (रूपए बारह लाख इक्यावन हजार पांच सौ पच्चीस मात्र) एनपीए (11-03-2021)	प्लॉट नंबर 107 का भाग, खसरा नंबर 246के एवं 246बी, आदिनाथ वेदपुरम, मौजा धनौली, जगनेर रोड, आगरा, उत्तर प्रदेश-282001
(बरेली शाखा का एलसी नंबर : 00000304) नरेश कुमार शर्मा (कर्जदार) मोनिका शर्मा (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,41,257/- (रूपए बारह लाख इकतालीस हजार दो सौ सत्तावन मात्र) एनपीए (09-01-2021)	खसरा नंबर 336, 338 पर मकान, बाके विहार मन नगला मुंशी नगर बरेली, उत्तर प्रदेश-243001
(लखनऊ-लालबाग शाखा का एलसी नंबर : 00041420) राजू (कर्जदार) सुनीता राज (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,33,145/- (रूपए बारह लाख तेतीस हजार एक सौ पैंतालीस मात्र) एनपीए (09-01-2021)	खसरा नंबर 140 पर मकान, मिर्जापुर एमआईआई बीकेटी लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226020
(नई दिल्ली वेस्ट शाखा का एलसी नंबर : 00002090) धीरज कुमार (कर्जदार) बबीता देवी (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,30,749/- (रूपए बारह लाख तीस हजार सात सौ उन्चास मात्र) एनपीए (11-03-2021)	फ्लैट नंबर यूजी-2, यूजीएफ फ्लोर, रियर साइड, खसरा नंबर 505 एवं 506, ग्राम सरफाबाद, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश-201301
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00007574) जितेन्द्र कुमार (कर्जदार) लीलावती (सह-कर्जदार 1)	17-05-2021/रू. 12,23,330/- (रूपए बारह लाख तेईस हजार तीन सौ तीस मात्र) एनपीए (09-02-2021)	खसरा नंबर 247 स के भाग पर प्लॉट, ग्राम अलीनगर सुनहरा, वार्ड सरोजिनी नगर, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226020
(लखनऊ शाखा का एलसी नंबर : 00000821) इंदु सिंह (कर्जदार) राशि बिहारी सिंह (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,14,913/- (रूपए बारह लाख चौदह हजार नौ सौ तेरह मात्र) एनपीए (10-12-2020)	फ्लैट नंबर डी, द्वितीय तल, बालाजी कॉम्प्लेक्स, नंबर 532 क/220 क, खसरा नंबर 1146 एवं 1147, शेखपुर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226001
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00003444) आजाद हिंद झा (कर्जदार) रेणु आर (सह-कर्जदार 1)	12-05-2021/रू. 12,14,480/- (रूपए बारह लाख चौदह हजार चार सौ अस्सी मात्र) एनपीए (10-12-2020)	मकान नंबर 91, खसरा नंबर 182, मौजा बिचपुरी, कृष्ण धाम कालोनी, आगरा, उत्तर प्रदेश-282007
(आगरा शाखा का एलसी नंबर : 00000711) सुनील कुमार (कर्जदार) संगीता (सह-कर्जदार 1) योगेन्द्र सिंह (सह-कर्जदार 2)	12-05-2021/रू. 12,10,884/- (रूपए बारह लाख दस हजार आठ सौ चौरासी मात्र) एनपीए (09-01-2021)	प्लॉट नंबर 42, खसरा नंबर 489, 490, 492 एवं 493 पार्ट, निशिकान्त एन्क्लेव, निकट चांदपुर रोड, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश-203001

यदि उक्त कर्जदार डीएचएफएल को उपरोक्तानुसार भुगतान करने में विफल रहेंगे, डीएचएफएल अधिनियम की धारा 13(4) और लागू नियमों के अधीन उपरोक्त प्रतिभूत आस्तियों के विरूद्ध कार्यवाही प्रारंभ करेगी, जिसकी लागत और परिणामों की जोखिम के लिए उक्त कर्जदार पूर्णरूपेण जिम्मेदार होंगे। उपरोक्त आस्तियों का अंतरण डीएचएफएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना बिक्री, पट्टा या अन्य प्रकार से करने के संबंध में उक्त कर्जदारों पर अधिनियम के तहत रोक लगी है। कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिनियम अथवा उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है अथवा उस हेतु अभिप्रेरित करता है, अधिनियम के अधीन दी गई व्यवस्था के अनुसार कारावास तथा/अथवा आर्थिक दण्ड का भागी होगा।

तिथि : 15-07-2021
स्थान : उत्तर प्रदेश

हस्ता./-
(प्राधिकृत अधिकारी)
दीवान हाउसिंग फाइनैंस कार्पोरेशन लिमिटेड

मानसून ने दिया धोखा, किसान परेशान

- अषाढ़ का महीना खत्म होने को पर खेतों में अभी भी उड़ रही है धूल

अनिल कुमार। घाटमपुर

मानसूनी बारिश के दगा देने से किसानों में हाहाकार मचा हुआ है वही सूखे के पूरे हालत नजर आने के बावजूद न तो नहरों में पानी छोड़ा गया है और न ही खराब पड़े राजकीय नलकूपों को ठीक कराने की पहल की जा रही है। तहसील के बर्षा रिकार्ड की माने तो क्षेत्र में 18 और 19 जून को क्रमसा 8 व 6 मि0मी0 बारिश हुई थी जो गर्म तवे की तरह तपती जमीन में कही नजर नही आया, इसके बाद क्षेत्र में बादल तो आते रहे पर पानी नही बरसा। बीती 12, 13 व 14 जुलाई को क्रमसा 5, 6 व 2 मिमी बारिश हुई, तीन दिन में 13 मिमी बारिश में किसानों ने ज्वार, बाजरा, उर्द और मक्का की फसल बोयी थी, ग्राम प्रधान चितौली और चौबेपुर ग्राम प्रधान अयोध्या प्रसाद ने बताया कि वारिश कम होने और बीते एक सप्ताह से हो रही तेज धूप के चलते बोयी गयी ज्वार, बाजरा और तिली के बीज अंकुरित ही नही हुए है, समय से बरसात न होने से कुमड़ा और धान की फसल अवर्षण के चलते किसान बो ही नही पाये हैं जबकि नगद मूल्य की मानी जाने वाली कुमड़ा की खेती किसान बड़े पैमाने पर किसान करते है। जुरैयां गांव के किसान सतेंन्द्र बाबू तिवारी बताते हैं कि तिरहर के दर्जनों गांवों के अलावा राहा, शीतलपुर, जलाला, बेंदा, भदरस चिल्ली लौकाहा, बबुराहा, चौबेपुर हथेरुआ और मवई-भच्छन आदि गांवों के ज्यादा संख्या में किसान कुमड़ा की खेती के बाद गेंहू की फसल बोते हैं लेकिन किसी तरह निजी साधनों से सिचाई कर तैयार की गयी कुमड़ा की फसल वो भी तेज धूप और बरसात न होने से खराब हो गयी है।

ज्वार, बाजरा के बीज अंकुरित न होने से किसान मायूस

घाटमपुर-क्षेत्र में बीते दिनों हुई हल्की बरसात में किसानों ने उल्टा-सीधा करके ज्वार, बाजरा, तिली और उर्द की फसली बोयी थी लेकिन तेज धूप और गर्मी के चलते खेतों में बीज अंकुरित ही नही हुए हैं जिसको लेकर किसानों में मयूसी छायी है। किसानों ने बताया कि कुमड़ा और धान की खेती का समय निकल गया है बाजरा और तिली जैसी फसलों के बोने का समय भी धीरे-धीरे निकलता जा रहा है तथा बारिश के असार भी नजर नही आ रहे है।

चंपापुरवा में युवक ने लगाई फांसी, मौत

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सुबह के वक्त चाचा को घटना की जानकारी हो पाई। इस दौरान मृतक के चाचा की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए उन्नाव भेज दिया। हालांकि, युवक की मौत की स्तिथि स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार च पापुरवा निवासी मुकेश सोनकर पुत्र स्व रामपाल सोनकर ने मंगलवार देर रात अज्ञात कारणों से कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह के वक्त जब काफी देर तक मुकेश बाहर नहीं आया तो चाचा मैकू ने कमरे में जाकर देखा। इस दौरान वहां का दृश्य देखकर चाचा के होश उड़ गए। चाचा मैकू ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी लोगों को होने पर मृतक के घर के बाहर भीड़ लग गई।

डीएम के निर्देश पर फाइलेरिया की दवा के वितरण का सत्यापन

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सभी एसडीएम, खण्ड विकास अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों आदि को निर्देश दिये कि जनपद में फाइलेरिया अभियान के तहत लोगों को दवा खिलायी जा रही है उसका सत्यापन किया जाये। इसी क्रम में जिला विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र के ऐसे पांच गांवों का भ्रमण करे जहां दवा खिलायी/वितरण की जा रही है तथा उसका सत्यापन भी करें। इसी के तहत खंड विकास अधिकारियों द्वारा घर-घर फाइलेरिया अभियान के अंतर्गत संबंधित प्रभारी चिकित्साधिकारी के द्वारा दी गई सूची के आधार पर संबंधित ग्राम पंचायतों का सत्यापन कराया गया, सत्यापन के द्वारा ग्राम पंचायतों में ग्रसित व्यक्तियों को एल्बेडाजॉल, डी0ई0सी0 एवं आइवरमेक्टिन दवा का वितरण किया जा रहा है।

जिला विकास अधिकारी ने बताया कि खंड विकास अधिकारी रसूलाबाद द्वारा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत अलीपुर रामहार के मजरा अलीपुर में 20 परिवारों के 55 व्यक्तियों को दवा वितरण का सत्यापन किया गया। खंड विकास अधिकारी मलासा द्वारा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत डीघ (देवीपुर), गुलौली, किशोरपुर, ततारपुर (मदारीपुर), देवब्रम्हापुर(देवीपुर डेरा) में फाइलेरिया दवा का वितरण का सत्यापन किया गया। खंड विकास अधिकारी सरवनखेड़ा द्वारा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगटा, गोहाना, सीधामऊ एवं रौगांव में फाइलेरिया दवा का वितरण का सत्यापन किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार पर जानलेवा हमला

फतेहपुर। शहर के एक बहुचर्चित भू-माफिया ने अपने समर्थकों के साथ एक वरिष्ठ पत्रकार पर मंगलवार की देर रात ईंट-पत्थर व लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच-बचाव करने वाले भी कई लोग घायल हो गए। मंगलवार की रात अपने कार्यालय से घर जाते समय शासन से वरिष्ठ पत्रकार रईसउद्दीन पर भू-माफिया इश्तियाक कालिया अपने समर्थकों के साथ जान से मारने की नियत से लोहा की राड़ से वार कर दिया जिससे उक्त पत्रकार गम्भीर रूप से घायल हो गये। उन्हें पुलिस ने उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां इलाज चल रहा है। उपचार के दौरान पत्रकार ने बताया कि मंगलवार की रात वह अपने अखबार के कार्यालय से खबर भेजने के बाद घर आ रहे थे। तभी घर के पास ही भू-माफिया इश्तेयाक कालिया ने अपने समर्थकों के साथ जानलेवा हमला कर दिया।

बैक हो रहे ट्रक से हाइवे पर टकराई बस, पांच लोग घायल

गुरसहायगंज (कन्नौज)। कानपुर से दिल्ली की ओर जा रही रोडवेज बस हाइवे पर बैक हो रहे ट्रक से टकरा गई। जिससे बस में सवार पांच लोग घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस की सहायता से जलालाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बुधवार को दिल्ली की ओर से जा रही रोडवेज बस बैक हो रहे ट्रक में ग्राम सफ्फियापुर जीटी रोड पर टकरा गई। जिससे बस में सवार कामता प्रसाद निवासी रामपुर फतेहपुर, प्रदीप पुत्र जगन्नाथ ग्राम उस्मान जनपद बलिया, अर्चना पत्नी देवेंद्र तकीपुर मोह मदाबाद जनपद फर्रुखाबाद, देवेंद्र पुत्र जगदीश, धर्मेंद्र पुत्र हरपाल सिंह निवासी सौरिख गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें ग्रामीणों के सहयोग से आनन-फानन में एंबुलेंस द्वारा जलालाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां घायलों चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उधर घटना के पश्चात दोनों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। कोतवाली पुलिस ने वाहनों को हटाकर जाम को खुलवाया।

फाइलेरिया की दवा प्रत्येक नागरिक को खिलाई जाए: जिलाधिकारी

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कोविड महामारी से बचाव हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्टेउट सभाकक्ष में आयोजित किया जाता है। इसीक्रम में आज इस समीक्षा बैठक में वैक्सीनेशनए फाइलेरियाए गोल्डन कार्डए राहत जैसे महत्वपूर्ण विषयों की चर्चा की गयीए वैक्सीनेशन के सम्बन्ध में बताया गया कि जिले में जल्द ही वैक्सीन ज्यादा मात्रा में उपलब्ध हो जायेगीए जिससे सभी नागरिक का टीकाकरण किया जा सकता हैए फाइलेरिया के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर में आशाओं का भ्रमण हो और प्रत्येक जनपदवासी को फाइलेरिया की दवा खिलायी जायेए इस सम्बन्ध में जागरूकता फैलाई जाये जिससे इस बीमारी से नागरिक सुरक्षित हो सकेए डा0 एपी वर्मा ने बताया कि फाइलेरिया के दवा का वितरण लगातार चल रहा हैए इसमें सभी अधिकारी व कर्मचारियों का सहयोग मिल रहा हैए जनता भी इसको लेकर उत्साहित दिखायी दे रही हैए लेकिन मैथा के एक गांव छतैनी में प्रधान ने स्वयं न तो फाइलेरिया की दवा खाई और न ही गांव के लोगों को इसके लिए जागरूक बनायाए जिलाधिकारी ने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि हर जिम्मेदार व्यक्ति को अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए इन महत्वपूर्ण कार्य में भागीदारी निभाना चाहिएए।

अब इसरो छात्रों को कराएगा ऑनलाइन प्रोफेशनल कोर्स

- 20 जुलाई पंजीकरण की अंतिम तिथि, 26 से 30 जुलाई तक चलेगा प्रशिक्षण,5 अगस्त से पहले मिलेंगे प्रमाण पत्र

संवाददाता। पुखरायां, कानपुरदेहात

जिन छात्रों को घर बैठे प्रोफेशन कोर्सेज की पढ़ाई करना हैं, उनके लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन पांच दिवसीय ऑनलाइन सर्टीफिकेट कोर्स ?यूजफुलनेश ऑफ रिमोट सेंसिंग एण्ड जीआईएस फॉर इन्वायरमेंटल स्टडीज? का एक स्वर्णिम अवसर प्रदान कर रहा है। यह कोर्स ऑनलाइन यूट्युब चैनल के माध्यम करवाया जाएगा।

कानपुरदेहात के जिला विद्यालय निरीक्षक अरविंद कुमार द्विवेदी ने बताया कि 26 जुलाई 2021 से इस कोर्स का शुभारंभ किया जाएगा और 30 जुलाई 2021 को समापन किया जाएगा। पंजीकृत छात्रों की सुविधा के लिए प्रतिदिन दो शिफ्ट में कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इनमें प्रत्येक दिन 45 मिनट के दो ऑनलाइन व्याख्यान होंगे। सबेरे 10 बजे से पहली कक्षा और 12 बजे से दूसरी कक्षा संचालित की जाएगी। छात्रों को यदि लेक्चर में कहीं कुछ समझ में ना आए तो चैट बॉक्स के माध्यम से प्रश्न पूछे जा सकते हैं। व्याख्यान के अंत में प्रतिदिन प्रश्नोत्तरी आयोजित होगी। इसमें विद्यार्थियों को प्रतिभाग करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि छात्र/छात्रओं को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पांच दिवसीय ऑनलाइन सर्टीफिकेट कोर्स ?यूजफुलनेश ऑफ रिमोट सेंसिंग एण्ड जीआईएस फॉर इन्वायरमेंटल स्टडीज? के ऑनलाइन क्लासेज में रजिस्ट्रेशन एवं प्रतिभाग करने के लिए उन्हें सबसे पहले उसकी अधिकारिक वेबसाइडः पर विजिट करना आवश्यक होगा। रजिस्ट्रेशन कराने के लिए छात्र का पूरा नाम, कक्षा-10 की अंकतालिका, ईमेल और पासवर्ड, कोर्स के चयन का उल्लेख, पर्सनल डिटेल्स और जरूरी सभी कागजात अपलोड करने होंगे। आवश्यक जानकारी एवं सूचना देते हुए रजिस्ट्रेशन कराना पड़ेगा। 20 जुलाई 2021 रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि तय की गई है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपरांत विद्यार्थियों से फीडबैक लिया जाएगा और पांच अगस्त 2021 से पूर्व सर्टीफिकेट प्रदान किये जाएंगे। इच्छुक छात्र/छात्राओं के पंजीकरण के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य भी पहल करेंगे।

क्विक न्यूज

बीमारी से क्षुब्ध युवक ने काटा अपना गला

बांगरमऊ, उन्नाव। गंभीर बीमारी से क्षुब्ध होकर एक युवक ने ब्लेड से अपना गला काट लिया। रक्त अधिक बह जाने से युवक की मौत हो गई।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बदली पुरवा निवासी मुन्नी लाल निषाद का 23 वर्षीय पुत्र राम प्रताप उर्फ नन्हे अरसे से गंभीर बीमारी से ग्रस्त था। लंबी बीमारी के चलते वह अत्यधिक कमजोर भी हो गया था। काफी इलाज कराने के बाद भी उसे बीमारी से राहत नहीं मिल सकी। इसी से क्षुब्ध होकर आज रामप्रताप ने एकांत में ब्लेड से अपना गला काट लिया। जिससे रक्त की धार बह निकली। शरीर से अधिक रक्त बह जाने के चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

युवक ने चकमा देकर पार की बाइक

गुरसहायगंज (कन्नौज)। बाइक में पेट्रोल खत्म होने का बहाना करते हुए अज्ञात युवक ने एक अन्य बाइक सवार युवक को रोककर मदद मांगी और चकमा देकर उसकी बाइक को उड़ा ले गया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम बनियानी निवासी सूर्य प्रकाश पुत्र हरिव श द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि विगत 18 जून कि सुबह वह बाइक लेकर सुजन सराय की ओर जा रहा था। जैसे ही कुरियनपुरवा के निकट पहुंचा। उसी समय पहले से मौजूद एक अनजान व्यक्ति ने हाथ देकर बाइक को रुकवाया और बाइक में पेट्रोल खत्म हो जाने की बात कही। पेट्रोल पंप तक बाइक के साइलेंसर पर पैर लगा कर धक्का लगाने की बात कही। उसके द्वारा असमर्थता जताने पर उक्त युवक ने बाइक की अदला बदली कर कुछ दूर तक धक्का लगाने के पश्चात छोड़ दिया और बाइक लेकर फरार हो गया। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

परिजनों को दी किसान सुरक्षा बीमा योजना की आर्थिक मदद

गुरसहायगंज (कन्नौज)। कृषि रसायनों व दवाओं की खरीद पर किसानों को किसान सुरक्षा बीमा योजना के तहत दुर्घटना में किसानों की मृत्यु होने पर इफ्को एमसी क्रॉप साइंस के द्वारा दो मृतक आश्रितों को दुर्घटना बीमा योजना का लाभ दिया गया। बुधवार को इफ्को एमसी क्रॉप साइंस द्वारा कृषि रसायनों की खरीद पर किसान सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत दुर्घटना के दौरान निधन हुए किसान खनियापुर मर्दपुरा निवासी छक्की लाल व अशोक कुमार निवासी मानिकपुर अगोस इंदरगढ़ के पुत्रों राकेश चंद्र एवं ऋषभ के खाते में आरटीजीएस के माध्यम से एक-एक लाख की राशि प्रदान की गई। इस दौरान कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक मानसिक वर्मा, क्षेत्रीय विवरणकर्ता हरीश गंगवार, अनुज कुमार मौजूद रहे।

भूमि विवाद में भाभी व देवर को पीटा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। भूमि विवाद को लेकर भाभी और देवर को गांव के दो लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम महोना निवासी मनोरमा देवी पत्नी हरि प्रकाश द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि बीती शाम वह अपने घर के बाहर खड़ी थी। उसी समय गांव के हिरदेश कुमार, अर्चना देवी आए और जगह के विवाद को लेकर उसके साथ गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। बचाव में आए उसके देवर सत्येंद्र कुमार को भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने शराब सहित चार को पकडा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। बीते दिन हमराह सिपाहियों के साथ गस्त कर रहे सराय प्रयाग चौकी प्रभारी पंकज कुमार यादव ने मुखबिर की सूचना पर पंजाबी ढाबा के निकट अबैध शराब के विरूद्ध छापेमारी कर लहन नष्ट किया। कोतवाली पुलिस ने बुधवार को चार युवकों को 35 लीटर अवैध कच्ची शराब सहित उस समय हिरासत में ले लिया। जब वह अवैध कच्ची शराब को कहीं बेंचने की फिराक में जा रहे थे। पुलिस हिरासत में आरोपी युवकों ने अपना नाम बालकराम पुत्र खरगारी लाल निवासी सराय प्रयाग, रौतामई निवासी भीमसेन पुत्र गिरजा शंकर व नरेंद्र पाल पुत्र सरदार सिंह, अलमापुर निवासी धर्मपाल पुत्र रामपाल बताया है। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी युवकों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने कार्रवाई की है।

बाइक चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

बांगरमऊ उन्नाव। ईट भट्टे पर कार्यरत एक युवक की निशादेही पर पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद की है। बाइक चोर को पुलिस ने जेल भेज दिया । नगर के मोहल्ला कस्बा टोला निवासी संदीप पुत्र राजीव कहार नगर के बिल्हौर मार्ग पर गुमटी में चाय पकौड़ी की दुकान चलाता है। गत 11 जुलाई की रात नगर के मोहल्ला कस्बा टोला निवासी संदीप की बाइक हीरो पैशन उसके नानामऊ मार्ग स्थित होटल से गायब हुई थी। इधर उधर तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका । अंत मे उसने घटना की तहरीर कोतवाली में दी थी । घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस बाइक की तलाश में जुट गई थी। पुलिस ने आज एक भट्ठा मजदूर की निशादेही पर कल्याणी नदी पुल के निकट संदिग्ध बाइक सवार युवक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया ।किंतु रुकने के बजाय युवक बाइक लेकर भागने लगा ।जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया । पुलिस ने बाइक सवार युवक से बाइक के स बंध में पूछताछ की तो युवक पुलिस के प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सका । पुलिस बाइक समेत युवक को कोतवाली ले आयी और कड़ाई से पूँछ तांछ की ।पूछताछ में युवक ने बाइक चोरी करना स्वीकार किया। पकड़े गए युवक ने अपना नाम बौका यादव पुत्र जोधा यादव निवासी ग्राम घनौटी थाना कटिया जनपद गोपालगंज बिहार बताया । वर्तमान में युवक क्षेत्र के एक ईट भट्टे पर काम करता है ।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक पूरी होगी नींव भराई

श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मंदिर निर्माण की समीक्षा की ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ हुई मंत्रणा, आज भी जारी रहेगी समीक्षा बैठक

संवाददाता। अयोध्या

भगवान श्री राम लला के भव्य मंदिर निर्माण के लिए बनाया गया श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट लगभग पिछले 1 महीने से जमीन विवाद घोटाले में घिरा हुआ था। ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ संघ को भी जमीन विवाद घोटाला अपने संज्ञान में लेना पड़ा और चित्रकूट की बड़ी बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत के सामने ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्र को भी पेश होना पड़ा। जमीन विवादों के बीच में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के निर्माण समिति के अध्यक्ष पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र अयोध्या पहुंचे राम लला के दर्शन के बाद पहली पाली में राम जन्मभूमि परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और कार्यदाई संस्था एलएनटी व ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ परिसर में बैठक की। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में दूसरी पाली की बैठक अयोध्या के सर्किट हाउस में प्रारंभ हुई जहां श्री राम मंदिर निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और नए निर्णय भी लिए गए।

बैठक समाप्त होने के बाद ट्रस्ट के सदस्य डॉ अनिल मिश्र ने बताया कि सितंबर के अंतिम सप्ताह और अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक श्री राम मंदिर के नीव भराई का कार्य पूरा हो जाएगा और श्री राम मंदिर के दीवारों का कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने कहा श्री राम मंदिर निर्माण के कार्यों में तेजी लाई गई है और बहुत जल्द न्यू का कार्य पूरा हो जाएगा।

कुछ दिन पहले तक लगभग 18 लेयर का कार्य पूरा हो गया था शेष कार्य तेजी से चल रहा है। इसी बीच 20 साल से बंद पड़े पत्थर कटिंग के कार्य को भी पुन: जीवित कर दिया गया है जो बहुत जल्द प्रारंभ हो जाएगा सूत्रों की मानें तो लगभग 1000 मजदूर पत्थर तराशने का कार्य पूरा करेंगे। श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक 15 जुलाई को भी जारी रहेगा। महासचिव चंपत राय सदस्य अनिल मिश्र विमलेंद्र मोहन मिश्र टाटा और एलएनटी के एक्सपर्ट आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा भी रहे मौजूद।

धोखाधड़ी से निकाले 29 हजार

टाण्डा अम्बेडकरनगर। सीएचसी परिसर टाण्डा में स्थापित एल 2 एम सी एच टाण्डा के नोडल अधिकारी अपर मु य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर रामानंद सिद्धार्थ के बैंक खाते से 29 हजार रुपये धोखाधड़ी से निकाल गया। इस संबंध में कोतवाली टाण्डा पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा पंजीकृत किया है। नोडल अधिकारी ने बताया कि स्टेट बैंक में उनका खाता है। दिनांक 29/6/2021 को उनकी मोबाईल से यू पी आई के माध्यम से अनिधिकृत तरीके से 29 हजार रुपए निकाल लिए गए। इसकी शिकायत एवं इंक्वायरी के लिए उन्हों ने गूगल से कस्टमर केयर नंबर निकाल कर उस पर काल किया कुछ देर एक व्यक्ति से बात करने पर उस व्यक्ति ने सीनियर का फोन आने बात कह कर दूसरे व्यक्ति से बात कराने लगा। अमुक व्यक्ति बार बार अपर मुख्य अधिकारी अधिकारी के दूसरे एकाउंट का नंबर और पिन कोड मांग रहा था। उन्होंने एकाउंट नंबर और पिन कोड नहीं बताया। खाते से निकाले गए रुपए की दिलाने की पुलिस से मांग करते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग किया। इस संदर्भ टाण्डा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धोखाधड़ी आदि की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच की जा रही है।

स्वयं सहायता समूह का गठन कर आत्मनिर्भर बनें महिलाएं

प्रयागराज। उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में राज्यपाल के निर्देश पर गठित महिला अध्ययन केंद्र ने आज विवि द्वारा अंगीकृत सोरांव विकासखंड के अंतर्गत जैतवारडीह गांव में महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने महिलाओं की शिक्षा एवं आत्मनिर्भर बनने के प्रति जोर दिया। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन करने शिल्पकला जैसे कढ़ाई बुनाई सिलाई आदि से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारियां दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के द्वारा प्रदान की गई। ग्रामीण महिलाओं के सामान्य विवरण के साथ साथ शिक्षा एवं आर्थिक सरकारी योजनाओं आदि के बारे में सर्वे के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई। जिसमें अधिकांश महिलाओं ने स्वयं आत्मनिर्भर व स्वावलंबी होने के लिए सिलाई कढ़ाई संगीत कुम्हारी कला आदि के बारे में अपनी रुचि बतायी। अधिकांश महिलाओं का यह भी कहना है कि उन्हें स्वनिर्मित सामानों का उचित मूल्य नहीं मिलता। जिससे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण महिलाओं का जनधन योजना के अंतर्गत बैंक में खाता है। इसके साथ ही उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं जैसे मातृत्व सुमन योजना फ्री सिलाई मशीन योजना उज्जवला योजना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सुकन्या समृद्धि योजना आदि के बारे में महिला अध्ययन केंद्र के सदस्यों द्वारा जागरूक किया गया। ग्रामीण महिलाओं ने विश्वविद्यालय के इस प्रयास की सराहना की तथा इसका श्रेय विश्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को दिया। सह समन्वयक डा मीरा पाल ने ग्रामीण महिलाओं का स्वागत किया। सहायक समन्वयक डा साधना श्रीवास्तव ने महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन के बारे में ग्रामीण महिलाओं को अवगत कराया। धन्यवाद ज्ञापन डा अतुल कुमार मिश्र ने किया।

कृषि विवि की बेशकीमती जमीन की बिक्री के आरोप के बाद हुई निशादेही

मिल्कीपुर, अयोध्या। हाईवे के किनारे स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि विवि कुमारगंज की बेशकीमती जमीन विवि प्रशासन द्वारा बेचे जाने का आरोप कुमारगंज निवासी भाजपा नेता पवन कुमार उपाध्याय ने लगाया है। जिसकी बुधवार को विवि के प्रभारी संपत्ति अधिकारी की देखरेख में निशादेही की गई। कुमारगंज निवासी शिकायतकर्ता पवन कुमार उपाध्याय पुत्र स्वर्गीय पारसनाथ उपाध्याय ने राज्यपाल को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि कृषि विवि की कुमारगंज नगर पंचायत में फैजाबाद.रायबरेली हाइवे 330, के किनारे हनुमानगढ़ी के उत्तर स्थित भूमि गाटा संख्या 1950 रक्बा 0.8160 हेक्टेयर पर दो तीन माह पहले उद्यान विभाग के कब्जे में थी। उन्होंने इस जमीन को विवि के जिम्मेदार अधिकारी द्वारा चार लोगों को पांच करोड़ में बिक्री किए जाने का आरोप लगाया है। कहा कि उक्त जमीन पर खरीददारों द्वारा शापिंग माल का निर्माण कराया जा रहा है। शिकायती पत्र में बेचने और खरीदने वाले का नाम भी लिखा गया है। शिकायतकर्ता पवन उपाध्याय ने शिकायती पत्र में लिखा है कि हाइवे के किनारे कुमारगंज थाने के सामने स्थित गाटा संख्या 1242 पर उनके द्वारा जनसूचना मांगी गई थी। जिसमें विवि प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों की तरफ से गवाह की भूमिका में खुद को पेश किया है। बुधवार को जमीन की नाप जोख राजस्व कर्मियों द्वारा की गई। बुधवार को कृषि विवि के प्रभारी सुरक्षा अधिकारी शिव प्रताप सिंहए संपत्ति एवं प्रशासनिक अधिकारी सीताराम मिश्रा विश्वविद्यालय के सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी के साथ उक्त भूमि की निशादेही करके पिलर लगाये गए।

एबीवीपी के स्थापना दिवस पर संगोष्ठी के साथ महानगर इकाई का पुनर्गठन समारोह

अयोध्या। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी के पश्चात अयोध्या महानगर इकाई का पुनर्गठन समारोह संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अपर्णा मिश्रा, महानगर अध्यक्ष डॉ ज्योतिमा सिंहएमहानगर सहमंत्री सत्यम दूबे व महानगर संगठन मंत्री मयंक ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती व स्वामी विवेकानंद जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। महानगर अध्यक्ष की प्रस्तावना के पश्चात महानगर सहमंत्री सत्यम ने निवर्तमान सत्र का वृत्त प्रतिवेदन किया। तत्पश्चात महानगर अध्यक्ष डॉ ज्योतिमा सिंह ने चुनाव अधिकारी के आमंत्रण पश्चात इकाई भंग की घोषणा की और निर्वाचन अधिकारी डॉ शुचिता पांडेय ने अभाविप की निर्वाचन प्रक्रिया को समझाते हुए सर्वसम्मति से सत्र 2021.22 हेतु महानगर अध्यक्ष के रूप में डॉ ज्योतिमा सिंह जी व महानगर मंत्री के रूप में यश अग्रवाल के नाम की घोषणा की। महानगर अध्यक्ष व मंत्री ने अपने मनोगत में अभाविप को नए सत्र में अयोध्या महानगर के प्रत्येक शैक्षणिक संस्थानों तक प्रभावी बनाने के प्रयास का संकल्प लिया।तत्पश्चात महानगर अध्यक्ष डॉ ज्योतिमा सिंह ने सत्र 2021 की संपूर्ण महानगर इकाई की घोषणा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रान्त प्रवासी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुश्री अपर्णा मिश्रा ने कहा कि कार्यकारिणी ही विद्यार्थी परिषद के कार्यों का मूल आधार है जिसके बल पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी परिषद वर्ष भर छात्र हितों के लिए सक्रिय रहती है। इकाई के माध्यम से ही विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों को कार्यकर्ताओं के माध्यम से समाज में लाया जाता है और सशक्त इकाई के बल पर ही आज हम विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन हैं। नवनिर्वाचित इकाई अवश्य ही सफलता के नए प्रतिमान अयोध्या महानगर में स्थापित करेगी।

उपजिलाधिकारी के आदेश को दरकिनार कर रहे मातहत

अंबेडकरनगर। एसडीएम टाण्डा के स्पष्ट आदेश के बावजूद भी स्थानीय लेखपाल व कानूनगो की मिली भगत से कब्जा किये गये खेत पर उसके सही मालिक का कब्जा नहीं हो पा रहा है। मामला बसखारी विकास खण्ड के ग्राम पंजदहिया पाईपुर का है। लेखपाल व कानूनगो की भूमिका संदिग्ध है। भविष्य में इस मामले के सुलझने के कम ही आसार है। बसखारी विकास खण्ड के गांव बजदहिया पाईपुर निवासी जदगीश प्रसाद उपाध्याय ने एसडीएम टाडा को प्रार्थना पत्र देकर निवेदन किया था, कि गांव के ही जोगेन्द्र यादव पुत्र कन्हैया ने कब्जा कर लिया है। इसी वर्ष फरवरी में एसडीएम टाण्डा की मौजूदगी में उक्त खेत की पैमाइश करा कर निशानदेही करायी गयी। उस समय उक्त खेत में गेहू फसल होने के कारण एसडीएम ने स्थानीय लेखपाल संतराम प्रजापति व कानूनगो हुसैन अहमद को स त निर्देश के साथ यह कहा गया था कि गेहू कटते ही उक्त खेत पर पीडित का कब्जा करा दिया जाय। फसल कटने के बाद जगदीश प्रसाद ने लेखपाल व कानूनगो को लेकर अपना कब्जा लेने गये तो विपक्षी के बहकावे में आकर लेखपाल व कानूनगो ने एसडीएम द्वारा चिन्हित हदबंदी को मानने से इंकार करते हुए कब्जा नही दिलाया। लेकिन स पूर्ण खेत पर प्रार्थी का कब्जा न करा कर विपक्षी को काबिज कर दिया। एसडीएम की मौजूदगी में चिन्हित हदबंदी के अनुसार नापने को कहा तो लेखपाल कानूनगो स्पष्ट इनकार कर दिया।

क्विक न्यूज

महिलाओं को प्रेरित करने के लिए चलेगा अभियान

प्रयागराज। महिलाओं को प्रेरित करने के लिए एक नए चेहरे तापसी पन्नू का स्वागत किया है। नया वोग आईवियर कैम्पेन तापसी की उदार भावना को लेटस वोग के साथ सहजता से जोड़ता है। ब्रांड बिजनेस हेड गुंजन सहगल ने कहा कि महिलाओं में आत्मविश्वास और जीवन के प्रति उनके खास नजरिये के मालिक होने के बारे में ब्रांड का एक संदेश है। वास्तविक रूप से तापसी पन्नू एक स्वछंद महिला के रूप में सुंदरता एवं प्रज्ञावान का अनोखा मिश्रण है। वास्तविकता में ही वह एकमात्र महिला हैं जो हर उस लोकाचार का प्रतीक हैं। जिसका कि ब्रांड प्रतिनिधित्व करता है और जिसके लिए वह कहानी का प्रतिनिधित्व करने के लिए सबसे उपयुक्त भारतीय जाना माना चेहरा है। इस साल भारत में अपने ग्लोबल पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाया है। अभिनेत्री तापसी पन्नू कहती हैं मेरी शैली की प्राथमिकताएं ब्रांड के नए मजेदार और सजीले सार के साथ पूरी तरह मेल खाता है। स्वाभाविक रूप से कैम्पेन में तापसी को नए अंदाज में दिखाया गया है।

दुराचार के मामले में मुकदमा दर्ज

टाण्डा अम्बेडकरनगर। नाबालिग बालिका को डरा धमका कर तीन साल से दुराचार करने के मामले में पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामला टाण्डा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अजमेरी बादशाहपुर दर्जीपुर का है। उक्त गांव की रहने वाली बालिका ने आरोप लगाते हुए बताया कि तीन साल पहले जब वह नाबालिग और नासमझ थी तभी विपक्षी सुभाष पुत्र राम सकल निवासी ग्राम गोमनपुर थाना स मनपुर ने उसे डरा धमका कर उसके मांग में सिंदूर और गले में माला डालकर फोटो खींच लिया। और धमकी दिया कि किसी से कहा तो तु हारे घर वालों को जान से मार देंगे। विपक्षी ने उसे डरा धमकाकर कई बार जबरदस्ती गलत काम भी किया हैं। वादिनी ने बताया कि उसके मना करने पर विपक्षी ने 2/7/21 को उसकी फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया और उसके घर वालों को धमकी दे रहा है कि मुझे उसके साथ भेज दिया जाए नही तो सबका जीना हराम कर दूंगा। वादिनी ने यह भी बताया कि अब वह बालिग हो गई है और उसके साथ जाना नहीं चाहती है वह अपने पिता के साथ ही रहना चाहती है परंतु विपक्षी द्वारा बराबर उसे डराया और धमकाया जा रहा है। मामले में टाण्डा कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर धारा 363,366, 376,504,496 आईपीसी के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

बैठक से पहले अयोध्या के अधिकारियों से की मुलाकात

अयोध्या। अयोध्या पहुंचने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने अयोध्या के जिलाधिकारी व एसएसपी से मुलाकात की और भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण के बारे में जाना। सूत्रों की माने तो बैठक के पहले अधिकारियों से मुलाकात कर निर्माण समिति के अध्यक्ष जमीन विवाद और श्री राम मंदिर की सुरक्षा के बारे में जानकारी ली क्योंकि कुछ दिन पहले अयोध्या से लगभग 120 किलोमीटर दूर लखनऊ में कुछ आतंकी पकड़े गए थे

नवनियुक्त बीएसए नवीन तिवारी का किया स्वागत

प्रयागराज। वैचारिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन ने बुधवार को प्रयागराज के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार तिवारी का बुके देकर स्वागत किया। साथ ही निवर्तमान बीएसए संजय कुमार कुशवाहा को विदाई दी। प्रदेश अध्यक्ष डा ज्ञान प्रकाश सिंह ने प्रयागराज के नवनियुक्त बीएसए प्रवीन कुमार तिवारी का बुधवार को कार्यभार संभालने पर बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज संजय कुमार कुशवाहा को विदाई देते हुए उनके कार्यकाल की प्रशंसा की। इस दौरान समारोह में एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री यशवंत कुमार चौधरी मंडल अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह जिलाध्यक्ष नारायण सिंह पटेल कौड़िहार ब्लॉक अध्यक्ष विजय बहादुर शर्मा धनूपुर ब्लॉक महामंत्री जय प्रकाश यादव जिला मीडिया प्रभारी सौरभ भारती आदि उपस्थित रहे।

मारपीट का मुकदमा दर्ज

भीटी अंबेडकरनगर। रोजगार सेवक की तहरीर पर भीटी थाना अध्यक्ष ने ग्राम प्रधान पति के खिलाफमारपीट और गाली गलौज करने का मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामला भीटी थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रतावीपुर का है। जहां पर पीड़ित अमर पति तिवारी के द्वारा दिए गए तहरीर में आरोप लगाया गया है कि वह ग्राम पंचायत प्रतावीपुर में रोजगार सेवक के पद पर तैनात है। उसके ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत कार्य कराया जा रहा था 5 जुलाई को पीड़ित श्रमिकों की हाजिरी ले रहा था जिसमें बगैर जाब कार्ड धारक भी कार्य कर रहे थे। जिसमें अधिकांश श्रमिकों से पीड़ित ने कहा की जॉब कार्ड बनवा लो तब नियमानुसार कार्य करीये।आरोप है कि ग्राम प्रधान के पति संतोष तिवारी द्वारा उनकी भी हाजिरी लगाये जाने का दबाव बना रहे थे। पीड़ित द्वारा मना करने पर विपक्षी द्वारा भद्दी भद्दी गालियां देते हुए मारने लगे। पीड़ित की तहरीर पर भीटी थानाध्यक्ष ने 323,504,506 आईपीसी के तहत नामजद मुकदमा पंजीकृत कर लिया है

कृषि विवि में महिला अध्ययन केंद्र का हुआ शुभारंभ

मिल्कीपुर अयोध्या। महिला अध्ययन केंद्र खुलने से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा साथ ही महिलाओं के लिए रोजगार का रास्ता भी खुलेगा। विमेन स्टडीज कोर्स महिलाओं की विभिन्न जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है जिससे कि समाज में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया जा सके। यह बातें बुधवार को नरेंद्र देव कृषि विवि के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह ने कही। मुख्य अतिथि विवि के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंहएद्वारा कम्युनिटी साइंस कॉलेज में विमेन स्टडीज सेंटर का उद्घाटन डॉ ए पी राव निदेशक प्रसार, डॉ वी एन राय अधिष्ठाता कृषि, डॉ आर के मेहता कुलसचिवए डॉ आर के जोशी अधिष्ठाता पशु चिकित्साए डॉ डी नियोगी अधिष्ठाता छात्र कल्याण आदि की उपस्थिति में किया किया। कुलपति डॉ सिंह ने कहा कि इसका उद्देश्य कोई पाठ्यक्रम संचालित करना नहीं बल्कि बालिकाओं व महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाभिमान, आर्थिक स्वालंबन के लिए प्रेरित करना है।

संजय सिंह ने संभाला एनटीपीसी टांडा परियोजना प्रमुख का कार्यभार

संवाददाता। टांडा, अम्बेडकर

संजय कुमार सिंह ने सोमवार को एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। श्री केश्रीनिवास राव पूर्व परियोजना प्रमुख को कार्यकारी निदेशक के पद पर पदोन्नति के बाद तलचर स्थानांतरित कर दिया गया है। एनटीपीसी में 37 वर्षों की अपनी सेवा में श्री सिंह ने 3 मार्च 2020 को एनटीपीसी टांडा में महाप्रबंधक संचालन और रखरखाव के रूप में शामिल होने से पहले सिंगरौली, दादरी, ईओसी, गडरवारा सहित विभिन्न स्टेशनों पर काम किया है।

कार्यभार सौंपने पर श्री सिंह ने कहा–श्री राव के कुशल मार्गदर्शन में टीम टांडा के एक हिस्से के रूप में काम करना एक खुशी की बात है। विभिन्न विभागों के साथ निकट समन्वय में यूनिट को चालू करने की प्रक्रिया में मेरी भागीदारी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मैं एनटीपीसी टांडा की निरंतर प्रगति के लिए उन पाठों का उपयोग करने की पूरी कोशिश करूंगा।

श्री सिंह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी, कुरुक्षेत्र से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद 1984 से एनटीपीसी से जुड़े हुए हैं। 1999 में उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से विद्युत उत्पादन प्रौद्योगिकी में पूरा किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने इग्नू से वित्त में मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन किया है।

चोरी के मामले में तीन युवकों पर मुकदमा दर्ज

अंबेकरनगर। चोरी करने की नियत से घर घुसे तीन युवकों में से एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है पुलिस ने मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। मामला इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जहीदपुर का हैं। प्रदीप वर्मा पुत्र नंदलाल वर्मा निवासी ग्राम चितवई ने बताया कि वह फूफा के घर गया था कि रात्रि लगभग दो बजे दीप कुमार पुत्र खुशीराम निवासी नसीरपुर कैथी तारा खुर्द अनुराग वर्मा पुत्र उमाशंकर निवासी कल्याणपुर करिया पंडित पुत्र राजेश दुबे निवासी पंडित का पूरा थाना मालीपुर चोरी करने के नियत से घर में घुस गए कि तभी उसका छोटा भाई संदीप जो खेत में पानी लगा रहा था उसने देखा कि मकान के दरवाजे टूटे हुए हैं अंदर खटखट की आवाज आ रही है हल्ला गुहार करने लगा हल्ला गुहार की आवाज सुनकर हम लोगों ने देखा कि विपक्षी तीन युवक घर में घुसे हुए हैं। हम लोगों ने दीप कुमार को पकड़ लिया और उसके पास से 26000 रुपया एवं एक लोहे का सब्बल मिला जिसको लाकर थाने पर हम लोगों ने सुपुर्द कर दिया।

जहरीली शराब से मौत की बढ़ती घटनाओं पर कोर्ट ने जताई चिंता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जहरीली शराब पीने से मौत की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई है।कोर्ट ने कहा कि पैसे की लालच में नकली शराब बेचने वाले लोगों के जीवन से खेल रहे हैं। ये विधवाओं और अनाथों को जन्म दे रहे हैं। ये न केवल पीड़ित अपितु समाज के अपराधी हैं। जिन पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा प्रयागराज के फूलपुर की अमिलिया देशी शराब के ठेके से नकली शराब पीने से 6 लोगों की मौत और दर्जनों के बीमार होने की घटना गंभीर है। मरने से बचे लोगों को आगे चलकर के गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

याची के महिला होने के नाते ऐसे अपराध में राहत नहीं दी जा सकती। जमानत पर छूटने पर पीड़ितों को धमकाये जाने की संभावना है। कोर्ट ने जमानत अर्जी खारिज कर दी है।यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने संगीता जायसवाल की अर्जी पर दिया है। आबकारी निरीक्षक विजय प्रताप यादव ने फूलपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। अनुज्ञा पी याची के पति श्याम बाबू जायसवाल और सेल्समैन जगजीत सिंह को नकली शराब बेचने का आरोपी बनाया गया है। 19 नवंबर 20 को लोगों ने ठेके से शराब खरीदी। पीने के बाद बीमार पड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। छः लोग मर गए की बीमार है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। सेल्समैन जगजीत सिंह को गिरफ्तार कर नमूना जांच के लिए भेजा गया है। कोर्ट ने कहा कि प्रदेश में जहरीली शराब पीने से मौत की घटनाएं हुई हैं। पिछले 11 महीनों में 96 लोगों की जहरीली शराब पीने से मौत हो चुकी है। इसमें समाज के हाशिए के लोग पीड़ित हैं। मृतकों के शरीर से इथाइल मिथाइल जहर मिला है। जो गंभीर अपराध है।

महिंद्रा ने अपनी बहुप्रतीक्षित नई बोलेरो नेव को किया लांच

अंबेडकरनगर। मल्टीनेशनल वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भारी मांग को देखते हुए अपनी बहुप्रतीक्षित ऑर्थोटिक डिजाइन और रोबदार अंदाज वाली ठवसमतव दमव को जनपद अंबेडकर नगर में दिनांक 14 जुलाई 2021 को लांच किया गया। यह गाड़ी ऑर्थोटिक डिजाइन और रोबदार अंदाज में 100 बीएचपी इंजन क्षमता के साथ 7 सीटर टेक्नोलॉजी संयुक्त है। इस वाहन के मेगा लांच के अवसर पर अमित मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक संजय घई व सीईओ अमित सिंह के विशेष आग्रह पर मु य अतिथि के रुप में पधारे नगर पालिका चेयरमैन मनोज गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष मिथलेश त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष कपिलदेव वर्मा, अधिवक्ता भूपेंद्र प्रताप सिंह व अन्य गड़मान्य की उपस्थिति रही। इस अवसर पर अमित मोटर्स अकबरपुर के ब्रांच मैनेजर प्रदीप त्रिपाठी, सेल्स मैनेजर राशेष मिश्र, महिंद्रा फाइनेंस से रिंकू, चोला मंडलम से तौकीर अहमद, श्रीराम फाइनेंस से अमर पांडेय, किसान फाइनेंस से चंदन सिंह व इरफान सईद मौजूद रहे।

कचड़ा प्रबंधन शुल्क को लेकर हो रही धोखाधड़ी

प्रयागराज। लॉयन सर्विसेस लिमिटेड लगातार प्रयागराज में साफ सफाई के कार्यों में अपना योगदान दे रही है। प्रयागराज को स्वच्छ बनाने की एलएसएल की टीम की दृढ़ संकल्प में कोई कमी नहीं आई है। ऐसी महामारी के दौर में भी एलएसएल की टीम सड़कों और गलियों को साफकरने का कार्य कर रही है ताकि गंदगी किसी अन्य बीमारी का कारण न बने। हालांकि कचड़ा प्रबंधन शुल्क को लेकर आए दिन हो रही धोखाधड़ी से एलएसएल की टीम व जनता दोनों ही परेशान नज़र आती है। कई बार एक से अधिक लोग एक ही महीने का प्रबंधन शुल्क लेने आ जाते हैं। जिसके कारण उन्हें एक माह में एक से अधिक बार शुल्क देना पड़ता है। वहीं एलएसएल की टीम का कहना है कि जब वे लोगों से शुल्क निवारण हेतु जाते हैं तो उन्हें जानकारी मिलती है की उनसे पहले ही कोई और शुल्क ले कर जा चुका है। इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए एलएसएल की टीम ने लोगों से अपील की है कि वे बिना प्रिंटेड रिसिप्ट के शुल्क का भुगतान न करें।

दिनदहाड़े पत्रकार पर हमला

जाना बाजार। दिन दिनदहाड़े बदमाशों ने धोबना चौराहे पर धावा बोलकर पत्रकार पर हमला कर दिया ।बदमाशों ने डंडे व लोहे की राड से पीट पीटकर घायल कर दिया ।हमले में पत्रकार के एक साथी को भी चोटे आई है । सरेआम चौराहे पर घटना होती देख भीड़ जुटने लगी ।अपनी ओर भीड़ आता देख बदमाश पिस्टल निकालकर पत्रकार के ऊपर तानते हुए जान से मारने की धमकी दी और बदमाश हाथों में असलहा लहराते हुए भीड़ से बचते हुए भाग निकले ।परंतु उनमें से एक की प्लेटिना बाइक छूट गई। जिसे मौके पर तत्काल सूचना पर पहुंची पुलिस कब्जे में ले लिया। घटना थाना क्षेत्र में उस समय घटी जब एक अखबार के पत्रकार रामजी दूबे रामचरन दूबे अपने साथी परसपुर निवासी रवि के साथ लगभग 3 बजे दिन में धोबना चौराहे पर पहुंचे ही थे कि एका एक पांच छ मोटर साइकिलों पर सवार दस बारह बदमाश पहुंचे। जिनके हाथों में डंडा लोहे की राड और असलाहे थे। घायल राम जी दूबे ले बताया कि मैं कुछ समझ पाता इसके पहले ही बदमाश हमलावर होकर मुझे और मेरे साथी को राड डंडो से पीटने लगे। चौराहे पर पत्रकार को पीटते देख भीड़ आने लगी। भीड़ को अपनी तरफआता देख उनमें से बदमाश ने पत्रकार के सीने पर असलहा लगा कर कहां कि साले आगे कुछ ज्यादा किया तो जान से खत्म कर दूंगा ।इसी बीड़ को अपनी तरफआते देख बदमाश हवा में लहराते हुए भाग निकले ।इस घटना को लेकर क्षेत्र में दहशत और भय व्याप्त है इस घटना की जानकारी होते ही तत्काल पहुंचे पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त हो गया और पुलिस से बदमाशों को पकड़ने की मांग पर अड़ गए। जिसके बाद प्रभारी निरीक्षक हैदरगंज अश्विनी मिश्रा ने पुलिस टीम बनाकर बदमाशों को पकड़ने के लिए भेज दिया। घटना के संबंध में प्रभारी निरीक्षक अश्वनी मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिलते ही पुलिस टीम बदमाशों की खोजबीन में लगा दी गई है। और घायल पत्रकार सहित उसके साथी को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन भेज दिया गया है।

याद किये गए चतुर्थ सरसंघचालक रज्जू भैया

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सिविल लाइन्स में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक प्रो राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धा से याद किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक अनिल और विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचन्द्र प्रान्तीय संगठन मंत्री डा राम मनोहर क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय प्रदेश निरीक्षक रामजी सिंह सह मंत्री चिन्तामणि सिंह क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख जगदीश सिंह एवं रानी रेवती सरस्वती विद्या निकेतन के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय ने परिसर में वृहद वृक्षारोपण कर रज्जू भैया को श्रद्धासुमन अर्पित किया। प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह ने कहा इस माह में प्रत्येक दिन प्रयाग महानगर के विभिन्न महानुभावों के द्वारा वृक्षारोपण कराया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के उद्यान प्रमुख प्रभाकर दीपक यादव अजीत सिंह सन्दीप सरोज एवं अरिमर्दन सिंह उपस्थित रहे।

इसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया की पुण्यतिथि विभाग संघ कार्यालय आनंदा आश्रम सिविल लाइंस में मनी। आरएसएस स्वयंसेवकों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। विभाग प्रचारक डा पीयूष ने रज्जू भैया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

रज्जू भैया के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते विभाग प्रचारक डा पीयूष।

डा. पीयूष ने कहा कि रज्जू भैया को तृतीय संघ सरसंघचालक बाला साहब देवरस ने 11 मार्च 1994 को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था। संघ के इतिहास में पहली बार यह घटना घटी थी कि सरसंघचालक के जीवित रहते उनके उत्तराधिकारी की घोषणा की गई। सन 1966 में संघ कार्य को आवश्यक गति देने के लिए रज्जू भैया ने स्वेच्छा से भौतिकी शास्त्र के विभागाध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिया और संघ के प्रचारक बन गए। 1978 में वह संघ के सरकार्यवाह बने तथा 1987 तक इस पद पर कार्य करते रहे। स्वास्थ्य कारणों से अपने कनिष्ठ हो वे शेषाद्रि को सरकार्यवाह बनवाकर स्वयं सह सरकार्यवाह के रूप में सरसंघचालक बनने तक 1994 कार्य करते रहे। 1999 के फरवरी में प्रवास के क्रम में रज्जू भैया जब पुणे में आए तब अचानक गिर जाने से उनके कमर की हड्डी टूट गई।

घातक लापरवाही

तीसरी लहर का खतरा

ऐसा लगता है कि अनेक राज्यों को कोविड-19 की लगभग निश्चित तीसरी लहर के खतरे के बारे में जरा भी चिन्ता नहीं है। समय आ गया है कि अब अदालतें हस्तक्षेप कर देश को कोरोनावायरस के ज्यादा खतरनाक रूप की चपेट में आने से बचाएं जो किसी दिन हमला कर सकता है। जून में बड़े उत्साह से कहा जा रहा था कि कोविड-19 की दूसरी लहर कमजोर पड़ने लगी है या बिल्कुल समाप्त हो गई है। लेकिन अब तीसरी लहर आने की गिनती शुरू हो गई है जो ज्यादा खतरनाक डेल्टा प्लस रूप के कारण होगी। इंडियन मेडिकल असोसियेशन ने कहा था कि वर्तमान समय में विभिन्न राज्यों में लोगों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकालों के घोर उल्लंघन को देखते हुए तीसरी लहर का आना अपरिहार्य है। महाराष्ट्र और केरल में मामले अभी से बढ़ने लगे हैं, हालांकि दोनों राज्य तर्क दे रहे हैं कि अभी स्थिति नियंत्रण से बाहर नहीं हुई है। अब सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के नवीनतम हाटस्पाट के रूप में उभर रहा है। इस क्षेत्र के कम से कम दस जिलों में पाजिटिविटी दर 10 प्रतिशत से अधिक है। अरुणाचल प्रदेश के 10 जिलों में सक्रिय मामले बहुत अधिक हैं। ऐसे जिलों की संख्या मणिपुर में नौ, मेघालय में छह, त्रिपुरा में तीन, मिजोरम में दो तथा सिक्किम व असम में एक-एक है। सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे के रूप में राज्य सरकारों की उपस्थिति ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में है। अधिकांश राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे की स्थिति दयनीय है।

उदाहरण के लिए, अरुणाचल प्रदेश में गांव बहुत दूर-दूर हैं, वहां तक पहुंचना आसान नहीं है और लोग चिकित्सा सहायता की अनुपस्थिति की

शिकायत करते हैं। इन सभी राज्यों में मामले ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रहे हैं और पूरे-पूरे परिवारों के संक्रमित होने की विशिष्ट परिघटना सामने आई है। हालांकि, इस तथ्य से थोड़ी सांत्वना मिलती है कि मृत्यु दर संक्रमण दर जितनी अधिक नहीं है। ऐसा कोई अभियान नहीं दिख रहा है जो लोगों को मास्क पहनने तथा शारीरिक दूरी बनाए रखने पर मजबूर कर सके। इन सबके साथ नागरिक गैर-जिम्मेदारी की भावना से उत्तर भारत में वायरस सुपरस्प्रेडर घटनाओं का खतरा मंडरा रहा है। चारधाम यात्रा और कांवड़ यात्रा दो ऐसे आगामी बड़े अवसर हैं कि यदि इनकी अनुमति दी जाती है तो ये कुंभ मेले की तरह भयानक विभीषिका का कारण बन सकते हैं। लाखों भक्तों ने यात्रा शुरू कर दी है। 2019 में दस राज्यों के 30 मिलियन से अधिक भक्तों ने कांवड़ यात्रा में भाग लिया था। यदि इस साल इसकी अनुमति दी जाती है तो तार्किक रूप से यह स्वास्थ्यरक्षा विभीषिका हो सकती है। राज्य सरकारों ने अभी इस मामले में निर्णय नहीं लिया है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार ने दावा किया है कि वह कोविड प्रोटोकालों का पूरी तरह पालन करते हुए यात्रा करा सकती है। लेकिन जैसा कि कुंभ मेले के उदाहरण से स्पष्ट है, इनका पालन शायद ही कोई करता हो। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा रद्द करने के राज्य उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। वर्तमान समय में उत्तराखंड व हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्र जैसे वायरस बम पर बैठे हुए हैं। भारी संख्या में भीड़ अनलाक का लाभ उठा रही है और किसी को मास्क पहनने या शारीरिक दूरी का पालन करने की चिन्ता नहीं है। ऐसा लगता है कि राज्य सरकारों या जनता ने अतीत की गलतियों से कोई सबक नहीं सीखे हैं और वे अपने कृत्यों से तीसरी लहर को आमंत्रित कर रहे हैं। ऐसे में अदालतों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

राजकोषीय असंतुलन की स्थिति

सरकार जिस प्रकार बिना किसी जवाबदेही के अपनी राजस्व योजनाएं लागू कर रही है, उससे राजस्व प्राप्तियों व खर्च में असंतुलन ठीक करने में कठिनाई हो सकती है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

कई साल से नरेन्द्र मोदी सरकार भारी राजस्व घाटे-एफडी का सामना कर रही है। संशोधित अनुमानों के अनुसार वर्ष 2020-21 में एफडी सकल घरेलू उत्पाद का असाधारण रूप से 9.5 प्रतिशत रहा। इसे आर्थिक गतिविधियों पर कोरोनावायरस वैश्विक महामारी का विनाशकारी प्रभाव कहा जा रहा है। लेकिन जब ऐसी कोई समस्या नहीं थी, तब भी 2017-18, 2018-19 व 2019-20 में भी राजकोषीय घाटा 5.5-6 प्रतिशत के बीच था और यह इन वर्षों के लिए निर्धारित लक्ष्यों से बहुत अधिक था। इसका कारण यह है कि खर्च और राजस्व के बारे में सरकार कभी अपने वादों पर खरी नहीं उतरी। हमें कुछ उदाहरणों पर गौर करना चाहिए। 1919-92 में तत्कालीन नरसिम्हाराव सरकार ने तीन साल में उर्वरक सब्सिडी समाप्त करने की प्रतिबद्धता प्रकट की जो खर्च का बड़ा हिस्सा थी। इसके बावजूद यह सब्सिडी 1993-94 के बाद भी जारी रही। वर्ष 2000 में खर्च सुधार आयोग-ईआरसी ने चरणबद्ध रूप से उर्वरक सब्सिडी पांच साल में समाप्त करने की योजना पेश की जिसकी शुरुआत 2001-02 से होनी थी। 2005-06 तक यह केवल सीधे छोटे व सीमान्त किसानों को दी जानी थी। लेकिन इसे हटाने की तो बात दूर, भुगतान में लगातार भारी वृद्धि हुई और यह 2008-09 में 1,00,000 करोड़ रुपये की सीमा भी पार कर गया। 2014 में तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली ने तीन मुख्य सब्सिडियों-खाद्य, उर्वरक व ईंधन में कमी का वादा किया था। इनको 2014-15 में जीडीपी का 2 प्रतिशत, 2015-16 में 1.7 प्रतिशत तथा 2016-17 में 1.6 प्रतिशत किया जाना था। लेकिन ये सब्सिडी बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं। 2020-21 में केन्द्र ने इन सब्सिडियों पर 6,74,000 करोड़ खर्च किए जिनमें खाद्य पर 5,00,000, उर्वरक पर 1,34,000 करोड़ तथा ईंधन पर 40,000 करोड़ थे। ये जीडीपी का लगभग

3.5 प्रतिशत हैं जो जेटली द्वारा 2015-17 के निर्धारित लक्ष्य से अधिक हैं। इन सब्सिडी में लाखों अवांछित लोगों को मिलने वाली सब्सिडी शामिल है, सस्ते खाद्य व उर्वरकों का दुरुपयोग होता है तथा हैंडलिंग व वितरण खर्च के रूप में भारतीय खाद्य निगम एजेंसियों को बहुत अधिक भुगतान करता है।

राजस्व में टैक्सों का हिस्सा सबसे ज्यादा है। 2020-21 में केन्द्र सरकार द्वारा प्रत्यक्ष कर संग्रह लगभग 9,30,000 करोड़ था। इसमें कार्पोरेट आयकर-सीआईटी 4,57,000 करोड़ तथा व्यक्तिगत आयकर-पीआईटी 4,71,000 करोड़ था। यह वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी का केवल 4.7 प्रतिशत है जिसमें दोनों करों का हिस्सा लगभग 2.35-2.35 प्रतिशत है। पीआईटी क्षेत्र में 60 प्रतिशत से अधिक घोषित आय 'वेतनभोगी वर्ग' की है। इससे यह पूर्णत: स्पष्ट है कि अधिकांशत: असंगठित क्षेत्र में आमदनी करने वालों की आय का बड़ा हिस्सा अघोषित रहता है। नवंबर, 2016 में पूर्ण नोटबंदी के थोड़े से समय को छोड़ कर यह करापवंचन बढ़ा है। इसके साथ ही अपनी आय घोषित करने वालों को भी अनेक रियायतों से सहायता मिलती है और वे बहुत कम टैक्स देते हैं या बिल्कुल नहीं देते हैं। कार्पोरेट क्षेत्र में भी रियायतों व कटौतियों के कारण सीआईटी संग्रह बाधित होता है तथा अनेक कंपनियां अपना कर 20 प्रतिशत तक ले जाने में सफल हुई हैं, जबकि वर्तमान दर 34.9 प्रतिशत है। सरकार ने करों की दर में भारी कमी की है तथा विनिर्माण क्षेत्र में 'नए उद्यमों' के लिए वर्तमान 25 प्रतिशत कर के स्थान पर 15 प्रतिशत की अनुमति दी है। 20 सितंबर, 2019 को घोषित इस कटौती से हर साल लगभग 1,50,000 करोड़ रुपये का घाटा होता है। जहां तक परोक्ष करों का मामला है, 2020-21 में केन्द्र ने इस स्रोत से 10,64,000 करोड़ रुपये एकत्र किए जो जीडीपी का लगभग 5.5 प्रतिशत हैं। परोक्ष करों से उच्च संग्रह अच्छा नहीं माना जाता है क्योंकि इसका प्रभाव समाज के सभी वर्गों पर 'समान' रूप से पड़ता है जिनमें अधिकांश गरीब लोग हैं। इसके उलट प्रत्यक्ष कर किसी व्यक्ति की आय पर लगता है और इसे 'प्रगतिशील' माना जाता है क्योंकि ज्यादा आय वाला व्यक्ति ज्यादा टैक्स देता है। इससे भी बुरी बात है कि इस स्रोत से राजस्व का बड़ा हिस्सा पेट्रोल व डीजल पर सेंट्रल एक्साइज़ ड्यूटी-सीईडी लगाने से आता है। 2020-21 में सीईडी से केन्द्र का संग्रह 3,90,000 करोड़ था जिसमें सड़क व ढांचागत सेस भी शामिल है। यह सकल परोक्ष टैक्स राजस्व का 37 प्रतिशत है। प्रत्येक व्यक्ति के दैनिक प्रयोग या उपभोग का अविभाज्य अंग होने के कारण ईंधनों पर उच्च कर न केवल उन पर भारी बोझ डालता है, बल्कि इससे गरीबों को मुफ्त राशन या सस्ते खाद्यान्न देने जैसी कल्याणकारी योजनायें चलाने पर खर्च भी बढ़ता है। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में सीईडी व वैट का हिस्सा 50 प्रतिशत से अधिक है। यह 'एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने' का मामला है।

सरकार के वित्त मंत्रालय में बैठे लोग समझते हैं कि ईंधन टैक्सों से प्राप्त राजस्व सरकार को ढांचागत विकास तथा अनेक कल्याणकारी योजनायें चलाने में सहायता करता है। लेकिन उनको खाद्य, उर्वरक व ईंधनों पर बढ़ते सब्सिडी भुगतानों पर भी गौर करना चाहिए जो 2020-21 में 6,74,000 करोड़ तक पहुंच गए थे। इसका एक बड़ा हिस्सा ईंधन की बढ़ी कीमतों पर खर्च होता है। जहां तक वस्तु एवं सेवाकर-जीएसटी का सवाल है, शुरुआत में इसने व्यवस्था को स्थिर करने में सहायता की तथा इस मद में संग्रह बढ़ने की उम्मीद थी। इसका कारण वृद्धि तेज होना तथा उन करोड़ों लेनदेन को कर दायरे में लाना था जिन पर 1 जुलाई, 2017 से पहले टैक्स लागू नहीं हो पाता था। लेकिन प्राप्तियों में कमी आई। केन्द्र द्वारा 2020-21 में कुल टैक्स संग्रह 5,48,000 करोड़ था, जबकि महामारी के पहले 2019-20 में यह संग्रह 5,99,000 करोड़ था। हालांकि, ई-वे बिल, एलेक्ट्रानिक इन्वायस, रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटीफिकेशन-आरएफआईडी टैग जैसे अनेक उपाय सरकार द्वारा कर चोरी रोकने के लिए किए गए हैं, पर टैक्स न देने वाले अनेक लेनदेन पकड़ने की काफी संभावना बची है।

इसके साथ ही जीएसटी परिषद द्वारा 40 लाख से कम वार्षिक टर्नओवर वाले बिजनेसों को कर भुगतान से छूट देने के निर्णय से राजस्व संग्रह में भारी कमी आई है। इसमें 1.5 करोड़ से कम टर्नओवर वाले व्यापारी-निर्माता को टैक्स भुगतान के लिए कंपोजीशन योजना-सीएस का प्रस्ताव किया गया है जिसमें वे एक प्रतिशत की दर से टैक्स देते हैं। इसके अलावा 50 लाख से कम टर्नओवर वाले सेवाप्रदाताओं को 6 प्रतिशत कर देने की अनुमति दी गई है। मजेदार बात है कि पंजीकृत उद्यमों का लगभग 75 प्रतिशत एक करोड़ से कम टर्नओवर वाला है ओर वे कुल राजस्व संग्रह में केवल 6.5 प्रतिशत योगदान करते हैं।

सरकार जिस प्रकार खर्च व राजस्व योजनाओं का क्रियान्वयन करती है उसमें सक्षमता व जवाबदेही पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। ऐसे में राजस्व प्राप्तियों तथा खर्च के बीच वर्तमान असंतुलन से बाहर निकलने की संभावना नहीं दिखती है। राजकोषीय मजबूती के लिए प्रमुख सब्सिडियों पर काफी समय से लंबित सुधार लागू किए जाने चाहिए तथा परोक्ष कर व्यवस्था में सुधारो पर जोर दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही रियायतों व छूटों से मुक्ति पानी चाहिए ताकि कर चोरी समाप्त हो। जीएसटी प्रशासन की क्षमता बढ़ाने तथा पेट्रोल, डीजल, क्रूड आयल व प्राकृतिक गैस को जीएसटी के दायरे में लाने की जरूरत है। इन सभी मामलों में लगातार कार्रवाई होनी चाहिए। यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि जीएसटी के अंतर्गत राजस्व में भारी कमी को दूर करने के लिए कर क्षेत्र के विस्तार तथा सब्सिडी भुगतान में कमी लाने की जरूरत है।

नेपाल की राजनीति में न्यायपालिका की शक्ति

ऋषि गुप्ता
(लेखक जेएनयू में डाक्टोरल फेलो हैं)

नेपाल में जारी सियासी जंग ने नया मोड़ ले लिया है। लगातार तीसरी बार, नेपाल का सर्वोच्च न्यायालय नेपाली संविधान के बचाव में आया है और 21 मई को संसद को भंग करने और ओली को नियुक्त करने के लिए प्रधान मंत्री केपी ओली के समर्थन में राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी द्वारा जारी किए गए आदेशों को रद्द कर दिया है। अंतरिम प्रधान मंत्री हालांकि वह पहले ही 10 मई को विश्वास मत हार चुके हैं।

विभिन्न स्वतंत्र व्यक्तियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और राजनीतिक दलों द्वारा दायर 30 रिट याचिकाओं पर दलीलें सुनते हुए, अदालत ने राष्ट्रपति को 13 जुलाई तक नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को नए प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त करने का आदेश दिया, बशर्ते कि वह बहुमत साबित करें। नेपाली संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के अनुसार उनकी नियुक्ति के 30 दिनों के साथ संसद में। देउबा को पुष्प कमल दहल %प्रचंड% के नेतृत्व वाली माओवादी पार्टी, समाजवादी पार्टी के उपेंद्र यादव और यूएमएल पार्टी के माधव-नेपाल गुट के बाबूराम भट्टराई गुट का समर्थन प्राप्त है। अदालत ने 20 जून को ओली कैबिनेट में 20 नए मंत्रियों की नियुक्ति को रद्द करने के हफ्तों बाद 12 जुलाई को फैसला सुनाया। कार्यवाहक प्रधान मंत्री ओली ने 4 जून और 10 जून को दो उप प्रधानमंत्रियों सहित इन मंत्रियों को नियुक्त किया था।

अपनी अल्पमत सरकार का समर्थन करने के लिए महंत ठाकुर और राजेंद्र महतो के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी के एक गुट के साथ समझौता करने में कामयाब होने के बाद। हालांकि, इन मंत्रियों को तब नियुक्त किया गया था जब संसद भंग हो गई थी, इस प्रकार, अदालत ने रद्द कर दिया।

हाल के वर्षों में, नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली अपने अति-राष्ट्रवादी दृष्टिकोण और एक सत्तावादी कार्यशैली के लिए प्रसिद्ध हुए। 2017 के संसदीय चुनावों के दौरान सहयोगी के रूप में अपने कट्टर प्रचंड को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने के बाद ओली को एक महत्वपूर्ण लाभार्थी के रूप में देखा गया था। यहां तक कि उन्होंने दोनों पार्टियों को मिलाकर सबसे बड़ी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी बनाई, जिसने ओली के खिलाफ मजबूत विरोध को समाप्त कर दिया। विलय के दो साल बाद, प्रचंड ने ओली को समझ का सम्मान करने और मई 2020 में शेष अवधि के लिए प्रीमियर को सौंपने की याद

दिलाई। हालांकि, ओली असहमत थे, और एक बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल ने नेपाल को प्रभावित किया था। अंतर-पार्टी के झगड़े तब तक जारी रहे जब तक कि सुप्रीम ने विलय को अवैध नहीं कहा और दोनों पक्षों को उनके पुराने रूपों में विभाजित कर दिया। साथ ही कालापानी सीमा विवाद को लेकर ओली का भारत के साथ जुबानी भी झगड़ा हुआ था। अपने हाल ही में मांगे गए चेहरे पर जोर देते हुए, ओली ने भारत के साथ सांस्कृतिक मोर्चे पर ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया और बाद में सीमा पर अतिक्रमण का आरोप लगाया। उन्होंने कालापानी को नेपाल के हिस्से के रूप में दिखाते हुए नेपाल का एक नया राजनीतिक नक्शा जारी किया। इस प्रकार, एक नए ओली-गार्ची का जन्म हुआ।

हालांकि, अगर किसी को देश में राजनीतिक अस्थिरता की मौजूदा स्थिति और कोविड-19 के गंभीर प्रभाव के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना है, तो वह केपी ओली हैं। जब देश को एक परिपक्व और मजबूत नेतृत्व की जरूरत थी, ओली ने अकेले अपने बारे में सोचा और अपनी स्थिति की रक्षा करने की मांग की। उन्होंने न्यायिक प्रणाली को भी चुनौती दी थी, यह कहते हुए कि अदालतें प्रधान मंत्री की नियुक्ति नहीं कर सकती हैं। हालांकि, शीर्ष अदालत ने अन्यथा साबित किया है।

इस बीच, नए प्रधान मंत्री शेर बहादुर देउबा को कई चुनौतियों का समाधान करना है। सबसे पहले देउबा के नेपाली कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष पद से हटने के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। इसलिए, अपनी पार्टी को हर चीज से पहले व्यवस्थित करना अधिक कठिन काम होगा। नेपाली कांग्रेस पार्टी में युवा नेतृत्व की मांग है। एक पार्टी, जो 1960-1990 तक पंचायत युग, 1990 में आंशिक लोकतंत्र, 1996 से 2006 तक माओवादी विद्रोह के अलावा बची रही।

दूसरा, नेपाली कांग्रेस का समर्थन करने वाले दलों से बड़े सौदे होते हैं, और एक एकल विवाद देउबा की स्थिति को खतरे में डाल सकता है। माओवादी अप्रत्याशित हैं क्योंकि उन्होंने 2016 में नेपाली कांग्रेस का समर्थन किया था; सरकार में रहने के बावजूद 2017 में केपी ओली में शामिल हुए। तीसरा, नेपाल की विदेश नीति स्पष्ट रूप से जर्जर है और मित्रों और अतिक्रमणकारियों पर कोई स्पष्टता नहीं है। केपी ओली चीन के लिए एक नीली आंखों वाले लड़के रहे हैं जिन्होंने पिछले तीन सालों में भारत के खिलाफ जहर जारी किया है।

इसलिए, देउबा के पास भारत के विश्वास को वापस जीतने की चुनौती होगी, यह देखते हुए कि बाद वाला नेपाल पर लंबे समय से चुप्पी साधे हुए है। देउबा के लिए माओवादियों के साथ संतुलन बनाना मुश्किल होगा क्योंकि चीन के साथ प्रचंड की दोस्ती व्यापक है। पिछले हफ्ते ही, प्रचंड को सीपीसी शताब्दी समारोह के अवसर पर 6 जुलाई को सीपीसी और विश्व राजनीतिक दलों के शिखर सम्मेलन के दौरान चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और राष्ट्रपति शी जिनपिंग को अपनी हार्दिक सहायक नदियों का भुगतान करते देखा गया था। नेपाल में न्यायपालिका ने राजनीतिक दबाव के आगे न झुककर अपनी योग्यता साबित की है। न्यायपालिका की शक्ति लोकतांत्रिक मूल्यों का एक अच्छा संकेत है जो 2006 में 200 साल पुरानी सामंती राजशाही के खिलाफ एक दशक की लंबी लड़ाई के बाद जीते गए थे। हालांकि, आज तक, लोकतांत्रिक ताकतें सत्ता का दावा करने के लिए लड़ रही हैं और राजनीतिक गठबंधन राजनीतिक स्थिरता प्रदान करने में विफल रहे हैं।

इसलिए शेर बहादुर देउबा की नियुक्ति नेपाल में लंबी अवधि की उम्मीदों की गारंटी नहीं देती है। इस बीच, नेपाल के लोगों को अभी भी सबसे बुरे और बुरे के बीच चयन करना बाकी है।

आप की बात

धर्मांतरण पर रोक लगे

मतांतरण का सुनियोजित धन्धा सारे देश मे फल फूल रहा है। जिसके जहरीले फल देश की गौरवशाली संस्कृति, सनातन धर्म, राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को छिन्न भिन्न करते हुये देश मे अलगाववाद अराजकता और आतंकवाद को बढ़ा रहे है। धर्म बदलने के बाद लोगों मे राष्ट्रवाद की भावना का लोप हो जाता है। तलवार की नोक, धन और पद के लालच में अपना धर्मपरिवर्तन करने वाले लोग अपने को विदेशी मानने लगे। मतांतरण करने वालो की संतानें धार्मिक स्थलों लेकर प्रकृति परिवेश को लेकर उनके श्रद्धा के प्रति सोच बदल जाने के साथ उनके प्रति घृणात्मक दृष्टिकोण हो जाता है। मतांतरण से आस्था और उपासना पद्धति ही नही बदलती बल्कि राष्ट्रांतरण भी हो जाता है। मतांतरित व्यक्ति की समाज, देश और संस्कृति के प्रति धारणा बदल जाती है। आदिकाल से चला आ रहा सनातन धर्म और दर्शन अपने उदार, सहिष्णु, समावेशी सोच के कारण सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा दे रहा है। धर्म धारण किया जाता है और मजहब एवं रिलीजन लोग स्वीकार स्वत: कम करते हैं। धर्मांतरण का खेल भारत देश मे हजारो वर्षों से जारी है। जिसका दुष्परिणाम भारत से अलग हुए देश मे हिंदुओं को जबरन मतांतरण करना पड़ा।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव

गन्ना संकट दूर हो!

पिछले कुछ दशकों में भारत में गन्ने की खेती का बहुत विस्तार हुआ है। उत्पादन को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां, न्यूनतम मूल्य ,गन्ने की गारंटीकृत बिक्री और चीनी के सार्वजनिक वितरण जैसे कुछ कारकों ने भारत को दुनिया भर में चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बनने में मदद की है। हालांकि बारिश की कमी और जमीनी पानी में गिरावट, गन्ना कृषक को भुगतान में देरी ,अन्य फसलों की तुलना में कम शुद्ध आय ,श्रम की कमी ,श्रम की बढ़ती लागत और अब कोविड-19 महामारी जैसे पाठ संपूर्ण चीनी क्षेत्र को नीचा बना रहे हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि गन्ना एक नकदी फसल है इसीलिए भारतीय कृषि और किसान की आय को दोगुना करने के लिए गन्ना उद्योग को प्रभावित करने वाले मुद्दों का समाधान किया जाना महत्वपूर्ण है। बताते चलें कि गन्ना उद्योग से संबंधित बहुत सारी चुनौतियां हैं जिनमें से मूल्य निर्धारण नियंत्रण, उच्च आगत और कम उत्पादन लागत, चीनी निर्यात और अव्यवहार्यता और भारत के इथेनॉल कार्यक्रम का निराशाजनक प्रदर्शन प्रमुख है। इन सभी समस्याओं को दूर करना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। हमें गन्ने का मानचित्रण सही तरीके से करना चाहिए।

– **सुदर्शन सोराड़ी,** नैनीताल

खुशी की बात

तीसरी लहर को देखते हुए सरकार अब स्तनपान करने वाली महिलाओं एवं गर्भवती महिलाओं को भी टीकाकरण करने का निर्णय ले चुकी है इसके तहत अब 12 से 18 साल तक के बच्चों के लिए भी टीकाकरण की योजना फैलाई जा रही है। इनका टीकाकरण शादी के बाद सितंबर से प्रारंभ किया जा सकता है यानी 12 से लेकर 100 साल तक के इंसानों के लिए अब टीकाकरण उपलब्ध है एवं वह अनिवार्य कर दिया गया है इस योजना के लिए सरकार जॉइंटसकेडिया की डीएनए वैक्सीन पर विशेषज्ञ कार्य समिति की सिफारिश का इंतजार कर रही है तब हम तो यही कहेंगे कि केंद्र सरकार इस बार पहली,दूसरी लहर की परेशानियों के बाद अपनी जनता के लिए किसी भी तरह से कोई परेशानी आने पर बचाव के लिए हर तरह के उपाय कर रही है अत: जनता को चाहिए कि वह सरकार द्वारा लाए जा रहे हर तरह के नियम एवं उपायों का पालन करती रहे अत:हम तो यही कहेंगे कि जनता का फर्ज है कि अपने तई खुब होशियार रहें एवं अपने कोविड नियमो पालन का ईमानदारी से करें बेहतर बात है।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी से लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

– **प्रियंका गांधी वाड्रा**
कांग्रेस महासचिव

जैन के आवास के बाहर हमने पानी की लाइन हटाने के लिए जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया। हम केजरीवाल के आवास का भी पानी का कनेक्शन काट देंगे।

– **नवीन कुमार**
दिल्ली भाजपा मीडिया प्रमुख

यह सच है कि कोरोना के कारण पर्यटन और व्यापार पर काफी असर पड़ा है, लेकिन पहाड़ी स्थलों, बाजारों में बिना मास्क के भारी भीड़ होना चिंता का विषय है।

– **नरेन्द्र मोदी**
प्रधानमंत्री

सीसीटीवी में कैद हुआ प्रशासन का कार्यक्रम

पुलिस का ट्रेलर, सपा की पिक्चर आना बाकी

● गुरूवार को सपाई हल्ला बोलने पर तुले, प्रशासन न करने देने पर आमादा तहसील मुख्यालयों पर सपा करेगी धरना-प्रदर्शन, एक दिन पहले ही सपाइयों को मनाने-धमकाने का दौर शुरू

सीतापुर-पूर्व विधायक के घर पर पहुंची पुलिस

संवाददाता। सीतापुर

लाल टोपी और खाकी वर्दीधारियों के बीच गुरूवार को होने वाले शक्ति प्रदर्शन में कौन जीतेगा समाजवादी सड़कों पर उतर कर सरकार को घेर पाएंगे या फिर प्रशासन उन्हे सीमित दायरें में कैद कर वहीं पर ज्ञापन लेने में सफल हो पाएगा, यह तो गुरूवार का दिन तय करेगा लेकिन अभी जो हालात है वह एक पुरानी कहावत तू डाल-डाल मैं पात-पात वाला नजर आ रहा है। फिलहाल सपाईयों ने धरना-प्रदर्शन से एक दिन पहले से ही डीएम, एसपी, एसडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट, एएसपी, एसडीएम, सीओ व थानेदारों के साथ बैठक कर सपाईयों को सड़कों पर किसी भी कीमत पर न उतरने देने की रणनीति बना चुके हैं। सपाईयों के घरों पर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी जाकर उन्हे हल्ला न बोलने की हिदायत दे रहे हैं नगर में सदर के पूर्व विधायक राधेश्याम जायसवाल के विजयलक्ष्मी नगर स्थित घर पर पहुंच कर उनकी तलाश की जब वह नहीं मिले तो उनके गनमैन को ही उठाकर ले आए जिसका सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है इसको लेकर आई इंडिया ने सपा के पूर्व सदर विधायक राधेश्याम जायसवाल से फोन पर वार्ता की। ऐसी ही कार्रवाई महोली के पूर्व सपा विधायक अनूप गुप्ता के जेल रोड स्थित आवास पर भी हुई और अन्य नेताओं के यहां भी होने की खबरें आ रही है ऐसे में बहुत सारे सपा नेता भूमिगत हो चुके है पर उनके सामने इधर कुंआ उधर खाई की नौबत है सपाई अपने पार्टी के आवाहन पर यदि हल्ला न बोले तो उन पर मुखिया की गाज गिर सकती है और फिर उन्हे प्रदर्शन के जरिए होने वाले विधानसभा चुनाव में अपना टिकट भी पक्का कराना है प्रशासन और पुलिस के सामने भी कुछ ऐसी ही नौबत है सरकार का आदेश है कि सपाईयों का कार्यक्रम किसी कीमत पर न हो पाए उस पर अमल करना है अगर कार्यक्रम होता है तो उन पर भी आला हाकिमों का नजला गिर सकता है। फिलहाल उनके पास धारा 144 से लेकर कोविड गाइडलाइन जैसे हथियार भी हैं जिनका इस्तेमाल कर वह प्रदर्शन को रोकने में जुटे है। तहसील मुख्यालयों पर हल्ला बोल की कमान विधायकों, पूर्व विधायकों को दी गई है जिनमें महमूदाबाद में विधायक नरेन्द्र सिंह वर्मा, बिसवां में पूर्व विधायक निर्मल वर्मा, अफजाल कौसर, कमलेश यादव, शमीम कौसर सिद्दीकी, सिधौली में मनीष रावत, सेवता में महेन्द्र कुमार सिंह झीन बाबू, लहरपुर में जासमीर अंसारी व अनिल वर्मा, मिश्रिख में पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी, महोली में पूर्व विधायक अनूप गुप्ता, वही सदर तहसील में पूर्व विधायक राधेश्याम जायसवाल सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक रमेश राही इस हल्ला बोल का नेतृत्व करेंगे ऐसे में आमजनों के लिए गुरूवार का दिन बेहद परेशानी भरा रहने वाला है।

प्रमुखी चुनाव में फहराया केसरिया परचम

जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लॉक प्रमुखों का हुआ सम्मान

● कोरोना की तीसरी लहर का डर मगर वर्कर बेखौफ

संवाददाता। सीतापुर

ब्लॉक प्रमुख चुनाव में सूबे में केसरिया परचम फहराया है। सीतापुर में भी 19 में से 15 सीटों पर भाजपा के ब्लॉक प्रमुख जीते है। इस चुनाव में शानदार जीतने के बाद बुधवार को भाजपा ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष समेत सभी नवनिर्वाचित ब्लॉक प्रमुखों को पुश्प गुच्छ देकर स्वागत किया और उन्हें अंगवस्त्र भी प्रदान किये। खास बात यह है कि कोरोना की तीसरी लहर आने से हर कोई सशंकित है, लेकिन पार्टी के कार्यकर्ताओं में इसका उन्हें तनिक डर नहीं सता रहा है, शायद यही वजह है कि समारोह में मौजूद अधिसंख्य वर्कर बगैर मास्क के दिखे। जिला भाजपा कार्यालय पर

सीतापुर-निर्वाचित ब्लाक प्रमुखों का सम्मान करने के बाद मौजूद भाजपा पदाधिकारी

आयोजित अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि, राज्य सभा सदस्य हरिद्वार दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रद्धा सागर, महोली के प्रमुख जगदीश प्रसाद, एलिया की रीता सिंह, हरगांव की रामदेवी, लहरपुर के उमाशंकर वर्मा, परसेंडी के राजेंद्र प्रसाद, खैराबाद के अजय विश्वकर्मा, बेहटा की कल्पना वर्मा, रेउसा की मंजू देवी चौहान, रामपुर मथुरा की तारा देवी, सकरन की मिथिलेश कुमारी, मछरेहटा की मिथिलेश कुमारी, गोंदलामऊ की नमिता अवस्थी, मिश्रिख के रामकिंकर पांडेय, पिसावां के मिथिलेश यादव, बिसवां की प्रमुख शांती देवी को पुश्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। समारोह में सेवता विधायक ज्ञान तिवारी, मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव, लहरपुर विधायक सुनील वर्मा, भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता, भाजपा नेता नीरज वर्मा झल्लर, जया सिंह, रमेश भार्गव, राजेश शुक्ला, मृदुल मिश्रा, भाष्कर मिश्रा, शुभम, अनूप विश्वकर्मा, रोहित सिंह, रामजीवन जायसवाल, मिश्रा सागर राठौर आदि मौजूद थे।

प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक संपन्न

संवाददाता। सीतापुर

प्रांतीय नेतृत्व के निर्देशानुसार प्राथमिक शिक्षक संघ की हरगांव इकाई द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। इसका दिशा निर्देश ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह द्वारा किया गया तथा संचालन ब्लॉक मेरी विनय कुमार की हार ने किया बैठक में जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह तोमर ने अपनी बात रखी। इस दौरान समीर आलम अंसारी, सुनीता यादव, शालिनी मिश्रा, आरती यादव, अमिता गौतम, श्वेता द्विवेदी, रचना मिश्रा, राजाराम, आशुतोष कुमार सिंह, सौरभ तथा सुनील सिंह सहित तमाम शिक्षक गण मौजूद रहे।

प्राथमिक षिक्षक संघ की हुई बैठकः बिसवां प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक ब्लॉक संसाधन केंद्र में जिला मंत्री संकेत वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें मुख्य रूप से वर्ष 2005 के पश्चात चयनित हुए शिक्षकों की पुरानी पेंशन बहाली पर विस्तृत चर्चा हुई। सोशल मीडिया ट्विटर के माध्यम से अपनी बात शासन को पहुंचाने पर बल दिया गया। बैठक में अमित शुक्ला, अर्चना सिंह, सुनील बाजपेई, अनवर हुसैन, प्रभात सिंह, डॉ. अनीता पांडे, सुधा वर्मा राजेश वर्मा, जहीर खान आदि शिक्षक मौजूद थे।

नहीं सुधरी व्यवस्था तो आंदोलन

● सिधौली पावर हाउस पर प्रदर्शन कर दिया धरना, भाकियू अवध राजू संगठन ने एसडीओ को दिया ज्ञापन

सीतापुर। अघोशित बिजली कटौती समेत अन्य समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन अवध राजू गुप्ता संगठन के पदाधिकारियों ने सिधौली पावर हाउस पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। बाद में वहीं पर बैठकर धरना भी दिया। मांगपत्र के जरिए संगठन ने प्रशासन को बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए पंद्रह दिन की मोहलत दी। साथ ही चेताया कि अगर सुधार न हुआ तो आंदोलन होगा। आपको बता दें कि शहरी और ग्रामीण इलाकों में बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए सरकार द्वारा तमाम दावे किए जा रहे है। मगर उनका दावा पूरा होते नहीं दिखता। सिधौली इलाके में बिजली व्यवस्था इन दिनों लड़खड़ाई है। यहां पर न तो बिजली आने का कोई वक्त है और न ही जाने का। कब आएगी और कब जाएगी, किसी को भी पता नहीं। बाधित बिजली सप्लाई से प्रतियोगी परीक्षार्थियों की पढाई नहीं हो पा रही है। यही नहीं मोबाइल चार्ज नहीं होने से छात्रों की ऑनलाइन क्लासेस भी नहीं हो पा रही है। बिजली के अभाव में फसलों की सिंचाई नहीं हो पा रही है। बदहाल बिजली व्यवस्था को लेकर बुधवार को सिधौली पावर हाउस पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और धरना देने के बाद एसडीओ आमोद कुमार को सौंपा। प्रदर्शन में कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष श्यामू शुक्ला, प्रदेश महामंत्री मयंक सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ आशीष सिंह, जिलाध्यक्ष आईटी सेल लवी वर्मा, जिला कोसाध्यक्ष दीपू जायसवाल, शिवा सिंह, जिला सचिव मुसीर अहमद, तहसील अध्यक्ष सुल्तान अहमद, ब्लॉक संगठन मंत्री रंजीत यादव, नगर सचिव वकील, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद सैफ जिला सचिव युवा प्रकोष्ठ संदीप लोधी, सौरभ तिवारी, परीक्षित, मो अशरफ लवकुश राजपूत आदि मौजूद थे।

प्रधानाध्यापिका का सराहनीय प्रयास, कान्वेट को मात दे रहा है 'पू.मा. विद्यालय बीहट बीरम'

● कोरोना काल में बंद होते हुए भी ऑनलाइन षिक्षा देकर बच्चों का संवर रहा भविष्य

संवाददाता। मछरेहटा सीतापुर

पिछले दो साल से देश में फैली कोरोना महामारी में स्कूल बंद होने के बाद भी बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा देकर पूर्व माध्यमिक विद्यालय बीहट बीरम की प्रधानाध्यापिका निर्मला भार्गव उनके जीवन में उजियारा भरने का काम कर रही है। ऐसा ही नहीं विद्यालय में भी सारी सुविधाएं कहीं कान्वेंट स्कूल से कम नहीं है। विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर बच्चों व अभिभावको को भी संदेश देती रहती है। विद्यालय में बच्चों को पढ़ाई के लिए लाइब्रेरी, विज्ञान लैब व प्रोजेक्टर की सुविधा है। खेल को लेकर भी बच्चों को हमेशा आगे बढ़ाने के लिए गेम्स के सामान जैसे फुटबाल, बैट, बालिकाओं के लिए कूदने वाली रस्सी व विभिन्न खेल भी सिखाती है। श्रीमती भार्गव ने 'पायनियर' से बताया कि दो बार राज्य स्तर पर सम्मान, तीन बार बीएसए स्तर से व पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. रामलाल राही, विधायक रामकृष्ण भार्गव, श्रीकृष्णा इंस्टीट्यूटी आदि संस्थाना के पदाधिकारियों ने भी सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में 135 छात्र पंजीकृत है व यहां पर सह. अध्यापक कुसुम लता, हिमा अवस्थी, हर्षिता सिंह, अनुदेशक महेन्द्र पाठक, ज्योति मौर्या है। यहां पर रसोईया भी है व एक सफाई कर्मी भी पौधों की देखभाल व सफाई व्यवस्था को चाकचौबंद रखता है।

क्विक न्यूज

बकरीद को लेकर शांति कमेटी की बैठक आयोजित

संडीला(हरदोई)। आगामी बकरीद के त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें त्यौहार को भाईचारे, मेलमिलाप और शांति के साथ मनाने पर जोर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक द्वारा आहूत शांति कमेटी की बैठक में अंजुमन मुफीदुल मुस्लिमीन जो कि ईदगाह का संचालन करती है द्वारा मांग की गयी कि ईद उल अजहा के तीनों दिन नगर में प्र्याप्त सफाई व्यवस्था की जाए, खराब पड़ी लाईटों को सही कराया जाए तथा सुबह 6 बजे से 12 बजे तक पानी की आपूति की जाए। नगर पालिका परिषद को ओर से सफाई निरीक्षक सौरभ मिश्रा ने मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। कई लोगों ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में ना तो चेयरमैन और ना ही अधिशासी अधिकारी ने आने की जहमत की। ईदगाह कमेटी ने अपनी ओर से यह भी आश्वासन दिया कि कोरोना गाइडलाईन का अनुपालन करते हुए यह त्यौहार मनाया जाएगा। शांति कमेटी में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्रा ने कहा कि संडीला क्षेत्र की जनता का पूर्ण सहयोग उनको अपने कार्यकाल के दौरान मिला है। यहां की परंपरा मिलजुलकर त्यौहार मनाने की है। सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ यह त्यौहार मनाएं। वर्तमान में प्रदेश सरकार द्वारा जो गाइडलाईन जारी की गई हैं उसी के अनुरूप यह त्यौहार मनाया जाएगा। यदि अन्य कोई गाइडलाईन आती है तो इसकी सूचना दी जाएगी। उन्होंनें बैठक में मौजूद ग्राम प्रधानों तथा सभासदों से कहा कि किसी प्रकार की कोई घटना की जानकारी होने पर वे तत्काल उन्हें बताएं। यदि को आसामाजिक तत्व खुराफात करता है तो उसकी सूचना उन्हें दें। ऐसे तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में एसएसआई इरशाद अली, पुलिस चौकी नगर प्रभारी बालेन्द्र मिश्रा, कताई मिल चौकी प्रभारी संजय सिंह के अलावा जिला पंचायत सदस्य नन्हे लाल, सभासद हसन मक्की, पूर्व सभासद मो0 शमीम उर्फबच्चू, भाजायूमो नेता रिषभ खन्ना, अरुण यादव, गुड्डू सिंह तथा पूर्व चेयरमैन शैलेश अग्निहोत्री समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

चोरों ने चार लाख के जेवर और नकदी पर किया हाथ साफ

संडीला(हरदोई)। रात के समय घर में प्रवेश करके अज्ञात चोरों ने लाखों रुपए मूल्य के जेवर और नकदी पर हाथ साफकर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अतरौली के अंतर्गत ग्राम सुखऊखेड़ा निवासी धर्मेन्द्र के घर में अज्ञात चोरों ने रात के समय प्रवेश किया तथा अलमारी खोलकर उसमें रखे लगभग चार लाख रुपए मूल्य के जेवर, 25000 नकद तथा अन्य कीमती सामान पर हाथ साफकर दिया। सुबह जब घर के लोगों ने अलमारी खुली देखी तब उन्हें इस चोरी का पता चला। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेड़ पर लटकी मिली बुजुर्ग की लाश

बरेली । एक बुजुर्ग की लाश आज घर से कुछ ही दूरी पर लिपस्टिक के पेड़ पर बंधे दुपट्टे के सहारे फांसी पर लटकी पाई गई । पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने हत्या की आशंका जताई । पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी ।भमोरा थाने के गांव फिरोजपुर निवासी 60 वर्षीय मनोहर पुत्र विलास की लाश आज सुबह उसके खेत से कुछ ही दूरी पर स्थित रामप्रसाद के क्षेत्र में लगे लिपटिस के पेड़ पर दुपट्टे के सहारे फांसी पर लटकी मिली । पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि मनोहर कल शाम को अपने खेत में बेड़ की रखवाली करने के लिए गया था और वह रात में बेड पर ही सोया था । लेकिन किसी ने उसकी हत्या कर लाश को लिपटिस के पेड़ पर लटका दिया । सुबह होने पर उसकी लाश को लोगों ने पेड़ पर लटके देखा और घरवालों को सूचना दी । जो मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दे दी । कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी । मृतक 8 बच्चों का पिता था ।

छत से गिरकर युवक की मौत

बरेली । घर से दूर किराए के मकान में रहकर ई-रिक्शा ठीक करने वाले एक युवक की बीती रात किराए के मकान में ही छत से गिरकर मौत हो गई । पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी ।भमोरा थाने के गांव केसारी निवासी 24 वर्षीय अतुल पुत्र बनवारी लाल की बीती रात फरीदपुर थाना क्षेत्र में रहने वाले लल्लू सिंह के मकान की छत से गिरकर मौत हो गई । पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि अतुल एक माह से अपनी पत्नी मोहनी देवी के साथ लल्लू सिंह के मकान में किराए पर रह रहा था और ई रिक्शा ठीक करके गुजारा चलाता था । बीती रात उसकी छत से गिरकर मौत हो गई । सुबह होने पर मकान मालिक ने घटना की सूचना उसके घर वालों को दी । लेकिन जब घरवाले मौके पर पहुंचे । तो उन्हें अतुल की लाश घर से लगभग 1 किलोमीटर दूर मिली । घर वालों ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी।

डिवाइडर से टकराई बाइक, एक की मौत-एक घायल

बरेली । तेजी से चल रही है एक मोटरसाइकिल सड़क के बीच डिवाइडर से टकरा गई । जिससे उस पर सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा । घायल की हालत भी नाजुक बनी हुई है ।भोजीपुरा थाने के गांव पीपलसाना चौधरी निवासी 22 वर्षीय रफाकत पुत्र शाहिद हुसैन की बीती रात घर से कुछ ही दूरी पर हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गईस जबकि गांव का ही रहने वाला वसीम गंभीर रूप से घायल हो गया । पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया की रफाकत और वसीम कल शाम को मोटरसाइकिल पर अपने किसी परिचित से मिलने के लिए घर से निकले थे । लेकिन अभय पुर गांव के पास उनकी बाइक अचानक बेकाबू होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकरा गई । जिससे बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गए ।घटना की सूचना मौके पर मौजूद लोगों ने उनके घर वालों को दी । जो मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को इलाज के लिए भोजीपुरा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया । जहां बीती रात रफाकत की मौत हो गई। मृतक पांच भाइयों में सबसे छोटा था स उसकी मां का नाम सितारा बी है । घायल वसीम की हालत भी नाजुक बनी हुई है ।

टेंपो की टक्कर से घायल बाइक सवार ने दम तोड़ा

बरेली । तेजी से आ रहे एक टेंपो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी । जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई । पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा । बदायूं के उसावा थाने के गांव मियारी निवासी 45 वर्षीय अखिलेश पुत्र बालक राम की बीती रात इलाज के दौरान बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई । पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि अखिलेश अपने भाई देवेंद्र के साथ 29 जून को मोटरसाइकिल से किसी परिचित से मिलने के लिए घर से निकला था । लेकिन कुछ दूर चलने के बाद पीछे से आ रहे एक टेंपो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी । जिससे अखिलेश गंभीर रूप से घायल हो गया और देवेंद्र को मामूली चोट आई स दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने टेंपो और उसके चालक को पकड़कर पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी ।जो मौके पर पहुंची और अखिलेश को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उसके घरवालों को सूचना दे दी । जो अस्पताल से उसे इलाज के लिए बरेली ले आए । जहां बीती रात उसकी मौत हो गई स पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और टक्कर मारने वाले टेंपो चालक के विरूद्ध कार्रवाई शुरू कर दी । मृतक की पत्नी का नाम मनश्री है ।

डीएम बोले-विकास कार्यों में लाएं तेजी

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

मंगलवार की देर शाम डीएम डॉ अरविंद कुमार चौरसिया ने कलेक्ट्रेट में सीडीओ अरविंद सिंह की मौजूदगी में शासन की प्राथमिकता के 37 विकास प्रारूपों पर बिंदुवारए रैंकिंगवॉर समीक्षा कर संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। बैठक का सफल संचालन जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने किया।

डीएम ने सीएमओ से पीएम जन आरोग्य योजना के तहत बनने वाले गोल्डन कार्ड व उपचारित मरीजों की संख्याए पुरुष.महिला नसबंदी की अद्यतन प्रगति जानी। गोल्डन कार्ड की धीमी प्रगति पर निर्देश दिए कि अभियान चलाकर अपेक्षित प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन पीएचसीए हेल्थ वैलनेस सेंटर सहित डायलिसिस सेंटर में कार्यदायी संस्थाओं के कार्यों का अनुश्रवण व पर्यवेक्षण करके समय से परियोजनाओं को पूर्ण कराए। उन्होंने औषधियों की उपलब्धताए 102.108 एंबुलेंस का क्रियाशीलता एवं मूवमेंटए टेलीमेडिसिनए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमए पीएम मातृत्व वंदना योजनाए संस्थागत प्रसवए टीकाकरण व आशाओं के भुगतान की विस्तृत समीक्षा की। डीएम ने डीडी कृषि को किसान सम्मान निधि का डुप्लीकेट व मिसमैच डाटा के सुधार हेतु लेखपालों का सहयोग लेकर 25 जुलाई तक ठीक कराएं ताकि पात्र किसान लाभान्वित हो सकें। डीएम ने निर्देश दिए कि जो परियोजनाएं 05 वर्ष से पूर्व स्वीकृत हुई परंतु अबतक पूर्ण ना हो सकीए ऐसी वर्किंग एजेंसी परियोजना अब तक पूर्ण ना होने का लिखित प्रतिउत्तर प्रस्तुत करेंगे। शिथिलता पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी। प्रकरण गंभीर पाए जाने पर संबंधित कार्यदायीं संस्था का खाता कुर्क किया जाएगा। उन्होंने सरकारी संस्थाओं ;बेसिक शिक्षा.पंचायती राज.पुलिसद्ध के बकाया विद्युत भुगतान एक माह में कराए जाने के निर्देश दिए। जल निगम की जो परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैंए उन्हें हैंडओवर कराया जाए। जल निगम द्वारा पाइपलाइन डालते समय खोदी गई सड़कों की अच्छी तरह से मरम्मत कराएए अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने उद्योग.खादी ग्रामोद्योग की विभागीय योजनाओं की प्रगति जानी। वही योजनाओ की अलग से समीक्षा करने की बात कही। श्रम विभाग की योजनाओं की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर सहायक श्रमायुक्त को चेतावनी देकर योजनाओं का जमीनी स्थल पर क्रियान्वयन कराने के निर्देश दिए। पीएम श्रम योगी मानधन योजना के विस्तृत विवरण के साथ उनकी अध्यक्षता में एक बैठक करायी जाए। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन पंचायत भवनों को ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों के माध्यम से नियमित अनुश्रवण कर एक माह में पूर्ण कराएं। वही सामुदायिक शौचालयों का स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संचालन शुरू करें। बैठक में एसीएमओ डॉ आरपी दीक्षित, सीएमएस डॉ आरसी अग्रवाल, डीडीओ अरविंद कुमार सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कल्याण निधि और संस्था की नियमावलियों में संशोधन पर चर्चा

निघासन-खीरी। तहसील अधिवक्ता संघ निघासन की एक बैठक की गई। इसमें इसकी कल्याण निधि और संस्था की नियमावलियों में संशोधन पर चर्चा की गई। इनमें समय पर चुनाव न घोषित करने पर परीक्षण समिति द्वारा इसकी घोषणा कर दिए जाने तथा पदाधिकारियों द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए संघ के धन का गबन करने या उसका हिसाब न देने पर उनके चुनाव लड़ने के अयोग्य हो जाने संबंधी प्रावधान शामिल हैं। इसके अलावा अधिवक्ता कल्याण निधि योजना की नियमावली में तमाम संशोधन किए गए हैं। इस बाबत जानकारी देते हुए संघ के मंत्री सर्वेश मिश्र एडवोकेट ने बताया कि अन्य प्रस्तावों सहित अधिवक्ता संघ की नियमावलियों में संशोधन की काफी समय से जरूरत महसूस की जा रही थी। कई बार इसके पदाधिकारी पद पर बने रहने के लिए समय से चुनावों की घोषणा नहीं करते थे। संघ के पैसे का गलत खर्च कर लिया जाता था या उसका दुरुपयोग किया जाता रहा है। इसके साथ कल्याण निधि योजना के कई प्रावधानों में बदलाव या नए प्रावधान जोड़ने की भी जरूरत थी। संघ अध्यक्ष सुबोध पांडे की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर चर्चा करने के बाद संघ और अधिवक्ता कल्याण निधि योजना की नियमावलियों में संशोधन के बहुमत से प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें उक्त संशोधनों के अलावा नए सदस्य व मानद सदस्य बनानेए परीक्षण समिति के अधिकार बढ़ानेए आजीवन सदस्यों का चंदा बढ़ानेए चुनावी प्रक्रिया तथा संघ के नियमों व निर्णयों का उल्लंघन करने वाले सदस्यों पर कार्रवाई के संबंध में प्रावधान शामिल हैं। बैठक में उपाध्यक्ष उमाकांत जायसवाल, आशीष कश्यप, श्यामबाबू, प्रमोद यादव, रमेश कुमार, आरके चतुर्वेदी आदि वकील शामिल थे।

एफपीओ का गठन, कृषि उत्पादों के अनुरूप क्लस्टर चयन पर हुआ मंथन

लखीमपुर खीरी। गत दिवस उप्र के कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक टंडन ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कृषि उत्पादक संगठनों ;एफ्पीण्ओण्द्ध के डायरेक्टर्स को विभिन्न क्रियाकलापों हेतु प्रशिक्षित किया। अपर मुख्य सचिव ;कृषिद्ध डॉण् देवेश चतुर्वेदी समेत कृषिध्उद्यानध्मत्स्य आदि विभागों के निदेशकों ने विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए योजनाओं को एपीओ से लिंकेज पर जोर दिया।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने एफ्पीओ की आवश्यकता व प्रासंगिकता की जानकारी देते हुए कहा कि क्षेत्र विशिष्ट कृषि उत्पादों को न केवल उनका वाजिब मूल्य व बाजार मिलेगा बल्कि उनके जीवन स्तर में भी आमूलचूल परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए एफ्पीओ संजीवनी का काम करेगा। सचिवए कृषि व कृषि कल्याण भारत सरकार संजय अग्रवाल ने यूपीए गुजरात समेत अन्य राज्यों में एफ्पीओ के क्रियाकलापों हेतु जनपद स्तर पर गठित समितियों के उत्तरदायित्व व अधिकारों के प्रति अवगत कराया। उन्होंने कृषि उत्पादक संगठन के गठनए क्षेत्र विशिष्ट कृषि उत्पादों के अनुरूप कलस्टर चयन पर बल दिया। इस वर्चुअल कार्यक्रम में जिले के प्रत्येक विकासखंड में कम से कम दो.दो कृषि उत्पादक संगठनों के सृजन एवं क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। इस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में डीएम डॉ अरविंद कुमार चौरसिया, सीडीओ अरविंद कुमार उप कृषि निदेशक डॉ योगेश प्रताप सिंह, जिला कृषि अधिकारी सत्येंद्र प्रताप सिंह, जिला उद्यान अधिकारी दिग्विजय कुमार, सहायक निदेशक (मत्स्य) संजय यादव, डीडीएम नाबार्ड सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारी पर फायरिंग का मुकदमा दर्ज

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

विद्युत उप खण्ड अधिकारी पर राजकीय कार्य के दौरान तमंचे से फायरिंग करने के संबंध में थाना कोतवाली सदर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 573ध्21 धारा 307ध्504ध्506 भादवि बनाम आदिल पुत्र तहिताब निवासी छाउछ कॉलोनी थाना कोतवाली सदर खीरी के नामित अभियुक्त को दिनांक 29ण्06ण्21 को कोतवाली सदर पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था और विवेचना पूर्ण कर दिनांक 12ण्07ण्21 को आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया। उक्त घटना से क्षेत्र की जनता में भय व्याप्त हो गया था तथा शान्ति व्यवस्था छिन्न भिन्न हो गई थी। कानून एवं शान्ति व्यवस्था कायम रखने के दृष्टिगत अभियुक्त आदिल के विरुद्ध दिनांक 13.07.21 को रासुका की कार्यवाही की गयी है।

छात्रसभा जिलाध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

समाजवादी पार्टी छात्रसभा के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष प्रवीन यादव के प्रथम नगर आगमन पर शहर की सीमा पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं व युवा संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा माला पहनाकर, गुलदस्ता देकर व गगनभेदी नारों के साथ जोरदार स्वागत किया गया।

समाजवादी छात्रसभा जिलाध्यक्ष का काफिला एल आर पी चौराहाए ओवर ब्रिजए रोडवेज बस अड्डे व सौजन्या चौक से होता हुआ लोहिया भवन पहुंचाए जहां जगह जगह पर कार्यकर्ताओं द्वारा फूल मालाओं से लादकर स्वागत किया गया। लोहिया भवन पर युवाओं व कार्यकर्ताओं को जिला अध्यक्ष सपा रामपाल सिंह यादवए पूर्व मंत्री रफी अमहद उस्मानीए पूर्व जिलाध्यक्ष अनुराग पटेलए पूर्व विधायक सुनील लालाए रामसरनए पूर्व जिलाध्यक्ष छात्रसभा आकाश लालाए क्रांति कुमार सिंहए भूपेंद्र सिंह वर्माए मुन्ना यादव ने सम्बोधित किया वहीं नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रवीन यादव को बधाई व शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष प्रवीन यादव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि जब से केंद्र की सत्ता में मोदी सरकार आई है तब से शिक्षा पर लगातार हमले हो रहे हैं। जे एन यू से लेकर इलाहाबाद विश्वविद्यालय तक देश के बड़े विश्वविद्यालयों को बर्बाद करने की साजिशें रची जा रही हैं वही जिओ जैसी प्राइवेट यूनिवर्सिटी को अनुदान देकर शिक्षा का निजीकरण किया जा रहा आ। निजीकरण के बढ़ावे से शिक्षा महंगी होने के साथ साथ गांव गरीब किसान मजदूर के लिए दूर की कौड़ी हो जाएगी। परन्तु हम डॉ लोहिया व नेताजी मुलायम सिंह यादव को मानने वाले लोग जिनका नारा रोटी कपड़ा सस्ती होए दवा पढ़ाई मुफ्ती हो थाए हम किसी कीमत पर शिक्षा का निजीकरण बर्दाश्त नही करेंगे। सामाजवादी छात्रसभा सबको शिक्षाए सबको काम के नारे के साथ सड़को पर संघर्ष करते हुए युवा विरोधी केंद्र की मोदी व उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी। स्वागत कार्यक्रम के दौरान महासचिव अंसार महलूद, तृप्ति अवस्थी, वरुण चौधरी, अजय सिंह, सुरेश पाल सिंह, हरजीत सिंह, जनमेजय यादव, धनीराम मौर्य, संजय वर्मा, खुर्शीद अहमद, अनुभव यादव, सुधाकर लाला, प्रशांत लाला समेत तमाम वरिष्ठ नेता व युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी चुनाव समेत तीसरी लहर पर संघ का फोकस

● चिंतन शिविर बैठक का हुआ समापन

संवाददाता। चित्रकूट

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पांच दिवसीय राष्ट्रीय चिन्तन बैठक में तय किये मसौदों को सार्वजनिक नहीं किया गया। माना जा रहा है कि कोरोना की सम्भावित तीसरी लहर से बचने और बचाने व यूपी समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में फतह दिलाने की रणनीति पर संघ काम करेगा। छह से 13 जुलाई तक राष्ट्रीय चिन्तन बैठक में संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत ने चित्रकूट में मंथन किया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ व वर्चुअल आनलाइन छोटे-बडे 15 सत्रों में हुई बैठक में सभी की राय परेशानी और उपाय जाने गये। आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय की गई। बैठक के अन्तिम दिन मंगलवार की शाम तक संघ की ओर से कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई। माना जा रहा है कि मंथन के बाद तय मसौदों पर ही संघ आगे काम करेगा। बैठक में किसानों के साथ समन्वय बनाने और कृषि उपज बढाने की परम्परागत कृषि के साथ आधुनिक खेती को किसानों को प्रेरित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों के भविष्य को बेहतर बनाने को संघ कार्य करेगा। पौधरोपण नदियों, तालाबों में सफाई के साथ जागरूकता पर जोर दिया। हिन्दुत्व एजेंडे में बदलाव ना कर मुस्लिमों से समन्वय स्थापित कर संघ से जोड़ने के प्रयास होंगे। अगले वर्ष पांच राज्यों में चुनाव में भाजपा की सरकार बनवाने में सहयोगी भूमिका निभाने की तैयारी की गई। धर्मांतरण समान नागरिक संहिता कानून जनसंख्या नीति और अयोध्या मन्दिर मुददे पर गम्भीरता से काम करने का निर्णय लिया गया। आदिवासियों की समस्याओं का निस्तारण कराने को क्षेत्र में जाकर संघ काम करेगा।

अल्पसंख्यकों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने को संकल्पित है योगी सरकार

●मदरसों में अरबी फारसी के साथ पढ़ाएं विज्ञान व अंग्रेजीः अफरोज

संवाददाता। चित्रकूट

उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सम्मान अफरोज की अध्यक्षता में अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक में सदस्य ने प्रधानमंत्री जनविकास कार्यक्रम, पूर्व दशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति, शादी अनुदान, मदरसा आधुनिकीकरण योजना की समीक्षा की। बुधवार को अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सम्मान अफरोज को लोनिवि डाक बंगले में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी यशवंत मौर्य ने बताया कि जिले में छात्रवृत्ति व शादी अनुदान की सुविधा चल रही है। जिले में पांच मदरसे संचालित हैं। इनमें छह सौ अधिक छात्र-छात्रायें पढ रहे हैं। सबसे अधिक बच्चे मऊ मदरसे में हैं। 2010 में इस मदरसा को अस्थायी मान्यता भी मिल चुकी है। प्रीमैट्रिक में 205 बच्चों में से 170 बच्चों को छात्रवृत्ति मिली है। पोस्ट मैट्रिक में 270 में 176 बच्चों को छात्रवृत्ति मिली है। सदस्य ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी से कहा कि विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार को ब्लाकवार शिविर लगाएं, ताकि ज्यादा से ज्यादा अल्पसंख्यक लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके। जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर अल्पसंख्यकों की कमेटी गठन कर प्रत्येक माह बैठक कर लोगों को अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ दिलाएं। मदरसे की कमियों को चिन्हित कर सरकार की नई नीतियां लागू की गई हैं। उनका गांव में प्रचार करायें। स्वयंसेवी संस्था को जोडकर अल्पसंख्यकों की बस्ती में सेमीनार भी लगायें, ताकि योजनाओं का लाभ मिल सके। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि शादी अनुदान में जिले के लिए कम संख्या मिल रही है। इससे लाभार्थी वंचित रह जाते हैं। मदरसा संचालकों व प्रबंधकों से भी चर्चा की। कहा कि मदरसों में मुस्लिम बच्चों के साथ हिन्दुओं के बच्चों को भी पढाया जा रहा है। बैठक में जिला विकास अधिकारी आरके त्रिपाठी, सीओ सिटी शीतला प्रसाद पाण्डेय, बीएसए राजीव रंजन मिश्र समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। प्रेसवार्ता में अल्पसंख्यक कल्याण प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री हबीब खान, भाजपा नेता पंकज अग्रवाल, अश्वनी अवस्थी आदि शामिल रहे।

शराब बरामद, 30 किलो लहन नष्ट किया

चित्रकूट। पुलिस व आबकारी विभाग ने संयुक्त रुप से छापेमारी कर अवैध शराब बरामद कर शराब बनाने के उपकरण व 30 किलो लहन नष्ट किया। आबकारी एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने टिकुरा, ऊंचाडीह में छापेमारी की। छापेमारी दौरान मनगिरिया निवासी टिकुरा के घर से चार लीटर महुआ की शराब बरामद कर शराब बनाने के उपकरण व 30 किलो लहन मौके पर नष्ट किया।

इकठौर गांव में चोरों ने लाखों का सामान पार किया

राठ (**हमीरपुर**)। कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से लोगों में दहशत व्याप्त है। कोतवाली क्षेत्र के इटकौर गांव में बीती रात चोरों ने एक किसान के घर में घुसकर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी पार कर दी है। इटकौर गांव निवासी किसान रामजीवन पुत्र दयाराम ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की रात वह परिवार सहित घर में सो रहा था। तभी चोरों ने उसके मकान के पीछे से घुसकर कमरे में रखे एक बड़े बक्से का ताला तोड़कर सोने की झुमकी, ब्रजबाला, लोंगहार, अंगूठी, मंगलसूत्र सहित लगभग 120 ग्राम सोना, एक किलो चांदी के आभूषण, 40 हजार रुपये और दूसरे बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे एक लाख 10 हजार रुपये चुराकर ले गये। सुबह जब वह जागा तो कमरे का बिखरा सामान पड़ा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो माह से विद्युत पोल टूटा पड़ा है खेतों में

राठ (**हमीरपुर**)। कस्बे के नहर कोठी के पीछे दो माह से खेत में टूटे पड़े विद्युत पोल से किसान अपने खेत नहीं जा पा रहे है। बुधवार को किसानों ने लिखित शिकायत एसडीएम से की है। किसान रवि कुमार, कल्लू, मुकेश आदि ने बताया कि नहर कोठी के पीछे किसानों के टयूबवेल है। जहां विद्युत लाइन निकली है। दो माह पूर्व तेज हवा से विद्युत पोल टूटकर गिर गये थे। जिससे खेत में जाने के लिये रास्त बंद हो गया है। ना तो उनके ट्रैक्टर निकल पा रहे है। विद्युत विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया दिया है। लेकिन अभी तक विद्युत पोल ठीक नहीं हुआ है। इस संबंध में अधिशाषी अभियंता विमल कुमार ने बताया कि मामला अभी उनके संज्ञान में नहीं है।

पत्नी ने माता- पिता के साथ मिलकर पति को पीटा

राठ (**हमीरपुर**)। कस्बे के खुशीपुरा मोहल्ले में मायके न जाने को लेकर पत्नी ने अपने माता-पिता के साथ मिलकर अपने पति को जमकर मारा पीटा। पीड़ित युवक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। जुगयाना मोहल्ला निवासी शहजाद पुत्र अजमेरी ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी फरजाना के साथ खुशीपुरा मोहल्ले में किराये का मकान लेकर रहता है। उसकी शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। शादी के बाद से रोजना उसकी पत्नी का मायके में आना जाना है। मंगलवार की रात्रि करीब 10 बजे उसकी पत्नी ने मायके जाने के लिए कहा। जब उसने पत्नी को सुबह मायके जाने के लिए बोला तो उसने अपने माता-पिता को फोन करके बुला लिया। बताया कि सास बेबी, ससुर मुन्ना और पत्नी ने उसे जमकर मारापीटा। मारपीट से उसके हाथ पैर में चोटें आयी है।

सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल

राठ (हमीरपुर)। क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर हुई मार्ग दुर्घटनाओं में आधा दर्जन लोग बाइक से गिरकर घायल हो गये हैं। घायलों को इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया गया है। मझगवां थाना क्षेत्र के बरुआ गांव निवासी श्यामलाल पुत्र परशुराम, औंता गांव निवासी भावनीदीन पुत्र किलकुट, महिरापुर निवासी सिद्धार्थ गोस्वामी पुत्र महेंद्र, राना निवासी हंसराज पुत्र घनश्याम, ग्राम धनौरी निवासी छत्रपाल पुत्र गणेशीलाल व ग्राम पहरा निवासी जागेश्वर पुत्र बल्दू घायल हो गये हैं।

अग्निकांड से ग्रामीण की गृहस्थी समेत घर जला

चित्रकूट। रैपुरा थाना क्षेत्र के इटवां गांव में रंजीत यादव पुत्र बद्री यादव के घर में देर रात आग लगने से गृहस्थी का सभी सामान जलकर स्वाहा हो गया। अग्निकांड मंगलवार की रात साढे नौ बजे रैपुरा थाना के इटवां गांव में हुआ। बताया गया कि रंजीत का परिवार खाना खाकर सो रहा था। उसी समय शार्ट-सर्किट से उठी चिंगारी से कच्चे घर के खपरैल में आग लग गई। देखते-देखते आग की भयंकर लपटें उठने लगीं। घर के अन्दर मौजूद परिजनों ने गुहार लगाते हुए बाहर भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित की गुहार पर आधा सैकडा ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद धधकती आग को बुझाने में सफलता प्राप्त की। इस दौरान पीड़ित परिवार के घर में रखी खाद्यान्न सामग्री, कपडे समेत गृहस्थी व अन्य जरूरत की सभी वस्तुयें जलकर राख हो गयी।

धमाके के साथ ट्रांसफार्मर फटा, वृद्धा बाल-बाल बची

संवाददाता। जालौन (उरई)

बाजार बैठगंज में पुराना अस्पताल मैदान के बाहर रखे ट्रांसफार्मर में मंगलवार की रात्रि अचानक आग लग गई। आग लगने के कुछ देर बाद ही ट्रांसफार्मर तेज धमाके के साथ फट गया। ट्रांसफार्मर के करीब सब्जी बेचने वाली वृद्ध महिला बाल बाल बची। वहीं सब्जियों पर ट्रांसफार्मर का तेल फैलने से सब्जियां जल भुन गयी। नगर के बाजार बैठगंज में पुराना अस्तपाल मैदान है। इसी मैदान की बाउंड्री के बाहर ट्रांसफार्मर रखा हुआ है। उसके बगल में ही अस्पताल मैदान की बाउंड्री के बाहर कुछ फुटकर सब्जी विक्रेता सब्जी रखकर बेचते हैं। मंगलवार की रात करीब आठ बजे अचानक ट्रांसफार्मर में फाल्ट हुआ और आग लग गई। थोड़ी ही देर में ट्रांसफार्मर धू धूकर जलने लगा। ट्रांसफार्मर में आग लगते ही आसपास के सब्जी विक्रेता सब्जियां वहीं छोड़कर भाग खड़े हुए। कुछ समय बाद अचानक तेज धमाके के साथ ट्रांसफार्मर का एक हिस्सा तेज धमाके के साथ फट गया ट्रांसफार्मर फटने से उसका तेल बह निकला और आग भी तेज हो गई। गनीमत रही कि ट्रांसफार्मर के पास सब्जी बेच रही वृद्ध महिला सलीमन वहां से हट गई, नहीं तो कोई गंभीर घटना हो सकती थी। लेकिन ट्रांसफार्मर का गर्म तेल जब सब्जियों पर पड़ा तो सब्जियां खराब हो गई। बाजार में मौजूद लोगों ने इस घटना की जानकारी बिजली विभाग व चौकी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस चौकी प्रभारी ज्ञानेश्वर विश्वकर्मा हमराहियों के साथ मौके पर पहुंच गए।

पेट्रो मूल्य वृद्धि कर जनता का खून चूस रही सरकारः कुशल सिंह पटेल

संवाददाता। चित्रकूट

अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के देशव्यापी आहवान पर पेट्रोल पम्पों में कांग्रेसियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। क्षेत्र के सोनेपुर डीजल-पेट्रोल के मूल्यों में लगातार हो रही वृद्धि के विरोध में जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि डीजल-पेट्रोल के दामों में हो रही वृद्धि से आमजनता परेशान है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम काफी कम हैं। केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकारें डीजल, पेट्रोल व गैस के मूल्यों में टैक्स लगाकर आम जनता का खून चूस रही हैं। जिला सचिव विजयमणि त्रिपाठी ने कहा कि डीजल-पेट्रोल के दामों के वृद्धि का असर देश के शिक्षित बेराजगार, नौजवान, मजदूर, किसान, व्यापारी व दिहाडी मजदूरों पर पडा है। इसके चलते लोगों के रोजगार धंधे चौपट हो गये हैं। भाजपा सरकार ने डीजल, पेट्रोल, गैस, सरसो तेल के दाम दुगुने कर दिये हैं। इससे लोगों को जीविका चलाने में परेशानी हो रही है। हस्ताक्षर अभियान में अवधेश करवरिया, अनिल गुप्ता, श्रवण निषाद, लतीफ खान, जागेश्वर, संतोष, अखिलेश, राजकिशोर आदि मौजूद रहे।

नाला सफाई में निकली सिल्ट नहीं उठाने से मोहल्लेवासी परेशान

जालौन (**उरई**)। लगभग 10 दिन पूर्व नगर पालिका द्वारा कोतवाली के सामने नाला की सफाई कराई गई थी। नाले से निकली सिल्ट 10 दिन बाद भी कोतवाली के सामने ही पड़ी हुई है। जिससे कोतवाली में आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है।

नगर पालिका परिषद द्वारा बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए नालों की सफाई कराई गई थी। इसी क्रम में लगभग 10 दिन पूर्व कोतवाली की बाउंड्री के बाहर स्थित नाले की भी सफाई कराई गई थी। नाले की सफाई के बाद नाले से निकली सिल्ट को नाले के बाहर ही निकालकर डाल दिया गया। 10 दिन पूर्व नाले के बाहर डाली गई सिल्ट अभी भी नाले के बाहर ही पड़ी हुई है। कोतवाली की बाउंड्री और मुख्य गेट के दोनों ओर पड़ी गंदगी से बदबू फैल रही है।

पीआरवी कर्मियों ने मां को पुत्र से मिलाया

चित्रकूट। पीआरवी 2027 सीतापुर चौकी थाना कोतवाली को राहुल सिंह ने सूचना दी कि एक पागल महिला दो-तीन सिंह से घूम रही है। सड़क पर बीच रोड में बैठने से वाहनों के आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। बुधवार को सूचना मिलने पर पीआरवी कर्मी कमांडर नसीर अहमद, सब कमांडर हेमन्त कुमार व पायलट शैलेन्द्र कुमार ने तत्काल मौके पर पहुंचकर पीड़ित महिला से बातकर उसकी फोटो व्हाट्सअप में भेजी तो पता चला कि ये महिला जिसका नाम मुन्नीबाई पत्नी वृन्दावन घोष निवासी वर्माडांग थाना दिगौडा जिला टीकमगढ मप्र बताया गया। पुलिस टीम ने महिला के पुत्र भानुप्रताप पुत्र वृन्दावन घोष ने बताया कि महिला उसकी मां है। वह नानी के साथ चित्रकूट आई थी। वहां से मां के खोने पर बहुत तलाश किया। नहीं मिलने पर गुमशुदगी की सूचना दी थी। पीआरवी कर्मियों ने पागल महिला को उसके पुत्र के सुपुर्द कर दिया है।

स्टाक लिमिट को लेकर दाल मिलर और गल्ला व्यापारी रहेंगे हड़ताल पर

जालौन (**उरई**)। भारत सरकार द्वारा दाल मिलर ट्रेडर्स और इंपोर्टर पर स्टाक की लिमिट निर्धारित कर दी। सरकार के इस निर्णय से दाल मिलर व गल्ला व्यापारी नाराज है। सरकार के इस निर्णय के विरोध में गल्ला व्यापारी शुक्रवार को हड़ताल पर रहेगें तथा गल्ला मंडी बंद रहेगी।

गल्ला व्यापार कल्याण समिति के तत्वावधान में व्यापारियों की एक बैठक अध्यक्ष योगेश अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि व्यापारियों के संगठन के केन्द्रीय आहवान पर नगर के व्यापारी भी एक दिवसीय बंद में सम्मिलित होगे। शुक्रवार को गल्ला मंडी पूरी तर बंद रहेगी। केन्द्र सरकार द्वारा दलहन स्टाक की सीमा निर्धारित कर दी है। समिति के अध्यक्ष योगेश चन्द्र अग्रवाल ने कहा कि सरकार द्वारा स्टाक निर्धारित करने के कारण व्यापारियों का व्यापार प्रभावित होगा।

पटटाधारकों को बेहतर सुविधाएं देने का करेंगे पूरा प्रयासःनवीन

संवाददाता। उरई (जालौन)

ज्वाइंट डायरेक्टर खनिज झांसी मंडल झांसी नवीन कुमार दास ने जनपद में आकर खनिज अधिकारी का दायित्व संभालने के बाद पत्रकारों से स्पष्ट किया कि मौरम खनन में गाइड लाइन का पालन पटटाधारकों से कराया जायेगा, साथ ही पटटेधारकों को बेहतर सुविधायें मिले इसके लिये भी वह कार्ययोजना बनायेंगे साथ ही जनपद में नये खनिज क्षेत्रों को विकसित किया जायेगा ताकि राजस्व की बढ़ोत्तरी हो सके। पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने बताया कि वह मूल रूप से बनारस के रहने वाले हैं। इसके पहले वह फतेहपुर, मथुरा, झांसी, ललितपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, कौशाम्बी आदि जनपदों में खनिज अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं।

वर्तमान में वह झांसी मंडल झांसी में ज्वाइंट डायरेक्टर खनिज के पद पर कार्यरत है। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उनकी मंशा जनपद में नये खनिज क्षेत्रों को भी तैयार करने की रहेगी ताकि राजस्व में वृद्धि हो सके। श्री दास ने कहा कि जनपद में संचालित होने वाले मौरंग खंडों के पट्टाधारक गाइड लाइन के अनुसार मौरम खनन करें इसके लिये वह अपनी दायित्वों का निर्वहन करेंगे। साथ ही मौरम पट्टाधारकों को बेहतर सुविधाएं मिले ताकि उन्हें बेबजह जिला मुख्यालय तक भागने से निजात मिले इसका भी वह प्रयास करेंगे।

डीएम से आवास नहीं मिलने की शिकायत

बादा। कलेक्ट्रेट सभागार में आज ग्राम पंचायत खुरहंड विकासखंड महुआ गांव के लोगों ने जिलाधिकारी कार्यालय को लिखित शिकायत पत्र दिया। ग्राम पंचायत खुरहंड विकासखंड महुआ तहसील अतर्रा जिला बांदा के लोगों पीड़ित लोगों ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हो चुके हैं, परंतु वर्तमान महिला प्रधान संगीता के ससुर छत्रपाल सिंह व देवर अजय सिंह द्वारा पीड़ितों को घर बुलाकर प्रति आवास में 25-25000 हजार रुपये की मांग की जा रही है। पीडितों ने बताया कि रूपये देने से इंकार करते हैं तो उन लोगों का आवास अपात्र घोषित कर अपात्र लिस्ट में डलवाया जा रहा है। पैसा ना देने पर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हमारी मांग है कि इसकी जांच कराते हुए प्रधानमंत्री आवास हेतु पात्र व अपात्र की जांच कराते हुए हम सभी को आवास दिलाये जाए व वर्तमान प्रधान व ससुर, देवर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करे।

महिला का शव कुए में उतराता मिला,सनसनी

मौदहा हमीरपुर) क्षेत्र के ग्राम भँमई में चौविस घंटे से गायब महिला का शव बुधवार की सुबह गांव के कुएं में उतराता देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गयी।

फिलहाल स्थानीय पुलिस व ग्रामीण इस घटना को आत्महत्या मानकर चल रहे हैं। थाना क्षेत्र सिसोलर के ग्राम भँमई निवासी राकेश वर्मा गांव में सब्जी बेंच अपने परिवार का पालन पोषण करता है। मंगलवार की सुबह उसकी पत्नी ललिता अचानक गायब हो गयी। राकेश व उसके परिजनों ने उसकी देर शाम तक तलाश की लेकिन उसके बारे में कुछ पता नहीं चल सका। बुधवार की सुबह ललिता का शव गांव के शिव कलिया कुंये में उतराता देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गयी। इसकी खबर फैलते ही कुंये के पास तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गयी और लोग घटना को लेकर तरह-तरह की कयास लगाने लगे। इसकी जानकारी होते ही मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की जानकारी होते ही सिसोलर थाना प्रभारी रीता सिंह ने मौके पर पहुंच ग्रामीणों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद ललिता के शव को कुंये से बाहर निकलवाया। वही घटना की सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी रवि प्रकाश सिंह ने मौके पर पहुंच घटना का जायजा लिया।

पुलिस ने मृतका के शव की जांच पड़ताल कर उसे मेडिकल परीक्षण के लिये भेज दिया। फिलहाल पुलिस व मृतका के परिजनइस घटना को आत्महत्या मान रहे है। पुलिस क्षेत्राधिकारी रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह घटना आत्महत्या प्रतीत हो रही है मेडिकल परीक्षण की रिपोर्ट आने के उपरान्त स्थिति और स्पष्ट हो जाएगी।

अवैध कारोबार पर लगाएं अंकुश

चित्रकूट। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष मो रेहान ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि तरौंहा में बडे पैमाने पर जुआ, सट्टा, जहरीली शराब व गांजा का अवैध कारोबार होने से युवा पीढी तबाह हो रही है। बुधवार को सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष मो रेहान ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि तरौंहा में बडे पैमाने पर जुआ, सट्टा, जहरीली शराब व गांजे का अवैध कारोबार होने से युवा पीढी तबाह हो रही है। दिनरात कई जगहों पर अवैध कारोबार हो रहे हैं। अवैध कारोबार पर अंकुश न लगने से युवा पीढी भटककर तबाही की कगार पर खडी है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग किया कि तरौंहा में हो रहे अवैध कारोबार को जल्द बन्द ना कराया गया तो कोई बडा हादसा हो सकता है।

दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कुरारा (हमीरपुर)। थाना क्षेत्र के कुतुबपुरखोड़ गांव में बीती रात गांव में निवासी महिला ने गांव निवासी दो पुलिसकर्मी व उसके भाइयो के खिलाफ घर मे घुसकर गालीगलौज व मारपीट करने की रिपोर्ट थाने में दर्ज करायी है।क्षेत्र के कुतुबपुर खोड़ निवासी महिला भागवती पत्नी दुष्यन्त यादव ने पुलिस को बताया कि 12 जुलाई को शाम साढ़े सात बजे जब मै परिवार सहित अपने घर पर थी । तभी मेरे पति मकान के बाहर बनी नाली की सफाई करने लगे। मोहल्ले के ही शिव बरन,व नीलेश ने मेरे पति को गाली दिया तथा मना करने पर मारपीट करने लगे। इसके बाद उनके पुलिसकर्मी भाई तैराममिलन व शिवा रमन ने आकर मेरे साथ मारपीट किया तथा मेरे पति व देवर अरविंद व सास को भी मारापीटा। तथा जान से मारने की धमकी दी है। नाली के विवाद में यह लोग आए दिन गाली गलौज करते है। पीड़ित परिवार दहशत में रह रहा है। पीड़ित महिला की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट करने का मुकदमा दर्ज किया है।

अब डूडा कराएगा सीसी और नाली का निर्माण

संवाददाता। कदौरा (जालौन)

मुहल्ला इस्लामाबाद में जल्द 25 लाख की लागत से सीसी रोड व नाली निर्माण किया जाएगा। जिससे लोगो को बरसात में जलभराव व गन्दगी से निजात मिलेगी। जिस पर मुहल्ले के लोगो ने राहत की सांस ली है। बता दें कि इलाकाई लोगों की ओर से काफी समय से सीसी व नाली निर्माण की मांग की जा रही थी।

क्योकि हर बार बारिश में पानी घरों तक पहुचता था। इसी कड़ी में बुधवार को नगर पंचायत ईओ सुनील कुमार सिंह के निर्देश पर अवर अभियंता बृजेन्द्र कुमार ने मुहल्ले का निरीक्षण किया।

उन्होंने सड़क निर्माण में बाधा बन रहे चबूतरे, दीवार को हटाने एंव दरवाजों पर बंधे मवेशियों को अन्य स्थानों पर करने के निर्देश लोगों को दिए। इतना ही नही नगर पंचायत कर्मियों से अतिक्रमण करने वालों की सूची बनाने के लिए कहा ताकि उन पर कार्यवाही की जा सके। मुहल्ले के हाजी मजीद खान, रहमत खान ने बताया कि कच्ची सड़क पर बरसात में कीचड़ व जलभराव हो जाता है। जिससे लोगों को निकलने में कठिनाई होती है।

अवर अभियंता बृजेन्द्र कुमार ने बताया कि 150 मीटर सीसी व नाली निर्माण के लिए नापजोख कर डूडा विभाग को भेज दी है स्वीकृति मिलते ही जल्द कार्य चालू हो जाएगा मुहल्ले में व्याप्त अतिक्रमण हटवाया जाएगा। इस दौरान बबलू अग्रवाल, इरफान खान, शिवशंकर, भारत सिंह दिलीप आदि मौजूद रहे।

महेश्वरी दीन बने ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष

मौदहा (**हमीरपुर**)। विकासखंड परिसर मौदहा में राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन की नई कार्यकारिणी मुख्य अतिथि हर स्वरूप व्यास प्रदेश अध्यक्ष व प्रभारी बुंदेलखंड प्रधान संगठन तथा सभा अध्यक्ष आनंद अशोक सचान मंडलीय उपाध्यक्ष की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर अरतरा प्रधान महेश्वरी दीन प्रजापति को नियुक्त किया गया तथा उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी विजय प्रजापति प्रधान मकरांव तथा शिव कांति प्रधान रीवन को सौंपी गई। ब्लॉक प्रधान संघ के संरक्षक के रूप में असरार अहमद खान प्रधान गुसियारी तथा जिला प्रवक्ता के रूप में शकुंतला विजय शंकर प्रजापति प्रधान सिसोलर को नियुक्त किया गया। महामंत्री के रूप में राजेश कुमारी प्रधान भैंस्ता तथा संगठन मंत्री के रूप में नसीम बानो प्रधान कम्हरिया को जिम्मेदारी सौंपी गई।

आंगनबाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

संवाददाता। राठ (**हमीरपुर**)

उत्तर प्रदेश आंगनबाड़ी कर्मचारी एवं सहायिका एसोशिएशन ने प्रभारी सीडीपीओ पर कुछ आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा षड़यंत्र के तहत आरोप लगाने की शिकायत को लेकर कार्रवाई की मांग करते हुए उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। एसोसिएशन की जिलाध्यक्ष अमिता श्रीवास्तव के नेतृत्व में करीब दो दर्जन आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने बताया कि प्रभारी सीडीपीओ राठ उमा राजपूत को कुछ आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने साजिश के तहत हटवा दिया था। जांच में आरोप सिद्ध नहीं किये जाने के कारण उच्च न्यायालय ने उन्हे बहाल कर दिया था। न्यायालय से बहाल होने के बाद दुबारा कुछ आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने सीडीपीयो के खिलाफ षड़यंत्र रचना शुरू कर दिया है। कार्यकत्रियों ने आरोप लगाया कि जो आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां काम मे लापरवाही करतीं वहीं सीडीपीयो के खिलाफ षड़यंत्र रचती हैं। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि इन कार्यकत्रियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाए। साथ ही न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हुये उन्हें न्याय दिया जाए.ज्ञापन के दौरान मीरा, मुन्नी देवी, सावित्री, उमा देवी, मंजू गुप्ता, मिथलेश ,सुनीता, लाड़कुंवर, मधु सक्सेना, ममता, पुष्पा, प्रतिमा, ऊषा देवी व वीरवती सहित करीब दर्जन कार्यकत्रियां मौजूद रही।

बच्चों के कुपोषण दूर करने के प्रयास करेंः जैन

चित्रकूट। श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट ने सद्गुरु पोषण आरोग्यम प्रकल्प शुरु कर बच्चों को उचित पोषण आहार एवं चिकित्सीय परीक्षण कर रहा है। अभी तक दो चरणों में चित्रकूट क्षेत्र के बाल विकास पर्यवेक्षक समेत 34 आंगनबाडियों के कार्यों की समीक्षा की गई। बुधवार को सद्गुरु शिक्षा समिति की अध्यक्ष एवं समाजसेवी ऊषा बी जैन, जानकीकुण्ड अस्पताल के अधीक्षक डा. एबीएस राजपूत, बालरोग विशेषज्ञ डॉ शिबना शेख व बाल विकास पर्यवेक्षक प्रीती पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों में कुपोषण की समस्या गम्भीर है। बच्चे देश का भविष्य हैं। बच्चों का स्वस्थ्य रहना बहुत जरूरी है। चित्रकूट क्षेत्र के बच्चों में कुपोषण की जानकारी मिलने पर उन्हें कुपोषण से मुक्त करने की शुरुवात की है। ऊषा बी जैन ने कहा कि सभी आंगनबाडियों को घर-घर जाकर कुपोषित बच्चों की स्क्रीनिंग कर उसकी मां से मिलना होगा। कुपोषण क्या है बच्चे को होने वाले नुकसान के बारे में बताना होगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पुरजोर प्रयास करने होंगे। बच्चों के भौतिक विकास को उनका वजन एवं लम्बाई में सुधार हो, तभी परिणाम अच्छा माना जाएगा। बच्चों को दिये जाने वाले उचित आहार की विस्तृत जानकारी दी।

सहयोग से बढ़ाएंगे विकास की रफ्तार

संवाददाता। अमेठी

पार्टी कार्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष का स्वागत करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष

आज गौरीगंज क्षेत्र भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष ब्लाक प्रमुख व जिला पंचायत सदस्यों का अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया प् अभिनंदन कार्यक्रम में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ब्लॉक प्रमुख जिला पंचायत सदस्यों को माल्यार्पण अंगवस्त्रम प्रतीक चिन्ह भेंट कर जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी व पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपाएपंचायत चुनाव के संयोजक दयाशंकर यादव जी द्वारा अभिनंदन किया गया। अभिनंदन कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दुर्गेश त्रिपाठी ने अपने संबोधन में उपस्थित नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष ब्लाक प्रमुख व जिला पंचायत सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी पंचायत प्रतिनिधि पंचायत चुनाव में गांव की सरकार में अवसर मिला है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री योगी व अमेठी के सांसद स्मृति ईरानी के द्वारा योजनाओं विकास कार्यों की चर्चा करते हुए सभी से दीदी के द्वारा विकास कार्य एवं विभिन्न योजनाओं को नीचे तक पहुंचाने का आवाहन किया प् जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरी ने अपने संबोधन में कहा कि जिला पंचायत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना हम सभी जिला पंचायत सदस्यों का कर्तव्य है एवं भ्रष्टाचार मुक्त जिला पंचायत बनाने के लिए सभी जिला पंचायत सदस्यों से सहयोग की कामना की एवं आज जिला पंचायत कार्यालय में 10.00 बजे पहुंचकर अनुपस्थित कर्मचारियों को चेतावनी दिया और कहा आगे से जिला पंचायत कार्यालय पर सभी कर्मचारी 10. 00 बजे उपस्थित होकर आने वाली जनता जनार्दन के कार्यों को निष्पादित करें यदि समय से नहीं पहुंचते हैं तो उनके खिलाफ विधिक कठोर कार्यवाही की जाएगी आगे जिला पंचायत अध्यक्ष ने चर्चा करते हुए कहा यह है प्रचंड बहुमत से जिला पंचायत अध्यक्ष की जीत सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों जनता जनार्दन एवं 7 वर्ष में लोकप्रिय सांसद स्मृति ईरानी द्वारा किए गए सेवा के कार्य विकास के कार्यों की जीत है जिससे अमेठी की जनता ने प्रचंड जीत देकर के दीदी के कार्यों एवं सेवा के कार्यों पर अपनी मुहर लगाई है सभी कार्यकर्ताओं का पुनः आभार व्यक्त किया। पूर्व जिला अध्यक्ष पंचायत चुनाव के संयोजक दयाशंकर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की प्रचंड जीत पर मोदी जी योगी जी एवं अमेठी की सांसद दीदी स्मृति ईरानी जी के कार्यों पर जनता की मुहर है अब गांव की सरकार में भाजपा के कार्यकर्ता की भागीदारी से जनता में काम दिखेगा और गांव का विकास होगा प् गांव का विकास भाजपा के कार्यकर्ता के कारण अब ईमानदारी से काम होगा।भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिनंदन कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश मसाला जिला पंचायत सदस्य कंचन सिंह पत्नी विक्रम सिंह सोनू यज्ञ सैनी कौशलेंद्र सिंह संतोष जायसवाल रामकृष्ण भारतीय मंजू तिवारी अर्चना त्रिपाठी पत्नी सुशांत त्रिपाठी सविता सिंह पत्नी उदय भान सिंह जामो अभिषेक चंद्र कौशिक कृष्णा देवी चौरसियाए जगन्नाथ पांडे ए ब्लाक प्रमुख में बहादुरपुर से चंद्र कली तिलोई से अर्चना सिंह पत्नी कृष्ण कुमार सिंह सिंहपुर से अंकित पासी भादर से प्रवीण सिंह संग्रामपुर से कल्लन देवी अमेठी से मंजू पत्नी संदीप कुमार मौर्य जी उपस्थित रहे प् इन्हीं के साथ केशव प्रसाद सिंह राम प्रसाद मिश्रा रमेश तिवारी विजय किशोर तिवारी राजीव शुक्ल सहित सभी प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक नेता का बछरावां में किया गया भव्य स्वागत

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

आगामी 2022के चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा अपने समस्त प्रकोष्ठो को सक्रिय कर दिया गया है,,इसी क्रम में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अवध प्रांत के अध्यक्ष मोहम्मद नईम द्वारा रायबरेली जनपद का दौरा किया गया ।रायबरेली जाते समय बछरावां के अल्पसंख्यक नेताओं व भाजपाइयों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया ।प्रेस से वार्ता करते हुए मोहम्मद नईम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के हितों के लिए बहुत सी योजनाएं चलाई गई है, संगठन का उद्देश्य है कि वह योजनाएं अल्पसंख्यकों तक पहुंचे ताकि सरकार द्वारा दिया गया नारा सबका साथ सबका विकास सार्थक हो सके, उन्होंने कहा रायबरेली पहुंचकर मुसलमानों से मिलकर हुए उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तथा सरकार की योजनाओं से अवगत कराएंगे ।बछरावां चौराहे पर अल्पसंख्यक नेता मोहम्मद मुजीब के नेतृत्व में फूल मालाओं से स्वागत किया गया, इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भाजपा प्रवेश वर्मा सुनील सागर, राजकुमार, इमरान अली, मुशर्रफ सहित भारी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के लोग उपस्थित रहे।

टीकाकरण को लेकर करें जागरूक

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज सीएमओ कार्यालय में संचालित एकीकृत कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में प्रभारी इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूमए प्रभारी सर्विलांसए प्रभारी सैम्पलिंगए प्रभारी स्टोरए प्रभारी टीकाकरणए मुख्य विकास अधिकारी अपर जिला अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षकए मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों तथा टीम.9 के अधिकारियों के साथ कोविड.19 व उसके टीकाकरण के संबंध में चल रही समस्त कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान समस्त उपजिलाधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद में चल रहे कोविड टीकाकरण के संबंध में जानकारी ली तथा लोगों को जागरूक कर अधिक से अधिक टीकाकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। डीएम ने कहा कि लोगों को कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करनेए मास्क लगानेए सोशल डिस्टेंसिंगए सैनिटाइजर का प्रयोग करने के संबंध में जागरूक किया जाए। इसके साथ में जिलाधिकारी ने हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों को गुणवत्तापूर्ण भोजन की व्यवस्थाए चिकित्सा सुविधाए दवाएंए डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ के द्वारा राउंड बिस्तार एवं चादर बदलने की व्यवस्थाएं हॉस्पिटल परिसर के अंदर एवं बाहर नियमित साफसफाई सैनिटाइजेशन की व्यवस्था नियमित रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों तथा होम आइसोलेट में रह रहे लोगों से लगातार फीडबैक लेने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए साथ ही कंट्रोल रूम में प्राप्त शिकायतों का त्वरित संज्ञान लेते हुए निस्तारण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कंटेनमेंट जोन सहित ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में लगातार फागिंग सैनिटाइजेशन साफसफाई आदि कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

ऊंचाहार में पेड़ पर रस्सी से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता। ऊंचाहार,रायबरेली

कोतवाली थाना क्षेत्र ऊंचाहार के उसरैना ग्राम में उस वक्त हड़कंप मच गया जब बुधवार की सुबह उसरैना गांव के 200 मीटर दूर नहर की पटरी के समीप बबूल के पेड़ में चारपाई के पट्टे के सहारे शिवचंद्र पुत्र स्व राम सजीवन 35 वर्ष का शव लटकते हुए मिला। देखते ही देखते लोगों का मजमा लग गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक के भाई फूलचंद ने बताया कि मेरे भाई का किसी से कोई विवाद नहीं है न ही मेरे जानकारी में किसी से पैसे का कोई लेनदेन है। वही थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पूरा मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। बाकी जब तक पी एम रिपोर्ट नहीं आ जाती है। कुछ कहा नहीं जा सकता। पी एम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

क्विक न्यूज

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

लालगंज रायबरेली। बीती रात हुयी सडक दुर्घटना मे मौत के मामले मे मृतक के चचेरे भाई राकेस सिंह पुत्र वीरपाल निवासी रणगांव ने अज्ञात वाहन के खिलाफमुकदमा दर्ज करा दिया है।प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि रणगांव निवासी परसुराम उर्फबब्बन पुत्र हनुमान सिंह की बीती रात पूरे खारा गांव के सामने सडक दुर्घटना मे अज्ञात वाहन की टक्कर लग जाने से मौत हो गयी थी।मामले मे मुकदमा दर्ज किया गया है।

शराब के अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई

लालगंज रायबरेली। लालगंज प्रभारी निरीक्षक कमलेस यादव ने अवैद्य दारू बनाने वालों के खिलाफसख्त कार्यवाही की है।मामले मे पूरे गुलाब मजरे सेमरपहा गांव मे पुलिस ने पांच भट्ठियां तोडा है।तीन कुंटल लहन नष्ट किया है।साथ ही शंकर पुत्र रामराज के कब्जे से 10लीटर अवैद्य दारू भी बरामद की है।शंकर के खिलाफपुलिस ने मामला दर्ज किया है।

रंजिशन महिला को पीटा

लालगंज रायबरेली। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के कुडवल गांव की रोहिनी पुत्र विजय कुमार लोधी ने गांव के ही अर्जुन पुत्र भुल्लू व प्रदीप पुत्र देसराज के खिलाफउसके साथ मारपीट किये जाने की सिकायत पुलिस मे की है।रोहिनी ने बताया कि प्रतिपक्षीगणों से उसके परिवार से पुरानी रंजिस चली आ रही है जिसको लेकर दोनों नामजद आरोपियों ने उसे लाठी डंडो से मारा पीटा है।मामले की जांच पुलिस कर रही है।

वैक्सीन के अभाव में एसएचसी शिवगढ़ में बन्द रहा वैक्सीनेशन

शिवगढ़,रायबरेली। वैक्सीन के अभाव में बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ में वैक्सीनेशन ठप रहा। वैक्सीनेशन न होने के चलते दर्जनों लोगों को बैरंग वापस लौटना पड़ा। वैक्सीन ना होने के चलते वैक्सीनेशन कक्ष बन्द पड़ा रहा। इस बाबत जब स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी जयराम यादव से बात की गई तो उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को 300 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई गई थी। अस्पताल में वैक्सीन ना होने के चलते मंगलवार को वैक्सीनेशन बंद रहा। उन्होंने बताया कि सम्भवत बृहस्पतिवार को अस्पताल में वैक्सीन आ जाएगी। जिसके बाद पुनः वैक्सीनेशन शुरू हो जाएगा।

पिकअप चालक की असावधानी से उड़े 2 गाड़ियों के परखच्चे, दो व्यक्ति हुए घायल

बछरावां रायबरेली। एक पिकअप चालक की असावधानी के चलते कार तथा एक ट्रैक्टर में भिड़ंत हो गई परिणाम स्वरूप दोनों वाहनों को जहां भारी क्षति पहुंची वही कार सवार पति पत्नी घायल हो गए, घटनाक्रम के अनुसार लखनऊ पश्चिम गांव बाईपास पर ईसिया गांव के मोड़ के सामने आज लगभग 2रू00 बजे अचानक एक पिकअप ईशिया गांव से निकलकर हाईवे पर आ गई, पिकअप चालक द्वारा दाएं एवं बाएं का कोई ख्याल नहीं किया गया नतीजा यह हुआ कि डलमऊ से अपनी कार द्वारा लखनऊ जा रहे अरविंद कुमार अग्रवाल पुत्र सत्यपाल अग्रवाल तथा लखनऊ से आ रहे ट्रैक्टर आमने सामने से टकरा गए, परिणाम स्वरूप कार के परखच्चे उड़ गए ट्रैक्टर को भी भारी नुकसान हुआ, तथा कार सवार अरविंद कुमार व उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए जब तक पुलिस पहुंचती पिकअप व ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गए, दोनों घायलों को अस्पताल लाया गया जहां उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

कोविड प्रोटोकॉल के साथ विश्वविद्यालय परीक्षाएं शुरू

श्रावस्ती। कटरा . स्व श्यामता प्रसाद चौधरी महिला पीजी कॉलेज खरगौरा बस्ती मे बुधवार को बीए तृतीय वर्ष हिंदी व एम ए तृतीय वर्ष मे होम साइंस की परीक्षा संपन्न हुई।पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ सि मी तिवारी ने बताया कि बीए तृतीय वर्ष में 17 छात्राएं परीक्षा दे रही हैं तथा एम ए तृतीय वर्ष में 21 छात्राएं परीक्षा दे रही हैं एक सीट पर एक ही छात्रा को अनुक्रमांक के अनुसार परीक्षा दिलाई जा रही है। इसी प्रकार राजकीय महामाया महाविद्यालय मे बीए तृतीय वर्ष हिंदी मे 12 बी ए द्वितीय वर्ष संस्कृत परीक्षा मे 11व अर्थशास्त्र मे 2परीक्षार्थी शामिल हुएप्राचार्य डा धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को कोविड प्रोटोकॉल के साथ परीक्षा भवन मे प्रवेश दिया गया।

शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें अधिकारी: डीएम

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज जनता दर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय में कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए जन सामान्य की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आए लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड.19 संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें मास्क लगाएं तथा साफसफाई व सैनिटाइजेशन पर नियमित रूप से ध्यान देंए 18 वर्ष से ऊपर आयु के सभी व्यक्ति अपना कोविड टीकाकरण अवश्य कराएं। आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए जन समस्याएं सुनी तथा निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष नाली विवादए भूमि पर अवैध कब्जे वसीयत भूमि की पैमाइश शौचालय राशन आवास आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईए जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित न रखा जाए शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए इसके साथ ही उन्होंने कहा जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राकेश कुमार सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ छेड़ेगा आंदोलन

संवाददाता। अमेठी

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय और जनपदीय नेतृत्व द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा शाहगढ की बैठक ब्लाक अध्यक्ष शशांक शुक्ला की अध्यक्षता में ब्लाक संसाधन केंद्र सभागार हॉल में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष द्वारा शिक्षक समस्याओं के सापेक्ष प्रांतीय नेतृत्व द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को दिए गए 21 सूत्रीय मांग पत्र पर बेहद रूप से चर्चा परिचर्चा की गयी। तथा शासन द्वारा मांगें ना माने जाने पर व्यापक आंदोलन हेतु तैयार रहने को सचेत किया। संघ के मंत्री विनोद यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कार्य समिति के माध्यम से शिक्षकों से अपील की कि संघ का सदस्यता अभियान निरंतर गतिमान है। सभी शिक्षक साथियों से संघ की सदस्यता ग्रहण करने की अपील की गई। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबरन कनौजिया द्वारा पुरानी पेंशन बहालीए कैशलेस चिकित्सा सुविधाए पदोन्नत तिथि से 4600व 4800 ग्रेड पे पर न्यूनतम मूल वेतन 17140 व 18150 दिए जाने शिक्षकों को मिलने वाले परिवार नियोजन प्रोत्साहन भत्ता नगर प्रतिकर भत्ता दिव्यांग भत्ता एवं महंगाई भत्ता बहाल किए जाने जैसी समस्याओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उक्त अवसर पर कोषाध्यक्ष रामकृष्ण पांडे संयुक्त मंत्री रामहेत तथा कार्य समिति के सदस्य हरिराम मीडिया प्रभारी विवेक कुमार सिंहए राजेश ओझाए राम सजीवन दिवेदीए ज्ञानसागर यादवए मोहम्मद हनीफए शिवम गुप्ताए सुषमा मिश्राए राजेश गुप्ताए राम शंकर तिवारीए रामचंद्रए धुवराज यादवए धर्मेंद्र सिंहए विजय शंकर द्विवेदी सहित अन्य कार्य समिति के लोग उपस्थित रहे। जनपदीय कार्य समिति के द्वारा नामित पर्यवेक्षक अनुपमा राव की देखरेख में इस सभा का संचालन किया गया।

आज होगा आनलाइन रोजगार मेले का आयोजन

संवाददाता। अमेठी

सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी अनुपमा रानी ने अवगत कराया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय अमेठी द्वारा 15 जुलाई को कोविड.19 के कारण सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए आनलाइन रोजगार मेले का आयोजन किया गया हैए जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के द्वारा विभिन्न पदों हेतु आनलाइनध्वीडियो कान्फ्रेंसिंगध्टेलीफोनिक इन्टरव्यू के माध्यम से बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इस चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में अभ्यर्थी को कार्यालय आने की आवश्यकता नही है। आनलाइन रोजगार मेले में प्रतिभागिता सुनिश्चित करने के लिए इच्छुक बेरोजगारध्प्रवासी श्रमिकों को अनिवार्य रूप से आनलाइन आवेदन करना हेगा। आनलाइन आवेदन के लिए सर्वप्रथम अभ्यर्थी को सेवायोजन वेब पोर्टल `मूंलवरंदण्नचण्दपबण्पद पर पंजीकरण कराना हेगा। पंजीकरण के पश्चात् उन्हें पुनः आनलाइन रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। पूर्व से वेबपोर्टल पर पंजीकृत अभ्यर्थी अपना लॉगिन आई0डी0 द्वारा रोजगार मेले में आवेदन कर आनलाइन रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते है। रोजगार मेले का उद्देश्य अधिक से अधिक बेरोजगार प्रवासी श्रमिकों को सवेतन रोजगार में नियोजित कराना है।

प्राथमिक शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा

संवाददाता। श्रावस्ती

गिलौला . उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहनिया के प्रांगण में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा गिलौला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और सदस्यों की प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश के क्रम में एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में संगठन के पदाधिकारी और शिक्षक शामिल हुये। बैठक की अध्यक्षता जिला मंत्री सत्य प्रकाश वर्मा द्वारा किया गया जिला उपाध्यक्ष हरीश कुमार द्वारा बैठक में शिक्षकों की समस्याओं को उठाया गया बैठक में 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहालीए आकांक्षी जनपद से ट्रांसफरए कैशलेस चिकित्सा सुविधाए उपार्जित अवकाशए राज्य कर्मचारियों की भांति एसीपी लाभए मृतक आश्रितों की शिक्षक पद पर नियुक्ति दिवंगत हुए शिक्षामित्र और अनुदेशक के आश्रित को नौकरीए रसोइया मानदेय बढ़ोतरी की मांग और परिचर्चा की गई। साथ ही बताया गया कि प्रदेश के किसी भी विद्यालय में विभाग द्वारा कोई भी लैपटॉपए टेबलेटए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट उपलब्ध नहीं कराया गया है इसके बावजूद भी प्रदेश के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण लेने तथा सूचनाएं भेजने के लिए विवश किया जा रहा है ऑनलाइन कार्य की अनिवार्यता पर रोक लगाई जाए। जिला कार्यकारिणी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक जय कृष्ण मिश्रा जी उपस्थित रहे जिला मंत्री द्वारा बताया गया कि सरकार शिक्षकों और कर्मचारियों की कोई मांग नहीं मान रही है साथ ही बार.बार एस्मा लगा कर शिक्षकों के आंदोलन की राह में बाधा डाल रही है यदि सरकार हमारी मांगों पर विचार नहीं करती है तो भविष्य में शिक्षक कर्मचारी आंदोलित होंगे। शिक्षक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर लगातार अपनी मांगे रख रहे हैं लेकिन सरकार इस पर कोई विचार नहीं कर रही है इससे शिक्षकों और कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है पर्यवेक्षक जय कृष्ण मिश्रा जी द्वारा आह्वान किया गया कि ज्यादा से ज्यादा शिक्षक ट्विटर मीडिया प्लेटफॉर्म पर जुड़े और सरकार से अपनी मांग रखें यदि सरकार हमारी मांगों पर नहीं विचार करती है तो हम लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बैठक में प्रमोद सिंह राकेश श्रीवास्तव आरती गुप्ता देवेंदु त्रिपाठी आनंद त्रिपाठी मनीष पाठक धर्मेंद्र चौधरी ऋतु सिंह शगु ता शाहनाज सादिक अ तर प्रदीप जायसवाल अनुराग गुप्ता अरविंद कुमार धर्म सिंह आशीष मिश्रा कृष्ण कुमार रामकरण चौहान अवधेश रमन सुनील चौधरी विनीत कुमार मिस्बाह फारूक शालनी पाठक प्रतिभा शुक्ला गीता शुक्ला पूजा गुप्ता उपस्थित रहे।

गर्भवती व धात्री भी लगवा सकती हैं कोरोना रोधी टीका

संवाददाता। श्रावस्ती

यदि आप गर्भवती हैं अथवा अपने शिशु को स्तनपान करा रहीं हैं तो आपके लिए एक अच्छी खबर है। अब आप भी कोरोना से बचाव के लिए कोरोना रोधी टीका लगवा सकती हैं। टीकाकरण को लेकर फैली विभिन्न भ्रांतियों को मिटाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने गर्भवती को भी कोरोना रोधी टीका लगवाने के संबंध में दिशा.निर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक अपर्णा उपाध्याय ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों व सीएमओ को पत्र भेजकर गर्भवती के टीकाकरण कराने के निर्देश दिए हैं। इससे पूर्व मंत्रालय जच्चा के टीकाकरण को लेकर गाइड लाइन जारी कर चुका है। सीएमओ डॉ एपी भार्गव ने बताया कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर पर अभी पूरी तरह से अंकुश लग भी नहीं पाया है कि नए वैरिएंट सामने आ रहा है । कोरोना वायरस किसी को भी अपनी चपेट में ले सकता है। कोरोना रोधी टीका और कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर ही इससे बचा जा सकता है। इसीलिए सरकार हर किसी को यह टीका लगवाने के लिए कह रही है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर यह टीका मु त लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना से बचाव का टीका गर्भावस्था से के शुरुआती माह से लेकर प्रसव तक कभी भी लगवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जो महिलाएं कोरोना से संक्रमित हुई हैंए वह स्वस्थ होने के तीन माह बाद यह टीका लगवा सकती हैं। उन्होंने कहा कि 35 साल से अधिक आयु की वह गर्भवती जोकि बीपी शुगर अथवा अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैंए उन्हें कोरोना का खतरा सबसे ज्यादा है। कोरोना रोधी टीका गर्भवतियों के लिए सुरक्षित है। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसी गर्भावस्था के दौरान जिन्होंने कोरोना रोधी टीके लगवाएए प्रसव के बाद उनमें और उनके शिशु में एंटीबॉडी पाई गई।

भाजपा नेता ने प्रदेश महामंत्री को भेंट की भगवान श्रीराम की अद्भुत पेंटिंग

संवाददाता। लालगंज रायबरेली

भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय नेता जेपी सिंह और डलमऊ के नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख सिवराम रावत ने कार्यकर्ताओं से जनसम्पर्क करने आये प्रदेस भाजपा महामंत्री एवं अवध क्षेत्र प्रभारी अमरपाल मौर्य को भगवान श्रीराम की शानदार पेंटिंग सम्मान स्वरूप भेंट किया ।इस अवसर पर प्रदेस महामंत्री ने बोलते हुये कहा कि जेपी सिंह भारतीय जनता पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता है ।समाजसेवा और पार्टीहित मे उनके कार्य सराहनीय और अनुकरणीय है ।जेपी सिंह की बदौलत ही डलमऊ मे ब्लाक प्रमुख पर भाजपा का कमल खिला है ।उन्होने कहा कि भाजपा सरकार के काम काज का ही असर पंचायत चुनावों मे साफ दिखायी पडा है ।जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुखों के चुनाव मे भाजपा ने 90 प्रतिसत सीटों पर विजय हासिल की है ।श्रीमौर्या ने भाजपा कार्यकर्ताओं से 2022 विधानसभा चुनाव मे विजयश्री हासिल करने के लिये जी जान से जुटने का भी आहवान किया ।भाजपा नेता जेपी सिंह ने प्रदेस महामंत्री को भरोसा दिलाया है कि रायबरेली जिले मे भाजपा का परचम फिर से लहरायेगा।

डीएम ने तटबंधों का किया गहन निरीक्षण

संवाददाता। गोंडा

डीएम मार्कण्डेय शाही ने बुधवार को तहसील तरबगंज अन्तर्गत घोड़हन ऐली-परसौली तटबंध तथा सोनौली मोह मदपुर सकरौर-भिखारीपुर तटबंध के मर मत कार्य का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम को मर मत कार्य संतोषजनक मिला। सोनौली मोह मदपुर सकरौर-भिखारीपुर तटंबध के निरीक्षण के लिए अचानक पहुंचे डीएम ने पाया कि तटंबध की मर मत का कार्य तेजी से कराया गया है तथा अभी कुछ कार्य कराया जाना शेष है। डीएम ने मौके पर उपस्थित अधिशासी अभियन्ता बाढ़ खण्ड वी0एन0 शुक्ला को निर्देशित किया कि मर मत कार्य एक सप्ताह में पूर्ण कराकर अवगत कराएं। निरीक्षण के दौरान डीएम ने किलोमीटर 11.400 से किलोमीटर 12.500 के बीच बनाए गए स्पर, नोज तथा पिचिंग कार्य को देखा। स्पर न बर 08 पर जब डीएम ने फीते से स्पर को नपवाया तो स्पर की चौड़ाई मानक 05 मीटर के सापेक्ष एक मीटर अधिक मिली। डीएम ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की। स्पर न बर 7, 8 व 9 को परक्यूपाइन से जोड़ने तथा सभी स्परों को एक दूसरे से जोड़ने के निर्देश दिए।सोनौली मोह मदपुर तटबंध का निरीक्षण करने के बाद डीएम ने ऐली-परसौली घोड़हन तटबंध का निरीक्षण किया। वहां पर भी कार्य प्रगति पर पाया गया। तटबंध पर लगे चारों सीसीटीवी कैमरों को डीएम ने कलेक्ट्रेट स्थित कन्ट्रोल रूम से जोड़ने तथा लिंक एसडीएम तरबगंज व थानाध्यक्ष उमरी बेगमगंज को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि तटबंध की मानीटरिंग कन्ट्रोल रूम के साथ ही वे स्वयं अपने मोबाइल से करेंगे। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे से तटबंध की आनलाइन स्ट्रीमिंग होने से बंधे की स्थिति एवं गतिविधियों को सीधे देखा जा सकेगा। डीएम ने ऐली-परसौली में कुछ परक्यूपाइन्स अधोमानक मिलने पर उन्हें तत्काल हटाने के आदेश दिए है। एक्सईएन द्वारा बताया गया कि अधोमानक परक्यूपाइन्स को रिजेक्ट कर दिया गया है तथा उन्हें शीघ्र ही हटाकर गुणवत्तापूर्ण परक्यूपाइन लगाए जाएंगे। वहां पर डीएम ने ग्रामीणों से भी बात की तथा मर मत कार्य के बारे में पूछा। ग्रामीणों द्वारा मर मत कार्य की सराहना की। मौके पर मौजूद एक्सईएन को उन्होंने निर्देश दिए कि किलोमीटर 17.9 से 17.8 तक स्परों के बीच छूटे 05 सेट परक्यूपाइन्स को तत्काल लगवाएं तथा स्परों व नोज के बीच के गैप को समाप्त कर कार्य पूर्ण कराएं। डीएम ने बताया कि यदि बाढ़ की स्थिति बनती है तो 1464 मजरों के 37153 परिवारों के लगभग दो लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हो सकते हैं। अनुमानित सं या के अनुसार बाढ़ खण्ड व आपदा प्रबन्धन सहित अन्य स बन्धित विभागीय अधिकारियों को पूरी तैयारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि बाढ़ चौकियों को सक्रिय रखें तथा इसके साथ ही स्टाफ की तैनाती तथा अन्य स बन्धित विभागों के साथ समन्वय बनाकर रणनीति बनाएं रखें। निरीक्षण के दौरान एसडीएम तरबगंज राजेश कुमार, एक्सईएन बाढ़ खण्ड वी0एन0 शुक्ला, एसओ उमरी करूणाकर पाण्डेय तथा डीएम के ओएसडी शिवराज शुक्ला उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

जंगली जानवर के हमले में बाइक सवार की मौत

संतकबीरनगर। थाना कोतवाली खलीलाबाद के चुरेब स्थित डड़वा चौराहे पर एक व्यक्ति को जंगली जानवर ने ठोकर मार दी जिससे वह घायल होकर सड़क पर गिर गया। आस पास के लोग एवं परिजन घायल को पास के एक अस्पताल में ले गए। जहां कुछ ही समय बाद व्यक्ति को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जहां चिकित्सक ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के ग्राम भुजैनी के रहने वाले देवानंद तिवारी पुत्र सत्यदेव तिवारी अपने निजी काम से मोटरसाइकिल से चुरेब बाजार गए थे। बाइक से घर वापस लौट समय डड़वा चौराहे के पास जंगली जानवर की चपेट में आ गए। जिससे वह सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गए। आस पास के लोगों की मदद से घायल व्यक्ति को भुजैनी स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में ले गए। वहां के डाक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां डाक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।

शिक्षकों ने बैठक कर बनाई संघर्ष की रणनीति

बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक जिले के सभी 14 बीआरसी पर पर्यवेक्षकों की देखरेख में हुई। शिक्षक समस्याओं पर विमर्श कर संघर्ष की रणनीति बनाई गई। संघ के जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि पुरानी पेंशन नीति बहाल किए जाने, कैशलेश चिकित्सा, जनपद के भीतर स्थानान्तरण, अनुदेशकों एवं शिक्षा मित्रों के नियमितीकरण, शिक्षकों की पदोन्नति, उर्पाजित अवकाश, विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षकों, रसोईयों का मानदेय 10 हजार किए जाने आदि विन्दुओं पर जिला स्तर पर नामित पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में वीआरसी केन्द्रों पर बैठके हुई। बताया कि चन्द्रिका सिंह कुदरहा, बालकृष्ण ओझा परसरामपुर, दुर्गेश यादव रामनगर, सुधीर तिवारी बहादुरपुर, शिव प्रकाश सल्टौआ गोपालपुर, श्रुति त्रिपाठी - साऊंघाट, अनिल पाठक कप्तानगंज, शिवपूजन आर्य दुबौलिया, गिरजेश चौधरी बनकटी, रामसागर वर्मा हर्रैया, सन्तोष पाण्डेय- विक्रमजोत, अविनाश दूबे रूधौली और अखिलेश पाण्डेय के संयोजन में गौर बीआरसी पर बैठके हुई। बैठकों में संघ पदाधिकारियों और शिक्षकों ने 21 विन्दुओं पर गहन विचार किया। इसके आधार पर आगामी संघर्ष की रणनीति तय की जाएगी। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि बैठकों में संघ की सदस्यता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पीडी डीआरडीए बी सी सखी प्रशिक्षण का किया शुभारम्भ

संतकबीरनगर। भारतीय स्टेट बैंक आरसेटी मे 6 दिवसीय वन जी पी, वन बी सी सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमे 30 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहे है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन जिला परियोजना निदेशक डीआरडीए प्रमोद कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। परियोजना निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियो को बी सी सखी के महत्वपूर्ण कार्यो एवं अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वहन करने तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर भविष्य में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित लीड बैंक मैनेजर संजय कुमार ने सभी चयनित प्रशिक्षुओं को पूरे मनोयोग से सीखने एवं शत प्रतिशत मन लगाकर कार्य करने के लिए उत्साह वर्धन किया। आरसेटी संस्थान के निदेशक अख्तर हुसेन ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम में मन लगाकर बैंकिंग एवं सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। आरसेटी संकाय सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी द्वारा सभी को समूह के कार्यो के विषय मे विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रोग्राम कोआर्डिनेटर कुमार, अशोक पांडेय तथा महिमा, सुप्रिया, स्नेहलता, बबिता सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

16 से 22 जुलाई तक मनाया जाएगा भूजल सप्ताह: डीएम

गोंडा। भूजल संरक्षण को लेकर आम जनमानस तक संदेश पहुंचाने और जागरूकता लाने के उद्देश्य से 16 जुलाई से 22 जुलाई तक जनपद में भूजल सप्ताह मनाया जाएगा। भूजल सप्ताह का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही द्वारा 27 विभागों के अधिकारियों को प्रचार प्रसार एवं जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की जि मेदारी सौंपी गई है। प्रभागीय वन अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, अधिशासी अभियंता जल निगम, अधिशासी अभियंता सरयू नहर खंड प्रथम, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी, उपनिदेशक कृषि, भूमि संरक्षण अधिकारी, सहायक अभियंता लघु सिंचाई, जिला विकास अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला कृषि अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण खंड, नेहरू युवा केंद्र जिला, समाज कल्याण अधिकारी, परियोजना अधिकारी डूडा, उपायुक्त एनआरएलएम, उपायुक्त मनरेगा, केंद्र प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, उपायुक्त उद्योग, सहायक निदेशक मत्स्य तथा गैर सरकारी संगठनों द्वारा जिला स्तर एवं तहसील स्तर एवं विकास खंड स्तर पर भूगर्भ जल संरक्षण को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। विद्यालयों एवं कॉलेजों में भूजल सप्ताह के मु य विचार बिंदु 'जल संरक्षण है एक संकल्प, नहीं है इसका कोई विकल्प' पर केंद्रित परिचर्चा, संवाद, निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला आदि जागरूकता गतिविधियां आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्रों में नगर विकास विभाग द्वारा पोस्टर, होर्डिंग, बैनर आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा।

अफसरों की देखरेख में हुआ पेंशन फर्जीवाड़ा

संवाददाता। बस्ती

- मामला सामने आने पर बचाव में उतरे अधिकारी, विभाग में मची खलबली
- फर्जीवाड़ा लीक करने वालों की हो रही है तलाश, रिपोर्टर से ही मांगा जा रहा सबूत

जनता इंटर कालेज पोखरा बाजार के सेवा निवृत्ति प्रधानाचार्य दीनानाथ पांडेय को फर्जी षैक्षिक प्रमाण-पत्रों के आधार पर पेंषन स्वीकृति करने और लाखों रुपये के भुगतान के मामले में विभाग पूरी तरह फंसता नजर आ रहा हैं, इस मामलें में जांच अधिकारी, पेंषन स्वीकृति करने वाले अधिकारी, डीआईओएस, ज्येष्ठ लेखा परीक्षक एवं वित्त एवं लेखाधिकारी मंडलीय आडिट की भूमिका संदेह के घेरे में है। जिन लोगों के जिम्मे फर्जीवाड़ा रोकने की जिम्मेदारी थी, उन्हीं लोगों ने फर्जीवाड़ा को अंजाम देने में मदद किया। यहां तक कि अपने ईमानदारी का ढ़ोल पीटने वाले मंडलीय अधिकारी बचाव में उतर आए हैं। यह वही मंडलीय अधिकारी हैं, जिन्होंने नारंग इंटर कालेज वाल्टरगंज के प्रधानाचार्य के मामले में कार्रवाई करने के लिए जमीन आसमान एक कर दिया था, वाहवाही भी खूब बटोरी, मगर सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य के पेंषन स्वीकृति के मामले में न जाने क्यों खामोष रहे, और अब गलत को सही बताने में भी नहीं हिचक रहे है। अचानक यह परिवर्तन कैसे हुआ यह चर्चा का विषय बना हुआ है। पेंषन स्वीकृति करने से पहले एक भी अधिकारी ने यह नहीं देखा कि जो प्रधानाचार्य यूपी बोर्ड से हाई स्कूल किया है, वही प्रधानाचार्य संस्कृत से कैसे सम्पूर्णानंद संस्कृत विष्वविद्यालय वाराणसी से संस्कृत विषय से इंटरमीडिएट कर सकता है?। यह बात खुद संयुक्त षिक्षा निदेषक माध्यमिक मनोज कुमार द्विवेदी ने भी स्वीकारा। बावजूद फर्जीवाड़ा हो गया, और जब रिपोर्टर ने पूछा तो उससे ही फर्जीवाड़े का सबूत मांगने लगे। जबकि जांच रिपोर्ट से स्पष्ट पता चलता है कि फर्जीवाड़ा हुआ है। सर्विस बुक इस बात का सबूत है, कि जांच में ईमानदारी नहीं बरती गई। आडिट रिपोर्ट तक को जिम्मेदारों ने आर्थिक लाभ के लिए दरकिनार कर दिया। चार साल तक पेंषन को रोक कर अधिकारियों ने प्रधानाचार्य और उनके परिवार के साथ सामाजिक एवं अमानवीय अपराध जैसा कार्य किया, क्यों चार साल तक पेंषन रोके रखा गया, इसका जबाव कोई देने को तैयार नहीं है। आर्थिक लाभ देने और पाने के लिए जिस तरह से सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़ा किया गया, उससे पता चलता है कि इस विभाग में फर्जीवाड़ा करने वालों की जड़े कितनी मजबूत है। पत्रावली और सर्विस बुक तक बदल देने की साजिष रचने की बाते सामने आई। इस मामले में इन्कम टैक्स की चोरी होने से भी इंकार नहीं किया जा सकता, जैसा कि जांच रिपोर्ट में इसका जिक्र है। साक्ष्य उपलब्ध कराने वाले षिकायतकर्ता आकाष आर्या का कहना है कि जो भी फर्जीवाड़ा हुआ है, वह सबकी मिली भगत से हुआ, चूंकि इस फर्जीवाड़े में बड़े-बड़े लोग षामिल है, इस लिए इसकी जांच षासन स्तर से होनी चाहिए, तभी सच्चाई सामने आएगी और कई ईमानदार अधिकारी की पोल खुलेगी।

एकतरफा प्यार के मामले में आरोपी एसआई सेवा से बर्खास्त

संवाददाता। बस्ती

- अन्य आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में जांच अधिकारी ने किया दोषमुक्त
- कोर्ट में दाखिल की चार्जषीट, 23 जुलाई को बर्खास्त एसआई को कोर्ट ने किया तलब

कोतवाली क्षेत्र के पोखरभिटवा निवासी एक युवती से एकतरफा प्यार मामले में आरोपी तत्कालीन चौकी इंचार्ज दीपक सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। मामले में आरोपी एसआई दीपक सिंह के विरूद्ध सीजेएम कोर्ट में चार्जषीट दाखिल की गई है। मामले में अन्य आरोपी पुलिस और राजस्वकर्मियों को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया है। वहीं चार्जषीट दाखिल होने के बाद कोर्ट ने 23 जुलाई को उसे हाजिर होने के लिए तलब किया है। बता दें कि कोतवाली थाना क्षेत्र के पोखरभिटवा निवासी एक युवती से सोनूपार चौकी इंचार्ज दीपक सिंह ने पहले उससे प्यार का इजहार किया, लेकिन जब युवती ने इंकार कर दिया तो अपने रसूख का इस्तेमाल करते हुए दारोगा ने उसके पूरे परिवार पर मुकदमों की बौछार कर दी। मामला सीएम दरबार तक पहुंचा तो एडीजी गोरखपुर निखिल कुमार बस्ती पहुंचे। कमिष्नर,आईजी, डीएम, एसपी संतकबीरनगर की टीम ने इस हाई प्रोफाइल मामले की जांच की। प्रथम दृष्टया मामले में लापरवाही पाए जाने के चलते तत्कालीन एसपी हेमराज मीणा को हटा दिया गया। सीओ गिरीष कुमार सिंह निलम्बित कर दिए गए। आरोपी दारोगा दीपक सिंह, कोतवाल समेत 11 पुलिसकर्मी और दो राजस्वकर्मियों को मामले में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर निलम्बित कर दिया गया। मामले में युवती की तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू हुई। पीड़िता की मांग पर जांच संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद के सीओ अंषुमान मिश्र को सौपी गई। उनके द्वारा 83 लोगों के बयान लिए गए। 21 मार्च को आरोपी दारोगा दीपक सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसे कोर्ट ने 18 जून को जमानत पर रिहा किया। जमानत मिलने के बाद बाहर आए दारोगा को नियुक्ति अथारटी ने सेवा से बर्खास्त कर दिया। जांच में पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण अन्य आरोपियों को दोषमुक्त करार देते हुए कोर्ट में चार्जषीट दाखिल की है।

एसपी ने अपराधियों की गहनता से की समीक्षा, दिए निर्देश

- बीट क्षेत्र के असमाजिक तत्वों पर पैनी दृष्टि रख उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई हत्या, बलात्कार, लूट डकैती, चोरी, अपहरण के अपराधों पर पूर्णतया अंकुश लगाने व प्रभावी कार्रवाई के भी निर्देश

संवाददाता। संतकबीरनगर

समीक्षा करते एसपी

पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा गत 13, जुलाई, 2021 को रात्रि में पुलिस लाइन्स स्थित सभाकक्ष में मासिक अपराध गोष्ठी में कानून-व्यवस्था की समीक्षा की गयी तथा आवश्यक निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अज्ञात अभियोगों को वर्क आउट, गौ तस्करी/गौकसी के अपराधों पर जीरो टालरेन्स रखते हुए प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही, अवैध शराब बिक्री निष्कर्षण, मादक पदार्थों की बिक्री, परिवहन के विरूद्ध कठोर कार्यवाही, थाना क्षेत्र की बीट प्रणाली चुस्त दुरुस्त की जाय, बीट आरक्षी अपने बीट क्षेत्र के गणमान्य लोगों से निरन्तर संपर्क में रहें व बीट क्षेत्र के असमाजिक तत्वों पर पैनी दृष्टि रख उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही, हत्या, बलात्कार, लूट, डकैती, चोरी, अपहरण के अपराधों पर पूर्णतया अंकुश लगाने व प्रभावी कार्यवाही, टॉप 10 में चिन्हित अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही किया जाये तथा टॉप 10 अपराधियों की सूची को निरन्तर अद्यावधिक (अपडेट) करते हुए नये अपराधियों को सूची में सम्मिलित करने, आईजीआरएस के लम्बित संदर्भो की समीक्षा, विवेचनाओं के निस्तारण, पुराने मामलों के निस्तारण, जनता द्वारा दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्रों के निस्तारण, शहर व ग्रामीण इलाकों में रात्रि गश्त बढ़ाने, अभियुक्तों के प्रति वैधानिक कार्यवाही, वांछित अभियुक्त/वारंटियों की शत प्रतिशत गिरफ्तारी, पुरस्कार घोषित अपराधियों के बारे में समीक्षा कर उनकी शीघ्र गिरफ्तारी, आपराधिक घटना की सूचना पर घटनास्थल पर तत्काल पहुँचने तथा आवश्यक कार्यवाही करनें, आम जनता से अच्छा व्यवहार, जनप्रतिनिधियों का सम्मान तथा मीडिया के लोगों से भी अच्छा सम्बन्ध रखनें हेतु निर्देश दिये गये। कोरोना महामारी के रोकथाम हेतु थाना परिसर में मौजूद तथा आने जाने वाले व्यक्तियों को कोरोना रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा जारी किये गये दिशा-निर्देश के शत-प्रतिशत अनुपालन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, समस्त प्रभारी निरीक्षक /थानाध्यक्ष व समस्त शाखा प्रभारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा के नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुखों व जिपं सदस्यों का हुआ स्वागत

मंचासीन नवनिर्वाचित ब्लाक प्रमुख व जि0पं0 सदस्य

- खुले मंच से भाजपा के बागी नेताओं को पूर्व ब्लाक प्रमुख ने दिया चुनौती बचाये अपना घर

संवाददाता। संतकबीरनगर

भाजपा के जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव की अध्यक्षता मे बुधवार को खलीलाबाद स्थित एक हाल पर नवनिर्वाचित भाजपा के ब्लाक प्रमुखो व जिला पंचायत सदस्य का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अष्टभुजा प्रसाद शुक्ला एवं इन्द्रजीत मिश्र रहे। कार्यक्रम का संचालन हेमन्त चतुर्वेदी ने किया। मुख्य अतिथि अष्टभुजा प्रसाद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं के बदौलत ही फिर से भाजपा की सरकार लाने का कार्य किया जाएगा। जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव ने बताया कि धीरे-धीरे जनता में भाजपा की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है इसका प्रत्यक्ष प्रमाण स्थानीय पंचायत चुनाव को देखने से लगता है। पूर्व जिलाध्यक्ष सेतवान राय ने बताया कि पंचायत चुनाव में भाजपा की प्रचंड लोकप्रियता यह साबित करती है कि आने वाला चुनाव भाजपा फिर से जीतेगी। कार्यक्रम मे पूर्व जिलाध्यक्ष सेतवान राय, खलीलाबाद ब्लाक प्रमुख श्रीमती प्रमिला देवी, मेंहदावल ब्लाक प्रमुख पुष्पा त्रिपाठी, बघौली ब्लाक प्रमुख श्रीमती सरिता सिंह सैथवार, बेलहर ब्लाक प्रमुख भूपेंद्र सिंह, सांथा ब्लाक प्रमुख अरविंद कुमार, नाथनगर ब्लाक प्रमुख रामवृक्ष यादव, नीरज त्रिपाठी, संगीता सोनी, कृष्ण कुमार चौरसिया, अमरीश पाल, बंधु चौहान, विवेकानंद बर्मा, अनिरुद्ध निषाद, विनोद पाण्डेय, जगदंबा लाल श्रीवास्तव, अर्जुन चौधरी, राकेश मिश्रा, शिवाजी शुक्ला, कपिल देव कनौजिया, महेंद्र राजभर, पूर्व ब्लाक प्रमुख नाथनगर सत्यपाल पाल, दिगपाल, शिशु राय, हैप्पी राय, विजय बहादुर सिंह, सचिन राय, शिवाजी शुक्ला, राम नयन शर्मा, कन्हैया यादव, अरविंद यादव, बाल रूप कनौजिया, ज्ञानेंद्र मिश्र, सर्वेश त्रिपाठी, अमरमणि पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, राजू चौरसिया, बुद्धीसागर पाण्डेय, सिद्धनाथ चौरसिया, इंद्रसेन सिंह, हरिशंकर निषाद, अजीत राय, आशीष त्रिपाठी, मनीराम यादव, नरेंद्र पाण्डेय, भरत भुआल, दिलीप राय, प्रमोद शुक्ला, रामजी यादव, विजय बहादुर सिंह, संतलाल, संगीता वर्मा, उर्मिला त्रिपाठी, तारा राय, निशा पाण्डेय, विमला सिंह, सतविंदर जज्जी, निरंजन लोहिया, अभिषेक त्रिपाठी, अबरार अहमद, प्रभुनाथ ओझा, नित्यानंद, अरविंद शुक्ला, मीडिया प्रभारी ब्रह्मानंद पाण्डेय, प्रशांत मिश्रा, राम यज्ञ पाण्डेय, श्रीसहाय पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे।

सादगी के प्रतीक थे पूर्व सांसद सुरेन्द्र यादव: राम प्रसाद चौधरी

संवाददाता। संतकबीरनगर

पूर्व सांसद स्व. सुरेन्द्र यादव के श्रद्धाजलि सभा का आयोजन बुधवार को खलीलाबाद शहर के एक हाल में किया गया। जिसमें विभिन्न राजनैतिक दलो के नेताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजलि दिया तथा मंच के माध्यम से अपने विचारो को रखा। श्रद्धाजलि सभा में बस्ती जनपद के पूर्व मंत्री रामप्रसाद चौधरी पहुँचकर श्रद्धाजलि देते हुए। उन्होंने सभा को स बोधिता करते हुए कहा कि पूर्व सांसद सुरेन्द्र यादव सादगी के प्रतीक थे। उन्होंने अपने संसदीय कार्यकाल में किसी प्रकार की कुन्डा को नही रखा। सर्वसमाज के हित में कार्य करते हुए निष्ठा व ईमानदारी के साथ जनसेवा किये। पूर्व सांसद सभी के लोकप्रिय रहे। सर्वसमाज के एक बुलावे पर वह पहुँचते थे। स्व0 सुरेन्द्र यादव ने कभी भी जाति की राजनीति नही की। किसी भी राजनैतिक दल का कोई भी व्यक्ति यदि उन्हें आमंत्रित करता था तो वह अवश्य उनके स मान में पहुचते थे। जनपद संतकबीरनगर के लिए हमेशा पूर्व सांसद सुरेन्द्र यादव याद किये जायेगे। श्रद्धाजलि सभा में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न राजनैतिक दलो के नेताओं ने सभा में पहुँचकर श्रद्धाजलि दी। सपा वरिष्ठ नेता जयराम पाण्डेय, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष यादव, रामदरश यादव, समाजसेवी डॉ0 उदय प्रताप चतुर्वेदी, नित्यानन्द यादव, शकुन्तला देवी, पूर्व विधायक धनघटा अलगू प्रसाद चौहान, के0डी0 यादव, प्रदीप सिंह, सपा जिलाध्यक्ष गौहर अली खॉ, कौशल चौधरी भारी सं या में सभ्रान्त नागरिक उपस्थित रहे।

इंग्लैंड ने पाक का किया सूपड़ा साफ

एपी। बर्मिंघम

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को तीन विकेट से किया पराजित

जेम्स विन्स के शतक की मदद से इंग्लैंड ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को तीन विकेट से पराजित करके तीन मैचों की श्रृंखला में 3–0 से क्लीन स्वीप किया। विन्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले शतक से इंग्लैंड ने 332 रन के लक्ष्य को 48 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल कर दिया। विन्स के 95 गेंदों पर 102 रन के सामने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की 158 रन की पारी फीकी पड़ गई।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण मिलने पर नौ विकेट पर 331 रन का बड़ा स्कोर बनाया था लेकिन इंग्लैंड की दूसरी श्रेणी की टीम ने उसे बौना साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कुछ खिलाड़ियों के कोविड–19 से संक्रमित होने के कारण अपनी मूल टीम के पृथकवास पर चले जाने के बाद इंग्लैंड को इन तीन मैचों में पूरी तरह से नई टीम उतारनी पड़ी थी। इंग्लैंड का स्कोर 24 ओवर के बाद पांच विकेट पर 165 रन था लेकिन इसके बाद विन्स ने लुईस ग्रेगरी (77) के साथ 129 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। विन्स को हारिस रऊफ़ (65 रन देकर चार) ने मिड ऑफ पर कैच कराया जबकि ग्रेगरी भी गेंद हवा में लहरा गए। तब इंग्लैंड लक्ष्य से 29 रन पीछे था। क्रेग ओवरटन (नाबाद 18) और ब्रेडन कार्स (नाबाद 12) ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। कार्स ने इससे पहले 61 रन देकर पांच विकेट भी लिए थे। इससे पहले पाकिस्तानी पारी का आकर्षण बाबर का शतक और मोहम्मद रिजवान (74) के साथ उनकी 179 रन की साझेदारी रही। इंग्लैंड की तरफ से कार्स के अलावा सादिक महमूद ने 60 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

आयरलैंड ने दूसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 43 रन से हराया

डबलिन (एपी)। कप्तान एंडी बालबियर्नी के शतक से चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने वाले आयरलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 43 रन की धमाकेदार जीत दर्ज की। बालबियर्नी ने 117 गेंदों पर 102 रन बनाए जिसमें 10 चौके शामिल हैं। हैरी टेक्टर ने चार छक्कों की मदद से 79 रन का योगदान दिया जिससे आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पांच विकेट पर 290 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान के 84 रन और रासी वान डर डुसेन के 49 रन के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 48.3 ओवर में 247 रन पर आउट हो गई। आयरलैंड की तरफ से मार्क एडेर, जोश लिटिल और एंडी मैकब्रायन ने दो दो विकेट लिए। आयरलैंड की दक्षिण अफ्रीका पर यह पहली जीत है जिससे उसने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई। पहला मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। दक्षिण अफ्रीका को श्रृंखला में हार से बचने के लिए अब शुक्रवार को होने वाले तीसरे और अंतिम मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

नेतृत्वकर्ता के रूप में सभी को एकजुट और खुश रखना चाहता हूं: शिखर धवन

कोलंबो (भाषा)। श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम की कमान संभाल रहे शिखर धवन का मानना है कि नेतृत्वकर्ता का काम सभी को एकजुट और मानसिक रूप से अच्छी स्थिति में रखना है। विराट कोहली और अन्य अहम खिलाड़ियों के न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए इंग्लैंड जाने के बाद बाएं हाथ के बल्लेबाज धवन को सीमित ओवरों की टीम की कमान सौंपी गई। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर मेजबान टीम के खिलाफ पांच टेस्ट भी खेलेगी। भारत का श्रीलंका दौरा 18 जुलाई से शुरू होगा जिसमें टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने हैं।

धवन ने स्टार स्पोर्ट्स के शो फॉलो द ब्ल्यूज पर कहा, यह मेरे लिए बड़ी उपलब्धि है कि मैं भारतीय टीम का कप्तान बना हूं। एक नेतृत्वकर्ता के रूप में मैं चाहता हूं कि सभी एकजुट और खुश रहें– यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उन्होंने कहा, हमारे पास अच्छी टीम, शानदार सहयोगी स्टाफ है और हमने पहले भी एक साथ काम किया है। धवन ने कहा कि पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के साथ उनके रिश्ते अच्छे हैं जिन्हें श्रीलंका दौरे के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। धवन ने कहा, राहुल भाई के साथ मेरे रिश्ते अच्छे हैं। जब मैंने रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया तो मैं उनके खिलाफ खेला और तभी से उन्हें जानता हूं। जब मैं भारत ए की ओर से खेला तो मैं कप्तान था और वह कोच थे इसलिए बातचीत होती थी। उन्होंने कहा, जब वह एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) के निदेशक बने तो हम लगभग 20 दिन के लिए वहां जाते थे इसलिए काफी बात होती थी और अब हमारे बीच अच्छे रिश्ते हैं। अब हमें छह मैच एक साथ खेलने का मौका मिला है इसलिए काफी मजा आएगा और मुझे लगता है कि हम सभी एक साथ अच्छा प्रदर्शन करेंगे। चयनकर्ताओं ने रुतुराज गायकवाड़ और चेतन सकारिया जैसे कई उभरते हुए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव नहीं है और धवन चाहते हैं कि ए युवा खिलाड़ी अपने सफर का लुत्फ उठाएं।

योगी ने टोक्यो ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले यूपी के खिलाड़ियों से बात कर बढ़ाया मनोबल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● ओलम्पिक खिलाड़ियों के प्रयासों से नई पीढ़ी को स्फूर्ति एवं प्रेरणा मिलेगी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर में टोक्यो ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले उत्तर प्रदेश के 10 खिलाड़ियों प्रियंका गोस्वामी, सुश्री अन्नू रानी, सीमा पुनिया, वंदना कटारिया, सौरभ चौधरी, मेराज अहमद खान, अरविन्द सिंह, सतीश कुमार, शिवपाल सिंह एवं ललित कुमार उपाध्याय से वर्चुअल वार्ता कर उनका मनोबल बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के इस कालखण्ड में ओलम्पिक खिलाड़ियों के प्रयासों से नई पीढ़ी को स्फू र्ति एवं प्रेरणा मिलेगी। इनके द्वारा देश एवं प्रदेश का मान बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ओलम्पिक में एकल खेल में स्वर्ण पदक लाने वाले खिलाड़ियों को 6 करोड़ रुपएए रजत पदक लाने वालों को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक लाने वाले खिलाड़ियों को 2 करोड़ रुपए, प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को 10 लाख रुपए तथा टीम खेल में स्वर्ण पदक लाने पर 3 करोड़ रुपए, रजत पदक लाने पर 2 करोड़ रुपए, कांस्य पदक लाने पर 1 करोड़ रुपए एवं प्रतिभाग करने पर 10 लाख रुपए का सहयोग करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा है कि अपने खिलाड़ियों को आगे बढ़ना चाहिए और अलग–अलग फ ील्ड के प्रतिभाशाली लोगों को सरकार की ओर से एक मंच मिलना चाहिए। केन्द्र एवं राज्य सरकार इसी दिशा में प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत अभी हर स्तर पर प्रतिस्पर्धाएं चल रही हैं जिससे नई पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। स्कूलए कॉलेज व गांव में अलग–अलग स्तर पर यह कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने कहा कि खेल का मैदान, स्टेडियम, मिनी स्टेडियम का निर्माण एवं स्पोर्ट्स किट उपलब्ध करायी जा रही है। प्रदेश सरकार के युवा कल्याण विभाग द्वारा हर गांव में युवक मंगल दल गठित करने के साथ उन्हें स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जा रही है। यह अभियान निरन्तर आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की जायेगी। यह यूनिवर्सिटी सभी खिलाड़ियों को जोड़कर उनकी प्रतिभाओं एवं ऊर्जा का लाभ राज्य के युवाओं को आगे बढ़ने एवं एक नये मंच को प्रदान करने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री से संवाद कार्यक्रम में शूटर मेराज अहमद खान ने प्रदेश में शूटिंग रेंज की स्थापना की जरूरत बताई, जिस पर सीएम ने कहा कि वाराणसी और लखनऊ में शूटिंग रेंज की स्थापना हो रही है।

जापान के राजा नारुहितो करेंगे टोक्यो ओलंपिक की शुरुआत की घोषणा: रिपोर्ट

भाषा। टोक्या

जापान के राजा नारुहितो के 23 जुलाई को तोक्यो ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने की उम्मीद है और वह खेलों की शुरुआत की घोषणा कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

क्योदो समाचार एजेंसी ने इस मामले की जानकारी रख ने वाले एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ओलंपिक का मेजबान देश उद्घाटन समारोह में राजा की मौजूदगी के लिए इंतजाम कर रहा है। खबर के अनुसार नारुहिता शाही महल में मेहमान विदेशी प्रतिनिधियों से मिलने के लिए भी तैयार हैं। खबर के अनुसार हालांकि शाही सदस्यों के अन्य स्पर्धाओं को देखने की संभावना नहीं है क्योंकि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए आयोजन समिति ने लगभग सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन खाली स्टेडियम में कराने का फैसला किया है। नारुहितो तोक्यो 2020 ओलंपिक और पैरालंपिक के मानद संरक्षक हैं। उनकी उम्र 61 साल है। ओलंपिक चार्टर के अनुसार मेजबान देश का राष्ट्राध्यक्ष खेलों की शुरुआत की घोषणा करता है। राजा नारुहितो ने इससे पहले इम्पीरियल हाउसहोल्ड एजेंसी के ग्रैंड स्टीवर्ड यासुहिको निशिमुरा के जरिए चिंता जताई थी कि तोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में इजाफा हो सकता है। नारुहितो तीसरे राजा हैं जिन्होंने मानद संरक्षक की भूमिका स्वीकार की है।

टोक्योः 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, टोक्यो के ओदैबा खंड में बड़े ओलंपिक रिंग प्रदर्शित किए गए

शपथ लेने वालों की संख्या तीन से बढ़ाकर छह की गई

भाषा। तोक्यो

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि लैंगिक समानता सुनिश्चित करने के लिए टोक्यो ओलंपिक खेलों के उदघाटन समारोह में शपथ लेने वालों की संख्या तीन से बढ़ाकर छह कर दी गई है। इसके साथ ही शपथ में समावेश और समानता शब्दों को शामिल करने के लिए थोड़ा बदलाव भी किया गया है। ओलंपिक शपथ सभी प्रतिभागियों की तरफ से मेजबान देश का एक खिलाड़ी लेता है। इस समारोह में एक कोच और एक जज भी शामिल होता है। जापान में इस बार इनमें से प्रत्येक समूह से एक पुरुष और एक महिला शपथ लेगी। ओलंपिक में 1920 से ही शपथ लेने का प्रचलन रहा है। इस बार ओलंपिक खेल 23 जुलाई से शुरू होंगे। आईओसी ने बयान में कहा, शपथ लेने वालों में लिंग समानता ओलंपिक चार्टर के अनुसार खेलों में सभी स्तर पर महिलाओं को बढ़ावा देने के आईओसी और आयोजन समिति के कई फैसलों और प्रतिबद्धताओं में से एक है। शपथ की शुरुआती पंक्ति में दो नए शब्द समावेश और समानता जोड़े गए हैं। आईओसी के एथलीट आयोग की सिफारिश पर शपथ में ए दो नए शब्द जोड़े गए हैं। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने अप्रैल 2021 में इन सिफारिशों को मंजूरी दी थी। आईओसी कार्यकारी बोर्ड के फैसले के बाद सभी भागीदार देशों को इस बार उदघाटन समारोह में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी को ध्वजवाहक बनाने की अनुमति दी गई है। भारत ने महिला मुक्केबाज एम सी मेरीकोम और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह को उद्घाटन समारोह के लिए ध्वजवाहक चुना है। आठ अगस्त को होने वाले समापन समारोह में पहलवान बजरंग पूनिया ध्वजवाहक होंगे।

खिलाड़यों को खुद ही अपने गले में डालना होगा ओलंपिक पदक

तोक्यो (एपी)। टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से बचाए रखने के लिए खुद ही अपने गले में पदक डालने होंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अध्यक्ष थॉमस बाक ने 339 स्पर्धाओं के पारंपरिक पदक समारोह के लिए हुए बहुत अहम बदलाव का खुलासा बुधवार को किया। बाक ने तोक्यो से कांफ्रेंस कॉल पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया को बताया, पदकों को गले में डालकर नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, पदक खिलाड़ी को ट्रे में पेश किए जाएंगे और फिर एथलीट पदक लेकर खुद अपने गले में डालेंगे। बाक ने कहा, साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जो भी व्यक्ति ट्रे में पदक रखेगा, वह कीटाणुरहित दस्ताने पहनकर ही इन्हें ट्रे में रखेगा ताकि सुनिश्चित हो कि किसी ने भी पदकों को छुआ नहीं हो।

बाक ने सुगा से मुलाकीत की

तोक्यो (एपी)। कोरोना वायरस के बढ़ते हुए मामले उसी दिन दर्ज किए गए जिस दिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक को टोक्यो में जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा से शिष्टाचार मुलाकात करनी थी। सुगा और बाक दोनों ने कहा है कि तोक्यो ओलंपिक सुरक्षित होंगे जबकि खेलों का उद्घाटन तोक्यो और पड़ोसी प्रांतों में केंद्र सरकार द्वारा लागू आपातकाल के बीच होगा। तोक्यो में बुधवार को कोरोना वायरस के 1,149 नए मामले दर्ज किए गए। लगभग छह महीने पहले 22 जनवरी को 1,184 मामलों के बाद से ए एक दिन में सर्वाधिक नए मामले हैं। साथ ही लगातार 25वें दिन पिछले हफ्ते की तुलना में अधिक मामले दर्ज किए गए। सुगा ने बाक से सुनिश्चित करने को कहा है कि ओलंपिक सुरक्षित होंगे विशेषकर जापान की जनता के लिए जिनमें 20 प्रतिशत से कम का ही पूर्ण टीकाकरण हुआ है। सुगा ने बाक से कहा, हमारे लोगों को समझाने और तोक्यो 2020 खेलों की सफलता के लिए यह बेहद आवश्यक है कि सभी प्रतिभागी महामारी के खिलाफ कार्रवाई और उपाय करें। उन्होंने कहा, खेलों के मेजबान के रूप में, मुझे उम्मीद है कि आईओसी प्रयास करेगा जिससे कि सभी खिलाड़ी और हितधारक इन उपायों का पूरी तरह से पालन करें।

फिटनेस भारतीय हॉकी टीम की सबसे बड़ी पूंजी, टोक्यो में जीत सकती है पदक

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय हॉकी के दिग्गज धनराज पिल्लै का मानना है कि इस बार बेहद फिट टीम टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने के लिए जा रही है और वह पदक के पिछले 41 वर्षों के इंतजार को खत्म कर सकती है। धनराज ने 1992 से लेकर 2004 तक लगातार चार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि 23 जुलाई से शुरू होने वाले तोक्यो खेलों के लिए मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम की सबसे बड़ी पूंजी फिटनेस है। भारत ने आखिरी बार 1980 मॉस्को ओलंपिक खेलों में हॉकी में स्वर्ण पदक जीता था।

इस 52 वर्षीय खिलाड़ी ने हॉकी इंडिया की फ्लैशबैक सीरीज के अंतर्गत कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस बार पदक जीतने में सफल रहेंगे। वे पिछले पांच वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। फिटनेस उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। हमारे जमाने में वैसी सुविधाएं नहीं थी जो आज उनके पास है। उन्होंने कहा, इस टीम ने आश्चर्यजनक परिणाम दिए हैं। उसने हाल में विशेषकर चैंपियन्स ट्राफी (2016 और 2018) तथा विश्व लीग फाइनल्स (2015 और 2017) में अपने प्रदर्शन से लाखों लोगों का दिल जीता है। कोविड–19 के कड़े दिशानिर्देशों के कारण धनराज टीम से नहीं मिल पाए। उन्होंने मनप्रीत और महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल को पत्र लिखकर तोक्यो में सफलता की शुभकामना दी। उन्होंने कहा, मैं बेंगलुरू में हूं और मुझे उनसे मिलकर अच्छा लगता लेकिन प्रोटोकॉल के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाया। मैंने उन्हें पत्र भेजकर उन्हें शुभकामनाएं भेजी है। मैं उन्हें यह बताना चाहता हूं कि जब वे ओलंपिक गांव में रहें तो अपने खानपान के प्रति सतर्क रहें। उन्होंने कहा, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि उन्हें शांतचित और सहज रहकर अपने खेल जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दौर का आनंद उठाना चाहिए। धनराज ने कहा, पुरुष और महिला टीमों से मैं कहना चाहता हूं कि वे पदक जीतने के बारे में नहीं सोचें। वे मैच दर दर आगे बढें और आखिर तक एक इकाई के तौर पर एकजुट रहें। हमने हर ओलंपिक खेलों में यह गलती की कि हमने मैच दर मैच आगे बढ़ने के बजाय फाइनल को लक्ष्य बनाया।

वरुण, सिमरनजीत, रीना व नमिता को भारतीय हाकी टीम में मिला मौका

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से कोविड–19 महामारी के कारण टीम खेलों में दो अतिरिक्त खिलाड़ियों को रखने की अनुमति मिलने के बाद डिफेंडर वरुण कुमार और मिडफील्डर सिमरनजीत सिंह को तोक्यो ओलंपिक खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम में शामिल किया गया है। हॉकी इंडिया ने इससे पहले पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए 16 16 सदस्ईय टीम का चयन किया था लेकिन अब दोनों टीमों में दो दो अतिरिक्त खिलाड़ी जोड़ दिए गए हैं। वरुण और सिमरनजीत को जहां पुरुष टीम में जगह मिली है वहीं डिफेंडर रीना खोकर और अनुभवी मिडफील्डर नमिता टोप्पो को महिला टीम में शामिल किया गया है। सूत्रों ने कहा, वरुण और सिमरनजीत को टीम में शामिल किया गया है और अब यह 18 सदस्ईय टीम होगी। वे भले ही अतिरिक्त खिलाड़ी हैं लेकिन आईओसी के तोक्यो 2020 के लिए विशेष दिशानिर्देशों के तहत वे प्रत्एक मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। ओलंपिक की हॉकी टीमों में परंपरागत रूप से 16 खिलाड़ी शामिल होते हैं लेकिन आईओसी ने कोविड–19 के कारण बदली परिस्थितियों में प्रत्एक भागीदार देश को दो अतिरिक्त खिलाड़ियों का चयन करने की अनुमति दी है। आईओसी के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, हैंडबॉल, रग्बी और वॉटर पोलो के प्रत्एक मैच में वैकल्पिक खिलाड़ी को स्थाई खिलाड़ी की जगह उतारा जा सकता है। पूर्व में ओलंपिक खेलों में कुछ स्टैंड बाई खिलाड़ी टीम के साथ दौरे पर जाते थे लेकिन किसी खिलाड़ी के चोटिल होने के कारण स्थाई तौर पर बाहर होने तक वह खेलों में भाग नहीं ले सकते थे।

खेल मंत्री ने भारतीय ओलंपिक दल का आधिकारिक गीत लांच किया

नई दिल्ली। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने देश के ओलंपिक दल का चीयर–इंडिया गीत बुधवार को लांच किया और लोगों से तोक्यो ओलंपिक खेलों के दौरान खिलाड़ियों का समर्थन करने की अपील की। ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार ए आर रहमान और युवा गायिका अनन्या बिरला ने मिलकर तोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय दल के आधिकारिक गीत तैयार किया जिसका शीर्षक चीयर4इंडिया : हिन्दुस्तानी वे है। ठाकुर ने कहा, मैं सभी देशवासियों से इस गीत को सुनने और साथियों से इसे शेयर करने तथा तोक्यो ओलंपिक के लिए पूरे भारतीय दल के लिए यह दिखाने के लिए चीयर करने का भी अनुरोध करता हूं कि हम आपके साथ हैं। उन्होंने रहमान और अनन्या का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने कोविड–19 महामारी के इतने मुश्किल समय में इस गीत को तैयार किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि टीम इंडिया का आधिकारिक चीयर गीत पिछले 18 महीनों में सभी शेयरधारकों के कठिन परिश्रम को दर्शाता है। राज्य मंत्री (खेल) निशीथ प्रमाणिक, खेल सचिव रवि मित्तल, भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान और आईओए महासचिव राजीव मेहता भी इस मौके पर मौजूद थे।

क्विक न्यूज

शतरंज विश्व कप: गुकेश दूसरे दौर में

सोच्चि। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने पोलैंड के पावेल टेक्लाफ को टाईब्रेकर में हराकर फिडे विश्व कप शतरंज टूर्नामेंट के पुरूषो के वर्ग के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दो गेम का मिनी मैच मंगलवार को 1-1 से ड्रॉ पर खत्म हुआ था। टाइब्रेकर में गुकेश ने पहला गेम जीता और दूसरे में ड्रॉ खेला। भारत के आर प्रग्गानानंधा, निहाल सरीन , पी इनियान, बी अधिबान , अरविंद चिदंबरम दूसरे दौर में पहले ही पहुंच चुके है। विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा को पहले दौर में बाय मिला था। महिला वर्ग मे पद्मिनी राउत, आर वैशाली, भक्ति कुलकर्णी पहले दौर में जीत दर्ज करने मे कामयाब रही। डी हरिका भी दूसरे दौर में पहुंच गई।

पीजीए प्रतियोगिता से पहले कोविड से संक्रमित पाए गए दो गोल्फर

निकलसविले (अमेरिका)। टेड पूडी और क्रिस काउच कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण पीजीए टूर की प्रतियोगिता बार्बासोल गोल्फ चैंपियनशिप से बाहर हो गए। इस तरह से पिछले 12 दिनो मे चार गोल्फरो को इस वायरस से संक्रमित पाया गया है। बार्बासोल चैंपियनशिप अप्रैल में वलस्पार चैंपियनशिप के बाद पहली ऐसी प्रतियोगिता होगी जिसमें इतने खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आया है। पूडी और काउच की जगह एरिक एक्सली और सिमली कॉफमैन को इस चैंपियनशिप में खेलने का मौका दिया गया है। इन दोनों से पहले जॉक जॉनसन का कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया था जिसके कारण उन्हे ब्रिटिश ओपन से हटना पड़ा। हिदेकी मात्सुयामा का रॉकेट मॉर्टिज क्लासिक के पहले दौर के बाद परीक्षण पॉजिटिव आया था। वह भी बाद मे ब्रिटिश ओपन से हट गए थे।

ममता ने जिम्नास्ट प्रणति नायक को ओलंपिक में सफलता की शुभकामना दी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जिम्नास्ट प्रणति नायक को आगामी तोक्यो ओलंपिक खेलों में सफलता के लिए शुभकामना दी। प्रणति इन खेलो में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय जिम्नास्ट है। वह पश्चिम बंगाल में पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के पिंगला की रहने वाली है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, प्रणति नायक को हार्दिक बधाई जो ओलंपिक 2021 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र जिम्नास्ट है। उन्होंने लिखा, प्रणति मेदिनीपुर के एक छोटे कस्बे की रहने वाली है। अपनी कड़ी मेहनत के दम पर उसने पहले ही कई सम्मान हासिल किए है और मुझे इस बार भी उसकी सफलता का भरोसा है। छब्बीस वर्षीय प्रणति एक बस कंडक्टर की बेटी है। वह दीपा कर्माकर के बाद ओलंपिक खेलो के लिए क्वालीफाई करने वाली दूसरी भारतीय महिला जिम्नास्ट है।

ओडिशा के मुख्य कोच बने जाफर

कटक। भारत के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज और घरेलू क्रिकेट के दिग्गज वसीम जाफर को आगामी घरेलू सत्र के लिए बुधवार को ओडिशा की सीनियर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। ओडिशा क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुब्रत बहेड़ा ने पीटीआई से कहा, वह (जाफर) मुख्य कोच होंगे। उनसे दो साल का करार किया गया है। संघ की क्रिकेट सलाहकार समिति की बैठक के बाद यह फैसला किया गया। जाफर राज्य के पूर्व कप्तान रश्मि रंजन परीदा की जगह लेंगे जो दो सत्र तक टीम के साथ थे। बहेड़ा ने बयान में कहा, सभी आयु ग्रुप के क्रिकेट विकास के अलावा वह (जाफर) राज्य में कोचों के विकास कार्यक्रम का हिस्सा भी होंगे। रणजी ट्राफी में सर्वाधिक रन जुटाने वाले जाफर दूसरी बार किसी राज्य टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

टोक्यो में तीरंदाजों पर होगी टेन की बरसात

नई दिल्ली। सभी तीरंदाज प्रतियोगिता मे परफेक्ट 10 के स्कोर पर निशाना साधने के लिए ट्रेनिंग करते है और आगामी तोक्यो ओलंपिक में वे चाहे जितने भी बार बुल्स आइ (परफेक्ट 10) निशाना लगाएं उन्हे युमेनोशिमा पार्क पर हर बार तीर छोड़ने के बाद टेन (10) ही सुनाई देगा। प्रत्एक तीरंदाज का लक्ष्य अधिक से अधिक बार 10 अंक जुटाना होता है। जापानी भाषा में हालांकि अंक को टेन कहते हैं और ऐसे मे तीरंदाज चाहे कितने भी अंक जुटाएं उन्हे आखिर में यह जादुई अंक सुनने को मिलेगा। प्रत्एक तीर चलाने के बाद अंक की घोषणा की जाती है। तीरंदाजी में अंक की घोषणा करने वाले अधिकतर समय अंग्रेजी मे अंक (प्वाइंट) शब्द नही बोलते लेकिन जापानी में अलग अलग अंको का उच्चारण समान लगता है और ऐसे में प्रतियोगिता के दौरान टेन का इस्तेमाल करना लगभग अनिवार्य है। जापानी भाषा मे 10 को जू जबकि नौ को क्यू और आठ को हाची बोलते हैं।

शिवाजी बनर्जी को मरणोपरांत मोहन बागान रत्न

कोलकाता। पेले की कप्तानी वाले कोस्मोस क्लब के खिलाफ यहां 1977 मे नुमाइशी फुटबॉल मैच खेलने वाले भारत के पूर्व गोलकीपर शिवाजी बनर्जी को मरणोपरांत मोहन बागान रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। क्लब की कार्यकारी समिति के सदस्यो ने फीजी के स्ट्राइकर रॉय कृष्णा को वर्ष 2020 . 21 का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना जिनके शानदार प्रदर्शन के दम पर एटीके मोहन बागान इंडियन सुपर लीग मे उपविजेता रहा। बंगाल के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मे 100 मीटर बाधा दौड़ और ऊंची कूद जीतने वाली बिदिशा कुंडू को सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया।

अपने भाग्य की चित्रकारी

'मधुरा दत्ता' अलग-अलग पीढ़ियों के दो पटचित्र कलाकारों, स्वर्ण चित्रकर और ममोनी चित्रकार की कहानी साझा कर रही हैं, जो इस बात के सशक्त उदाहरण हैं कि कैसे प्रतिकूल स्थिति स्व-सशक्तिकरण की सहज इच्छा को जन्म दे सकती है।

ममोनी चित्रकार का जन्म पश्चिम मेदिनीपुर के नया नामक गांव में पारम्परिक पटचित्र कलाकारों के एक मुस्लिम समुदाय में हुआ था। पटचित्र चित्रित स्क्रॉल के माध्यम से कहानी कहने का एक लोक रूप है, जिसे कलाकार कथा गाते समय फहराते हैं। एक अनूठी मौखिक परंपरा होने के बावजूद, 20 साल पहले भी इसके लिए कुछ बाजार थे। ममोनी के परिवार ने एक गंभीर आर्थिक संकट का अनुभव किया क्योंकि उनके कला रूप से आय असंगत थी। ममोनी की मां, स्वर्णा चित्रकार, एक मजबूत महिला थीं, जो लगातार मिट्टी की गुड़िया बनाकर और पटचित्रों को चित्रित करके, और जब भी अवसर मिलता है, एजेंटों के माध्यम से उन्हें बेचकर बाधाओं का मुकाबला करती थीं। हालांकि, गरीबी एक दुष्चक्र है, जिससे बाजारों द्वारा शोषण होता है, हाशिए पर जा रहा है।

ममोनी को बचपन से ही पेंटिंग का शौक था और वह रंग बनाने में अपनी मां की मदद करती थीं। उसके प्रारंभिक वर्ष स्कूल में, अपनी माँ से पेंटिंग सीखने और अपने दादा से पटचित्र गीत सुनने में व्यतीत हुए, जिसके माध्यम से उन्होंने लोक कथाएँ, स्थानीय मिथक और किवदंतियां सीखीं। वह छोड़े गए कागज, टिकट, पैम्फलेट एकत्र करती थी और अभ्यास करने के लिए उन पर पेंट करती थी।

हालांकि, पांच बहनों में सबसे बड़ी होने के कारण, उन्हें स्कूल छोड़ने और 14 साल की उम्र में शादी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 16 साल की उम्र में, उनका पहला बच्चा था, जो स्वास्थ्य समस्याओं के साथ पैदा हुआ था। रात में, वह शिक्षित और एक उपलब्धि हासिल करने का सपना देखती थी, लेकिन उसे पराजित होने के दर्द को दबाना पड़ा। हालाँकि उसके ससुराल वालों ने उसे आश्वासन दिया था कि वे उसे अपनी कला जारी रखने देंगे, लेकिन अभाव के कारण इन वादों को पूरा नहीं किया जा सका। उसका पति एक दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करता था, जो कि कम आय पर पूरा भोजन उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त नहीं था। चूंकि उसकी शादी उसके ही गांव में हुई थी, इसलिए उसकी मां थी, जो खुद एक मजबूत महिला होने के नाते, किसी तरह ममोनी के घर का समर्थन करती थी। ममोनी ने अपना अधिकांश खाली समय अपनी मां के घर पर बिताना शुरू कर दिया, अपने पेंटिंग कौशल को तेज किया और संबंधित गाने सीखे। यह बात उसके ससुराल वालों को मंजूर नहीं थी, लेकिन उसने हार नहीं मानी।

इस बीच, सतत और समावेशी सामुदायिक विकास के लिए संस्कृति का उपयोग करने वाले एक राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन, 'बंगलांतक.कॉम' के हस्तक्षेप ने पटचित्र लोक कलाकारों के लिए प्रशिक्षण

और प्रत्यक्ष बाजार संबंधों के अवसर लाए। इस गाँव के कुछ अन्य चित्रकारों के साथ, स्वर्णा ने एनजीओ के समर्थन के माध्यम से गरीबी और हाशिए से बाहर निकलने का रास्ता खोज लिया। आखिरकार, स्वर्णा ने खुद को एक विश्व-प्रसिद्ध कलाकार के रूप में स्थापित किया, अपने काम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया, किताबों का चित्रण किया, और फ्रांसीसी कलाकार आंद्रे सेवेरा के साथ मिलकर कैनवास पर एक साझा कथा का सह-निर्माण किया। वह कहती है कि यह आसान नहीं था, और उसके समाज ने उसकी यात्रा और स्वतंत्र जीवन शैली का समर्थन नहीं किया। लेकिन उन्होंने अपने जीवन को अपने तरीके से जीने और अन्य महिलाओं को एक चेंजमेकर के रूप में प्रेरित करने के लिए चुनी गई निंदाओं का खामियाजा भुगतना पड़ा।

चूंकि ममोनी एक उत्कृष्ट और भावुक कलाकार थीं, स्वर्णा ने उन्हें अपने पटचित्र कौशल का अनुसरण करके स्वतंत्र होने के लिए प्रोत्साहित किया। मामोनी ने अपनी मां को ताकत की एक मॉडल के रूप में रखते हुए, 19 साल की उम्र में एक कलाकार के रूप में कदम रखने का साहस जुटाया। उनकी यात्रा कोलकाता से शुरू हुई और जल्द ही उन्हें इटली और यूएसए में अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया गया। ममोनी कहती हैं, ''मुझे लगता है, एक बार जब एक महिला को पता चल जाता है कि वह क्या करने में सक्षम है, तो उसे उसके सपनों को हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। मेरे मामले में, मेरी उच्च शिक्षा की कमी, गरीबी, सामाजिक और पारिवारिक दबाव कोई मायने नहीं रखता था जब मैंने एक पेशेवर कलाकार बनने का मन बना लिया था। आज, मैं अपने समुदाय में कई लोगों के लिए प्रेरणा हूं।''

ममोनी की आर्थिक स्वतंत्रता और प्रसिद्धि ने उन्हें सामाजिक रूप से निर्धारित कर्तव्यों से मुक्ति दिलाई। एक प्रसिद्ध कलाकार, आज, 32 वर्ष की उम्र में, वह अपना परिवार चलाती है, अपने पति का समर्थन करती है, और अपने दो बच्चों, एक बेटे और एक बेटी की शिक्षा प्रदान करती है। उनकी यात्रा एक खूबसूरत मां-बेटी के रिश्ते का प्रतिनिधित्व करती है, दोनों अपने संकट से बचने के लिए पटचित्र के अपने पारंपरिक सांस्कृतिक रूप को पकड़े हुए हैं। ममोनी की मां स्वर्णा ने न केवल खुद को कठिनाई से बाहर निकाला बल्कि अपनी बेटी में भी वही प्रगतिशील रवैया डाला।

स्वर्णा कहती हैं, ''जब मुझे एक कलाकार के रूप में पहचान मिली, तो मुझे एहसास हुआ कि किसी के काम के लिए सफलता और मान्यता प्राप्त करना कितना महत्वपूर्ण है, खासकर महिलाओं के लिए। मैंने ठान लिया था कि मैं अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में मदद करने जा रही हूं, मैं उनकी प्रतिभा को बेकार नहीं जाने दूंगी। मैंने उसे पटचित्र पेंटिंग के लिए अपने प्यार को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया, तब भी जब उसके ससुराल वाले हतोत्साहित कर रहे थे, और आर्थिक रूप से भी उसकी मदद की। मुझे लगता है कि चेंजमेकर्स के लिए कल के नेता बनाना बहुत महत्वपूर्ण है, और मैं अपनी बेटी के लिए यही चाहता था। आज ममोनी एक स्थापित पटचित्र कलाकार हैं, वह मेलों और त्योहारों में जाती हैं, विदेश यात्रा करती हैं और इस सब के बीच मेरी खुशी और सफलता का हिस्सा है।''

दोनों महिलाएं, विभिन्न पीढ़ियों से, इस बात के सशक्त उदाहरण हैं कि कैसे प्रतिकूलता कला के साथ उनकी ताकत और प्रेरणा के साथ आत्म-सशक्तिकरण की सहज इच्छा पैदा कर सकती है।

पर्यावरण हितैषी संरचनाएं

'राहुल कादरी' विस्तार से बता रहे हैं कि कैसे स्थायी वास्तुकला को मुख्यधारा के संदर्भ में प्रासंगिक बनाया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार, वैश्विक ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन 1900 के दशक से लगातार बढ़ रहा है, जो 2019 में लगभग 59 गीगाटन के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ये उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन के प्राथमिक कारणों में से एक हैं, जिसके कारण पिछले कुछ दशकों में वैश्विक औसत 1.1 डिग्री सेल्सियस के साथ तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। इसने, बदले में, पारिस्थितिक तंत्र और प्राकृतिक आवासों को बदल दिया है, जिससे फसल की विफलताओं और जंगल की आग से लेकर घटती जल की आपूर्ति, समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और चरम मौसम की घटनाओं तक सब कुछ हो गया है।

इस तरह के उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान इमारतों और शहरों का होता है। 2006 के यूएनईपी के एक अध्ययन में बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर सभी ऊर्जा से संबंधित जीएचजी उत्सर्जन में इमारतों का हिस्सा 30 प्रतिशत तक है।

बढ़ते शहरीकरण के साथ – 2050 तक 2.5 बिलियन लोगों के शहरी क्षेत्रों में जाने की भविष्यवाणी की गई है – और जीवन स्तर में सुधार, साथ ही प्रति व्यक्ति ऊर्जा और संसाधनों की खपत में परिणामी वृद्धि, क्या हम अपने शहरों और इमारतों को कम करने के लिए डिज़ाइन, या फिर से डिज़ाइन कर सकते हैं हमारे कार्बन पदचिह्न और सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ दुनिया का निर्माण? स्थिरता दर्ज करें।

संवहनीयता क्या है?

जब जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों के लिए सक्रिय प्रतिक्रियाओं की बात आती है तो सस्टेनेबिलिटी को अक्सर जादू की गोली के रूप में देखा जाता है। लेकिन इसका क्या मतलब है और क्या यह हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक को हल कर सकता है?

व्यापक अर्थ में, भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए वर्तमान की विविध जरूरतों को पूरा करने के बारे में स्थिरता है। यह मानता है कि प्राकृतिक संसाधन समाप्त हो रहे हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए रूढ़िवादी और तर्कसंगत खपत को बढ़ावा देता है कि ये संसाधन ओवरटाइम बनाए रखें, हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के साथ-साथ उस पर निर्भर सामाजिक और आर्थिक मानव प्रणालियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए।

वास्तुकला और डिजाइन में, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में स्थिरता को एक चर्चा के रूप में कम कर दिया गया है और आज अक्सर हरे, ऊर्जा-कुशल, शुद्ध-शून्य और अधिक जैसे शब्दों के साथ भ्रमित होता है। इसके अलावा, कई रेटिंग तंत्रों और एजेंसियों जैसे कि आईजीबीसी, ग्रीह और लीड, और शहरी मध्यम वर्ग में बढ़ती पर्यावरणीय जागरूकता के साथ, स्थिरता को तेजी से एक मार्केटिंग नौटंकी के रूप में नियोजित किया जा रहा है। तो क्या छत पर सोलर पैनल वाली इमारत टिकाऊ है? लीड 5-सितारा रेटेड भवन के बारे में क्या? स्पेक्ट्रम के दूसरे छोर पर, क्या सभी टिकाऊ इमारतों का निर्माण मिट्टी और ईंट से किया जाना है? क्या कांच और कंक्रीट की इमारतें स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं?

प्रारूपण संवहनीयता

सतत डिजाइन एक जटिल अवधारणा है और इसे एक व्यापक लेंस के माध्यम से देखा जाना चाहिए। इसमें संरचनाओं का डिजाइन और निर्माण शामिल है जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए प्राकृतिक और मानव संसाधनों और ऊर्जा के उपयोग को कम करते हैं और अपने निवासियों को जीवन की उच्च गुणवत्ता प्रदान करते हैं।

स्थिरता प्रक्रिया के बारे में उतना ही है जितना कि यह उत्पाद के बारे में है और इसके सिद्धांतों को भवन के पूरे जीवन चक्र के माध्यम से पालन करना चाहिए – इसके प्रारंभिक डिजाइन और निर्माण, और उपयोग और रखरखाव से, इसके विध्वंस और इसके निर्माण सामग्री के पुन: उपयोग के लिए।

प्रक्रिया रणनीतिक रूप से चयनित साइट पर इमारत को इस तरह से रखने के साथ शुरू होती है जो इसे पानी के प्रवाह और पौधों और पेड़ों की वृद्धि और जीविका जैसी प्राकृतिक प्रक्रियाओं को बाधित करने के बजाय स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र के साथ एकीकृत करती है। इसलिए साइट पर पेड़ों को बचाना और उनके आसपास की इमारत को डिजाइन करना, या भूमि बंजर होने पर देशी वनस्पति लगाना हमेशा एक अच्छा विचार है, जो स्थानीय जैव विविधता को आकर्षित करता है और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को फिर से चालू करता है। आर्किटेक्ट्स और लैंडस्केप डिजाइनर गैर-छिद्रपूर्ण फ़र्श की मात्रा को कम करके या साइट पर उथले स्वेल्स (जल चैनल) या तालाब बनाकर साइट पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखते हैं ताकि वर्षा जल को भूजल एक्वीफर्स को रिचार्ज करने के लिए मिट्टी में रिसने की अनुमति मिल सके। इस तरह की रणनीतियाँ मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार कर सकती हैं, सिंचाई की ज़रूरतों को कम कर सकती हैं,

साथ ही एक आरामदायक माइक्रॉक्लाइमेट भी बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, जो घर पेड़ों से छायांकित होते हैं या छोटे जल निकायों को देखते हैं, वे भारत के गर्म गर्मी के महीनों के दौरान काफी ठंडे रहते हैं।

अगला कदम कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था और यांत्रिक ताप या शीतलन भार को कम करने के लिए अंदरूनी हिस्सों में प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन को अधिकतम करना है, इस प्रकार परिचालन लागत को कम करना और ऊर्जा की बचत करना। आमतौर पर जिसे 'निष्क्रिय सौर' डिज़ाइन कहा जाता है, के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, इसमें इमारत को इस तरह से डिजाइन करना शामिल होता है कि यह एक निश्चित क्षेत्र और जलवायु प्रकार के लिए गर्मी, प्रकाश और हवा की इष्टतम मात्रा को कैप्चर, रीडायरेक्ट और / या स्टोर करता है। निष्क्रिय सौर डिजाइन कई वास्तुशिल्प विकल्पों, उपकरणों और रणनीतियों को नियोजित करता है जैसे कि सूर्य के जवाब में भवन की ओरिएंटेशन, दीवारों की मोटाई और द्रव्यमान, खिड़कियों और दरवाजों के आकार और स्थान, इन्सुलेशन जैसे कारकों के आधार पर।

एक इमारत के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए अक्सर निष्क्रिय सौर डिजाइन के संयोजन के साथ उपयोग की जाने वाली अन्य रणनीतियां सक्रिय सौर हैं जैसे कि फोटोवोल्टिक पैनल स्थापित करना, जो सौर ऊर्जा को कैप्चर करने और इसे यांत्रिक या विद्युत माध्यमों के माध्यम से उपयोग करने या अन्य नवीकरणीय उपयोग करने पर आधारित होते हैं। पवन या भूतापीय जैसी ऊर्जा प्रणालियाँ। उपयोग के लिए वर्षा जल संचयन के साथ-साथ भवन से उत्पन्न सभी अपशिष्ट जल और अपशिष्ट के उपचार और/या पुन: उपयोग के लिए सिस्टम भी स्थापित किए जा सकते हैं। प्रत्येक सामग्री या उत्पाद का मूल्यांकन करना भी महत्वपूर्ण है जिसका उपयोग किसी भवन में अवशोषित ऊर्जा/कार्बन के परिप्रेक्ष्य में किया जाता है, जो कुल ऊर्जा की खपत, या उत्पादन और वितरण के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाओं द्वारा उत्पन्न कुल त्न ।।त्न उत्सर्जन को संदर्भित करता है। एक सामग्री या उत्पाद। इसलिए प्राकृतिक और स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों में भारी मात्रा में संसाधित सामग्री की तुलना में कम ऊर्जा और कार्बन होता है, जिसे दूर से ले जाना पड़ता है, और इसलिए, उनके उपयोग और पुन: उपयोग को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सभी भवनों का पर्यावरण पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ेगा। वे कुछ ऊर्जा की खपत करेंगे और कुछ अपशिष्ट और कार्बन उत्सर्जन उत्पन्न करेंगे। विचार यह है कि जितना हो सके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जाए – ऊर्जा की जरूरतों को कम करने और अक्षय ऊर्जा स्रोतों के साथ उन कम जरूरतों को पूरा करने के लिए। कचरे को कम करने के लिए और इसके बजाय हम जो कर सकते हैं उसका पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण करें, और इसके माध्यम से, एक इमारत के जीवन चक्र से जुड़े जीएचजी उत्सर्जन को कम करें।

शहरी भविष्य

इमारतें, हालांकि, एकाकी रूप में मौजूद नहीं हैं। वे एक बहुत बड़े पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं और स्थिरता के विचार को एकीकृत किया जाना चाहिए कि हम अपने शहरों को कैसे डिजाइन और योजना बनाते हैं – हमारे शहरों को क्या शक्तियां, संसाधन और सार्वजनिक सेवाएं कैसे वितरित की जाती हैं, और हम कचरे का प्रबंधन कैसे करते हैं। जैसा कि हम भविष्य के लिए निर्माण करते हैं, हमें अपने निर्मित वातावरण में लचीलापन और आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करना चाहिए। एक ऐसे पड़ोस की कल्पना करें जहां आप अपने दरवाजे से 500 मीटर के दायरे में अपनी जरूरत की हर चीज तक पहुंच सकें – स्कूलों और अस्पतालों से लेकर बगीचों और साप्ताहिक किसान बाजारों तक, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सभी सार्वजनिक सुविधाओं और सुविधाओं के साथ एक आत्मनिर्भर इकाई; एक इकाई जिसे आसानी से प्रशासित किया जा सकता है और जहां निवासी काम करने, सीखने, खरीदारी करने और खेलने के लिए चलने या साइकिल चलाने में सक्षम होंगे।

इस तरह के स्मार्ट-पड़ोस यात्रा के समय और नियमित अंतर-पड़ोस यात्राओं की आवश्यकता को कम कर सकते हैं, जिससे शहरों से जुड़े कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण के उच्च स्तर को कम किया जा सकता है। वे संसाधनों और सेवाओं के अनुकूलन, प्रभावी लागत और अपव्यय को कम करना भी सुनिश्चित कर सकते हैं। पेरिस पहले से ही इस विचार का परीक्षण कर रहा है और '15 मिनट का शहर' बनने पर काम कर रहा है। मेलबर्न और मिलान भी हैं।

भवन क्षेत्र, निस्संदेह, जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए भारी क्षमता रखता है – और अपेक्षाकृत कम लागत पर। लेकिन जब आर्किटेक्ट और डिजाइनर जागरूक ग्राहकों के लिए एकवचन टिकाऊ इमारतों या विकास पर काम करते हैं, तो उनके प्रयासों का प्रभाव सीमित होगा। बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। हमें निर्माण उद्योग में व्यापक नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है जो सतत विकास को प्रोत्साहित करें और बुरी प्रथाओं को हतोत्साहित करें ताकि स्थिरता को मुख्यधारा के अभ्यास में एकीकृत किया जा सके – और पड़ोस और शहर के स्तर पर। हमें याद रखना चाहिए कि आज हम जिन इमारतों और शहरों को डिजाइन करेंगे, वे आने वाले वर्षों में ऊर्जा की खपत और उत्सर्जन के पैटर्न को आकार देंगे। तो चलिए अब शुरू करते हैं। जलवायु घड़ी टिक रही है।

(लेखक आईएमके आर्किटेक्ट्स में एक भागीदार और प्रमुख वास्तुकार हैं, जो 1957 में स्थापित एक वास्तुकला और शहरी डिजाइन अभ्यास है, जिसका बेस मुंबई और बेंगलुरु में है।)